रजिस्ट्री सं. डी. (डी. एन.)—73 REGISTERED No. D. (D.N.)—73

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 7] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 13, 1982/माघ 24, 1903
No. 7] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 13, 1982/MAGHA 24, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1982

का०आ० 546—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उप-धारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा वुल्कन लेवल लिमिटेड के कथित अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या-483/70) के निरसतीकरण को अधिसूचित करती है ।

[संख्या 22/19/79-एम-1/एम-3]
चन्द्रकान्त खुशालदास, निदेशक

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 3rd February, 1982

S.O. 546.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies & Restrictive Trade Practices Act 1969 (51 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. Vulcan-Laval Limited under the said Act (Certificate of Registration No 483/70)

[No. 22/19/79-M.I (M.III)]
C. KHUSHALDAS, Director

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1982

का०आ० 547—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में गृह मंत्रालय के निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है —

1 कार्यालय, पुलिस उप महानिरीक्षक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल रामपुर ।

2. कार्यालय, पुलिस उप महानिरीक्षक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, कलकत्ता ।

3 66वीं बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, भुवनेश्वर (उड़ीसा)

4 70वीं बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल)

[संख्या 12017/1/81-हिन्दी]
अशोक कुमार वर्मा, उप सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 1st February, 1982

S.O. 547.—In pursuance of sub-rule (4) of Rule 10 the Official Languages (Use for Official purposes of the Union Rules 1976, the Central Government hereby notifies the following offices of the Ministry of Home Affairs, the staff

whereof have acquired working knowledge of Hindi :—

1. Office of the Dy. Inspector General, C.R.P.F., Rampur.

2. Office of the Dy. Inspector General, C.R.P.F., Calcutta.

3. The Commandant 66 Battalion, C.R.P.F. Bhubaneswar (Orissa).

4. The Commandant 70 Battalion, C.R.P.F. Durgapur (West Bengal).

[No. 12017|1|81-Hindi]
A. K. VARMA, Dy. Secy.

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 2 फरवरी, 1982

का० आ० 548.—दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, इंदौर के वरिष्ठ एडवोकेट श्री एम० ए० खान को दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना से उत्पन्न नियमित मामला संख्या 5/76-जबलपुर अभियुक्त श्री वी० एस० बंथिया, आई० टी० ओ०, इंदौर द्वारा मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, बैंच, इंदौर में हायर अपील का संचालन करने के प्रयोजन के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

[सं० 225/4/82-ए०वी०डी० (ii)]
एच० के० वर्मा, अवर सचिव

(Department of Personnel and A. R.)

New Delhi, the 2nd February, 1982

S.O. 548.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of section 24 of the Gode of Criminal Procedure 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Shri M. A. Khan, Senior Advocate, Indore, as a Special Public Prosecutor for the purpose of conducting the appeal filed by accused Shri V. S. Banthia, ITO, Indore in the Madhya Pradesh High Court Bench, Indore, arising out of the Delhi Special Police Establishment Regular Case No. 5|76-Jabalpur.

[No. 225/4/82-AVD II]
H. K. VERMA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

का० आ० 549.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) योजना, 1970 की धारा 3 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के बाद उक्त धारा 3 की उपधारा (ब) (ङ) और (च) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की 4 नवम्बर, 1977 तथा 10 मार्च, 1978 की अधिसूचना संख्या एफ० 9/23/77-बी० ओ०-1 के अन्तर्गत नियुक्त निदेशकों के स्थान पर जनवरी, 1982 के 28वें दिन से प्रारम्भ होने वाली तथा जनवरी 1985 के 27वें दिन को समाप्त होने वाली 3 वर्षों की अवधि के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों को पंजाब नेशनल बैंक के निदेशकों के रूप में नियुक्त करती है :—

1. श्री कपिल भाटिया, सी-54 आनन्द निकेतन नई दिल्ली-110021.	उक्त बैंक के जमाकर्ताओं के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए धारा 3 की उपधारा (ब) के अनुसरण में।
2. डा० ए० एस० कहलन, डीन, कालिज आफ बेसिक साईंसिज एंड ह्यूमेनिटीज, पंजाब कृषि यूनिवर्सिटी 17-डी, सारभा नगर, लुधियाना (पंजाब)	किसानों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए धारा 3 की उपधारा (ङ) के अनुसरण में—
3. श्री रतन कौल, 'एवरेस्ट हाउस, जी० टी० रोड, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)	शिल्पकारों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए धारा 3 की उपधारा (ङ) के अनुसरण में।
4. श्री आर० के० सेठ, चार्टर्ड एकाउन्टेंट, 'लक्ष्मी बिल्डिंग, 16/103, बी माल, कानपुर (उत्तर प्रदेश)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
5. श्री जवाहरलाल ओसवाल, अध्यक्ष, ओसवाल वूलन मिल्स लिमिटेड, जी० टी० रोड, शेरपुर, लुधियाना-141003 (पंजाब)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
6. श्री गोपेश्वर, सामाजिक कार्यकर्ता, 26 के रोड, पोस्ट बाक्स 108, जमशेदपुर-831001 (बिहार)	धारा 3 की उप धारा (च) के अनुसरण में।
7 श्री कमल के० सिंह, अध्यक्ष तथा प्रबंधक निदेशक रोल्टा कंप्यूटर एंड इंडस्ट्रीज (प्रा०) लिमिटेड, 17वां तल, मेकर टावर, 'एफ', कूफ परेड बम्बई-400005 (महाराष्ट्र)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
8. डा० भानु प्रसाद बी० पांड्या, निदेशक, इंडियन रिसर्च सोसाइटी, 5 आनन्दधाम सोसाइटी न्यू वाडाज, अहमदाबाद-380013 (गुजरात)	धारा 3 की उप धारा (च) के अनुसरण में।

[स एफ० 9/27/8-बी० ओ०-I]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 27th January, 1982

S.O.549.—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons as Directors of the Punjab National Bank for a period of three years commencing on the 28th day of January, 1982 and ending with the 27th day of January, 1985, in the place of the Directors appointed under the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Bank

(Division) No. F. 9/23/77-B.O. dated the 4th November, 1977 and 10th March, 1978 to represent the interests of the persons specified in sub-clauses (d), (e) and (f) of the said clause 3:—

1. Shri Kapil Bhatia, C-54, Anand Niketan, New Delhi-110021.	Representing the interests of depositors of the said Bank—in pursuance of sub-clause (d) of clause 3.
2. Dr. A.S. Kahlon, Dean, College of Basic Sciences & Humanities, Punjab Agricultural University, 17-D, Sarabha Nagar, Ludhiana (Punjab)	Representing the interests of farmers—in pursuance of subclause (e) of clause 3.
3. Shri Rattan Kaul, "Everest" House, G.T. Road, Ghaziabad (Uttar Pradesh)	Representing the interests of artisans—in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.
4. Shri R.K. Seth, Chartered Accountant, 'Lakshmi Building', 16/103, The Mall, Kanpur (Uttar Pradesh)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
5. Shri Jawahar Lal Oswal, Chairman, Oswal Woollen Mills Ltd., G.T. Road, Sherpur, Ludhiana-141003. (Punjab)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
6. Shri Gopeshwar, Social Worker, 26 K Road, Post Box-108, Jamshedpur-831001 (Bihar)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
7. Shri Kamal K. Singh Chairman and Managing Director, Rolta Computer and Industries (P) Ltd., 17th Floor, Maker Tower 'F', Cuffe Parade, Bombay-400005 (Maharashtra)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
8. Dr. Bhanuprasad V. Pandya, Director, Indian Research Society, 5, Anand Dham Society New Wadaj, Ahmedabad-380013 (Gujarat)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.

[No. F. 9/27/81-BO. I]

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1982

का० आ० 550—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) योजना, 1970 की धारा 3 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के बाद उक्त धारा 3 की उपधारा (घ), (ङ) और (च) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, वार्षिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की 4 नवम्बर, 1977 और 30 दिसम्बर, 1977 की अधिसूचना संख्या, 9/24/77-बी० ओ०-1 के अन्तर्गत नियुक्त निदेशकों के स्थान पर जनवरी 1982 के 29वें दिन से प्रारम्भ होने वाली तथा जनवरी 1985 के 28वें दिन को समाप्त होने वाली 3 वर्षों की अवधि के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों को बैंक आफ बड़ौदा के निदेशकों के रूप में नियुक्त करती है:—

1. श्री भाग सिंह, भूतपूर्व निदेशक, पंजाब मार्कफेड ग्राम—रामपुर कलां निकट छतबीर, जिला : पटियाला (पंजाब)	उक्त बैंक के जमाकर्ताओं के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए—धारा 3 की उपधारा (घ) के अनुसरण में।
2. श्री सी० रामकृष्ण 7, टेलर्स रोड किलपौक, मद्रास-600010, (तमिलनाडु)	किसानों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए—धारा 3 की उपधारा (ङ) के अनुसरण में।
3. श्री वीरेंद्र मेहता, मैसर्स फोटो गुड्स सर्विस 6465 कटरा बरयान, दिल्ली-110006	शिल्पकारों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए—धारा 3 की उपधारा (ङ) के अनुसरण में।
4. श्री पी० के० चौकसी, चार्टर्ड एकाउन्टेंट, प्राईस वाटरहाउस एंड कंपनी, बी-3/1, गिलन्डर हाउस, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-700001, (पश्चिम बंगाल)	धारा 3 की उपधारा (घ) के अनुसरण में।
5. श्री नरेन्द्र आई० भूआ, प्रबंध निदेशक, इंडो—निप्पन कैमिकल्स कं० लि०, मेकर भवन नं० 2, 18, न्यू मेरीन लाइन्स, बम्बई-400020, (महाराष्ट्र)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
6. श्री बंसीलाल मेहता, 19, राजेंद्र पार्क, पूसा रोड, नई दिल्ली-110060	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
7. श्री के० एस० तारगी, एडवोकेट, लोंग व्यू, टल्लीताल, नैनीताल, (उत्तर प्रदेश)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
8. श्री हजारी लाल शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता, 44/1, केशव नगर, सिविल लाइंस, जयपुर, (राजस्थान)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।

[सं० एफ० 9/28/81-बी० ओ०-I]

New Delhi the 28th January, 1982

S.O.550—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons as Directors on the Bank of Baroda for a period of three years commencing on the 29th January, 1982 and ending with the 28th day of

Ja ary, 1985, in the place of the Directors appointed under the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) No.F. 9/24/77-BO.I, dated the 4th November, 1977 and 30th December, 1977 to represent the interests of the persons specified in sub-clauses (d), (e) and (f) of the said clause 3:—

1. Shri Bhag Singh, Ex-Director, Punjab MARKFED, Village Rampur Kalan, Near Chhatbir, Distt. Patiala. (Punjab)	Representing the interests of depositors of the said Bank—in pursuance of sub-clause (d) of clause 3.
2. Shri C. Ramakrishna, 7,Taylors Road, Kilpauk, Madras-600010. (Tamil Nadu)	Representing the interests of farmers—in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.
3. Shri Virinder Mehta, M/s. Photo Goods Service, 6465, Katra Baryan, Delhi-110006.	Representing the interests of artisans—in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.
4. Shri P.K. Choksey, Chartered Accountant, Price Waterhouse & Co. B-3/1, Gillander House, Netaji Subhas Road, Calcutta-700001. (West Bengal)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
5. Shri Narendra I. Bhuva, Managing Director, Indo-Nippon Chemical Co. Ltd., Maker Bhavan No. 2, 18, New Marine Lines, Bombay-400020. (Maharashtra)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
6. Shri Bansi Lal Mehta, 19, Rajendra Park, Pusa Road, New Delhi-110060	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
7. Shri K.S. Taragi, Advocate, Long View, Tallital, Nainital. (Uttar Pradesh)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
8. Shri Hazarilal Sharma, Social Worker, 44, Keshva Nagar, Civil Lines, Jaipur (Rajasthan)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.

[No. F. 9/28/81-BO.I]

का०आ० 551.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबंध) योजना, 1970 की धारा 3 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के बाद उक्त धारा 3 की उपधारा (घ), (ङ) और (च) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की 4 नवम्बर, 1977 की अधिसूचना संख्या एफ० 9/31/77-बी०ओ०I के अंतर्गत नियुक्त निदेशकों के स्थान पर जनवरी, 1982 के 29वें दिन से प्रारम्भ होने वाली तथा जनवरी, 1975 के 28वें दिन को समाप्त होने वाली 3 वर्षों की अवधि के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों को इलाहाबाद बैंक के निदेशकों के रूप में नियुक्त करती है :—

1 श्री बन्धु महतो, ग्राम—कापन डाकघर—सिंघिया घाट, जिला—समस्तीपुर (बिहार)	उक्त बैंक के जमाकर्ताओं के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए—धारा 3 की उपधारा (घ) के अनुसरण में।
2 श्री दिनेश चन्द्र बर्मन, कृषक, ग्राम—बाहोपाक पोस्ट—जीरानपुर जिला—कूच बिहार, (पश्चिम बंगाल)	किसानों के हितों के प्रतिनिधित्व करने के लिए—धारा 3 की उपधारा (ङ) के अनुसरण में।
3 श्री एच०के० बंसल, दी कैलाश कारपेट कम्पनी, धौलपुर हाउस, आगरा-283001 (उत्तर प्रदेश)	शिल्पकारों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए—धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
4 श्री पी०के० मलिक, चार्टर्ड एकाउन्टेंट, बी-3/1, गिलन्डर हाउस, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-700001 (पश्चिम बंगाल)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
5 श्री रामेश्वर पाण्डेय सामाजिक कार्यकर्ता, पोस्ट आफिस-रामगढ़ कैन्ट जिला—हजारी बाग-829122 (बिहार)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
6 श्री गुलाम रसूल कार, न्यू कालोनी सोपोर, कश्मीर-193201 (जम्मू तथा काश्मीर)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
7 श्री सोहन मेहरा, इन्दौर समाचार, 17, न्यू देवास रोड, पोस्ट बाक्स नं० 228, इन्दौर-452003 (मध्य प्रदेश)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।

[स० एफ० 9/35/81-बी०ओ०-I]

S.O. 551.—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons as Directors of the Allahabad Bank for a period of three years commencing on the 29th day of January, 1982 and ending with the 28th day of January, 1985, in the place of the Directors appointed under the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs

(Banking Division) No. F.9/31/77-BO.I., dated the 4th November, 1977 to represent the interests of the persons specified in sub-clauses (d), (e) and (f) of the said clause 3 :—

1. Shri Bandhu Mahto, Village Kapan, P.O. Singhia Ghat, Distt. Samastipur (Bihar)	Representing the interests of depositors of the said Bank—in pursuance of sub-clause (d) of clause 3.
2. Shri Dinesh Chandra Barman, Agriculturist, Village Baropak, Post Jiranpur, Distt. Cooch Behar (West Bengal)	Representing the interests of farmers—in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.
3. Shri H. K. Wattal, The Kailash Carpet Co., Dholpur House, Agra-282001 (Uttar Pradesh)	Representing the interests of artisans—in pursuance of sub-clause (e) of clause 3
4. Shri P. K. Mallik, Chartered Accountant, B-3/1 Gillander House, Netaji Subhas Road, Calcutta-700001 (West Bengal)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
5. Shri Damodar Pandey, Social Worker, P.O. Ramgarh Cantt., Distt. Hazaribagh-829122 (Bihar)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
6. Shri Ghulam Rasool Kar, New Colony Sopore, Kashmir-193201 (Jammu & Kashmir)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
7. Shri Sohan Mehta, Indore Samachar, 17, New Dewas Road, Post Box No. 228, Indore-452003 (Madhya Pradesh)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.

[No. 9/35/81—B.O. I]

का०आ० 552.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) योजना, 1970 की धारा 3 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के बाद, उक्त धारा 3 की उपधारा (घ) (ड) और (च) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की 17 अक्तूबर, 1977 और 6 दिसम्बर, 1977 की अधिसूचना संख्या एफ० 9/33/77-बी०ओ०-I के अंतर्गत नियुक्त निदेशकों के स्थान पर जनवरी, 1982 के 29वें दिन से प्रारम्भ होने वाली तथा जनवरी, 1985 के 28वें दिन को समाप्त होने वाली 3 वर्षों की अवधि के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों को बैंक आफ महाराष्ट्र के निदेशकों के रूप में नियुक्त करती है :—

1. ब्रिगेडियर एन०एन० मदान (सेवानिवृत्त) ए-11/6, बसंत बिहार, नयी दिल्ली-110057	उक्त बैंक के जमाकर्ताओं के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए—धारा 3 की उपधारा (घ) के अनुसरण में।
2. श्री ठाकुर भाई पटेल, एच-217, ग्रेटर कैलाश-II, नयी दिल्लीके	किसानों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए—धारा 3 की उपधारा (ड) के अनुसरण में।
3. मिस मेघा पाटिल, उपाध्यक्ष, महिला आर्थिक विकास महामण्डल लि०, सी०डी०ओ० बेरक न० 9, योगक्षीमा के सामने, मैडम कामा रोड, बम्बई-400020 (महाराष्ट्र)	शिल्पकारों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए—धारा 3 की उपधारा (ड) के अनुसरण में।
4. श्री पी०डी० दलाल, चार्टर्ड एकाउन्टेंट, मैसर्स पी०डी० दलाल एण्ड कम्पनी, पोस्ट बाक्स नं० 52, धूले (महाराष्ट्र)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
5. श्री ए०के० राव, निदेशक, दी इण्डियन मोलासिस कं० प्राइवेट लिमिटेड, 10-1-30, वलमायर अपलैण्डस, विशाखापट्टनम-3 (आंध्र प्रदेश)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
6. श्री सुरेश सी० अस्थाना, के-26, कैलाश कालोनी, नयी दिल्ली-110048	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
7. श्री वी०आर० छोशिंग, सामाजिक कार्यकर्ता, 18, जय भारत बिल्डिंग, के०जी० मार्ग, खेड गल्ली प्रभा देवी, बम्बई-400025 (महाराष्ट्र)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।

[एफ० सं० 9/37/81-बी०ओ०-I]

S.O.552.—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons as Directors of the Bank of Maharashtra for a period of three years commencing on the 29th day of January, 1982 and ending with the 28th day of January, 1985, in the place of the Directors appointed under the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division), No. F.9/33/77-BO.I., dated the 17th October, 1977 and 6th December, 1977 to represent the interests of the persons specified in sub-clauses (d), (e) and (f) of the said clause 3 :—

1. Brigadier N.N. Madan (Retd.), A-11/6, Vasant Vihar, New Delhi-110057	Representing the interests of depositors of the said Bank in pursuance of sub-clause (d) of clause 3.
2. Shri Thakor Bhai Patel, H-217, Greater Kailash-II, New Delhi	Representing the interests of farmers—in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.
3. Miss Megha Patil, Vice Chairman, Mahila Arthik Vikas Mahamandal Ltd., C.D.O. Barrack No. 9, Opp. Yogakshema, Madam Cama Road, Bombay-400020 (Maharashtra)	Representing the interest of artisans—in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.

4. Shri P D. Dalal, Chartered Accountant, M/s. P D Dalal and Co , Post Box No 52, Dhule (Maharashtra)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3
5 Shri A K Rao, Director, The Indian Molasses Co Pvt Ltd , 10-1-30, Waltair Uplands, Visakhapatnam-3 (Andhra Pradesh)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3
6 Shri Suresh C. Asthana, K-26, Kailash Colony, New Delhi-110048	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
7 Shri V R Hoshing, Social Worker, 18, Jal Bharat Building, K.G. Marg, Khed Gully Prabhadevi, Bombay-400025 (Maharashtra)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.

[No F 9/37/81-B O I.]

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1982

का० आ० 553—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध तथा प्रकीर्ण उपबंध) योजना 1980 की धारा 3 के अनुसरण में, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के बाद, भारत सरकार एतद्द्वारा जनवरी, 1982 के 30वें दिन से प्रारम्भ होने वाली तथा जनवरी, 1985 के 29वें दिन को समाप्त होने वाली तीन वर्षों की अवधि के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों को न्यू बैंक आफ इंडिया के निदेशकों के रूप में नियुक्त करती है —

1 श्री सुरिन्द्रजीत सिंह कुकु, सबीना होटल, बिल्डिंग, दि माल, भटिंडा (पंजाब)	उक्त बैंक के जमाकर्ताओं के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए —धारा 3 की उपधारा (घ) के अनुसरण में ।
2 श्री एम०एम० महाजन, अध्यक्ष, महाजन इंटरनेशनल, जी०टी० रोड, पानीपत (हरियाणा)	शिल्पकारों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए—धारा 3 की उपधारा (ङ) के अनुसरण में ।
3 श्री आर०के० खन्ना, सनदी लेखाकार, मैसर्स आर०के० खन्ना एण्ड कं०, बी-7/3, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-110002	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में ।
4 श्री दौलत राम नेगी, गांव व डाकखाना, निचर जिला किन्नौर (हिमाचल प्रदेश)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में ।
5 श्री कैलाश चन्द्र शर्मा 29, ओल्ड पैलसिया, बम्बई-आगरा रोड, इन्दौर-452001 (मध्य प्रदेश)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में ।
6 श्री अम्बिका प्रसाद शुक्ला, नीलम निकुंज, आसफाबाद, इटारसी (मध्य प्रदेश)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में ।
7 श्री एच०एन० त्रिवेदी, सामाजिक कार्यकर्ता, मजदूर कार्यालय कांग्रेस हाउस, बम्बई-400004 (महाराष्ट्र)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में ।

[सं० एफ० 9/41/81-बी०ओ०I]

New Delhi, the 30th January, 1982

S.O. 553—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1980, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints the following persons to be the Directors of New Bank of India, for a period of three years commencing on the 30th day of January, 1982 and ending with the 29th day of January, 1985 —

1 Shri Surinderjit Singh Kuku, Sabina Hotel Building, The Mall, Bhatinda (Punjab)	Representing the interests of depositors of the said Bank —in pursuance of sub-clause (d) of clause 3.
2 Shri M.M. Mahajan, Chairman, Mahajan International, G.T. Road, Panipat (Haryana).	Representing the interests of artisans—in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.
3 Shri R K. Khanna, Chartered Accountant, M/s. R K Khanna & Co , B-7/3, Asaf Ali Road, New Delhi-110002	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
4. Shri Daulat Ram Negi, Village & P.O. Nichar, District Kinnaur (Himachal Pradesh)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
5. Shri Kailash Chandra Sharma, 29, Old Palasia, Bombay-Agra Road, Indore-452001 (Madhya Pradesh)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3
6. Shri Ambika Prasad Shukla, Neelam Nikunj, Asfabad, Itarsi (Madhya Pradesh)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3
7 Shri H N. Trivedi, Social Worker, Mazdoor Karyalaya, Congress House, Bombay-400004 (Maharashtra)	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.

[No F.9/41/81-B O.I]

नई दिल्ली, 1 फरवरी 1982

का० आ० 554—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) योजना, 1970 की धारा 3 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के बाद, उक्त धारा 3 की उपधारा (ब), (ङ) और (च) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए भारत सरकार, वित्त मंत्रालय वार्षिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की 5 अक्तूबर, 1977 और 7 अगस्त, 1979 की अधिसूचना संख्या एफ० 9/2/77-बी० ओ०-I के अन्तर्गत नियुक्त निदेशकों के स्थान पर

फरवरी, 1982 के दूसरे दिन से प्रारम्भ होने वाली तथा फरवरी 1985 के पहले दिन को समाप्त होने वाली 3 वर्षों की अवधि के लिए निम्नलिखित व्यक्तियों को बैंक के निदेशकों के रूप में नियुक्त करती है :—

1 कुमारी काला एस० पंत, 28, शिवतीर्थ नं०-1, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-400026 (महाराष्ट्र)	उक्त बैंक के जमाकर्ताओं के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए धारा 3 की उपधारा (ग) के अनुसरण में।
2. श्री कालीदास एम० परमार, 26, न्यू कॉटन नगर, छिकनीवाला एस्टेट के पीछे, गोमतीपुर, अहमदाबाद (गुजरात)	किसानों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए धारा 3 की उपधारा (ङ) के अनुसरण में।
3 श्री मुरली डी० कानूरी, लक्ष्मी पोरसेलैस लि०, 6-3-680 बी, पंजागट्टा, हैदराबाद-500004 (आंध्र प्रदेश)	शिल्पकारों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए धारा 3 की उपधारा (ङ) के अनुसरण में।
4. श्री निदेश मेहता, चार्टर्ड एकाउंटेंट, दिनेश मेहता एंड कंपनी, बेरी लोज, दया नन्द मार्ग, दरियागंज, नयी दिल्ली-110002	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
5 श्री एस० एम० बफना, प्रबंध निदेशक, बफना माइनिंग कंपनी प्रा० लि०, दरिया महल, नं०-1, फ्लैट नं०-2, प्रथम तल, 80, नेपियन सी रोड, बम्बई-400006 (महाराष्ट्र)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
6. डा० सोम नाथ भान, आई० ए० एस० (सेवा-निवृत्त) 140-बालगार्डन, श्रीनगर (जम्मू तथा कश्मीर)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
7. श्री एस० एन० कोहली, प्रबंध निदेशक, एस०एन० कोहली एंड कं० प्रा०लि०, 2700, लोथियन रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली-110006	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।
8 श्री बी० चौधरी, सामाजिक कार्यकर्ता, एम० आई० रोड, जयपुर-302001 (राजस्थान)	धारा 3 की उपधारा (च) के अनुसरण में।

[सं० एफ० 9/32/81-बी० ओ०-I]
च० वा० मीरचंदानी, उप सचिव

New Delhi, 1st February, 1982

S.O. 554—In pursuance of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme 1970 the Central Government after consultation with the Reserve Bank of India hereby appoints the following persons as Directors of the Dena Bank for a period of three years commencing on the 2nd day of February 1982 and ending with the 1st day of February 1985 in the place of the Directors appointed under the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance Department of Economic Affairs (Banking Division) No. F. 9/28/77-BO-I dated 5th October, 1977 and 7th August 1978 to represent the interests of the persons specified in sub-clauses (d), (e) and (f) of the said clause 3 :—

1. Miss Kala S. Pant, 28, Shivtirth No. 1, Bulabhai Desai Road, Bombay-400026 (Maharashtra).	Representing the interests of depositors of the said Bank—in pursuance of sub-clause (d) of clause 3.
2. Shri Kalidas M. Parmar, 26, New Cotton Nagar, Behind Chhikniwala Estate, Gomtipur Ahmedabad, (Gujarat).	Representing the interests of farmers—in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.
3. Shri Murli D. Kanuri, Lakshmi Porcelains Ltd., 6-3-680/B, Punjagutta, Hyderabad-500004 (Andhra Pradesh).	Representing the interests of artisans—in pursuance of sub-clause (e) of clause 3.
4. Shri Dinesh Mehta, Chartered Accountant, Dinesh Mehta & Co., Bery Lodge, Daya Nand Marg, Darya Ganj, New Delhi-110002	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
5. Shri S.M. Bafna, Managing Director, Bafna Mining Co. Pvt. Ltd., Darya Mahal, No. 1, Flat No. 2, 1st Floor, 80, Nepean Sea Road, Bombay-400006 (Maharashtra).	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
6. Dr. Som Nath Bhan, IAS (Retd.) 140-Balgarden, Srinagar, (Jammu & Kashmir).	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
7. Shri S.N. Kohli, Managing Director, S. N. Kohli & Co. Pvt. Ltd., 2700, Lothian Road, Kashmere Gate, Delhi-110006	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.
8. Shri B. Choudhury, Social Worker, M.I. Road, Jaipur-302001. (Rajasthan).	In pursuance of sub-clause (f) of clause 3.

[No. F. 9/32/81-BO. I]
C.W. MIRCHANDANI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1982

का०आ० 555—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10 ख के उपबन्ध 31 मार्च

1983 तक बड़ी दोआब बैंक लिमिटेड होशियारपुर पर लागू नहीं होंगे।

[संख्या 15/1/82-बी०ओ-III]
एन० डी० बत्रा, अवर सचिव

New Delhi, the 4th February, 1982

S.O. 555.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India hereby declares that the provisions of section 10B of the said Act shall not apply to the Bari Doab Bank Ltd., Hoshiarpur, till the 31st March, 1983.

[No. 15|1|82-B.O.III]
N. D. BATRA, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1982

का०आ० 556—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिषद कर्मचारी (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1978 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम निर्यात निरीक्षण परिषद कर्मचारी (वर्गीकरण नियंत्रण और अपील) संशोधन नियम, 1982 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 निर्यात निरीक्षण परिषद कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1978 के नियम 6 के उपनियम (4) में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

"परन्तु किसी भी ऐसी और जांच के लिए आदेश तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक कि इसका आशय किसी ऐसी स्थिति का सामना करने के लिए न हो जिसमें कि न्यायालय ने मामले के गुणागुण पर विचार किए बिना केवल तकनीकी आधार पर आदेश पारित किया है।"

पाद टिप्पण :

मूल अधिसूचना का०आ० 42, ता० 7-1-78
पश्चात्वर्ती अधिसूचना का०आ० 1442, ता० 5-5-1979
पश्चात्वर्ती अधिसूचना का०आ० 1020, ता० 19-4-1980

[सं० 3(11)/76-ई०आई०एण्ड ई०पी०]

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 6th February, 1982

S.O. 556.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government hereby makes the following rules to amend the Export Inspection Council Employees (Classification, Control and Appeal) Rules, 1978, namely :—

1. (1) These rules may be called the Export Inspection Council Employees (Classification, Control and Appeal) Amendment Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Export Inspection Council Employees (Classification, Control and Appeal) Rules, 1978, to sub-Rule (4) of Rule 6, the following proviso shall be added, namely :—

"Provided that no such further inquiry shall be ordered unless it is intended to meet a situation where the Court has passed an order purely on technical grounds without going into the merits of the case."

FOOTNOTE

Principle Notification S. O. 42, dated 7-1-1978
Subsequent Notification S.O. 1442 dated 5-5-1979
Subsequent Notification S.O. 1020 dated 19-4-1980.

[No. 3(11)/76-EI&EP]

का०आ० 557.—केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण अभिकरण कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1978 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (i) इन नियमों का नाम निर्यात निरीक्षण अभिकरण कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) संशोधन नियम, 1982 है।

(ii) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. निर्यात निरीक्षण अभिकरण कर्मचारी (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1978 में (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) (1) नियम 2 में—

(क) खंड (ञ) में परिषद का अपर निदेशक शब्दों के स्थान पर निर्यात निरीक्षण अभिकरण का अपर निदेशक शब्द रखे जायेंगे।

(ख) खंड (ठ) में 'उप मुख्य कार्यपालक' शब्दों के स्थान पर 'अपर संयुक्त निदेशक' शब्द रखे जायेंगे।

(2) नियम 6 के उप-नियम (4) में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात:—

"परन्तु किसी भी ऐसी और जांच के लिए आदेश तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक कि उसका आशय किसी ऐसी स्थिति का सामना करने के लिए आशयित न हो जिसमें कि न्यायालय के गुणागुण पर विचार किए बिना केवल तकनीकी आधार पर आदेश पारित किया है।"

3 उक्त नियमों की अनुसूची में—"उपमुख्य कार्यपालक" शब्दों के स्थान पर जहां कहीं ये आते हैं "अपर संयुक्त निदेशक" शब्द रखे जायेंगे।

पाद टिप्पण :

मुख्य अधिसूचना का०आ० 43 दिनांक 7-1-78
परवर्ती अधिसूचना का०आ० 1443 तारीख 5-5-1979
" " का०आ० 2982 तारीख 1-9-79
" " का०आ० 1019 तारीख 19-4-80

[सं० 3(11)/76-नि०नि० तथा नि०उ०]
सी० बी० कुकरेती, संयुक्त निदेशक

S.O. 557.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) the Central Government hereby makes the following rules to amend the Export Inspection Agency Employees (Classification, Control and Appeal) Rules, 1978, namely :—

1. (i) These rules may be called the Export Inspection Agency Employees (Classification, Control and Appeal) Amendment Rules, 1982.

(ii) They shall come into force on their publication in the Official Gazette.

In the Export Inspection Agency Employees (Classification, Control and Appeal) Rules, 1978 (hereinafter referred to as the said rules) :—

(1) in rule 2,—

(a) in clause (j) for the words "Additional Director of the Council" the words "Additional Director of the Export Inspection Agency" shall be substituted.

(b) in clause (l) for the words "Deputy Chief Executive" the words "Additional Joint Director" shall be substituted.

2. to sub-rule (4) of rule 6, the following proviso shall added, namely :—

"Provided that no such further inquiry shall be ordered unless it is intended to meet a situation where the Court has passed an order purely on technical grounds without going into the merits of the case".

3. In the schedule to the said rules for the words "Deputy Chief Executive" wherever they occur, the words "Additional Joint Director" shall be substituted.

FOOTNOTES

Principle Notification S. O. 43 dated 7-1-1978.
Subsequent Notification S.O. 1443 dated 5-5-1979.
Subsequent Notification S.O. 2982 dated 1-9-1979.
Subsequent Notification S.O. 1019 dated 19-4-1980.

[No. 3(11)/76-EI&EP]

C. B. KUKRETI, Jt. Secy.

(मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली, 3 फरवरी 1982

का० आ० 558.—सर्वश्री गुजरात फिशरीज सेन्ट्रल कोआपरेटिव एसोसिएशन लिमिटेड अहमदाबाद को विश्व बैंक परियोजना के अंतर्गत हांगकांग से आउट बोर्ड मोटर की 1400 यूनिट के आयात के लिए 46,63,000 रुपए मूल्य के लिए एक आयात लाइसेंस सं० आई/सीजी 2031476/एस/आई ए/75/एच/80/सीजी-2/एलएस/दिनांक 26-7-80 जारी किया गया था। लाइसेंस धारी ने उक्त आयात लाइसेंस नियंत्रण प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति उनसे खो गई है। अपने तर्क के समर्थन में लाइसेंसधारी ने महानगरीय क्षेत्र अहमदाबाद के कार्यकारी मजिस्ट्रेट के सामने विधिवत्शपथ स्टाम्प पेपर पर एक शपथ पत्र भी दाखिल किया है। तदनुसार मैं संतुष्ट हूं कि आयात लाइसेंस सं० आई/सीजी/2031476/एस/आई ए/75/एच/80/सीजी-2/एलएस दिनांक 26 7.80 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति फर्म से खो गई है/अस्थानस्थ हो गई है।

2. यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 की उप-धारा 9(सी सी) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वश्री गुजरात फिशरीज, सेन्ट्रल कोआपरेटिव एसोसिएशन लि०, अहमदाबाद को जारी किए गए आयात लाइसेंस सं०आई/सीजी/2031476 दिनांक 26-7-80 की उक्त मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति एतद्द्वारा रद्द की जाती है।

3 उपर्युक्त आयात लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि लाइसेंसधारी को अलग से जारी की जा रही है।

[सं० सीजी-2/एफ ए एण्ड सी(6)/80-81/1247]

वी०के० मेहता, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्या०

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 3rd February, 1982

S.O. 558.—M/s. Gujarat Fisheries Central Co-operative Association Ltd., Ahmedabad were granted Import Licence No. I/CG/2031476/S/IA/75/H/80/CG(II)L.S. dated 26th July, 1980 for Rs. 46,63,000 (Rupees Fourty six lakhs, sixty three thousand only) for import of 1400 unit of Out Board Motor from Hong Kong under World Bank Project. The licensee have applied for issue of duplicate Exchange Control Copy of the above mentioned import licence on the ground that the original E.C. copy has been lost. In support of their contention the licensee has filed an Affidavit on stamped paper duly sworn in before an Executive Magistrate Metropolitan Area, Ahmedabad in this regard. I am accordingly satisfied that the original E.C. copy of import licence No. I/CG/2031476 dated 26th July, 1980 has been lost or misplaced by the firm.

2. In exercise of the powers conferred under Sub-Clause 9(cc) of the Import (Control) order, 1955 as amended the said original E.C. copy of import licence No. I/CG/2031476 dt. 26-7-80 issued to M/s. Gujarat Fisheries Central Co-operative Association Ltd., Ahmedabad, is hereby cancelled.

3. A duplicate Exchange Control copy of above said import licence is being issued to the licensee separately.

[No. CGII/FA&C(6)/80-81/1247]

V. K. MEHTA, Dy. Chief Controller of Imports & Exports.

for Chief Controller of Imports & Exports.

संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

(केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र)

निरस्त-आदेश

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1981

का० आ० 559.—मैसर्स जैनसन्स इण्डस्ट्रीज (रजि०) दिल्ली रोड बड़ौत (मेरठ) को एक आयात लाइसेंस सं० पी०/एस/1425834/सी/XX 74/डी/79 दि० 31-3-80 वास्ते 75,000/- रु०, टेपर रोलर बियरिंग इन्टरनल डाया 10 एम एम और अधिक (मद स० 353 अपैन्डिक्स-5 आयात नीति अप्रैल-मार्च-80 से सम्बद्ध) के आयात हेतु दिया गया था।

आवेदक फर्म ने आयात-निर्यात की कार्य-विधि पुस्तिका 1980-81 के पैरा 352 के अंतर्गत एक शपथ-पत्र प्रस्तुत किया है जिसमें कहा गया है कि आयात लाइसेंस सं० पी/एस/1425834 दि० 31-3-80 वास्ते 75,000 रु० अप्रैल-मार्च 1980 अवधि से सम्बद्ध की मूल कस्टम हेतु कापी बिना किसी कस्टम पर पंजीकृत किए तथा बिना इस्तेमाल किए ही खो गया है।

मैं संतुष्ट हूं कि उपरोक्त लाइसेंस की मूल कस्टम हेतु कापी खो गई है।

अतः आयात-व्यापार नियंत्रण आदेश 1955 दि० 7-12-55 (यथा संशोधित) की धारा 9 (सी सी) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं उपरोक्त लाइसेंस की मूल कस्टम कापी को निरस्त करने का आदेश देता हूं।

आवेदक की प्रार्थना पर अब आयात-निर्यात की कार्यविधि पुस्तिका 1980-81 के पैरा 351-354 के अनुसार उपरोक्त लाइसेंस सं० पी०एस० 1425834 दि० 31-3-80 वास्ते 75,000/- रु० की कस्टम कापी की अनुलिपि (डुप्लीकेट कापी) जारी करने पर विचार किया जायेगा।

[सं० जे-32/सप/ए एम 80/ए यू-1/सी एफ/ए/80]

कु० माया दासगुप्ता
उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports

(Central Licensing Area)

CANCELLATION ORDER

New Delhi, the 10th April, 1981

S.O. 559.—M/s. Jainsons Industries (Regd.) Delhi Road, Baraut (Meerut) were granted import licence No. P/S/1425834/C/XX/74/D/79 dated 31-3-80 for Rs. 75,000/-for import of Tapper Roller Bearing Internal Dia 10mm and above item No. 353 of Appx. 5 of AM-80 Policy Book.

The applicant has filed an affidavit as required under para 352 of Hand Book of Import Export Procedure 1980-81 wherein they have stated that original Custom Purposes copy of Licence No. P/S/1425834 dated 31-3-80 for Rs. 75,000 for AM-80 period has been misplaced/lost without having been registered with any Custom and utilised at all.

I am satisfied that the original Custom Purpose Copy of the said licence has been lost/misplaced.

In exercise of the powers conferred on me under Section 9 (cc) of Import Trade Control Order, 1955 dated 7-12-55, as amended upto date, the Custom Purpose Copy of the licence No. P/S/1425834, dated 31-3-80 for Rs. 75,000 is hereby cancelled

The applicant is now being issued duplicate Custom Purpose Copy of Import licence No. P/S/1425834 dated 31-3-80 for Rs. 75,000 in accordance with the provision of paras 351 to 354 of Hand Book of Import Export Procedures, 1980-81.

[File No. J-32|Supp|AM-80|AU-I|CLA|80]

MISS MAYA DASS GUPTA,
Dy. Chief Controller,
For Jt. Chief Controller of Imports and Exports

निरस्तीकरण आदेश

हैदराबाद, 21 नवम्बर, 1981

का० आ० 560.—सर्वश्री सवेरा लेबोरेटरीज (प्रा०) लिमिटेड, एल०बी० नगर, भादरगुडा, हैदराबाद को आई टी सी नीति पुस्तक 80-81 के परिशिष्ट 5 की क्रम सं० 130 में विनिष्ट मिथाइल एसीटी एसीटेट आयात के लिए 3,00,000 रुपए के लागत बीमा भाड़ा मूल्य के एक आयात लाइसेंस सं० पी०/एस/18719/सी/एक्स एक्स/78/डब्ल्यू/80, दिनांक 9-1-81 प्रदान किया गया था । पार्टी ने इस आधार पर सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि मांगी है कि उनसे इस लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है/अस्थानस्थ हो गई है। पार्टी ने उन आई टी सी नियमों के अनुसार आवश्यक शपथ पत्र भी प्रस्तुत कर दिया है जिसके अनुसार उपर्युक्त सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति अम्बई सीमा शुल्क कार्यालय में पंजीकृत थी। इस लाइसेंस का 127,000 रु० के मूल्य तक उपयोग किया जा चुका था और 1,73,000 शेष था। पार्टी ने यह भी वचन दिया है कि अगर मूल्य सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति मिल जाएगी तो वह लाइसेंस प्राधिकारी को लौटा दी जाएगी।

2. मैं संतुष्ट हूं कि लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति का आंशिक उपयोग करने के बाद खो गई है/अस्थानस्थ हो गई है, और मैं आदेश देता हूं कि सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति आवेदक को जारी की जाए। एतद्द्वारा मूल लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति विरस्त की जाती है ।

[स० आईटीसी/ए यू/एस एस आई/159/ए एम-81/हैद०]

एन०बी० प्रधान, उप-मुख्य नियंत्रक,
आयात एवं निर्यात

CANCELLATION ORDER

Hyderabad, the 28th November, 1981

S O. 560.—M/s. Savera Laboratories (P) Limited, L. B. Nagar Bhadarguda , Hyderabad, were granted an import licence No. P|S|1871999|C|XX|78|W|80 dt. 9-1-81, for a CIF value of Rs. 3,00,000 for import of Methyl Aceto Acetate specified in S. No. 130 of Appendix. 5 of ITC Policy Book, 80-81. The party has applied for grant of duplicate customs purpose copy of the aforesaid import licence on the ground that the original customs purpose copy of the said licence has been lost/misplaced by them. The party has furnished necessary affidavit as per ITC rules according to which the aforesaid customs purpose copy of import licence was registered with Bombay Customs House The licence was utilised partly for a value of Rs. 1,27,000 leaving a balance of Rs. 1,73,000. The party has also undertaken to return to the licensing authority the original customs purpose copy of the licence if it is traced or found later on.

2. I am satisfied that the original customs purpose copy of the licence has been lost|misplaced after partly utilising it and I direct that duplicate customs purpose copy of the licence should be issued to the applicant. The customs purpose copy of the original is hereby cancelled.

[No. ITC/AU/SSI/159|AM. 81-HYD.]
N. B. PRADHAN, Dy. Chief Controller,
Imports and Exports

आदेश

बम्बई, 16 दिसम्बर, 1981

विषय सर्वश्री नारायण ट्रेडिंग कं०, बम्बई के नाम से जारी किए गए आयात लाइसेंस सं० पी/जेड/1446788, दिनांक 17-8-81 की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति का रद्द करना।

का० आ० 561—सर्वश्री नारायण ट्रेडिंग कं०, बम्बई को ऊपर अल्लिखित लाइसेंस काजू और खजूर को छोड़कर सूखे फलों के लिए 39,200 रुपए के लिए प्रदान किया गया था। उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई है और उसका बिल्कुल भी उपयोग नहीं किया गया है, कुल 39,200 रुपए के लिए लाइसेंस जारी किया गया था और अब पूरे मूल्य 39,200 रुपए के लिए अपेक्षित अनुलिपि प्रति की जरूरत है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने पंजीकार मैट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट, बम्बई द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित स्टाम्प कागज पर एक शपथ पत्र दाखिल किया है।

मैं संतुष्ट हूं कि लाइसेंस सं० पी०/जेड/1446788, दिनांक 17-8-81 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई है और निदेश देता हूं कि उपर्युक्त लाइसेंस की अनुलिपि मुद्रा विनिमय प्रति आवेदक को जारी की जाए। उपर्युक्त लाइसेंस सं० पी/जेड/1446788, दिनांक 17-8-81 को एतद्द्वारा रद्द किया जाता है।

[मिसिल संख्या-533/11364/अप्रैल-मार्च-82/डीएफ/एयू-I]

एन० के० जगताप, उप-मुख्य नियंत्रक
कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

विषय लाइसेंस सं० पी/जेड/1446788, दिनांक 17-8-1981 की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करना।

यह निवेदन है कि ऊपर उल्लिखित आयात लाइसेंस जिसका ब्यौरा नीचे दिया जाता है की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति यदि प्रस्तुत की जाती है तो वैध नहीं होगी और उस पत्तन पर मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति यदि प्रस्तुत की जाती है या उपयोग की जाती है तो उसकी सूचना तत्काल दी जाए।

लाइसेंस सं०	जिसके द्वारा जारी किया गया	मद	रुपए में मूल्य	क्षेत्र
पी/जेड/1446788	संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, बम्बई	काजू और खजूर को छोड़कर सूखे फल	39,200 रुपए	सामान्य मुद्रा क्षेत्र

12 मास के लिए वैध।

उपयोग किया गया मूल्य—शून्य अप्रयुक्त मूल्य—39,200 रुपए

पी० गणेशन, नियंत्रक आयात-निर्यात
कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

ORDER

Bombay, the 16th December, 1981

Sub:—Order for Cancellation of Exchange Control Copy of Licence No. P/Z/ 1446788, dated 17-8-81 issued in favour of Naraina Trading Co., Bombay.

S.O 561.—M/s. Naraina Trading Co., Bombay were granted the Licence mentioned above for Rs. 39,200 for item Dry Fruits excluding Cashewnuts & Dates. They have now applied

for duplicate copy of the Exchange Control Copy of the above licence on the ground that original Exchange Control Copy of the above licence has been lost and not utilised at all. Total amount for which licence was issued is for Rs. 39,200. and the total amount for which the duplicate is required is to cover the full value of Rs. 39,200.

In support of this the applicant have furnished an affidavit on stamped paper duly attested by Registrad Metropolitan Magistrate Bombay.

I am satisfied that the original Exchange Control Copy of the licence No. P/Z 1446788 dated 17-8-81 has been lost, and direct that duplicate Exchange Control Copy of the above licence should be issued to the applicant. The original Exchange Control Copy of above licence No. P/Z 1446788 dated 17-8-81 is hereby Cancelled.

[Issued from file No. 533/11364/A. 82/DF/AU.1]
N.K. JAGATAP,

Dy. Chief controller of imports & Exports,
For Jt. Chief Controller of Imports & Exports

Sub:—Issue of Duplicate Exchange Control Copies of Licence No. P/Z 1446788 dated 17-8-81.

It is requested that the original Exchange Control Copy of Import Licence mentioned above, particulars given below would not be held valid if produced and that intimation would be sent to this office immediately if the original Exchange Control Copy of licence is presented or utilised at this port.

Licence No.	: Issued by	: Item	: Value in Rs.	: Area:
P/Z 1446788	Jt.C.C.I&E Bombay	Dry Fruits Excluding Cashewnuts & Dates.	39,200	G.C.A.

Valid for 12 Months.

Value Utilised:— Rs. :— N I L. Value Un-Utilised:—
Rs. 39,200/

P. GANESHAN, Controller
Imports & Exports.
For Jt. Chief Controller of Imports & Exports.

नागरिक पूर्ति मंत्रालय

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 27 जनवरी, 1982

का० आ० 562—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए है वे रद्द कर दिए गए हैं और 1981-09-30 से वापस ले लिए गए है ।

अनुसूची

क्रम संख्या	रद्द किए गए भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	भारत के राजपत्र के एस ओ सं० तथा तिथि जिनमें भारतीय मानक के निर्धारण की अधिसूचना छपी थी	विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 7270-1975 चमकदार छड़ों (मानक किस्म) की विशिष्टि	भारत के राजपत्र भाग II खंड 3 उपखण्ड (ii) दिनांक 1976-03-06 में एस ओ 1988 दिनांक 1976-02-16 के अधीन प्रकाशित	IS : 9550-1980 चमकदार छड़ों की विशिष्टि में इन मानकों की अपेक्षाए शामिल कर ली गई हैं ।
2.	IS : 7271-1974 चमकदार छड़ों (साधारण/व्यापारिक किस्म) की विशिष्टि		

[संख्या सी एम डी/13:7]

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, 1982-01-27

S. O. 562.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955 as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Indian Standards, particulars of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have been cancelled and stands withdrawn with effect from 1981-09-30 :

SCHEDULE

Sl. No.	No. & Title of the Indian Standard Cancelled	S.O. No. & Date of the Gazette Notification in which Establishment of the Indian Standard was Notified	Remarks
1	2	3	4
1.	IS : 7270—1974 Specification for bright bars (standard quality)	S.O. 988 dated 1976-02-16 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1976-03-06	As the requirements of these Indian Standards have been covered in IS : 9550—1980 Specification for bright bars
2.	IS : 7271—1974 Specification for bright bars (ordinary/commercial quality)	-do-	

[No. CMD/13 : 7]

का० आ० 563.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 5 के [उपविनियम (1) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि जिस भारतीय मानक का ब्यौरा नीचे अनुसूची में दिया गया है वह रद्द कर दिया गया और वापस ले लिया गया है।

अनुसूची

क्रम	रद्द किए गए भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	भारत के राजपत्र के एस० ओ० सं० तथा तिथि जिसमें भारतीय मानक के निर्धारण की अधिसूचना छपी थी	विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 1174-1975 अभ्रक नामावलियों की परिभाषाएं	भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1958-07-12 में एस ओ 1349 दिनांक 1958-07-01 के अधीन प्रकाशित ।	क्योंकि IS 1885 (भाग 53)-1980 में इस मानक की सामग्री शामिल कर ली गई है ।

[सं० सी एम डी/13 7]

S. O. 563.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955 as amended from time to time, it is hereby, notified that the Indian Standard, particulars of which is mentioned in the Schedule given hereafter, has been cancelled and stands withdrawn :

SCHEDULE

Sl. No.	No. & Title of the Indian Standard Cancelled	S.O No. & Date of the Gazette Notification in which Establishment of the Indian Standard was notified	Remarks
1	2	3	4
1.	IS : 1174—1957 Definitions of mica terms	S.O. 1349 dated 1958-07-01 published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1958-07-12.	As the contents of this standard have been covered under IS : 1885 (Part LIII)—1980.

[No. CMD/13 : 7]

का० आ० 564— भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1981-08-01 में प्रकाशित नागरिक पूर्ति मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था) अधिसूचना संख्या, एस० ओ० 2061 दिनांक 1981-07-08 का अधिक्रमण करते हुए भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि स्टेनलेस स्टील के खाना खाने के बर्तनों की मानक चिह्न की डिजाइन में कुछ परिवर्तन किया गया है । मानक चिह्न की संशोधित डिजाइन तत्सम्बन्धी भारतीय मानक के शीर्षक और शाब्दिक विवरण सहित नीचे अनुसूची में दी गई है ।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन बने नियमों तथा विनियमों के कार्यों के लिए मानक चिह्न 1981-03-01 से लागू होगी।

अनुसूची

क्रम सं०	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	मानक चिह्न के डिजाइन का शाब्दिक विवरण
1	2	3	4	6
1	IS : 3424—80	स्टेनलेस स्टील के खाना खाने के बर्तन	IS : 3424-1980 स्टेनलेस स्टील के खाना खाने के बर्तनों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं स्तंभ (2) में दिखायी गयी शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या और वर्ष दिया गया है ।

[सं० सी एम डी/13 9]

S. O. 564.—In supersession of the Ministry of Civil Supplies (Indian Standards Institution) notification number S.O 2061 dated 1981-07-08, published in the Gazette of India, Part II, Section-3, sub-section (ii) dated 1981-08-01, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark for stainless steel table utensils has been revised. The revised design of the Standard Mark together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the design is given in the following Schedule.

This standard mark for the purposes of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1981-03-01 :

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. & Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the design of the Standard Mark
1	2	3	4	5
1.		Stainless steel table utensils	IS : 3424—1980 Specification for stainless steel table utensils (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard, alongwith its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13 : 9]

का०आ० 565.— भारत के राजपत्र भाग II खंड 3 उपखंड (ii) दिनांक 1980-04-26 में प्रकाशित तत्कालीन वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति मंत्रालय (नागरिक पूर्ति विभाग) (भारतीय मानक संस्था) अधिसूचना संख्या एस ओ 1159 दिनांक 1980-04-09 का अधिक्रमण करते हुए भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि बी एच सी (एच सी एच) तकनीकी और परिष्कृत की मानक चिह्न में कुछ संशोधन किए गए है। मानक चिह्न की पुनरीक्षित डिजाइन तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की शीर्षक और डिजाइन की शाब्दिक विवरण सहित नीचे अनुसूची में दी गई है ।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 तथा इसके अधीन बने नियमों तथा अधिनियमों के कार्यों के लिए यह मानक चिह्न 1981-01-01 से लागू होगी।

अनुसूची

क्रम सं०	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	मानक चिह्न के डिजाइन का शाब्दिक विवरण
1	2	3	4	5
1.		बी एच सी (एच सी एच) तकनीकी तथा परिष्कृत	IS . 560-1980 बी एच सी (एच सी एच) तकनीकी तथा परिष्कृत की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते है स्तम्भ 2 में दिखायी गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या और वर्ष दिया गया है ।

[संख्या सी एम डी/13 :9]

S.O. 565.—In supersession of the then Ministry of Commerce and Civil Supplies (Department of Civil Supplies) (Indian Standards Institution) notification number S.O. 1159 dated 1980-04-09, published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1980-04-26, the Indian Standards Institution, hereby notifies that the Standard Mark for BHC (HCH), technical and refined has been revised. The revised design of the Standard Mark together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the design is given in the following Schedule.

This standard mark for the purposes of the Indian Standard Institution (Certification Mark) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1981-01-01 :

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. & Title of the Relevant Indian Standard	Verbal Description of the Design of the Standard Mark
1	2	3	4	5
1.		BHC (HCH), technical and refined	IS : 560—1980 Specification for BHC (HCH), technical refined (third revision)	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard, alongwith its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13 : 9]

का०आ० 566—भारत के राजपत्र भाग II खंड 3 उपखंड (ii) दिनांक 1969-06-21 में प्रकाशित तत्कालीन औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा कम्पनी मामलों के मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) (भारतीय मानक संस्था) अधिसूचना संख्या एस ओ 2423 दिनांक 1969-06-07 का आंशिक रूप में संशोधन करते हुए भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि एन्डोसल्फेन पायसनीय सान्द्र (ई सी) के मानक चिह्न की डिजाइन में कुछ परिवर्तन किया गया है । मानक चिह्न की संशोधित डिजाइन तत्सम्बन्धी भारतीय मानक का शीर्षक और डिजाइन का शाब्दिक विवरण नीचे अनुसूची में दी गई है ।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 और इसके अधीन बने नियमों तथा विनियमों के कार्यों के लिए यह मानक चिह्न 1981-07-16 से लागू होगी ।

अनुसूची

क्रम संख्या	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	मानक चिह्न का शाब्दिक विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.		एन्डोसल्फेन पायसनीय सान्द्र	IS : 4323-1980 एन्डोसल्फेन पायसनीय सान्द्र की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या तथा वर्ष अंकित किया गया है ।

[सं० सी एम डी /13:9]

S. O. 566.—In partial modification of the then Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development) (Indian Standards Institution) notification number S.O. 2423 dated 1969-06-09, published in the gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1969-06-21, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the design of the standard mark for endosulfan EC has been revised. The revised design of the standard mark together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the design is given in the following Schedule.

This standard mark for the purposes of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the rules and regulation framed thereunder, shall come into force with effect from 1981-07-16 :

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. & Title of Relevant Indian Standard	Verbal Description of the Design of the Standard Mark
1	2	3	4	5
1.		Endosulfan emulsifiable concentrates	IS : 4323—1980 Specification for endosulfan emulsifiable concentrates (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letter 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2), the number of the Indian Stand rd, alongwith its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13 : 9]

नई दिल्ली, दिनांक 1982-01-28

का०आ० 567.—निम्नलिखित अनुसूची के स्तंभ 1 से 4 में जिन अधिसूचनाओं के ब्यौरे दिए गए हैं उनके आंशिक संशोधन स्वरूप भारतीय मानक संस्था की ओर से एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि स्तंभ 5 और 6 में दिए गए विभिन्न उत्पादों से सम्बन्धित मुहर लगाने के शुल्क का स्तंभ 7 में उल्लेख के अनुसार पुनरीक्षण किया गया है और मानक चिह्नों की पुनरीक्षित डिजाइन का शाब्दिक विवरण स्तंभ 8 में दिया गया है ।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 और उसके अधीन बने नियमों और विनियमों के निमित्त मानक चिह्नों की वर्तमान डिजाइन स्तंभ 9 में दिखायी गयी तारीखों से लागू होगी ।

अनुसूची

क्रम सं०	मंत्रालय का नाम	भारत के राजपत्र की संख्या का संदर्भ	अधिसूचना संख्या का संदर्भ	उत्पाद	विशिष्टि की आई एस संख्या और उसका शीर्षक	मानक चिह्न की डिजाइन	मानक चिह्न की डिजाइन का शाब्दिक विवरण	लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1.	वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय	भाग-II खंड 3 उपखंड (ii) दिनांक 1961-01-07	एस ओ 31 दिनांक 1960-12-29	ताम्र आक्सी-क्लोराइड धूलन चूर्ण	IS: 1506-1979 ताम्र आक्सक्लोराइड धूलन चूर्ण की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)		भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते है, स्तंभ 7 में दिखायी गयी शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा चित्रण में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या और वर्ष दिया गया है ।	1981-07-01

1	2	3	4	5	6	7	8	9
2.	औद्योगिक विकास विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय	भाग II खंड 3 उपखंड (ii) दिनांक 1974-10-05	एस० ओ० 2586 दिनांक 1974-09-23	रसायन उद्योग के लिए बुझा चूना	IS 1540 (भाग-II)-1978 रसायन उद्योग के लिए कली चूना और बुझे चूने की विशिष्टि भाग-II बुझा चूना (दूसरा पुनरीक्षण)	IS 1540	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमे 'ISI' शब्द होते हैं स्तम्भों में दिखायी गयी शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या और वर्ष दिया गया है।	1979-07-01
3.	औद्योगिक विकास और कंपनी मामलों का मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)	भाग-II खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1967-10-28	एस० ओ० 3829 दिनांक 1967-10-10	लोहे बालू ढले स्पीगाट और साकेट वाले मल, गन्दे पानी और संवातन पाइपों के फिटिंग और सहायक सामान	IS. 1729-1979 लोहे के बालू ढले स्पीगाट और साकेट वाले मल, गन्दे पानी और संवातन पाइपों के फिटिंग और सहायक (पहला पुनरीक्षण)	IS.1729-79	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते है, स्तंभ 7 में दिखायी गयी शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है, मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या और वर्ष दिया गया है।	1980-03-01
4.	उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)	भाग-II खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1976-11-27	एस० ओ० 4498 दिनांक 1976-11-05	रबड़ के कन्वेयर और एलीवेटर पट्टे	IS: 1891 (भाग-1) रबड़ के कन्वेयर और एलीवेटर पट्टों की विशिष्टि भाग I सामान्य कार्यों के पट्टे (दूसरा पुनरीक्षण)	IS:1891-78	—वही—	1980-10-16
5.	नागरिक पूर्ति मंत्रालय	भाग II खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1981-09-05	एस० ओ० 2307 दिनांक 1981-08-13	खाना परोसने के स्टेनलेस इस्पात के बर्तन	IS : 3258-1980 खाना परोसने के स्टेनलेस इस्पात के बर्तनों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 3258-80	—वही—	1981-02-01
6.	औद्योगिक विकास विज्ञान एवं प्रौद्योगिक मंत्रालय	भाग II खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1972-02-09	एस० ओ० 381 दिनांक 1974-01-18	द्रवित पैट्रोलियम गैसों से चलने वाले ग्रिलर सहित घरेलू चूल्हे	IS : 4760-1979 द्रवित पैट्रोलियम से चलने ग्रिलर सहित घरेलू चूल्हों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	IS 4760	—वही—	1981-04-16

[सं० सी० एम० डी०/13:9]

New Delhi, 1982-01-28

S.O. 567.—In partial modification of the notification, details of which are given in Col. 1 to 4 of the following Schedule, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the designs of the standard marks pertaining to various products referred to in Col. 5 and 6 have been revised as given in Col. 7 and the verbal description of the revised designs of the standard marks are given in Col. 8.

The existing designs of the standard marks for the purposes of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder shall come into force with effect from the dates shown in Col. 9 :

SCHEDULE

Sl. No.	Name of the Ministry	Reference to Govt. of India Gazette	Reference to Notification No.	Product	IS No. & Title of the Specification	Design of the Standard Mark	Verbal Description of the Design of the Standard Mark	Date of Effect
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	Ministry of Commerce & Industry	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1961-01-07	S.O. 31 dated 1960-12-29	Copper oxychloride dusting powders	IS : 1506—1977 Specification for copper oxychloride dusting powders (second revision)	IS:1506-77	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (7); the number of the Indian Standard, alongwith its year, being subscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1981-07-01

1	2	3	4	5	6	7	8	9
2	Ministry of Industrial Development science and Technology	Part-II, section-3, Sub-section(ii) dated 1974-10-05	S O 2586 dated 1974-09-23	Hydrated lime for chemical industry	IS 1540(Part II) 1978 specification for quick lime and hydrated lime for chemical industries part II Hydrated lime (second revision)		The monogram of the Indian standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in col (7), the number of the Indian standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1979-07-01
3	Ministry of Industrial Development and Company Affairs (Deptt. of Industrial Development)	Part-II section 3, sub section (ii) dated 1967-10-28	S O 3829 dated 1967-10-10	Sand cast iron spigot and socket soil, waste and ventilating pipes, fittings and accessories	IS : 1729-1979 specification for sand cast iron spigot and socket soil, waste and ventilating pipes fittings and accessories (first revision)		The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in col (7), the number of the Indian standard, along with its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1980-03-01
4	Ministry of Industry (Deptt of Industrial Development)	Part-II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1976-11-27	S O 4498 dated 1976-11-05	Rubber conveyor and elevator belting	IS : 1891 (Part I)—1978 Specification for rubber conveyor and elevator belting Part I General purpose belting (second revision)		-do-	1980-10-16
5.	Ministry of Civil Supplies	Part II, Section-3, sub-section(ii) dated 1981-09-05	S O 2307 dated 1981-08 13	Stainless steel serving utensils	IS : 3258—1980 Specification for stainless steel serving utensils (first revision)		The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in, the exact style and relative proportions as indicated in Col. (7); the number of the Indian Standard, alongwith its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1981-02-01
6	Ministry of Industrial Development, Science and Technology	Part-II, Section-3, Sub-section(ii) dated 1974-02-09	S O 381 dated 1974-01-18	Domestic cooking ranges including grillers, for use with liquefied petroleum gases.	IS : 4760—1979 Specification for domestic cooking ranges including grillers, for use with liquefied petroleum gases (first revision)		-do-	1981-04-16

[No CMD/13 9]

नागरिक पूर्ति मंत्रालय

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली दिनांक 1982-01-28

1903-11-08

का०आ० 568—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 9 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 213 लाइसेंसों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं उनका जुलाई 1981 में नवीकरण किया गया है।

अनुसूची

क्रम संख्या	सीएम/एल संख्या	प्रवेश से	तक	भारतीय मानक विशिष्टि की पद संख्या
1	2	3	4	5
1	00011 03	81-06-16	82-06-15	IS : 1660 (भाग I)—1967
2	00137 16	81-07-01	82-06-30	IS : 10 (भाग I) —1976
3.	00175 22	81-07-01	82-06-30	IS : 220–1972 और IS : 1581–1975
4.	00176 23	81-07-01	82-06-30	IS : 1221–1971
5.	00370 23	81-06-16	82-06-15	IS : 1251–1973
6.	00555 30	81-07-16	82-07-15	IS : 398 (भाग I और 2)–1976
7	00699 45	81-07-16	82-07-15	IS : 1675–1971
8	00724 29	81-08-01	82-07-31	IS : 226–1975
9.	00758 39	81-08-01	82-07-31	IS : 1551-1976
10.	00776 41	81-08-01	82-07-31	IS : 419–1967
10(a).	00120 11	81-07-01	82-06-30	IS : 226–1975
11.	01121 12	81-07-01	82-06-30	IS : 1977 1975
12.	01220 14	81-07-01	82-06-30	IS : 1855–1961 IS : 1856–1970
13.	01248 26	81-07-01	82-06-30	IS : 2266–1970 IS : 2581 1968
14.	01290 23	81-07-01	82-06-30	IS : 2567–1978
15.	01298 36	81-07-16	82-07-15	IS : 280–1972
16	01369 34	81-06-16	82-06-15	IS : 709-1974 और IS : 710–1976
17.	01382 31	81-07-01	82-06-30	IS : 1222 1973
18.	01388 37	81-07-01	82-06-30	IS : 398 (भाग 1, 2 और 3)-1976
19.	01451 27	81-06-16	82-06-15	IS : 2127–1962
20.	01459 35	81-07-01	82-06-30	IS : 398 (भाग I और 2)–1976
21.	1578 41	81-08-01	82-07-31	IS : 551–1978
22.	01757 42	81-07-01	82-06-30	IS : 633–1975
23.	01943 47	81-07-01	82-06-30	IS : 133 1975
24.	01951 42	81-07-01	82-06-30	IS : 3438–1977
25.	01999 58	81-07-01	82-06-30	IS : 10 (भाग 4) -1976
26.	02023 15	81-08-01	82-07-31	IS : 2548–1967
27	02197 36	81-07-01	82-06-30	IS : 10 (भाग 4) –1976
28.	02399 44	81-06-01	82-05-31	IS : 3196–1974
29	02401 21	81-07-01	82-06-30	IS : 1786–1966
30	02486 42	81-07-01	82-06-30	IS : 561–1978
31.	02599 50	81-06-01	82-05-31	IS : 3564–1966
32	02766 47	81-06-16	82-06-15	IS : 5872–1973
33.	02780 45	81-06-16	82-06-15	IS : 3975–1979
34.	02788 53	81-07-01	82-06-30	IS : 3975–1979
35.	02845 45	81-07-01	82-06-30	IS : 5884–1970
36.	02912 39	81-08-01	82-07-31	IS : 366–1965
37.	02981 52	81-07-01	82-06-30	IS : 4984–1972
38.	03077 33	81-05-01	82-04-30	IS : 2509–1973
39	03093 33	81-08-01	82-07-31	IS : 1554 (भाग 1)–1976
40.	03101 16	81-07-01	82-06-30	IS : 1392–1971
41.	03390 39	81-05-01	82-04-30	IS : 4450–1978
42.	03412 28	81-05-01	82-04-30	IS : 562–1978
43.	03413 29	81-05-01	82-04-30	IS : 565–1975
44.	03415 31	81-05-01	82-04-30	IS : 2567–1978
45.	03446 38	81-07-01	82-06-30	IS : 10 (भाग 2) –1976
46.	03449 41	81-07-01	82-06-30	IS : 561–1978
47.	03450 34	81-07-01	82-06-30	IS : 2567–1978
48	03451 35	81-07-01	82-06-30	IS : 1307–1973
49.	03461 37	81-05-01	82-04-30	IS : 633-1975
50.	03481 41	81-07-16	82-07-15	IS : 10 (Part 4) –1976
51.	03487 47	81-08-01	82-07-31	IS : 1554 (भाग I)–1976
52.	03573 44	81-04-01	82-03-31	IS : 780–1969
53.	03597 52	81-06-16	82-06-15	IS : 6438–1980
54.	03601 31	81-06-16	82-06-15	IS : 1311–1966
55.	03616 38	81-08 01	82-07-31	IS : 561–1978
56.	03637 43	81-07-01	82-06-30	IS : 6914–1978
57.	03638 44	81-07-01	82 06-30	IS : 6915–1978
58.	03642 40	81-05-16	82-05-15	IS : 2148–1968
59.	03780 49	81-06-16	82-06-15	IS : 6914–1978
60.	03781 50	81-06-16	82-06-15	IS : 6915–1978
61.	03825 45	81-05,01	82-04-30	IS : 5423–1978
62.	03850 46	81-06-16	82-06-15	IS : 1539 (भाग 1 to 23)–1976
63.	03863 51	81-07-01	82-06-30	IS : 1486–1978
64.	03865 53	81-07-01	82-06-30	IS : 5277–1978
65.	03866 54	81-07-01	82-06-30	IS : 6177–1971
66.	03870 50	81-07-01	82-06-30	IS : 5679–1970
67.	03880 52	81-07-16	82-07-15	IS : 1370–1965
68.	03886 58	81-08-01	82-07-31	IS : 325–1978
69.	3900 39	81-08-01	82-07-31	IS : 694–1977
70.	03951 50	81-05-01	82-04-30	IS : 564–1975
71.	04063 31	81-05-01	82-04-30	IS : 4323–1967
72.	04251 33	81-06-16	82-06-15	IS : 2126–1973
73.	04341 34	81-08-01	82-07-31	IS : 1596–1977
74.	04423 35	81-06-16	82-06-15	IS : 5346-1975
75.	04446 42	81-07-01	82-06-30	IS : 2888–1974
76.	04473 45	81-07-16	82-07-15	IS : 565–1975
77.	04482 46	81-07-01	82-06-30	IS : 335–1972
78.	04487 51	81-07-16	82-07-15	IS : 633–1975
79.	04491 47	81-07-16	82-07-15	IS : 10 (भाग 2) –1976

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
80.	04492 48	81-07-16	82-07-15	IS : 2149–1968
81.	04497 53	81-08-01	82-07-31	IS : 1554 (भाग 1)–1976
82.	04562 45	81-07-01	82-06-30	IS : 6914–1978
83.	04853 53	81-07-01	82-06-30	IS : 633–1975
84.	04854 54	81-07-01	82-06-30	IS : 4323–1980
85.	04912 47	81-05-16	82-05-15	IS : 7538–1975
86.	04934 53	81-08-01	82-07-31	IS : 458–1971
87.	05116 31	81-07-01	82-06-30	IS : 4929–1978
88.	05127 34	81-08-01	82-07-31	IS : 4432–1967
89.	05130 29	81-07-01	82-06-30	IS : 226–1975
90.	05131 30	81-07-01	82-06-30	IS : 1977–1975
91.	05149 40	81-07-01	82-06-30	IS : 4246–1978
92.	05275 45	81-06-16	82-06-15	IS : 2148–1968
93.	05289 51	81-06-16	82-06-15	IS : 2906–1969
94.	05312 33	81-07-01	82-06-30	IS : 1536–1976
95.	05313 34	81-07-01	82-06-30	IS : 1538 (भाग I से 23)–1976
96.	05316 37	81-07-01	82-06-30	IS : 398 (भाग 1 और 2–1976
97.	05344 41	81-07-16	82-07-15	IS : 6915–1978
98.	05360 41	81-07-16	82-07-15	IS : 702–1961
99.	05361 42	81-07-16	82-07-15	IS : 419–1967
100.	05383 48	81-08-01	82-07-31	IS : 1786–1979
101.	05453 45	81-07-01	82-06-30	IS : 6915–1978
102.	05591 54	81-07-01	82-06-30	IS : 564–1975
103.	05598 61	81-07-01	82-06-30	IS : 7122–1973
104.	05613 43	81-08-01	82-07-31	IS : 562–1978
105.	05724 49	81-07-01	82-06-30	IS : 4283–1967
106.	05903 50	81-08-01	82-07-31	IS : 4151–1976
107.	05907 54	81-06-16	82-06-15	IS : 280–1978
108.	06191 46	81-07-01	82-06-30	IS : 2834–1964
109.	06200 30	81-07-01	82-06-30	IS : 1166–1973
110.	06205 35	81-07-01	82-06-30	IS : 5430–1969
111.	06226 40	81-07-01	82-06-30	IS : 633–1975
112.	06392 53	81-07-16	82-07-15	IS : 133–1975
113.	06404 40	81-07-16	82-07-15	IS : 3537–1966
114.	06505 44	81-07-01	82-06-30	IS : 2567–1978
115.	06544 51	81-06-01	82-05-31	IS : 4989–1974
116.	06836 60	81-03-16	82-03-15	IS : 10 (भाग 3) –1974
117.	06879 71	81-07-01	82-06-30	IS : 5279–1969
118.	06961 64	81-07-16	82-07-15	IS : 1875–1978
119.	07009 37	81-06-01	82-05-31	IS : 1786–1966
120.	07038 42	81-06-16	82-06-15	IS : 325–1970
121.	07043 39	81-06-16	82-06-15	IS : 2834–1964
122.	07044 40	81-06-16	82-06-15	IS : 10 (भाग 2) –1976
123.	07059 47	81-07-01	82-06-30	IS : 366–1976
124.	07060 40	81-07-01	82-06-30	IS : 1222–1973
125.	07061 41	81-07-01	82-06-30	IS : 5410–1969
126.	07067 47	81-07-01	82-06-30	IS : 398 (भाग 2)–1976
127.	07072 44	81-07-01	82-06-30	IS : 427–1967
128.	07073 45	81-07-01	82-06-30	IS : 133–1975
129.	07077 49	81-07-01	82-06-30	IS : 2082–1978
130.	07083 47	81-07-01	82-06-30	IS : 384–1971
131.	07084 48	81-07-01	82-06-30	IS : 933–1976
132.	07085 49	81-07-01	82-06-30	IS : 2171–1976
133.	07093 49	81-07-01	82-06-30	IS : 1398–1968
134.	07094 50	81-07-01	82-06-30	IS : 2834–1964
135.	07096 52	81-07-16	82-07-15	IS : 226–1975
136.	07122 37	81-08-01	82-07-31	IS : 10 (भाग 2)–1976
137.	07135 42	81-08-01	82-07-31	IS : 4654–1974
138.	07136 43	81-08-01	82-07-31	IS : 4654–1974
139.	07139 46	81-08-01	82-07-31	IS : 561–1978
140.	07330 43	81-07-16	82-07-15	IS : 10 (भाग 2)–1976
141.	07345 50	81-05-16	82-05-15	IS : 1601–1960
142.	07419 51	81-07-01	82-06-30	IS : 1786–1979
143.	07521 48	81-08-01	82-07-31	IS : 1879 (भाग 1)–1975
144.	07630 52	81-08-01	82-07-31	IS : 3055–1965
145.	07756 65	81-06-01	82-05-31	IS : 1258–1969
146.	07787 72	81-06-16	82-06-15	IS : 7532–1974
147.	07803 55	81-07-01	82-06-30	IS : 398 (भाग 1 और 2)–1976
148.	07804 56	81-07-01	82-06-30	IS : 1786–1966
149.	07805 57	81-07-01	82-06-30	IS : 1977–1978
150.	07806 58	81-07-01	82-06-30	IS : 226–1975
151.	07807 59	81-07-01	82-06-30	IS : 4654–1974
152.	07808 60	81-07-01	82-06-30	IS : 4654–1974
153.	07815 59	81-07-01	82-06-30	IS : 10 (भाग 2)–1976
154.	07817 61	81-07-01	82-06-30	IS : 398 (भाग 1 और 2)–1976
155.	07823 59	81-07-01	82-06-30	IS : 7406–1974
156.	07825 61	81-07-01	82-06-30	IS : 10 (भाग 2)–1976
157.	07826 62	81-07-16	82-07-15	IS : 2339–1963
158.	07827 63	81-07-01	82-06-30	IS : 1786–1979
159.	07831 59	81-07-16	82-07-15	IS : 774–1974
160.	07840 60	81-07-16	82-07-15	IS : 916–1975
161.	07848 68	81-07-16	82-07-15	IS : 7122–1973
162.	07849 69	81-07-16	82-07-15	IS : 4964–1980
163.	07862 66	81-08-01	82-07-31	IS : 4654–1974
164.	07863 67	81-08-01	82-07-31	IS : 5281–1969
165.	07866 70	81-08-01	82-07-31	IS : 8268–1976
166.	07879 75	81-08-01	82-07-31	IS : 1601–1960
167.	07909 64	81-08-01	82-07-31	IS : 2879–1975
168.	08340 49	81-02-01	82-01-31	IS : 226–1975
169.	08389 66	81-03-01	82-02-28	IS : 8268–1976
170.	08437 57	81-07-01	82-06-30	IS : 4654–1974
171.	08498 70	81-07-16	82-07-15	IS : 6595–1972 और IS : 7538–1975
172.	08528 59	81-05-16	82-05-15	IS : 10 (भाग 2)–1976
173.	08673 67	81-08-01	82-07-31	IS : 2339–1963

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
174.	08676 70	81-05-16	82-05-15	IS : 325–1970
175.	08682 68	81-05-16	82-05-15	IS : 1703–1977
176.	08692 70	81-05-01	82-05-31	IS : 261–1966
177.	08700 53	81-06-01	82-05-31	IS : 2148–1968
178.	08717 62	81-06-16	82-06-15	IS : 10 (भाग 2)–1976
179.	08722 59	81-06-16	82-06-15	IS : 8249–1976
180.	08737 66	81-06-16	82-06-15	IS : 3003 (भाग 3);1978
181.	08739 68	81-06-16	82-06-15	IS : 398–1976
182.	08743 64	81-07-01	82-06-30	IS : 10 (भाग 2)–1976
183.	08744 65	81-07-01	82-06-30	IS : 10 (भाग 4)–1976
184.	08747 68	81-06-16	82-06-15	IS : 1554 (भाग 1)–1976
185.	08757 70	81-07-01	82-06-30	IS : 3903–1975
186.	08761 66	81-07-01	82-06-30	IS : 779–1978
187.	08765 70	81-07-01	82-06-30	IS : 694–1977
188.	08768 73	81-07-01	82-06-30	IS : 5410–1969
189.	08772 69	81-07-16	82-07-15	IS : 325–1978
190.	08774 71	81-07-16	82-07-15	IS : 3536–1966
191.	08777 74	81-07-01	82-06-30	IS : 1711–1970
192.	08778 75	81-07-16	82-07-15	IS : 2566–1965
193.	08780 69	81-07-16	82-07-15	IS : 4323–1980
194.	08781 70	81-07-16	82-07-15	IS : 7538–1975
195.	08782 71	81-07-16	82-07-15	IS : 4964–1980
196.	08785 74	81-07-16	82-07-15	IS : 564–1975
197.	08794 75	81-07-16	82-07-15	IS : 3062–1974
198.	08795 76	81-07-16	82-07-15	IS : 1554 (भाग 1)–1976
199.	08808 64	81-08-01	82-07-31	IS : 4323–1980
200.	08809 65	81-08-01	82-07-31	IS : 8955–1978
201.	08812 60	81-08-01	82-07-31	IS : 158–1968
202.	08815 63	81-08-01	82-07-31	IS : 1554 (भाग 1)–1976
203.	08819 67	81-08-01	82-07-31	IS : 694–1977
204.	08820 60	81-08-01	82-07-31	IS : 1554 (भाग 1)–1976
205.	08823 63	81-08-01	82-07-31	IS : 1239 (भाग 1)–1979
206.	08828 68	81-08-01	82-07-31	IS : 2418 (भाग 1)–1977
207.	08831 63	81-08-01	82-07-31	IS : 694–1977
208.	08832 64	81-08-01	82-07-31	IS : 6595–1972 और IS : 7538–1975
209.	08837 69	81-08-01	82-07-31	IS : 1161–1979
210.	08859 75	81-08-01	82-07-31	IS : 2339–1963
211.	08860 68	81-08-01	82-07-31	IS : 5884–1970
212.	08868 76	81-08-01	82-07-31	IS : 565–1975

[सं० सी एम डी/13 : 12]

ए० पी० बनर्जी, अपर महा निदेशक

S. O. **568.**—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that 213 licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of July 1981 :

SCHEDULE

Sl. No.	CM/L No.	Valid		Indian Standard Specification No.
		From	To	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	00011 03	81-06-16	82-06-15	IS : 1660 (Part I)–1967
2.	00137 16	81-07-01	82-06-30	IS : 10 (Part II)–1976
3.	00175 22	81-07-01	82-06-30	IS : 220–1972 & IS : 1581–1975
4.	00176 23	81-07-01	82-06-30	IS : 1221—1971
5.	00370 23	81-06-16	82-06-15	IS : 1251–1973
6.	00555 30	81-07-16	82-07-15	IS : 398 (Part I & II)–1976
7.	00699 45	81-07-16	82-07-15	IS : 1675–1971
8.	00724 29	81-08-01	82-07-31	IS : 226–1975
9.	00758 39	81-08-01	82-07-31	IS : 1551–1976
10.	00776 41	81-08-01	82-07-31	IS : 419–1967
10(a)	01120 11	81-07-01	82-06-30	IS : 226–1975
11.	01121 12	81-07-01	82-06-30	IS : 1977–1975
12.	012202 14	81-07-01	82-06-30	IS : 1855–1961 IS : 1856–1970
13.	01248 26	81-07-01	82-06-30	IS : 2266–1970 IS : 2581–1968
14.	01290 28	81-07-01	82-06-30	IS : 2567–1978
15.	01298 36	81-07-16	82-07-15	IS : 280–1972
16.	01369 34	81-06-16	82-06-15	IS : 709–1974 & IS : 710–1976
17.	01382 31	81-07-01	82-06-30	IS : 1222–1973
18.	01388 37	81-07-01	82-06-30	IS : 398 (Part I, II & III)–1976
19.	01451 27	81-06-16	82-06-15	IS : 2127–1962
20.	01459 35	81-07-01	82-06-30	IS : 398 P(art I & II)–1976
21.	01578 41	81-08-01	82-07-31	IS : 561–1978
22.	01757 42	81-07-01	82-06-30	IS : 633–1975
23.	01948 47	81-07-01	82-06-30	IS : 133–1975
24.	01951 42	81-07-01	82-06-30	IS : 3438–1977
25.	01999 58	81-07-01	82-06-30	IS : 10 (Part IV)–1976
26.	02023 15	81-08-01	82-07-31	IS : 2548–1967
27.	02197 36	81-07-01	82-06-30	IS : 10 (Part IV)–1976
28.	02399 44	81-06-01	82-05-31	IS : 3196–1974
29.	02401 21	81-07-01	82-06-30	IS : 1786–1966
30.	02486 42	81-07-01	82-06-30	IS : 561–1978
31.	02599 50	81-06-01	82-05-31	IS : 3564–1966
32.	02766 47	81-06-16	82-06-15	IS : 5872–1973
33.	02780 45	81-06-16	82-06-15	IS : 3975–1979
34.	02788 53	81-07-01	82-06-30	IS : 3975–1979
35.	02845 45	81-07-01	82-06-30	IS : 5884–1970
36.	02912 39	81-08-01	82-07-31	IS : 366–1965
37.	02981 52	81-07-01	82-06-30	IS : 4984–1972
38.	03077 33	81-05-01	82-04-30	IS : 2509–1973
39.	03093 33	81-08-01	82-07-31	IS : 1554 (Part 1)–1976

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
40.	03101 16	81-07-01	82-06-30	IS : 1392–1971
41.	03390 39	81-05-01	82-04-30	IS : 4450–1978
42.	03412 28	81-05-01	82-04-30	IS : 562–1978
43.	03413 29	81-05-01	82-04-30	IS : 565–1975
44.	03415 31	81-05-01	82-04-30	IS : 2567–1978
45.	03446 38	81-07-01	82-06-30	IS : 10 (Part II)–1976
46.	03449 41	81-07-01	82-06-30	IS : 561–1978
47.	03450 34	81-07-01	82-06-30	IS : 2567–1978
48.	03451 35	81-07-01	82-06-30	IS : 1307–1973
49.	03461 37	81-05-01	82-04-30	IS : 633 1975
50.	03481 41	81-07-16	82-07-15	IS : 10 (Part IV)–1976
51.	03487 47	81-08-81	82-07-31	IS : 1554 (Part I)–1976
52.	03573 44	81-04-01	82-03-31	IS : 780–1969
53.	03597 52	81-06-16	82-06-15	IS : 6438–1980
54.	03601 31	81-06-16	82-06-15	IS : 1311–1966
55.	03616 38	81-08-01	82-07-31	IS : 561–1978
56.	03637 43	81-07-01	82-06-30	IS : 6914–1978
57.	03638 44	81-07-01	82-06-30	IS : 6915–1978
58.	03642 40	81-05-16	82-05-15	IS : 2148–1968
59.	03780 49	81-06-16	82-06-15	IS : 6914–1978
60.	03781 50	81-06-16	82-06-15	IS : 6915–1978
61.	03825 45	81-05-01	82-04-30	IS : 5423–1978
62.	03850 46	81-06-16	82-06-15	IS : 1538 (Part I to XXIII)–1976
63.	03863 51	81-07-01	82-06-30	IS : 1486 1978
64.	03865 53	81-07-01	82-06-30	IS : 5277–1978
65.	03866 54	81-07-01	82-06-30	IS : 6177–1971
66.	03870 50	81-07-01	82-06-30	IS : 56791–970
67.	03880 52	81-07-16	82-07-15	IS : 1370–1965
68.	03886 58	81-08-01	82-07-31	IS : 325–1978
69.	03900 39	81-08-01	82-07 31	IS : 694–1977
70.	03951 50	81-05-01	82-04-30	IS : 564 1975
71.	04063 31	81-05-01	82-04-30	IS : 4323–1967
72.	04251 33	81-06-16	82-06-15	IS : 2126–1973
73.	04341 34	81-08-01	82-07-31	IS : 1596–1977
74.	04423 35	81-06-16	82-05-15	IS : 5346–1975
75.	04446 42	81-07-01	82-06-30	IS : 2888–1974
76.	04473 45	81-07-16	82-07-15	IS : 565–1975
77.	04482 46	81-07-01	82-06-30	IS : 337–1977
78.	04487 51	81-07-16	82-07-15	IS : 633–1975
79.	04491 47	81-07-16	82-07-15	IS : 10 (Part II)–1976
80.	04492 48	81-07-16	82-07-15	IS : 2149–1968
81.	04497 53	81-08-01	82-07-31	IS : 1554 (Part I)–1976
82.	04562 45	81-07-01	82-06-30	IS : 6914–1978
83.	04853 53	81-07-01	82-06-30	IS : 633–1975
84.	04854 54	81-07-01	82-06-30	IS : 4323–1980
85.	04912 47	81-05-16	82-05-15	IS : 7538–1975
86.	04934 53	81-08-01	82-07-31	IS : 458–1971
87.	05116 31	81-07-01	82-06-30	IS : 4929–1978
88.	05127 34	81-08-01	82-07-31	IS : 4432–1967
89.	05130 29	81-07-01	82-06-30	IS : 226–1975
90.	05131 30	81-07-01	82-06-30	IS : 1977–1975
91.	05149 40	81-07-01	82-06-30	IS : 4246–1978
92.	05275 45	81-06-16	82-06-15	IS : 2148–1958
93.	05289 51	81-06-16	82-06-15	IS : 2906–1969
94.	05312 33	81-07-01	82-06-30	IS : 1536–1976
95.	05313 34	81-07-01	82-06-30	IS : 1538 (Parts I to XXIII)–1976
96.	05316 37	81-07-01	82-06-30	IS : 398 (Part I & II)–1976
97.	05344 41	81-07-16	82-07-15	IS : 6915–1978
98.	05360 41	81-07-16	82-07-15	IS : 702–1961
99.	05361 42	81-07-16	82-07-15	IS : 419–1967
100.	05383 48	81-08-01	82-07-31	IS : 1786–1979
101.	05453 45	81-07-01	82-06-30	IS : 6915–1978
102.	05591 54	81-07-01	82-06-30	IS : 564–1975
103.	05598 61	81-07-01	82-06-30	IS : 7122–1973
104	05613 43	81-08-01	82-07-31	IS : 562–1978
105.	05724 49	81-07-01	82-06-30	IS : 4283–1967
106.	05903 50	81-08-01	82-07-31	IS : 4151–1976
107.	05907 54	81-06-16	82-06-15	IS : 280–1978
108.	06191 46	81-07-01	82-06-30	IS : 2834–1964
109.	06200 30	81-07-01	82-06-30	IS : 1166–1973
110.	06205 35	81-07-01	82-06-30	IS : 5430–1969
111.	06226 40	81-07-01	82-06-30	IS : 633–1975
112.	06392 53	81-07-16	82-07-15	IS : 133–1975
113.	06404 40	81-07-16	82-07-15	IS : 3537–1966
114.	06505 44	81-07-01	82-06-30	IS : 2567–1978
115.	06544 51	81-06-01	82-05-31	IS : 4989–1974
116.	06836 60	81-03-16	82-03-15	IS : 10 (Part III)–1974
117.	06879 71	81-07-01	82-06-30	IS : 5279–1969
118.	06901 64	81-07-16	82-07-15	IS : 1875–1978
119.	07009 37	81-06-01	82-05-31	IS : 1786–1966
120.	07038 42	81-06-16	82-06-15	IS : 325–1970
121.	07043 39	81-06-16	82-06-15	IS : 2834–1964
122.	07044 40	81-06-16	82-06-15	IS : 10 (Part II)–1976
123.	07059 47	81-07-01	82-06-30	IS : 366 1976
124.	07060 40	81-07-01	82-06-30	IS : 1222–1973
125.	07061 41	81-07-01	82-06-30	IS : 5410–1969
126.	07067 47	81-07-01	82-06-30	IS : 398 (Part II)–1976
127.	07072 44	81-07-01	82-06-30	IS : 427–1967
128.	07073 45	81-07-01	82-06-30	IS : 133–1975
129.	07077 49	81-07-01	82-06-30	IS : 2082–1978
130.	07083 47	81-07-01	82-06-30	IS : 384–1971
131.	07084 48	81-07-01	82-06-30	IS : 933–1976
132.	07085 49	81-07-01	82-06-30	IS : 2171–1976
133.	07093 49	81-07-01	82-06-30	IS : 1398–1968
134.	07094 50	81-07-01	82-06-30	IS : 2834–1964
135	07096 52	81-07-16	82-07-15	IS : 6–1975
136.	07122 37	81-08-01	82-07-31	IS : 10 (Part III)1976
137.	07135 42	81-08-01	82-07-31	IS: 4654-1974
138.	07136 43	81-08-01	82-07-31	IS: 4654–1974
139.	07139 46	81-08-01	82-07-31	IS: 561–1978
140.	07350 45	81-07-16	82-07-15	IS: 10 (Part II)–1976
141.	07345 50	81-05-16	82-05-15	IS: 1691–1960
142.	07419 51	81-07-01	82-06-30	IS: 1786–1979
143.	07521 48	81-08-01	82-07-31	IS: 1879 (Part I)–1975
144.	07630 52	81-08-01	82-07-31	IS: 3057–1965
145.	07755 65	81-06-01	82-05-31	IS: 1258–1969
146.	07787 72	81-06-16	82-06-15	IS: 7532–1974
147	07803 55	81-07-01	82-06-30	IS: 398 (Part I & II) –1976
148.	07804 56	81-07-01	82-06-30	IS: 1786–1966
149.	07805 57	81-07-01	82-06-30	IS: 1977–1978
150.	07805 58	81-07-01	82-06-30	IS: 226 1975
151.	07807 59	81-07-01	82-06-30	IS: 3654–1974
152.	07808 60	81-07-01	82-06-30	IS: 4654–1974
153.	07815 59	81-07-01	82-06-30	IS: 10 (Part II)–1976
154	07817 61	81-07-01	82-06-30	IS: 398 (Parts I& II) –1976

1	2	3	4	5
155	07373 59	31-07-01	82-05-30	IS 7406-1974
156	07375 5	81-07 0	82-05 30	IS 10 (P II) 1976
157	07375 6	3-07 16	32 07-15	IS 2339-1963
158	07327 53	8-07 01	82-05-30	IS 1786-1979
159	07331 57	8 07 16	82-07 15	IS 771-1974
160	07340 59	8-07-16	82-07-15	IS 916-1975
161	07343 65	81 07-16	82-07 15	IS 7122 1973
162	07519 69	81-07 16	82 07-15	IS 4961 1980
163	07862 65	81-03 01	82-07-31	IS 4654-1974
164	07363 67	81-03-01	82-07-31	IS 5281-1969
165	07865 70	8-03 01	82-07-31	IS 6263-1976
166	07870 75	8-03 01	82 07-31	IS 10) -1960
167	07903 61	81-03-01	82-07-31	IS 2870-1975
168	03740 40	81-02-01	82-01-31	IS 725 1975
169	03389 66	81-03-01	82-02-28	IS. 8268-1976
170	03437 57	81-07-01	82-05-30	IS. 4654-1974
171	03498 70	81-07-16	82-07-15	IS 5595 1972 & IS 7538-1975
172	03523 59	81-05 16	82 05-15	IS 10 (Part II)-1976
173	03573 67	81-03 01	82-07-31	IS 2339-1963
174	03575 70	81-05 15	82-05 15	IS 725-1970
175	03532 63	81-05 16	82-05 15	IS 1703-1977
176	03592 70	81-06-01	82-05 31	IS 261-1966
177	03700 53	81-06 01	82 05-31	IS 2148 1968
178	03717 62	81-05 16	82-05 15	IS 10 (Part II)-1976
179	037 2 59	81-05 16	82-05 15	IS 8249-1976
180	037?7 65	81-06-16	82-06 15	IS 3003 (Part III) 1976
181	03739 63	81-05 16	82 05 15	IS 398 1976
182	03743 61	81-07-01	82-05 30	IS 10 (Part II)1976
183	03744 65	81 07-01	82 05 30	IS 10 (Part IV)-1976
184	03747 63	81 06 16	82-06-15	IS 1554 (Part I)-1976
185	03757 70	81-07-01	82-05 30	IS 3903-1975
186	03761 65	81-07 01	82-05 30	IS 779-1978
187	03765 70	81-07 01	82 05 30	IS 694 1977
188	03768 75	81-07-01	82 05 30	IS 5410 1969
189	03772 59	81 07-16	82-07 15	IS 325-1978
190	0377? ??	81 07 15	82 07 15	IS 5536-1966
191	03777 71	8 07-01	82 05 30	IS 1711 1970
192	03778 75	81-07-16	82-07-15	IS 2566-1965
193	03780 69	81-07-16	82-07-15	IS 4323 1980
194	03781 70	81 07-16	8 -07-15	IS 7538-1975
195	03782 71	8 -07-16	82 07 15	IS 1964-1970
196	03785 71	81-07 15	82-07 15	IS 501 1975
197	03794 75	81-07 15	82-07 15	IS 3032-1974
198	03795 76	8 -07 15	82 07 15	IS 1554 (Part I)-1976
199.	03808 61	81-08-01	82-01-31	IS 4323-1980
200.	03809 65	81-03-01	82-07-31	IS 8955-1978
201	03812 60	81-08-01	82-07-31	IS 158-1958
202	03815 63	81 03 0	82-07-31	IS 1554 (Part I 1976
203	038 9 57	8 -03 01	82-07-31	IS 694-1977
204	03820 60	81 03 01	82-07 31	IS 1554 (Part I) 1976
205	03823 65	81-03-01	82-07-31	IS 1239 (Part I) 1979
206	03828 53	81-03 01	82-07-31	IS 2418 (Part I)-1977
207	03831 57	81-03-01	82-07-31	IS 694-1977
208	03833 51	81 03 0	82-07-31	IS 5595 1972 & IS 7538-1975
209	03837 69	8 -08-01	82 07-31	IS 1161 1979
210	03850 75	81-08 01	82 07 31	IS ? ?? 1973
211	03860 69	81 08-01	82 07 31	IS 553- 1970
212	08863 75	81-03-01	82 07 31	IS 565-1975

[N C MD/13 12]

A P BANERJI Addl Dir. of Genl

नई दिल्ली, 1982-01-29

का०आ० 569 —समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 218 लाइसेंसों के ब्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, उनका अगस्त 1981 में नवीकरण किया गया है।

अनुसूची

क्रम संख्या	सीएम/एल संख्या	से	वैध तक	भारतीय मानक विशिष्टि की पद संख्या
1	2	3	4	5
1	00027 11	81-06-01	82-05-31	IS : 398 (भाग 1 और 2)-1976
2	00113 08	81-08-01	82-07-31	IS : 10 (भाग 2)-1976
3	00114 09	81-08-01	82-07-31	IS : 10(भाग 2)-1976
4.	00134 13	81-08-01	82-07-31	IS : 1063-1963
5.	00173 20	81-07-16	82-07-15	IS : 1011-1968
6	00431 19	81-08-01	82-07-31	IS : 814(भाग 1 और 2)-1974
7	00479 35	81-07-01	82-06-30	IS : 1838-1961
8	00520 22	81-08-16	82-08-15	IS . 1322-1970
9	00637 31	81-07-16	82-07-15	IS : 226-1975
10	00702 23	81-08-01	82-07-31	IS 226-1975
11	00703 24	81-08-01	82-07-31	IS : 1977-1975
12	00710 22	81-08-01	82-07-31	IS 226-1975
13	00711 24	81-08 01	82-07-31	IS 1977-1975
14.	00716 29	81-08-01	82-07-31	IS 226-1975
15	00755 36	81-09-01	82-08-31	IS 2404-1972
16	00894 46	81-08-16	82-08-15	IS 2566-1965
17.	01215 17	81 07-16	82-07-15	IS 2062-1969
18	01307 20	81-08-01	82-07-31	IS 2645-1975
19	01530 25	81-08-16	82-08-15	IS 10(भाग 4)-1976
20	01663 37	81-09-01	82-08-31	IS . 926-1964
21	01673 45	81-07-01	82-06-30	IS 2802-1964
22	02032 16	81-08-16	82-08-15	IS. 2209-1976
23	02033 17	81-08-16	82-08-15	IS 6257-1971
24	021?? 20	81-08-01	82-08-31	IS 325-19??
25	02528 35	81-08-01	82-07-31	IS . 3450-1976
26	02699 53	81-06-16	82-06-15	IS 1516-1969
27.	0270? 27	81-07-01	82-06-30	IS 4199 1974
28	02719 40	81-03-01	82-07-31	IS . 2711-1979
29	02731 36	81-08-16	82-08-15	IS . 694-1977

1	2	3	4	5
30.	02831 39	81-06-16	82-08-15	IS : 2211–1972
31.	02966 53	81-08-01	82-07-31	IS : 5604–1970
32.	03015 19	81-08-16	82-08-15	IS : 694 भाग 2 —1964
33.	03092 32	81-07-16	82-07-15	IS : 1786–1966
34.	03094 34	81-08-01	82-07-31	IS : 1786–1966
35.	03103 18	81-07-16	82-07-15	IS : 2108–1977
36.	03108 23	81-08-01	82-07-31	IS : 5604–1970
37.	03140 23	81-08-16	82-08-15	IS : 2566–1965
38.	03295 41	81-08-16	82-08-15	IS : 427–1965
39.	03469 45	81-08-01	82-07-31	IS : 4816–1971
40.	03471 39	81-07-16	82-07-15	IS : 7283–1974
41.	03472 40	81-07-16	82-07-15	IS : 3930–1979
42.	03474 42	81-07-16	82-07-15	IS : 4432–1967
43.	03475 43	81-07-16	82-07-15	IS : 5517–1978
44.	03480 40	81-07-16	82-07-15	IS : 3564–1975
45.	03495 47	81-08-01	82-07-31	IS : 1601–1960
46.	03515 34	81-08-16	82-08-15	IS : 5410–1969
47.	03517 36	81-08-16	82-08-15	IS : 1879–1975
48.	03518 37	81-08-16	82-08-15	IS : 4323–1967
49.	03636 42	81-06-16	82-06-15	IS : 633–1975
50.	03654 44	81-06-16	82-06-15	IS : 1786–1979
51.	03697 55	81-08-01	82-07-31	IS : 2879–1975
52.	03737 46	81-09-01	82-08-31	IS : 561–1978
53.	03891 55	81-08-01	82-07-31	IS : 285–1974
54.	03896 60	81-08-01	82-07-31	IS : 1601–1960
55.	03902 41	81-08-01	82-07-31	IS : 10 (भाग 4) –1976
56.	03904 43	81-08-01	82-07-31	IS : 6003–1970
57.	03905 44	81-08-16	82-08-15	IS : 5281–1979
58.	03912 43	81-08-01	82-07-31	IS : 2818(भाग 2) –1971
59.	03913 44	81-08-01	82-07-31	IS : 2566–1965
60.	03920 43	81-08-01	82-07-31	IS : 2888–1974
61.	03931 46	81-09-01	82-08-31	IS : 694–1977
62.	04125 28	81-06-16	82-06-15	IS : 4323–1967
63.	04244 34	81-07-16	82-07-15	IS : 4368–1967
64.	04269 43	81-08-01	82-07-31	IS : 3976–1975
65.	04290 40	81-04-01	82-03-31	IS : 1307–1973
66.	04428 40	81-08-16	82-08-15	IS : 5346–1975
67.	04445 41	81-08-01	82-07-31	IS : 325–1978
68.	04474 46	81-08-16	82-08-15	IS : 1370–1976
69.	04498 54	81-08-01	82-07-31	IS : 2834–1964
70.	04502 33	81-08-01	82-07-31	IS : 1729–1979
71.	04512 35	81-08-01	82-07-31	IS : 1239(भाग 1) –1979
72.	04521 36	81-08-01	82-07-31	IS : 5346–1975
73.	04552 43	81-08-16	82-08-15	IS : 2026(भाग 1) —1977
74.	04566 49	81-08-16	82-08-15	IS : 691–1966
75.	04576 51	81-08-15	82-08-15	IS : 1891(भाग 1) –1978
76.	04577 52	81-08-16	82-08-15	IS : 3903–1975
77.	04621 39	81-09-01	82-08-31	IS : 7407–1974
78.	05068 40	81-03-16	82-03-16	IS : 1507–1977
79.	05104 27	81-03-16	82-03-15	IS : 5281–1969
80.	05105 28	81-03-16	82-03-15	IS : 562–1978
81.	05110 25	81-03-16	82-03-15	IS : 561—1978
82.	05235 37	81-06-01	82-05-31	IS : 1970(भाग 1) –1974
83.	05308 37	81-09-01	82-08-31	IS : 427–1965
84.	05327 40	82-08-01	82-07-31	IS : 1925–1975
85.	05328 41	81-08-01	82-07-31	IS : 1925–1975
86.	05331 36	81-05-16	82-05-15	IS : 2906–1969
87.	05350 39	81-07-16	82-07-15	IS : 6914–1978
88.	05353 42	81-07-16	82-07-15	IS : 10 (भाग 4) –1976
89.	05372 45	81-08-01	82-07-31	IS : 7371–1977
90.	05391 48	81-08-01	82-07-31	IS : 1660–1972
91.	05400 32	81-08-01	82-07-31	IS : 226–1975
92.	05407 39	81-08-01	82-07-31	IS : 780–1969
93.	05415 39	81-08-01	82-07-31	IS : 651–1971
94.	05426 42	81-08-16	82-08-15	IS : 3811–1976
95.	05445 45	81-08-16	82-08-15	IS : 325–1978
96.	05456 48	81-09-01	82-08-31	IS : 427–1965
97.	05579 58	81-08-01	82-07-31	IS : 1–1968
98.	05761 54	81-07-01	82-06-30	IS : 6915–1978
99.	05866 62	81-08-16	82-08-15	IS : 10(भाग 4) –1976
100.	05921 52	81-08-01	82-07-31	IS : 1729–1979
101.	06048 40	81-05-01	82-04-30	IS : 1398–1968
102.	06060 36	81-05-16	82-05-15	IS : 633–1975
103.	06164 43	81-09-01	82-08-31	IS : 5410–1969
104.	06187 50	81-07-01	82-06-30	IS : 5346–1975
105.	06213 35	81-07-01	82-06-30	IS : 702–1961
106.	06224 38	81-07-16	82-07-15	IS : 7945–1975
107.	06228 42	81-07-16	82-07-15	IS : 4964—1980
108.	06232 38	81-08-16	82-08-15	IS : 694—1977
109.	06237 43	81-08-01	82-07-31	IS : 3231–1965
110.	06245 43	81-05-01	82-04-30	IS : 781–1977
111.	06253 43	81-07-16	82-07-15	IS : 814 (भाग 1) –1974
112.	06269 51	81-08-01	82-07-31	IS : 4654–1974
113.	06281 47	81-08-01	82-07-31	IS : 2567–1978
114.	06292 50	81-08-01	82-07-31	IS : 5410–1969
115.	06294 52	81-08-01	82-07-31	IS : 6595–1972 और IS : 7538–1975
116.	06299 57	81-08-01	82-07-31	IS : 2834–1964
117.	06300 33	81-08-01	82-07-31	IS : 1239 (भाग 1) –1979
118.	06317 42	81-08-01	82-07-31	IS : 1165–1975
119.	06321 38	81-08-16	82-08-15	IS : 2567–1978
120.	06326 43	81-08-16	82-08-15	IS : 2834–1964
121.	06330 39	81-08-16	82-08-15	IS : 4964–1980
122.	06335 45	81-08-16	82-08-15	IS : 4174–1977
123.	06345 46	81-08-16	82-08-15	IS : 4323–1980
124.	06346 47	81-08-16	82-08-15	IS : 398 (भाग 1 और 2)—1976
125.	06355 48	81-08-16	82-08-15	IS : 562–1978

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
126.	06358 51	81-08-16	82-08-15	IS : 5430–1969
127.	06370 47	81-08-16	82-08-15	IS : 4964–1980
128.	06434 46	81-07-01	82-06-30	IS : 1239 (भाग 1) –1979
129.	06451 47	81-07-16	82-07-15	IS : 1307–1973
130.	06524 47	81-05-16	82-05-15	IS : 6915–1978
131.	06971 66	81-08-01	82-07-31	IS : 1786–1979
132.	06972 67	81-07-16	82-07-15	IS : 3575–1977
133.	07031 35	81-08-16	82-08-15	IS : 2834–1964
134.	07086 46	81-07-01	82-06-30	IS : 934–1976
135.	07095 51	81-07-16	82-07-15	IS : 780–1969
136.	07102 23	81-07-16	82-07-15	IS : 6003–1970
137.	07105 36	81-08-01	82-07-31	IS : 2567–1978
138.	07111 34	81-08-01	82-07-31	IS : 7407–1974
139.	07113 36	81-08-01	82-07-31	IS : 745–1975
140.	07114 37	81-08-01	82-07-31	IS : 4964–1980
141.	07119 42	81-07-01	82-06-30	IS : 2878–1976
142.	07121 36	81-08-01	82-07-31	IS : 4323–1980
143.	07123 38	81-08-01	82-07-31	IS : 1239 (भाग 1) –1979
144.	07125 40	81-08-01	82-07-31	IS : 285–1974
145.	07127 42	81-08-01	82-07-31	IS : 3196–1974
146.	07132 39	81-08-01	82-07-31	IS : 6595–1972
147.	07138 45	81-08-01	82-07-31	IS : 2580–1965
148.	07151 42	81-08-16	82-08-15	IS : 2567–1978
149.	07171 46	81-09-01	82-08-31	IS : 4355–1977
150.	07282 52	81-09-01	82-08-31	IS : 280–1978
151.	07603 49	81-03-16	82-03-15	IS : 6914–1978
152.	07608 54	81-03-16	82-03-15	IS : 2567–1978
153.	07799 76	81-06-16	82-06-15	IS : 633–1975
154.	07830 58	81-07-16	82-07-15	IS : 8391–1977
155.	07834 62	81-07-16	82-07-15	IS : 2834–1964
156.	07844 64	81-07-16	82-07-15	IS : 7406–1974
157.	07850 62	81-07-16	82-07-15	IS : 2567–1978
158.	07854 66	81-07-16	82-07-15	IS : 2878–1976
159.	07859 71	81-08-01	82-07-31	IS : 4964–1980
160.	07881 69	81-08-01	82-07-31	IS : 226–1975
161.	06892 72	82-08-16	82-08-15	sS : 4654–1974
162.	07895 75	81-08-16	82-08-15	IS : 2214–1977
163.	07897 77	81-08-16	82-08-15	IS : 1554(भाग 1) –1976
164.	07898 78	81-08-16	82-08-15	IS : 398 (भाग 1) –1976
165.	07901 56	81-08-16	82-08-15	IS : 8249–1976
166.	07902 57	81-08-16	82-08-15	IS : 4654–1974
167.	07910 67	81-08-16	82-08-15	IS : 4654–1974
168.	07955 70	81-09-01	82-08-31	IS : 226–1975
169.	07959 74	81-09-01	82-08-31	IS : 3589–1966
170.	08082 50	81-09-01	82-08-31	IS : 2074–1962
171.	08133 44	81-09-01	82-08-31	IS : 137–1965
172.	08134 45	81-09-01	82-08-31	IS : 157–1950
173.	08135 46	81-09-01	82-08-31	IS : 168–1973
174.	08136 47	81-09-01	82-08-31	IS : 2074–1962
175.	08137 48	81-09-01	82-08-31	IS : 3536–1966
176.	08144 47	81-09-01	82-08-31	IS : 5660–1970
177.	08145 48	81-09-01	82-08-31	IS : 164–1951
178.	08569 68	81-04-16	82-04-15	IS : 1977–1975
179.	08589 72	81-04-16	82-04-15	IS : 226–1975
180.	08593 68	81-04-16	82-04-15	IS : 226–1975
181.	08696 74	81-05-16	82-05-31	IS : 1161–1979
182.	08741 62	81-07-01	82-06-30	IS : 4323–1980
183.	08771 68	81-07-16	82-07-15	IS : 1832–1978
184.	08799 80	81-08-01	82-07-31	IS : 1011–1968
185.	08803 59	81-08-01	82-07-31	IS : 1786–1966
186.	08806 62	81-08-01	82-07-31	IS : 2932–1974
187.	08810 58	81-08-01	82-07-31	IS : 1971–1975
188.	08818 66	81-08-01	82-07-31	IS : 325–1978 IS : 1520–1972
189.	08824 64	81-08-01	82-07-31	IS : 1786–1979
190.	08827 67	81-08-01	82 07-31	IS : 1783–1974
191.	08829 69	81-08-01	82 07-31	IS : 8051–1976
192.	08833 65	81-08-16	82 08-15	IS : 4323–1967
193.	08844 68	81-08-16	82 08-15	IS : 633–1975
194.	08855 71	81-08-16	82 08-15	IS : 1786–1966
195.	08865 73	81-08-16	82-08-15	IS : 565–1975
196.	08872 72	81-08-16	82-08-15	IS : 325–1978
197.	08873 73	81-08-16	82-08-15	IS : 398 (भाग 1 और 2)–1976
198.	08876 76	81-08-16	82-08-15	IS : 2567–1978
199.	08878 78	81-08-16	82-08-15	IS : 4964–1980
200.	08879 79	81-08-16	82-08-15	IS : 7122–1973
201.	08882 74	81-08-16	82-08-15	IS : 226–1975
202.	08883 75	81-08-16	82-08-14	IS : 6914–1978
203.	08884 76	81-08-16	82-08-15	IS : 6915–1978
204.	08885 77	81-08-16	82-08-15	IS : 1341–1976
205.	08891 75	81-09-01	82-08-31	IS : 1161–1979
206.	08899 83	81-09-01	82-08-31	IS : 398 (भाग 1 और 2)–1976
207.	08903 62	81-09-01	82-08-31	IS : 1161–1979
208.	08904 63	81-08-16	82-08-15	IS : 398 (भाग 1 और 2)–1976
209.	08906 65	81-09-01	82-08-31	IS : 562–1978
210.	08911 62	81-08-01	82-07-31	IS : 4964–1980
211.	08918 69	81-09-01	82-08-31	IS : 204 (भाग 2) –1978
212.	08935 70	81-09-01	82-08-31	IS : 694–1977
213.	08950 69	81-08-16	82-08-15	IS : 1943–1964
214.	08951 70	81-08-16	82-08-15	IS : 3794–1968
215.	08952 71	81-08-16	82-08-15	IS : 3984–1967
216.	08955 74	81-08-16	82-08-15	IS : 2875–1964
217.	08956 75	81-08-16	82-08-15	IS : 3794–1966
218.	08958 77	81-08-16	82-08-15	IS : 2874–1966

[सं० सी० एम० डी०]

पी० बनर्जी, अपर महानिदेशक

New Delhi, the 1982-01-29

S.O.569.—In pursuance of sub regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby, notifies that 218 licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of August 1981.

SCHEDULE

Sl. No.	CM/L No.	Valid From	Valid To	Indian Standard Specification No
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	00027 11	81-06-01	82-05-31	IS: 398 (Part I&II)-1976
2.	00113 03	81-03-01	82-07-31	IS: 10 (Part II)-1976
3.	00114 09	81-03-01	82-07-31	IS: 10 (Part II)-1976
4.	00134 13	81-08-01	82-07-31	IS: 1063-1963
5.	00173 20	81-07-16	82-07-15	IS: 11011-1968
6.	00431 19	81-03-01	82-07-31	IS: 814 (Part I &II)-1974
7.	00479 35	81-07-01	82-06-30	IS: 1838-1961
8.	00520 22	81-08-16	82-08-15	IS: 1322-1970
9.	00537 31	81-07-16	82-07-15	IS: 226-1975
10.	00702 23	81-03-01	82-07-31	IS: 226-1975
11.	00703 24	81-08-01	82-07-31	IS: 1977 1975
12.	00710 23	81-08-01	82-07-31	IS: 226 1975
13.	00711 24	81-08-01	82-07-31	IS: 1977 1975
14.	00716 29	81-08-01	82-07-31	IS: 226-1975
15.	00755 30	81-09-01	82-08-31	IS: 2404-1972
16.	00894 46	81-08-16	82-08-15	IS : 2566-1965
17.	01215 17	81-07-16	82-07-15	IS : 2062-1969
18.	01307 20	81-08-01	82-07-31	IS : 2645-1975
19.	01530 25	81-08-16	82-08-15	IS : 10 (Part IV)-1976
20.	01663 37	81-09-01	82-08-31	IS : 996-1964
21.	01873 45	81-07-01	82-06-30	IS : 2302-1964
22.	02032 16	81-08-16	82-08-15	IS : 2209-1976
23.	02033 17	81-08-16	82-08-15	IS : 6257-1971
24.	02147 26	81-09-01	82-08-31	IS : 325-1978
25.	02528 35	81-03-01	82-07-31	IS : 3450-1976
26.	02699 53	81-05-16	82-05-15	IS : 1515-1969
27.	02703 37	81-07-01	82-06-30	IS : 4199-1974
28.	02719 40	81-03-01	82-07-31	IS : 2711-1979
29.	02731 36	81-03-16	82-08-15	IS : 694-1977
30.	02831 39	81-06-16	82-08-15	IS : 2211-1972
31.	02966 53	81-08-01	82-07-31	IS : 5604-1970
32.	03015 19	81-08-16	82-08-15	IS : 694 (Part II)-1964
33.	03092 32	81-07-16	82-07-15	IS : 1786-1966
34.	03094 34	81-08-01	82-07-31	IS : 1786-1966
35.	03103 18	81-07-16	82-07-15	IS : 2108-1977
36.	03108 23	81-08-01	82-07-31	IS : 5604-1970
37.	03140 23	81-08-16	82-08-15	IS : 2566-1965
38.	03295 41	81-08-16	82-08-15	IS : 427-1965
39.	03469 45	81-08-01	82-07-31	IS : 4816-1971
40.	03471 39	81-07-16	82-07-15	IS : 7283-1974
41.	03472 40	81-07-16	82-07-15	IS : 3930-1979
42.	03474 42	81-07-16	82-07-15	IS : 4432-1967
43.	03475 43	81-07-16	82-07-15	IS : 5517-1978
44.	03480 40	81-07-16	82-07-15	IS : 3564-1975
45.	03495 47	81-08-01	82-07-31	IS : 1601-1960
46.	03515 34	81-08-16	82-08-15	IS : 5410-1969
47.	03517 36	81-03-16	82-08-15	IS : 1879-1975
48.	03518 37	81-03-16	82-08-15	IS : 1323-1967
49.	03636 42	81-05-15	82-05-15	IS : 633-1975
50.	03654 44	81-05-16	82-05-15	IS : 1735-1979
51.	03697 55	81-03-01	82-07-31	IS : 2379-1975
52.	03737 46	81-03-01	82-03-31	IS : 551-1973
53.	03891 55	81-03-01	82-07-31	IS : 235-1974
54.	03896 60	81-08-01	82-07-31	IS : 1601-1960
55.	03902 41	81-03-01	82-07-31	IS : 10 (Part IV)-1976
56.	03904 43	81-08-01	82-07-31	IS : 6003-1970
57.	03905 44	81-03-16	82-03-15	IS : 5231-1979
58.	03912 43	81-03-01	82-07-31	IS : 2318 (Part II)-1971
59.	03913 44	81-03-01	82-07-31	IS : 2566-1965
60.	03920 43	81-03-01	82-07-31	IS : 2338-1974
61.	03931 46	81-03-01	82-03-31	IS : 694-1977
62.	04125 28	81-05-16	82-05-15	IS : 4323-1967
63.	04244 34	81-07-16	82-07-15	IS : 4368-1967
64.	04269 43	81-03-01	82-07-31	IS : 3976-1975
65.	04290 40	81-04-01	82-03-31	IS : 1307-1973
66.	04428 40	81-08-16	82-08-15	IS : 5345-1975
67.	04445 41	81-08-01	82-07-31	IS : 325-1978
68.	04474 46	81-08-16	82-08-15	IS : 1370-1976
69.	04498 54	81-03-01	82-07-31	IS : 2334-1964
70.	04502 33	81-03-01	82-07-31	IS : 1729-1979
71.	04512 35	81-08-01	82-07-31	IS : 1239 (Part I)-1979
72.	04521 36	81-08-01	82-07-31	IS : 5345-1975
73.	04552 43	81-03-16	82-03-15	IS : 2026 (Part I)-1977
74.	04566 49	81-08-16	82-08-15	IS : 691-1966
75.	04576 51	81-03-16	82-03-15	IS : 1891 (Part I)-1978
76.	04577 52	81-08-16	82-08-15	IS : 3903-1975
77.	04621 39	81-09-01	82-08-31	IS : 7407-1974
78.	05058 40	81-03-16	82-03-15	IS : 1507-1977
79.	05104 27	81-03-16	82-03-15	IS : 5231-1969
80.	05105 28	81-03-16	82-03-15	IS : 562-1978
81.	05110 25	81-03-16	82-03-15	IS : 561-1978
82.	05235 37	81-05-01	82-05-31	IS : 1970 (Part I)-1974
83.	05308 37	81-09-01	82-08-31	IS : 427-1965
84.	05327 40	81-08-01	82-07-31	IS : 1925-1975
85.	05328 41	81-08-01	82-07-31	IS : 1925-1975
86.	05331 36	81-05-16	82-05-15	IS : 2905-1969
87.	05350 39	81-07-16	82-07-15	IS : 6914-1968
88.	05353 42	81-07-16	82-07-15	IS : 10 (Part IV)-1976
89.	05372 45	81-08-01	82-07-31	IS : 7371-1977
90.	05391 48	81-08-01	82-07-31	IS : 1650-1972
91.	05400 32	81-08-01	82-07-31	IS : 226-1975
92.	05407 39	81-03-01	82-07-31	IS : 780-1969
93.	05415 39	81-08-01	82-07-31	IS : 651-1971
94.	05426 42	81-08-16	82-08-15	IS : 3811-1976
95.	05445 45	81-08-16	82-08-15	IS : 325-1978
96.	05456 48	81-09-01	82-08-31	IS : 427-1965
97.	05579 58	81-08-01	82-07-31	IS : 1-1968
98.	05761 541	81-07-01	82-06-30	IS : 6915-1978
99.	05866 62	81-08-16	82-08-15	IS : 10 (Part IV)-1976
100.	05921 52	81-08-01	82-07-31	IS : 1729-1979
101.	06048 40	81-05-01	82-04-30	IS : 1398-1968
102.	06060 36	81-05-16	82-05-15	IS : 633-1975
103.	06164 43	81-09-01	82-08-31	IS : 5410-1969

1	2	3	4	5
104.	06187 50	81-07-01	82-06-30	IS : 5346–1975
105.	06213 35	81-07-01	82-06-30	IS : 702–1961
106.	06224 38	81-07-16	82-07-15	IS : 7946–1976
107.	06228 42	81-07-16	82-07-15	IS : 4964–1980
108.	06232 38	81-08-16	82-08-15	IS : 694–1977
109.	06237 43	81-03-01	82-07-31	IS : 3231–1965
110.	06245 43	81-05-01	82-04-30	IS : 781–1977
111.	06253 43	81-07-16	82-07-15	IS : 814 (Part I)–1974
112.	06269 51	81-08-01	82-07-31	IS : 4654 1974
113.	06281 47	81-08-01	82-07-31	IS : 2567–1978
114.	06292 50	81-08-01	82-07-31	IS : 5410–1969
115.	06294 52	81-08-01	82-07-31	IS : 6595-1972 & IS : 7538–1975
116.	06299 57	81-08-01	82-07-31	IS : 2834–1964
117.	06300 33	81-08-01	82-07-31	IS : 1239 (Part I) 1979
118.	06317 42	81-08-01	82-07-31	IS : 1165–1975
119.	06321 38	81-08-16	82-08-15	IS : 2567–1978
120.	06326 43	81-08-16	82-08-15	IS : 2834–1964
121.	06330 39	81-08-16	82-08-15	IS : 4964–1980
122.	06336 45	81-08-16	82-08-15	IS : 4174–1977
123.	06345 46	81-08-16	82-08-15	IS : 4323–1980
124.	06349 47	11-08-16	82-08-15	IS : 398(Part I & II) 1976
125.	06355 48	81-08-16	82-08-15	IS : 562–1978
126.	06358 51	81-08-16	82-08-15	IS : 5430–1969
127.	06370 47	81-08-16	82-08-15	IS : 4964–1980
128.	06434 46	81-07-01	82-06-30	IS : 1239 (Part I) 1979
129.	06451 47	81-07-16	82-07-15	IS : 1307–1973
130.	06524 47	81-05-16	82-05-15	IS : 6915–1978
131.	06971 66	81-08-01	82-07-31	IS : 1786–1979
132.	06972 67	81-07-16	82-07-15	IS : 3575–1977
133.	07031 35	81-08-16	82-08-15	IS : 2834–1964
134.	07086 46	81-07-01	82-06-31	IS : 934–1976
135.	07095 51	81-07-16	82-07-15	IS : 780-1969
136.	07102 33	81-07-16	82-07-15	IS : 6003–1970
137.	07105 36	81-08-01	82-07-31	IS : 2567–1978
138.	07111 34	81-08-01	82-07-31	IS : 7407–1974
139.	07113 36	81-08-01	82-07-31	IS : 745-1975
140.	07114 37	81-08-01	82-07-31	IS : 4964–1980
141.	07119 42	81-07-01	82-06-30	IS : 2878–1976
142.	07121 36	81-08-01	82-07-31	IS : 4323-1980
143.	07123 38	81-08-01	82-07-31	IS : 1239 (Part I)–1979
144.	07125 40	81-08-01	82-07-31	IS : 285–1974
145.	07127 42	81-08-01	82-07-31	IS : 3196–1974
146.	07132 39	81-08-01	82-07-31	IS : 6595–1972
147.	07138 45	81-08-01	82-07-31	IS : 2580–1965
148.	07151 42	81-08-16	82-08-15	IS : 2567–1978
149.	07171 46	81-09-01	82-08-31	IS : 4355–1977
150.	07282 52	81-09-01	82-08-31	IS : 280–1978
151.	07603 49	81-03-16	82-03-15	IS : 6914–1978
152.	07608 54	81-03-16	82-03-15	IS : 2567–1978
153.	07799 76	81-06-16	82-06-15	IS : 633–1975
154.	07830 58	81-07-16	82-07-15	IS : 8391–1977
155.	07834 62	81-07-16	82-07-15	IS : 2834–1964
156.	07844 64	81-07-16	82-07-15	IS : 7406–1974
157.	07850 62	81-07-16	82-07-15	IS : 2567–1978
158.	07854 66	81-07-16	82-07-15	IS : 2878–1976
159.	07859 71	81-08-01	82-07-31	IS : 4964–1980
160.	07881 69	81-08-01	82-07-31	IS : 226–1975
161.	07892 72	81-08-16	82-08-15	IS : 4654–1974
162.	07895 75	81-08-16	82-08-15	IS : 2214–1977
163.	07897 77	81-08-16	82-08-15	IS : 1554 (Part I)–1976
164	07898 78	81-08-16	82-08-15	IS : 398 (Part I) 1976
165.	07901 56	81-08-16	82-08-15	IS : 8249–1976
166.	07902 57	81-08-16	82-08-15	IS : 4654–1974
167.	07910 67	81-08-16	82-08-15	IS . 4654–1974
168.	07955 70	81-09-01	82-08-31	IS : 226–1975
169.	07959 74	81-09-01	82-08-31	IS : 3589–1966
170.	08082 50	81-09-01	82-08-31	IS : 2074–1962
171.	08133 44	81-09-01	82-08-31	IS : 137–1965
172.	08134 45	81-09-01	82-08-31	IS : 157–1950
173.	08135 46	81-09-01	82-08-31	IS : 168–1973
174.	08136 47	81-09-01	82-08-31	IS : 2074–1962
175.	08137 48	81-09-01	82-08-31	IS : 3536–1966
176.	08144 47	81-09-01	82-08-31	IS : 5660–1970
177.	08145 48	81-09-01	82-08-31	IS : 164–1951
178.	08569 68	81-04-16	82-04-15	IS : 1977–1975
179.	08589 72	81-04-16	82-04-15	IS : 226–1975
180.	08593 68	81-04-16	82-04-15	IS : 226–1975
181.	08696 74	81-05-16	82-05-31	IS : 1161–1979
182.	08741 62	81-07-01	82-06-30	IS : 4323–1980
183.	08771 68	81-07-16	82-07-15	IS : 1832–1978
184.	08799 80	81-08-01	82-07-31	IS : 1011–1968
185.	08803 59	81-08-01	82-07-31	IS : 1786–1966
186.	08806 62	81-08-01	82-07-31	IS : 2932–1974
187.	08810 58	81-08-01	82-07-31	IS : 1971 -1975
188.	08818 66	81-08-01	82-07-31	IS : 325–1978 IS : 1520–1972
189.	08824 64	81-08-01	82-07-31	IS : 1786–1979
190.	08827 67	81-08-01	82-07-31	IS : 1783–1974
191.	08829 69	81-08-01	82-07-31	IS : 8051–1976
192.	08833 65	81-08-16	82-08-15	IS : 4323–1976
193.	08844 68	81-08-16	82-08-15	IS : 633–1975
194.	08855 71	81-08-16	82-08-15	IS : 1786–1966
195.	08865 73	81-08-16	82-08-15	IS : 565–1975
196.	08872 72	81-08-16	82-08-15	IS : 325–1978
197.	08873 73	81-08-16	82-08-15	IS : 398 (Part I&II)–1976
198.	08876 76	81-08-16	82-08-15	IS : 2567–1978
199.	08878 78	81-08-16	82-08-15	IS : 4964–1980
200.	08879 79	81-08-16	82-08-15	IS : 7122–1973
201.	08882 74	81-08-16	82-08-15	IS : 226–1975
202.	08883 75	81-08-16	82-08-15	IS : 6914–1978
203.	08884 76	81-08-16	82-08-15	IS : 6915–1978
204.	08885 77	81-08-16	82-08-15	IS : 1341–1976
205.	08891 75	81-09-01	82-08-31	IS : 1161–1979
206.	08899 83	81-09-01	82-08-31	IS : 398 (Part I&II)–1976
207.	08903 62	81-09-01	82-08-31	IS : 1161–1979
208.	08904 63	81-08-16	82-08-15	IS : 398 (Part I&II)–1976
209.	08906 65	81-09-01	82-08-31	IS : 562–1978
210.	08911 62	81-08-01	82-07-31	IS : 4964–1980
211.	08918 69	81-09-01	82-08-31	IS : 204 (Part II)–1978
212.	08935 70	81-09-01	82-08-31	IS : 694–1977
213.	08950 69	81-08-16	82-08-15	IS : 1943 -1964
214.	08951 70	81-08-16	82-08-15	IS : 3794-1968
215.	08952 71	81-08-16	82-08-15	IS : 3984–1967
216.	08955 74	81-08-16	82-08-15	IS : 2875–1964
217.	08956 75	81-08-16	82-08-15	IS : 3794–1966
218.	08958 77	81-08-16	82-08-15	IS : 2874–1966

[No. CMD/13:12]

A. P. BANERJI, Addl. Director General

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1982

का० आ० 570.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 2942 तारीख 27-6-81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कूप नं० एस० एन० सी० से एस० एन० एल०

राज्य—गुजरात जिला व तालुका—मेहसाना

गांव	सर्वे नं०	हे०	एआरई	सेन्टीयर
जुटाना	1428	0	03	12
	1433	0	01	14

[सं० 12016/22/81-प्रो०]

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZER

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 25th January, 1982

S.O. 570.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer (Department of Petroleum), S.O. No. 2942 dated 27-6-81 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user the land specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of users in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Acquisition of ROU from Well no. SNC to SNL

State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centi-are
Jotana	1428	0	03	12
	1433	0	01	14

[No. 12016/22/81—Prod]

का० आ० 571.—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 2384 तारीख 20-8-81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है ।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है ।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी० जी० एस० संयाल-1 से जी० जी० एस० कम सी० टी० एफ० दक्षिण संयाल होडर

राज्य—गुजरात जिला व तालुका—मेहसाना

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एआर ई	से०
(1) (2)	(3)	(4)	(5)	(6)
कमलपुर	556	0	08	10
	548	0	44	16

[सं० 12016/25/81-प्रो०]

S.O. 571.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer, (Department of Petroleum) S.O. 2384 dated 20-8-81 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land)

Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from GGS Santhal-1 to GGS-cum-CTF South Santhal Header

State . Gujarat — District & Taluka : Mehsana

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centi-are
Kasalpura	556	0	08	10
	548	0	44	16

[No. 12016/25/81-Prod]

का०आ० 572.—यत पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ०स०2386 तारीख 20-8-81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यत: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से सलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अत: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

जी० जी० एस० संथाल 1 से जी०जी०एस० कम सीटीएफ दक्षिण संथाल हैडर

राज्य - गुजरात — जिला व तालुका - मेहसाना

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एआरई	सेन्टीयर
संथाल	635	0	01	92
	624	0	01	32
	625	0	08	52
	627	0	10	56

[सं०12016/26/81-प्रो०II]

टी० एन० परमेश्वरन, अवर सचिव

S.O. 572.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer, (Department of Petroleum) S.O. 2386 dated 20-8-81 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline ;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government ;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification ;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline ;

And further in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from G.G.S. Santhal-1 to GGS-cum-CTF South Santhal Header

State : Gujarat — Taluk & District : Mehsana

Village	Survey No.	Hectare	Are	Centi-are
Santhal	635	0	01	92
	624	0	01	32
	625	0	08	52
	627	0	10	56

[No. 12016/26/81-Prod. II]

T. N. PARAMESWARAN, Under Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 1981

का०आ० 573.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125,तारीख 6 जून 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368-06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है,

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री निरंजन प्रसाद पुत्र श्री जनकराम ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा

13 के अधीन 2 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं० 13(5)/79-सी०एल०(खंड ii) (1)]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 28th November, 1981

S.O. 573.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under Sub-section (i) of Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur (Madhya Pradesh);

And whereas Shri Niranjan Prasad son of Shri Janakram of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act, preferred his claim to the competent authority for payment of compensation for acquisition of his land measuring 2.00 acres, which forms part of land so acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest ;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Session Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13/5/79-CL(Vol.II)(1)]

का०आ० 574.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा, 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में दादर और अन्य 5 ग्रामों , थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के उपेन्द्र नाथ सिंह पुत्रश्री गजाधर सिंह ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 4.70 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश , बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं० 13(5)/79-सी०एल०(खंडii)(2)]

S.O. 574.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125 dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba Tahsil Katghora, District Bilaspur, (Madhya Pradesh);

And whereas Shri Upendra Nath Singh son of Shri Gajadhar Singh of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act, preferred his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 4.70 acres, which forms part of land so acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2)of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13/5/79-CL(Vol.II)(2)]

का०आ० 475.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात , खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण मे, दादर और अन्य 5 ग्रामों , थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्रीमती रामी धनराज कौर पत्नी श्री जोगेश्वर प्रसाद ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 0.38 एकड़ माप की अपनी भूमि के जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ,

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं० 13(5)/79-सी०एल०(खंड ii) (3)]

S.O. 575.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125 dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the lands measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil, Kathghora, District Bilaspur Madhya Pradesh;

And whereas Smt. Rani Dhanraj Kuwar W/o Shri Jogeshwar Prasad of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act, preferred her claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of her land measuring 0.38 acre which forms part of land as acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13/5/79-CL(Vol.II)(3)]

का०आ० 576—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री हीरासिंह पुत्र श्री खिमान सिंह ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 1.68 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं० 13/5/79-सी०एल०(खंड II)(4)]

S.O. 576.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Kathghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And whereas Shri Hirasingh son of Shri Khimansingh of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act, preferred his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 1.68 acres which forms part of land so acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13/5/79-CL(Vol.II)(4)]

का०आ० 577—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री रामसिंह पुत्र श्री जैतसिंह ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 5.10 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं० 13/5/79-सी०एल०(खंड II)(5)]

S.O. 577.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P.S. Korba, Tahsil Kathghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And whereas Shri Ramsingh son of Shri Jaitsingh of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act, preferred his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 5.10 acres, which forms part of land so acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby consititutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13/5/79-CL(Vol.II)(5)]

का०आ० 578—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है,

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री बुन्देश्वर प्रसाद पुत्र श्री श्रीनाथ और छह अन्य में, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 1.60 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)79-सी०एल०(खंड II)(6)]

S.O. 578.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964, made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Kathghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And whereas Shri Bundeshwar Prasad, son of Shri Shreenath and six others of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the persons interested have not, under section 13 of the said Act, preferred their claim to the competant authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 1.60 acres which forms part of land so acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimants.

[No. 13/5/79-CL(Vol.II)(6)]

का०आ०579.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री दशरथ पुत्र श्री कोंडा ने जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 3.06 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है,

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5) 79 सी० एल० (खंड II) (7)]

S.O. 579.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964, made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Kathghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And whereas, Shri Dasrath son of Shri Konda of village Dadar (deh), P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act, preferred his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 3.06 acres which forms part of land so acquired;

And, whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13/5/79-CL(Vol.II)(7)]

का०आ० 580.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री मनबेधिया और श्री बेधरम पुत्र श्री कुर्रा ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 8.32 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए, सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5) 79-सी०एल०(खंड II)(8)]

S.O. 580.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5others, P. S. Korba, Tahsil Kateghora, District Bilaspur ; Madhya Pradesh.

And, whereas Shri Manbedhiya and Shri Bedhram, sons of Shri Kura of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the persons interested has not, under section 13 of the said Act, preferred their claim to the competant authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 8.32 acres which forms part of land so acquired ;

And, whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby consititutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimants.

[No. 13/5/79-CL (Vol. II(8)]

का०आ० 581.—केन्द्रीय सरकार, ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों थाना कोरबा, तहसील कठघोडा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करती है,

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री मनबोधिया और अन्य पुत्र श्री कूर्रा ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 2.64 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए, सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यर्पित सहित स्वीकार की गई थी;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश बिलासपुर मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79 सी० एल० (खण्ड II) (9)]

S.O. 581.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximatly) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And, whereas Shri Manbedhia and others son of Shri Kurra of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the persons interested has not under section 13 of the said Act, preferred their claim to the competant authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 2.64 acres which forms part of land so acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claiments.

[No. 13/5/79-CL(Vol.II)(9)]

का०आ० 582.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून 1961 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों थाना कोरबा, तहसील कठघोडा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है,

और ग्राम दादर थाना कोरबा, जिला बिलासपुर की श्रीमती दशरत पत्नी श्री बलराम ने जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 1.53 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है,

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यर्पित सहित स्वीकार की गई थी;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश बिलासपुर मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79-सी०एल०खण्ड II(10)]

S.O. 582.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And whereas Smt. Dasrat Wife of Sri Balaram of village Dadar P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not under section 13 of the said Act preferred her claim to the competant authority for the payment of compensation for acquisition of her land measuring 1.53 acres which forms part of land so acquired;

And, whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claiment

[No. 13/5/79-CL(Vol.II)(10)]

का०आ० 583.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र अर्जन और विकास अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों थाना कोरबा, तहसील कठघोडा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के सर्व श्री तुलाराम, घासीराम और चैतु (चैतराम) पुत्र श्री कटवा और श्रीमती हिसाहिन पत्नी कटवा ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 3.65 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है जिसमें जिला और सैशन न्यायाधीश बिलासपुर मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13 (5)/79-सी० एल० (खण्ड II) (11)]

S.O. 583.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368,06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And, whereas S/Shri Tularam, Ghasiram and Chitu S/o. Katwa and Smt. Bisahin W/o. Katwa of village Dadar, P. S. Korba District Bilaspur, the persons interested have not, under section 13 of the said Act, preferred their claim to the competant authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 3.65 acres, which forms part of land so acquired;

And, whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimants.

[No. 13/5/79-CL(Vol.II)(11)]

का०आ० 584.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख, 6 जून 1964 के अनुसरण में दादर और अन्य 5 ग्रामों थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है,

और ग्राम दादर थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के सर्वश्री खन्नू मन्नू रामलाल, रामदयाल पुत्र श्री झुरू और श्रीमती मूली पत्नी झुरू ने जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 0.20 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है,

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सैशन न्यायाधीश बिलासपुर मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13 (5)/79-सी० एल० (खंड II) (12)]

S.O. 584.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964, made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And, whereas, S/Shri Khunu, Munu, Ramlal, Ramdayal S/o. Jhuru and Smt. Muli W/o. Jhuru of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the persons interested have not under section 13 of the said Act, preferred their claim to the competant authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 0.20 acre which forms part of land so acquired;

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimants.

[No. 13/5/79-CL(Vol. II)(12)]

का० आ० 585.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोडा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री धनीराम पुत्र श्री रोगिया और अन्य ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 1.71 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी,

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79-सी० एल० (खण्ड II)(13)]

S.O. 585.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And whereas Shri Dhaniram S/o. Rogia and others of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the persons interested have not, under section 13 of the said Act, preferred their claim to the competant authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 1.71 acres, which forms part of land so acquired;

And, whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimants.

[No. 13/5/79-CL(Vol.II)(13)]

का० आ० 586.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कटघोड़ा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के सर्वश्री लालजी मालखन, मलखान, लखन और लगन पुत्र श्री भकलू ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 2.58 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79-सी० एल० (खण्ड II)(14)]

S.O. 586.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering, (Department of Mines and Metals), No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And, whereas S/Shri Laljee Makhan, Malkan, Lakhan and Lagan S/o Bhaklu of village Dadar, P. O. Korba, District Bilaspur, the persons interested have not, under section 13 of the said act, preferred their claim to the competant authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 2.58 acres which forms part of land so acquired;

And, whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimants.

[No. 13/5/79-CL(Vol.II)(14)]

का०आ० 587—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कटघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के सर्वश्री तोकसिंह पुत्र देवसिंह, जयपाल सिंह पुत्र तोकसिंह और श्रीमती चांद कुरेर पत्नी समुन्दसिंह ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 2.79 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79-सी० एल० (खण्ड II)(15)]

S.O. 587.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering, (Department of Mines and Metals), No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And whereas S/Shri Toksingh S/o Deosingh, Jaipal Singh S/o Toksingh and Smt. Chandkuar W/o Samundsingh of village Dadar, P. S. Korba District Bilaspur, the persons interested have not, under section 13 of the said Act, preferred their claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 2.79 acres which forms part of land so acquired;

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being

a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claiments under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claiments.

[No. 13/5/79-CL(Vol.II)(15)]

का० आ० 588.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री धाजाराम पुत्र श्री नानकी ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 0.16 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यर्पित सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79-सी० एल० (खंड II)(16)]

S.O. 588.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately), in villages Dadar and 5 others P. S. Korba, Tehsil Kathghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And, whereas Shri Dhajaram S/o Nanki of village Dadar, P.S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act, preferred his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 0.16 acre which forms part of land so acquired;

And, whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claiment under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claiment.

[No. 13/5/79-CL(Vol.II)(16)]

का० आ० 589.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है,

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री लापाराम पुत्र देवराम (और अन्य) ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 3.68 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है,

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यर्पित सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79-सी० एल० (खंड II)(17)]

S.O. 589.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately), in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Kothghora, District Bilaspur Madhya Pradesh;

And, whereas Shri Laparam S/o Dashram (and others) of village Dadar, P.S. Korba, District Bilaspur, the persons interested have not, under section 13 of the said Act, preferred their claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 3.68 acres, which forms part of land so acquired;

And, whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claiments under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claiments.

[No. 13/5/79-CL(Vol.II)(17)]

का० आ० 590.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों में, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री रूप साई पुत्र सोन साई ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 2.60 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि

का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है,

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79-सी० एल० (खंड 12) (18)]

S.O. 590.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964, made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P.S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And, whereas Shri Rupsai S/o Sonsai of village Dadar, P.S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act, preferred his claim to the competent authority for payment of compensation for acquisition of his land measuring 2.60 acres which forms part of land so acquired;

And, whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13/5/79-CL(Vol.II)(18)]

का०आ० 591—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कटघोड़ा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री गिरधारी लाल पुत्र झारूराम ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 0.30 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13/5/79-सी०एल० (खंड 2) (19)]

S.O. 591.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately), villages Dadar and 5 others, P.S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And, whereas Shri Girdharilal S/o Jharuram of village Dadar, P.S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act, preferred his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 0.30 acre which forms part of land so acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13/5/79-CL(Vol.II)(19)]

का०आ० 592—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कटघोड़ा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा जिला बिलासपुर के श्री घासीराम पुत्र बालमुकुंद ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 1.50 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79-सी०एल० (खंड 2)(20)]

S.O. 592.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering, (Department of Mines and Metals), No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P.S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And, whereas Shri Ghasiram S/o. Balmukund of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act, preferred his claim to the competant authority for payment of compensation for acquisition of his land measuring 1.50 acres, which forms part of land so acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13|5|79-CL(Vol.II)(20)]

का०आ० 593—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री धनसाई पुत्र श्री बोधीराम ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 5.23 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं० 13/5/79-सी०एल०(खंड 2) (21)]

S.O. 593.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh ;

And whereas Shri Dhansai S/o Budhiram of Village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act, preferred his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 5.23 acres which forms part of land so acquired ;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimants.

[No. 13/5/79-CL(Vol. II)(21)]

का०आ० 594.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री धनसाई पुत्र श्री बोधीराम ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 3.10 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं० 13(5)/79-सी०एल०(खंड 2)(22)]

S.O. 594.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh ;

And whereas Shri Dhansai S/o Budhiram of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act, preferred his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 3.10 acres which forms part of land so acquires ;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant ·

[No. 13/5/79-CL(Vol. II)(22)]

का०आ० 595—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्रीमती प्रेम कौर पुत्री गणेशराम ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 3.50 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79-सी०एल०(खंड II)(23)]

S.O. 595.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And whereas Smt. Prem Kaur d/o Ganeshram of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act, preferred her claim to the competant authority for the payment of compensation for acquisition of her land measuring 3.50 acres which forms part of land so acquired ;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claiment under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant ;

[No. 13/5/79-CL(Vol. II)(23)]

का०आ० 596.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कटघोड़ा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री गुहा पुत्र श्री धनसाई (और अन्य) ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 6.71 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं० 13(5)/79-सी०एल०(खंड II)(24)]

S.O. 596.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And whereas Shri Guha son of Shri Dhansai (and others) of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act preferred his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 6.71 acres, which forms part of land so acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claiment under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claiment.

[No. 13/5/79-CL(Vol. II)(24)]

का०आ० 597.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात खान भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों थाना कोरबा, तहसील कटघोड़ा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 360.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है,

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्रीमती हैजोरमनी पत्नी गजराजादास ने जो हितबद्ध व्यक्ति है। उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 0.95 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है,

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्ता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सैशन न्याय धीश, बिलासपुर मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79-सी०एल० (खंड II) (25)]

S.O. 597.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government has acquired the land measuring

908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And whereas Smt. Injormati w/o Gajrajadas of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act preferred here claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of her land measuring 0.95 acre which forms part of land so acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claiment under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant;

[No. 13/5/79-CL(Vol. II)(25)]

का०आ० 598.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री धामियापुत्र पुनेऊ ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 14.64 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79-सी० एल० (खंड II) (26)]

S.O. 598.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And whereas Shri Ghasia S/o Puneu of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act preferred his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 14.64 acres, which forms part of land so acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claiment under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13/5/79-CL(Vol. II)(26)]

का० आ० 599.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 360.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री धूरम पुत्र गरीजहा ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 3.91 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि के समान है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79-सी० एल० (खंड II) (27)]

S.O. 599.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And whereas, Shri Churan son of Ganjha (and others) of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur the persons interested have not, under section 13 of the said Act, preferred their claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 3.91 acres, which forms part of land so acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claiment under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claiment.

[No. 13/5/79-CL(Vol. II)(27)]

का० आ० 600.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना

सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून 1964 के अनुसरण मे, दादर, और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कटघोड़ा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368 06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करली है,

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री चरन सिंह पुत्र श्री बुडगा ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 1.44 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नही किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नही की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79-सी० एल० (खंड II) (28)]

S.O. 600.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And whereas Shri Charan Singh son of Budga of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act, preferred his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 1.44 acres, which forms part of land acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, as part-time tribunal for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13/5/79-CL(Vol. II)(28)]

का० आ० 601.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कटघोड़ा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368 06 हैक्टर लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री चन्दन सिंह पुत्र बुडगा (और अन्य) ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनिमय की धारा 13 के अधीन 23.73 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नही की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश बिलासपुर मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79-सी० एल० (खण्ड)II(29)]

S.O. 601.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125, dated 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And whereas, Shri Chandan Singh son of Budga (and others) of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur the persons interested have not, under section 13 of the said Act, preferred their claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 23.73 acres, which forms part of land so acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted my the claimants under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13/5/79-CL(Vol. II)(29)]

का० आ० 602.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून 1964 के अनुसरण मे दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कटघोड़, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री चेतराम पुत्र बुद्धू (और अन्य) ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 3.01 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नही किया है,

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नही की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनिय की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश बिलासपुर मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79-सी० एल० (खण्ड II) (30)]

S.O. 602.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) of land in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And whereas Shri Chatrum son of Budhu (and others) of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur the persons interested have not, under section 13 of the said Act, preferred their claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 3.01 acres, which forms part of land so acquired.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimants;

[No. 13/5/79-CL(Vol. II)(30)]

का०आ० 603.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों थाना कोरबा, तहसील कटघोड़ा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम दादर थाना कोरबा जिला बिलासपुर के श्री जैता पुत्र आत्माराम (और अन्य) ने जो हितबद्ध व्यक्ति है उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 0.85 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13 (5)/79-सी०एल० (खंड 27 (31)]

S.O. 603.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government has acquired the lands measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) of lands in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradtsh;

And whereas Shri Jaits son of Atmaram (and others) of villages Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the persons interested have not, under section 13 of the said Act, preferred their claim to the competent authority for the payments of compensation for acquisition of their land measuring 0.85 acre, which forms part of land so acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimants.

[No. 13/5/79-CL(Vol. II)(31)]

का०आ० 604.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून 1964 के अनुसरण में दादर और अन्य पांच ग्रामों थाना कोरबा, तहसील कटघोड़ा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908 80 एकड़ हैक्टर (लगभग) या 368.06 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री झादू पुत्र श्री पकला ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 0.52 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का माप है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश बिलासपुर मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13 (5)/79-सी०एल०(खंड 2) (32)]

S.O. 604.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And whereas, Shri Jhadu son of Pakla of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act, preferred his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 0.52 acres which forms part of land so acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount se offeraed, was accepted by the claimants under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13/5/79-CL(Vol. II)(32)]

का० आ० 605.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, 6 जून 1964 के अनुसरण में दादर और अन्य 5 ग्रामों थाना कोरबा, तहसील कटघोरा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908 80 एकड़ (लगभग) या 368 06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है,

और ग्राम दादर थाना कोरबा जिला बिलासपुर के श्री टीका राम पुत्र झाडू (और अन्य) ने जो हितबद्ध व्यक्ति हैं उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 12 27 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है,

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79-सी०एल० (खंड 2) (33)]

S O 605.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No S O 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government has acquired the land measuring 908 80 acres (approximately) or 368 06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh,

And whereas Shri Tikaram son of Jhadu (and others) of village Dadar, P S Korba, District Bilaspur, the persons interested have not, under section 13 of the said act preferred their claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 12 27 acres which forms part of land so acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13/5/79 CL(Vol II)(33)]

का०आ० 606.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात खान, और भारी इंजनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों थाना कोरबा, तहसील कटघोरा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908 80 एकड़ (लगभग) या 368 06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है,

और ग्राम दादर थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री घासिया पुत्र पुनाउ (और अन्य) ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 0 55 एकड़ माप की अपनी भूमि के जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है,

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे

[सं० 13 (5)/79-सी० एल० (खंड 2) (34)]

S O. 606.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government has acquired the land measuring 908 80 acres (approximately) or 368 06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others P S Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And whereas Shri Ghasia son of Punau (and others) of village Dadar, P S Korba, District Bilaspur, the persons interested have not, under section 13 of the said Act, preferred their claims to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 0 55 acres which forms part of land so acquired,

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claiment

[No 13/5/79-CL(Vol II)(34)]

का०आ० 607.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून 1964 के अनुसरण में दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कटघोरा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908 80 एकड़ (लगभग) या 368 06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है,

और ग्राम दादर, थाना कोरबा जिला बिलासपुर के श्रीमती धनमती पत्नी श्री नानकी ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 1 74 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है,

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13 (5)/79-सी०एल० (खंड II) (35)]

S.O. 607.—Whereas, in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, (Madhya Pradesh);

And whereas, Smt. Dhanmathai W|o Shri Nanki of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested, has not, under section 13 of the said Act, preferred her claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of her land measuring 1.74 acres which forms part of land so acquired;

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13/5/79-CL(Vol. II)(35)]

का०आ० 608.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व, इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री बाबूलाल पुत्र श्री रामभरोसे (और अन्य) ने जो हितबद्ध व्यक्ति हैं उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 4.53 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13 (5)/79-सी०एल० (खंड II) (36)]

S.O. 608.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964, made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 08.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tehsil Kotghora, District Bilaspur, (Madhya Pradesh);

And whereas Shri Babulal son of Shri Rambherose (and others) of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested have not, under section 13 of the said Act preferred their claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 4.53 acres, which forms part of land so acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13|5|79-CL (Vol. II)(36)]

का०आ० 609.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा जिला बिलासपुर के श्रीमती नानकी उर्फ गुरबाई पत्नी मलिकराम (और अन्य) ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 8.10 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79-सी०एल० (खंड II) (37)]

S.O. 609.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No. S. O. 2125, dated the 6th June, 1964, made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.96 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tehsil Katghora, District Bilaspur, (Madhya Pradesh);

And whereas Smt. Nanki alias Gurwai w/o Malikram and others) of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the persons interested have not, under section 13 of the said Act preferred their claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of their land

measuring 8 10 acres, which forms part of land so acquired.

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation paybale to the said claimants.

[No. 13|5|79-CL (Vol. II)(37)]

का०आ० 610.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री नर्रासह पुत्र देवनाथ (और अन्य) ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 0.15 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79-सी०एल० (खंड II)(38)]

S.O. 610.— Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964, made under, sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.90 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Kathghora, District Bilaspur, (Madhya Pradesh);

And whereas, Shri Narsingh son of Deonath and others) of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the persons interested have not, under section 13 of the said Act preferred their claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 0.15 acres, which forms part of land so acquired ;

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimants.

[No. 13|5|79-CL (Vol. II)(38)]

का०आ० 611.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री पुनीतराम उर्फ दारी पुत्र पूनिया ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 3.48 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी, और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः केन्द्रीय, सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित कर के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13 (5)/79-सी०एल० (खंड II)(39)]

S.O. 611.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No. S.O. 2125, dated the 6th June, 1964, made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Kathghora, District Bilaspur, (Madhya Pradesh);

And whereas, Shri Punitram S/o Punio of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act preferred his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 3.48 acres, which forms part of land so acquired ;

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13|5|79-CL (Vol. II) (39)]

का० आ० 612.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री बलीराम पुत्र भाजराम ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 10.20 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं०13(5)/79-सी०एल०(खण्ड II) (40)]

S.O. 612.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125 dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And Whereas Shri Baliram S/o Bhojeram of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act preferred his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 10.20 acres, which forms part of land so acquired ;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13|5|79-CL (Vol. II)(40)]

का०आ० 613.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं०का०आ०2125, तारीख 6 जून 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कटघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य-प्रदेश) में 908 80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री बिशेश्वर पुत्र गौजहा (और अन्य) ने जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 6.09 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं०13(5)/79-सी०एल०(खण्ड II)(41)]

S.O. 613.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125 dated the 6-6-1964 made under sub-section (1) of Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tehsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh ;

And whereas Shri Bisheshwar S/o Ganjaha (and others) P. S. Korba, District Bilaspur, the persons interested have not, under section 13 of the said Act preferred their claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 6.09 acres, which forms part of land so acquired ;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable o the said claimant.

[No. 13/5/79-CL (Vol. II) (41)]

का०आ० 614.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ०2125, तारीख 6 जून 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कटघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री कुमुदराम पुत्र मंचू (और अन्य) ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 6.46 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं० 13(5)/79-सी०एल०(खंड II)(42)]

S.O. 614.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125 dated the 6-6-1964 made under sub-section (1)

of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908 80 acres (approximately) or 368 06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P S Korba, Tehsil Katghora, District Bilaspur, (Madhya Pradesh) ;

And whereas, Shri Kundram S/o Manglu)and others) of village Dadar P S. Korba, District Bilaspur, the persons interested have not, under section 13 of the said Act, preferred their claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 6 46 acres, which forms part of land so acquired ;

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimants.

[No. 13/5/79-CL (Vol. II) (42)]

का० आ० 615—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1975 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कटघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908 80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है,

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री बैसाखूराम पुत्र श्री तेजराम (और अन्य) ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 2 79 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के सदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ,

अत, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79-सी० एल० (खण्ड II) (43)]

S.O 615—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No. S O 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1) of Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908 80 acres (approximately); or 368 06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, District Bilaspur, (Madhya Pradesh) ;

And wheres, Shri Baisakhuram S/o Tejram (and others) of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the persons interested have not, under section 13 of the said Act preferred their claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 2 79 acres, which forms part of land so acquired ;

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimants.

[No. 13/5/79-CL (Vol. II) (43)]

का० आ० 616.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कटघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908 80 एकड़ (लगभग) या 368 06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री बोरा पुत्र मिडिया ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 5 89 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के सदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ,

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ,

अत, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79-सी० एल०(खंड II)(44)]

S O. 616—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No S O. 2125, dated the 6th June, 1964 made under sub-section (1), of Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908 80 acres (approximately) or 368 06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S Korba, Tahsil Katghora District Bilaspur (Madhya Pradesh) ,

And whereas, Shri Bera S/o Midia of village Dadar, P S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act preferred his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 5 89 acres, which forms part of land so acquired;

And whereas, the amount of compensation payable, for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No 13/5/79-CL (Vol II) (44)]

का० आ० 617.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास), अधिनियम 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कटघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हेक्टेयर (लगभग) भूमि अर्जित करली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री मिलाप पुत्र सोभा ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 3.40 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं० 13(5)/79-सी० एल० (खंड II) (45)]

S.O. 617.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No. S.O. 2125, dated the 6-6-1964, made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tehsil Katghora, District Bilaspur, (Madhya Pradesh) ;

And whereas Shri Milap S/o Sobna of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not under section 13 of the said Act preferred his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 3.40 acres, which forms part of land so acquired.

And whereas Shri Milap S/o Sobha of village Dadar, the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining, the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13|5|79-CL (Vol. II) (45)]

का० आ० 618—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कटघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करली है ;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री मनोहर लाल पुत्र बेला ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 1.50 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ,

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं० 13(5)/79-सी०एल०(खंड II)(46)]

S.O. 618.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No. S.O. 2125, dated the 6-6-1964, made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tehsil Katghora, District Bilaspur, (Madhya Pradesh) ;

And whereas Shri Manoharlal S/o Bela of village Dadar, P. S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act preferred his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 1.50 acres, which forms part of land so acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13|5|79-CL (Vol. II) (46)]

का० आ० 619—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कटघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करली है ;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री रतन सिंह पुत्र बुरसा ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 3.68 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है,

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा

नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं० 13(5)/79-सी०एल० (खंड II)(47)]

S.O. 619.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No. S.O. 2125, dated the 6-6-1964, made under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tehsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh ;

And whereas Shri Ratansingh S/o Durga of Village Dadar P. S. Korba, Distt. Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act, preferred his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 3.68 acres, which forms part of land so acquired ;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13|5|79-CL (Vol. II)(47)]

का०आ० 620.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री धनीराम पुत्र राम चरन (और अन्य) ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 4.81 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं० 13(5)/79-सी०एल० (खंड II)(48)]

S.O. 620.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No. S.O. 2125, dated the 6-6-1964, made under sub-section (1)of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in Villages Dadar and 5 others, P.S. Korba, Tehsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh ;

And whereas Shri Dhaniram S/o Ramcharan (and others) of Village Dadar, P.S. Korba, District Bilaspur, the persons interested have not, under section 13 of the said Act preferred their claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 4.81 acres, which forms part of land so acquired ;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13|5|79-CL (Vol. II)(48)]

का० आ० 621.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री धनीराम पुत्र रामचरन (और अन्य) ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 3.20 एकड़ भूमि माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं० 13(5)/79-सी०एल० (खंड II)(49)]

S.O. 621.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No. S.O. 2125, dated the 6-6-1964, made under sub-section (1)of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in Villages Dadar and 5 others, P.S. Korba, Tehsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh ;

And whereas Shri Dhaniram S/o Ramcharan (and others) of village Dadar, P.S. Korba, District Bilaspur, the persons interested have not, under section 13 of the said Act preferred their claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 3.20 acres, which forms part of land so acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13|5|79-CL (Vol. II) (49)]

का०आ० 622—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा, जिला बिलासपुर, (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री राम रतन पुत्र श्री भुरवा ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 8.89 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं० 13(5)/79-सी०एल० (खंड II) (50)]

S.O. 622.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metal), No. S.O. 2125, dated the 6-6-1964, made under sub-section (1)of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in Villages Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tehsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh ;

And whereas Shri Ramratan S/o Bhurwa of village Dadar, P.S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not, under section 13 of the said Act preferred his claim to the competent authority for the payable of compensation for acquisition of his land measuring 8.89 acres, which forms part of land so acquired ;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby consisting a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13|5|79-CL (Vol. II) (50)]

का०आ० 623.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री सूनाराम पुत्र मुड़िया ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 2.92 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं० 13(5)/79-सी०एल० (खंड II) (51)]

S.O. 623.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metal), No. S.O. 2125, dated the 6-6-1964, made under sub-section (I) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957),the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in villages Dadar and 5 others, P.S. Korba, Tehsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh ;

And whereas, Shri Sunaram S/o. Madia of village Dadar, P.S. Korba, District Bilaspur, the persons interested has not, under section 13 of the said Act preferred his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 2.92 acres, which forms part of land so acquired ;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13|5|79-CL (Vol. II) (51)]

का०आ० 624.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री शिव प्रसाद पुत्र सीदर ने जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 4.96 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है।

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे।

[सं० 13(5)/79-सी०एल० (खण्ड II) (52)]

S.O. 624.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No. S.O. 2125, dated the 6-6-1964, made under sub-section (1)of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately in Villages Dadar and 5 others, P.S. Korba,Tehsil Katghera, District Bilaspur, Madhya Pradesh;

And whereas Shri Sheoprasad S|o. Sidar of village Dadar, P.S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not under section 13 of the said Act preferred his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 4.96 acres, which forms part of land so acquired ;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13|5|79-CL (Vol. II) (52)]

का० आ० 625.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून 1964 के अनुसरण में दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा, जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री होरीलाल पुत्र श्री पीलन ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 0.80 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी।

1767 GI/81—7

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं० 13(5)/79-सी०एल० (खंड II)(53)]

S.O. 625.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals) No. S.O. 2125, dated the 6-6-1964, made under sub-section (1)of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in Villages Dadar and 5 others, P.S. Korba, Tehsil Kalghera, District Bilaspur, Madhya Pradesh.

And whereas Shri Horilal S|o Pilan of village Dadar P.S. Korba, District Bilaspur, the person interested has not under section 13 of the said Act preferred his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 0.80 acres, which forms part of land so acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest ;

Now, therefore, in exercise of the powrs conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13|5|79-CL (Vol. II) (53)]

का० आ० 626—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2125, तारीख 6 जून, 1964 के अनुसरण मे, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कठघोड़ा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908.80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री गुलाराम पुत्र नाथू (और अन्य) ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 8.48 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं० 13(5)/79-सी०एल० (खंड II)(54)]

S.O. 626.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals),

No. S.O. 2125, dated the 6-6-1964, made under sub-section (1)of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in Villages Dadar and 5 others, P.S. Korba, Tehsil Katghora, District Bilaspur, Madhya Pradesh

And whereas Shri Gularam S|o. Nathu (and others) of village Dadar, P.S. Korba, District Bilaspur, the person interested have not, under section 13 of the said Act preferred their claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 8.48 acres, which forms part of land so acquired;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest ;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimants.

[No. 13|5|79-CL (Vol. II) (54)]

का०आ० 627.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2125, तारीख 6 जून 1964 के अनुसरण में, दादर और अन्य 5 ग्रामों, थाना कोरबा, तहसील कटघोरा जिला बिलासपुर (मध्य प्रदेश) में 908 80 एकड़ (लगभग) या 368.06 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है,

और ग्राम दादर, थाना कोरबा, जिला बिलासपुर के श्री लिखीराम पुत्र मोतीराम (और अन्य) ने जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 1.80 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं० 13 (5) /79-सी०एल० (खंड II) (55)]

S.O. 627.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Department of Mines and Metals), No. S. O. 2125, dated the 6-6-1964 made under sub-section (1) of Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 908.80 acres (approximately) or 368.06 hectares (approximately) in village Dadar and 5 others, P. S. Korba, Tahsil Katghora, Distt. Bilaspur, Madhya Pradesh ;

And whereas Shri Likhiram S|o Motiram (and others) of village Dadar, P. S. Korba, Distt. Bilaspur, the persons interested have not, under section 13 of the said Act, preferred their claim to the competent authority for the payament of compensation for acquisition of their land measuring 1 80 acres, which forms part of land so acquired ;

And whereas amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimants.

[No. 13|5|79-CL (Vol. II) (55)]

का० आ० 628.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2974 तारीख 4-12-1961 के अनुसरण में केशरा, पासान और अन्य 3 ग्रामों, तहसील सोहागपुर, जिला शहडोल (मध्य प्रदेश) में 692.19 एकड़ (लगभग) या 280.11 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ,

और ग्राम पासान, तहसील सोहागपुर, जिला शहडोल के श्री ताजेश्वरी उर्फ दादनराम पुत्र लालीराम (और अन्य) ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 2 38 एकड़ माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ।

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम के दावेदारों द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम का धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदारों को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमे जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं० 13(5)/79-सी०एल० (खड II) (56)]

S.O. 628.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S. O. 2974, dated the 4-12-1961, made under sub-section (1) of Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 692.19 acres (approximately) or 280.11 hectares (approximately), in villages Keshra, Pasan and 3 others, Tahsil Sohagpur, District Sahdol, Madhya Pradesh,

And whereas Shri Tajeshwari alias Dadanram S/o Laliram (and others) of village Pasan, Tahsil Sohagpur, District, Sahdol, Madhya Pradesh, the persons interested have not, under section 13 of the said Act preferred their claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 2.38 acres, which forms part of land so acquired :

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claimants.

[No. 13|5|79-CL (Vol. II) (56)]

का०आ० 629.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 2974, तारीख 4-12-1961 के अनुसरण में, केशरा, पासान और अन्य 3 ग्रामों, तहसील सोहागपुर जिला शहडोल (मध्य प्रदेश) में 692.19 एकड़ (लगभग) या 280.11 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम पासान, तहसील सोहागपुर, जिला शहडोल के श्री शगरीब पुत्र रामेश्वर ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 2.50 एकड़ या 1.01 हैक्टर (लगभग) माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी,

अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे

[सं० 13(5)/79-सी०एल० (खंड II) (57)]

S.O. 629.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel), No. S.O. 2974, dated the 4-12-1961 made under sub-section (1) of section 9 of the Coal bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 692.19 acres (approximately) or 280.11 hectares (approximately) in villages Keshra, Pasan and 3 others Tahsil, Sohagpur District Sahdol, Madhya Pradesh ;

And whereas, Shri Sugreeb son of Rameshwar (and others) of village Pasan, Tahsil Sohagpur, District Sahdol, Madhya Pradesh the persons interested have not under section 13 of the said act, preferred their claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of their land measuring 2.50 acres or 1.01 hectares (approximately) which forms part of land so acquired ;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh for the purpose of determining the amount of compensation payable to the said claiments.

[No. 13|5|79-CL (Vol. II) (57)]

का० आ० 630.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और भारी इंजीनियरी मंत्रालय (खान और धातु विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 243, तारीख 11-1-1968 के अनुसरण में माहबारी खुर्द ग्राम, तहसील सोहागपुर जिला शहडोल (मध्य प्रदेश) में 35 00 एकड़ (लगभग) या 11 17 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम माहबारी खुर्द, जिला शहडोल के श्री श्यामलाल पुत्र श्री धनराज अग्रवाल ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 3.75 एकड़ या 1.51 हैक्टर (लगभग) माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के संदाय के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला और सेशन न्यायाधीश, बिलासपुर, मध्य प्रदेश होंगे ।

[सं० 13(5)/79-सी०एल० (खंड II) (58)]

S.O. 630.—Whereas in pursuance of the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Metals (Department of Mines and Metals) No. S.O. 243, dated the 11-1-1968 made under subsection (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired the land measuring 35.00 acres (approximately) or 14.17 hectares (approximately) in village Mahubari Khurd, Tahsil Sohagpur, District Sahdol, Madhya Pradesh ;

And whereas Shri Shyamlal son of Shri Dhanraj Agarwal of village Mahubari Khurd, District Sahdol, the person interested has not, under section 13 of the said Act, perfeired his claim to the competent authority for the payment of compensation for acquisition of his land measuring 3.75 acres or 1.51 hectares (approximately) which forms part of land so acquired ;

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District and Sessions Judge, Bilaspur, Madhya Pradesh for the purpose of determiing the amount of compensation payable to the said claimant.

[No. 13|5|79-CI. (Vol. II) (58)]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 23rd January, 1982

S.O. 631.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 699 dated the 13th January, 1981, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 28th February 1981.

at page 737	
in line 24	for "DRG No. Rev|8|80" read "DRG No. Rev|80|80"
at page 738	
in line 40,	under the heading "Thana No." For "167" read "162".

[No. 19|55|80-CL]

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1982

का० आ० 632.—भारत के राजपत्र तारीख 1 अगस्त, 1981 के भाग II खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में पृष्ठ 2447-2449 पर प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 2086 तारीख 16 जुलाई, 1981 में :

पृष्ठ 2448 पर

(क) अनुसूची में "वर्धा वली कोल फील्ड" के स्थान पर "वर्धा वली कोल फील्ड—जिला चन्द्रपुर (महाराष्ट्र)" पढ़ें ।

(ख) अनुसूची में - ग्राम का नाम स्तम्भ के नीचे "किताडी" के स्थान पर "किटाड़ी" पढ़ें और जहां कहीं भी "किताडी" शब्द प्रयुक्त हुआ हो उस के स्थान पर "किटाड़ी" पढ़ें ।

(ग) अनुसूची में सं० 3 के सामने तहसील और जिला स्तम्भ के नीचे "6.6" के स्थान पर क्रमश. "चन्द्रपुर-चन्द्रपुर" पढ़ें ।

(घ) अनुसूची में - पटवारी सर्किल सं० स्तम्भ के नीचे "01" के स्थान पर "10" पढ़ें ।

(ङ) सीमा वर्णन—"झ-ण" रेखा के स्थान पर "झ-ञ" पढ़ें और "उसके अंत में आने वाली पंक्ति बिन्दु 'ण' पर मिलती है" के स्थान पर "बिन्दु 'ञ' पर मिलती है" पढ़ें ।

(च) "ञ-ठ" में रेखा लोक निर्माण विभाग की चन्द्रपुर कोधी चैक और दुर्गापुर ग्रामो में से होकर तारोबा सड़क के पूर्व की ओर जाती है" के स्थान पर "रेखा कोधी चैक और दुर्गापुर ग्रामों में से होकर लोक निर्माण विभाग की चन्द्रपुर-तारोबा सड़क की पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है" पढ़ें ;

[सं० 19/19/81-सी० एल०]
स्वर्ण सिंह, अवर सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 30th January, 1982

S.O. 633.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 2086, dated the 16th July, 1981, published at pages 2447 to 2449 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 1st August, 1981 :

at page 2449—In the Schedule against serial number 6, under column number 2 for "Kondhi Malgujair" read "Kondhi Malguzari".

[No. 19(19)/81-CL]
SWARAN SINGH, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1981

का० आ० 634.—वायुयान (जन स्वास्थ्य) नियमावली, 1954 के नियम 67 के उप-नियम (2) और भारतीय पत्तन स्वास्थ्य नियम, 1955 के अनुसरण में तथा भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की 19 सितम्बर, 1978 की अधिसूचना संख्या आ०12020/4/74-आई०एच० का अधिक्रमण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा अधिसूचित करती है कि भारत में विमान पत्तन अथवा समुद्र पत्तन के पीतज्वर पृथक अस्पताल में संगरोधन के लिए निरुद्ध यात्रियों को अथवा कार्मिक टोली के किसी कार्मिक को उसकी निरुद्ध अवधि के दौरान आहार रहित प्रदान की गई सेवाओं के उपलक्ष में जो शुल्क लिए जाएंगे वे इसके साथ संलग्न सूची में निर्दिष्ट दरों के अनुसार होंगे । तथापि, संगरोधन व्यक्ति को उसके रुकने की अवधि के दौरान दिए गये किसी भी उपचार अथवा औषधि के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा ।

2 यह अधिसूचना सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होगी ।

अनुसूची

(क) संगरोधन के वास्तविक समय से विरुद्ध अवधि के प्रत्येक 6 घंटे या उसके किसी अंश के लिए प्रति व्यक्ति 5 रुपये ।

(ख) वातानुकूलन की सुविधाएं उपलब्ध करने के मामलों में संगरोधन के वास्तविक समय से 6 घंटे या उसके किसी अंश के लिए प्रति व्यक्ति 4 रुपये अतिरिक्त शुल्क लिया जाएगा ।

(ग) यदि पीतज्वर पृथक अस्पताल विमान पत्तन अथवा समुद्र पत्तन से 1 किलो मीटर की दूरी पर हो अथवा यात्रियों और कार्मिक दल के सदस्यों का संगरोधन समुद्र पत्तन से विमान पत्तन स्थित पीतज्वर पृथक अस्पताल में किया जाएगा तो संगरोधन वाले व्यक्ति का यातायात संबंधी खर्च अलग से लिया जाएगा जो वास्तविक खर्च तक सीमित होगा ।

(घ) यदि संगरोधक वाले व्यक्तियों को स्वास्थ्य संगठनों द्वारा "आहार" सप्लाई किया जाएगा तो आहार संबंधी खर्च अलग से लिया जायेगा जो वास्तविक खर्च तक सीमित होगा ।

[सं० आ० 12012/1/81-आई०एच०]
शिवदर्शन लाल, अवर सचिव

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 15th December, 1981

S.O. 634.—In pursuance of sub-rule (2) of rule 67 of the Aircraft (Public Health) Rules, 1954 and of sub-rule (2) of rule 89 of the Indian Port Health Rules, 1955, and in supersession of the notification of the Government of India, Ministry of Health and Family Welfare No. O. 12020/4/74-IH, dated the 19th September, 1978 the Central Government hereby notifies that the charges to be levied on account of services, exclusive of food, rendered in respect of passengers or a member of the crew detained in quarantine in Yellow Fever Isolation Hospital at airports or seaports in India during the period of his/her detention shall be as specified in the Schedule hereto annexed. No charge shall, however, be levied for any medical treatment or drugs that the quarantined person may be given during the period of his/her detention.

2. This notification shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

SCHEDULE

(a) Rs. 5 per head for every 6 hours or part thereof of detention counting from the actual time of quarantine.

(b) In cases where air-conditioning services are provided additional charge of Rs. 4 per head for 6 hours or part thereof counting from the actual time of quarantine, shall be levied extra.

(c) If the Yellow Fever Isolation Hospital is at a distance of beyond 1 kilometer from Airports or Seaports or the passengers and members of the crew from the Seaports are quarantined in Yellow Fever Isolation Hospital at the Airports, the charges for transportation of quarantined person shall be levied extra, limited to actual cost.

(d) In case where 'Food' is supplied to the quarantined passengers by the health organisation, the charges for food shall be levied extra, limited to the actual cost.

[No. O 12020/1/81-IH]
S. D. LAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 1981

का०आ० 635.—दन्त चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय दन्तचिकित्सा परिषद से परामर्श करने के पश्चात् उक्त अधिनियम की अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् .—

उक्त अनुसूची के भाग-I मे मैसूर विश्वविद्यालय के संबंध में क्रम संख्या 15 के सामने "बैचलर आफ डेन्टल सर्जरी-बी०डी०एस० मैसूर," की प्रविष्टि के पश्चात निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्—

"मास्टर आफ डेन्टल सर्जरी (आप्रेटिव डेन्टिस्टरी)	एम०डी०एस० (आप्रेटिव), मैसूर"

[सं० वी०12017/4/81-पी०एम०एस०)]

New Delhi, the 21st December, 1981

S.O. 635.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government, after consulting the Dental Council of India, hereby makes the following amendment in the Schedule to the said Act, namely :—

In Part I of the said Schedule, against serial No. 15 relating to the Mysore University, after the entry "Bachelor of Dental Surgery—B.D.S. Mysore", the following entry shall be inserted, namely :—

"Master of Dental Surgery (Operative Dentistry)	.....M.D.S. (Operative), Mysore".

[No. V-12017/4/81-PMS]

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1982

का० आ० 636.—दन्तचिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय दन्तचिकित्सा परिषद से परामर्श करने के पश्चात् एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् .—

उक्त अनुसूची के भाग I मे पंजाब विश्वविद्यालय से संबंधित प्रविष्टियों मे "(2) मास्टर आफ डेंटल सर्जरी-डेंटल प्रोस्थेसिस एण्ड क्राऊन एण्ड ब्रिज वर्क—एम०डी० एस० (प्रोस) पंजाब", की प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि की जाएगी अर्थात् :—

"(3) मास्टर आफ डेंटल सर्जरी-पीडोडेन्टिया एण्ड प्रिवेंटिव डेंटिस्टरी —यदि यह अर्हता मई, 1980 को या इसके पश्चात् प्रदान की गई हो।	एमडी०एस० (पीडी)	पी०जी०आई एम०ई०आर०

[सं० वी० 12017/3/79-पी०एम०एस०]
एन०ए० सुब्रमणि, अवर सचिव

New Delhi, the 30th January, 1982

S.O. 636.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 10 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948), the Central Government after consulting the Dental Council of India, hereby makes the following further amendment in the Schedule to the said Act, namely :—

In Part I of the said schedule, in the entries relating to the Punjab University, after the entry "(ii) Master of Dental Surgery Dental prosthesis and Crown and Bridge work—M.D.S. (Pros.) Punjab", the following entry shall be inserted, namely :—

"(iii) Master of Dental Surgery-Pedodontia and Preventive Dentistry. if granted on or after May, 1980.	M.D.S. (Pedo)	PGIMER"

[No. V. 12017/3/79-PMS]
N.A. SUBRAMONEY, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1981

का० आ० 637.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्द्वारा फिल्म यूनिट (परिवार नियोजन विभाग) मे प्रथम श्रेणी और द्वितीय श्रेणी पदो के भर्ती नियम, 1970 में आगे और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते है, अर्थात् :—

1 इन नियमों का नाम फिल्म यूनिट (परिवार नियोजन विभाग) मे प्रथम श्रेणी और द्वितीय श्रेणी पद भर्ती (संशोधन) नियम, 1981 है।

2 फिल्म यूनिट (परिवार नियोजन विभाग) मे प्रथम श्रेणी और द्वितीय श्रेणी के पदों के भर्ती नियम, 1970 मे –

(क) नियम 1 के उप-नियम (क) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाये, अर्थात् :—
"(क) इन नियमों का नाम परिवार कल्याण विभाग (फिल्म यूनिट) समूह क और ख पद भर्ती नियम, 1970 है।"

(ख) अनुसूची मे :—

(i) कालम 1 में "सहायक प्रचार अधिकारी" और "माऊड रिकार्डिस्ट" प्रविष्टियों के स्थान पर क्रमश "उप-निदेशक" और "रिकार्डिस्ट" प्रतिस्थापित किया जाये।

(ii) कालम 3 में "सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी I राजपत्रित (अलिपिकवर्गीय) और "सामान्य केन्द्रीय श्रेणी II (अराजपत्रित) (अलिपिकवर्गीय)" की प्रविष्टियों के स्थान पर क्रमश. "सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह क राजपत्रित (अलिपिकवर्गीय)" और ('सामान्य) केन्द्रीय सेवा समूह ख अराजपत्रित (अलिपिकवर्गीय)" प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाए

(iii) कालम 4 मे "400-400/450-30-600-35-670-द०रो०-35-950 रु० और "325-15-475-दा०रो०-20-575" की प्रविष्टियों के स्थान पर क्रमश "550-25-750-द०रो०-30-900 रुपये" और "700-40-900-द०रो०-40-1100-50-1300 रुपये" प्रविष्टिया प्रतिस्थापित की जाएं।

नोट.—मुख्य नियम भारत के राजपत्र के भाग दो, खण्ड 3 (i) पृष्ठ संख्या 4128-4139 पर अधिसूचना संख्या जी० एस०आर०-1878 दिनाक 30 जुलाई, 1970 द्वारा प्रकाशित।

[सं० ए०11019/2/81-स्था III]
रवि दत्त, अवर सचिव

New Delhi, the 31st December, 1981

S.O. 637.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Class I and Class II Posts in the Film Unit (Department of Family Planning) Recruitment Rules, 1970, namely :—

1. (1) These rules may be called the Class 'I' and Class 'II' Posts in the Film Unit (Department of Family Planning) Recruitment (Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Class I and Class II Posts in the Film Unit (Department of Family Planning) Recruitment Rules, 1970 :—

(a) for sub-rule (a) of rule 1, the following shall be substituted, namely :—

"(a) These rules may be called the Department of Family Welfare (Film Unit) Group A and Group B Posts Recruitment Rules, 1970" ;

(b) in the Schedule,—

(i) in column 1, for the entries, "Assistant Media Officer" and "Sound Recordist", the entries "Deputy Director" and "Recordist' shall respectively be substituted ;

(ii) in column 3 for the entries, "General Central Service Class I Gazetted (Non-Ministerial)" and "General Central Service Class II Non-Gazetted (Non-Ministerial)", the entries "General Central Service Group A Gazetted (Non-Ministerial)" and "General Central Service Group B Non Gazetted (Non-Ministerial)" shall respectively be substituted ;

(iii) in column 4, for the entries "Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950" and "325-15-475-EB-20-575", the entries Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300" and "Rs. 550-25-750-EB-30-900" shall respectively be substituted.

Note :—Principal rules published vide Notification No. GSR 1878 dated 30th July 1970 Gazetted of India, Part II, Section 3(i), pp. 4128—4139.

[No. A-11019/2/81-Estt. III]

RAVI DATT, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1982

का० आ० 638.—भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् अधिनियम, 1970 (1970 का 48) की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् से परामर्श करने के पश्चात्, उक्त अधिनियम की दूसरी सूची में एतद्द्वारा निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त सूची के भाग-I में क्रमांक 4 और इससे संबंधित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित क्रमांक और प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—

"4 ए० आंध्र विश्व-विद्यालय, वाल्टेयर	आयुर्वेद चिकित्सा और सर्जरी का स्नातक	बी०ए०एम०एस०	1976 से 1977 तक"

[संख्या वी० 26015/13/81-ए० ई०]

हिम्मत सिंह धकालिया, अवर सचिव

New Delhi, the 25th January, 1982

S.O. 638.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 14 of the Indian Medicine Central Council Act, 1970 (48 of 1970), the Central Government, after consulting the Central Council of Indian Medicine, hereby makes the following further amendment in the Second Schedule to the said Act, namely :—

In Part I of the said Schedule after serial number 4 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be inserted, namely:—

"4A. Andhra University, Waltair	Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery.	B.A.M.S.	From 1976 to 1977."

[No. V. 26015/13/81-AE]

H.S. DHAKAALIA, Under Secy.

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

नई दिल्ली, 30 जनवरी, 1982

का०आ० 639.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में सेल के केन्द्रीय विपणन संगठन के शाखा विक्रय कार्यालय, चंडीगढ़ को जिसके कर्मचारी वृन्द ने हिन्दी का कार्य साधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है।

[संख्या ई०-11011/4/81-हिन्दी]

दिनेश चन्द्र बाजपेयी, निदेशक

MINISTRY OF STEEL & MINES

(Department of Steel)

New Delhi, the 30th January, 1982

S.O. 639.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies Central Marketing Organisation, Branch Sales Office, Chandigarh under Steel Authority of India Limited, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi.

[No. E-11011/4/81-Hindi]

D. C. BAJPAI, Director

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(खाद्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1982

का० आ० 640.—अतः केन्द्रीय सरकार ने खाद्य विभाग, क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों, उपाप्ति निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा

लेखा कार्यालयों द्वारा किए जाने वाले खाद्यान्नों के क्रय, भंडारकरण संचलन, परिवहन वितरण तथा विक्रय के कृत्यों का पालन करना बंद कर दिया है जो कि खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के अधीन भारतीय खाद्य निगम के कृत्य है।

और यत: खाद्य विभाग क्षेत्रीय खाद्य निदेशालयों उपार्जित निदेशालयों और खाद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालयों में कार्य कर रहे और उपरिवर्णित कृत्यों के पालन में लगे निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के तारीख 16 अप्रैल, 1971 के परिपत्र के प्रत्युत्तर में उसमें विनिर्दिष्ट तारीख के अन्दर भारतीय खाद्य निगम के कर्मचारी न बनने के अपने आशय को उक्त अधिनियम की उपधारा 12ए के परन्तुक द्वारा यथा अपेक्षित सूचना नहीं दी है।

अत: अब खाद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) यथा अद्यतन संशोधित की धारा 12ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निम्नलिखित कर्मचारियों को प्रत्येक के समाने दी गई तारीख से भारतीय खाद्य निगम में स्थानांतरित करती है:—

क्रम संख्या	अधिकारी/कर्मचारियों का नाम	केन्द्रीय सरकार के अधीन स्थायी पद	स्थानांतरण के समय केन्द्रीय सरकार के अधीन पद	भारतीय खाद्य निगम में स्थानांतरण की तारीख
1	2	3	4	5
1.	श्री एम० एम० ओझा सुपुत्र श्री एम० एस० ओझा	—	खलासी	1-3-69
2.	श्री कृपा राम सुपुत्र श्री छोटन	चपरासी	चपरासी	1-3-69
3.	श्री चेत नारायण सुपुत्र श्री सुके	—	वाचमैन	1-3-69
4.	श्री सुख लाल सिंह सुपुत्र श्री झम्मन सिंह	—	वाचमैन	1-3-69
5.	श्री जी० आर० पंथ सुपुत्र श्री छगत राम पंथ	—	मैकेनिक	1-3-69
6.	श्री रघुबीर सिंह सुपुत्र श्री नारायण सिंह	वाचमैन	वाचमैन	1-3-69
7.	श्री राज बहादुर गौतम सुपुत्र श्री सूरज भान	वाचमैन	वाचमैन	1-3-69
8.	श्री एन० एन० अयंगर	प्रधूमन सहायक	गुण निरीक्षक	1-3-69

[संख्या 52/1/82-एफ० सी० III]

कुंज बिहारी, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 23rd January, 1982

S.O. 640.—Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement transport, distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the Procurement Directors and the Pay & Accounts Office of the Department of Food which under Section 13 of Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India.

And whereas the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorate of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not, in response to the circular of the Central Govt. dated the 16th April, 1971 intimated, within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India, as required by the proviso to Sub-Section 12A of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 12A of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) as amended upto date the Central Government hereby transfer the following employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them.

S.No.	Name of the officer/employees	Permanent post held under the Central Govt.	Post held under the Central Govt. at the time of transfer.	Date of transfer to F.C.I.
1	2	3	4	5
1.	Shri S.M. Ojha S/o Sh. M.S. Ojha	—	Khalasi	1-3--1969
2.	Sh. Kirpa Ram S/o Sh. Chhotan	Peon	Peon	1-3-1969
3.	Sh. Chet Narain S/o Shri Suke	—	Watchman	1-3-1969
4.	Sh. Sukh Lal Singh S/o Sh. Jhamman Singh	—	Watchman	1-3-1969
5.	Sh. G.R. Panth S/o Sh. Chhagat Ram Panth	—	Mechanic	1-3-1969
6.	Sh. Raghubir Singh S/o Sh. Narain Singh	Watchman	Watchman	1-3-1969
7.	Sh. Raj Bahadur Gautam S/o Sh. Suraj Bhan	Watchman	Watchman	1-3-1969
8.	Sh. N.N. Iyenger	Fumigation Assistant	Quality Inspector	1-3-1969

[No. 52/1/82-FC III]

KUNJ BEHARI, Under Secy.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(नौवहन महानिदेशालय)

बम्बई, 7 सितम्बर, 1981

(वाणिज्य पोत परिवहन)

का०आ० 641.—वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 391 की उपधारा (1) के साथ पठित भारत सरकार

के भूतपूर्व परिवहन और संचार मंत्रालय (परिवहन पक्ष) के आदेश सं०का०आ० 3144 दिनांक 17 दिसम्बर, 1960 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, नौवहन और परिवहन मंत्रालय, नौवहन महानिदेशालय की अधिसूचना सं०का०आ० 1399 दिनांक 7 अप्रैल, 1979 को अधिक्रांत करते हुए नौवहन महानिदेशक एतद्द्वारा नये मंगलूर-पत्तन के संरक्षक को विशेष रूप से नये मंगलूर-पत्तन की निर्धारित सीमाओं के बीच में नष्ट पोत अधिकारी के रूप में नियुक्त करते है।

[सं० 19-एसएच(10)/78]

रा०द० प्रधान, नौवहन महानिदेशक

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Directorate General of Shipping)

Bombay, the 7th September, 1981

(MERCHANT SHIPPING)

S.O. 641.—In exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of the Section 391 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) read with the order of the Government of India in the late Ministry of Transport and Communication (Department of Transport) No. S.O. 3144 dated 17th December, 1960 and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport, Directorate General of Shipping, No. S.O. 1399, dated the 7th April, 1979, the Director General hereby appoints the Conservator of the Port of New Mangalore as a Receiver of Wreck within the limits specified to be the limits of the Port of New Mangalore

[No. 19-SH(10)/78]

R. D. PRADHAN, Director General of Shipping

शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय

(संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1982

का०आ० 642.—राजभाषा (संघ के सरकारी प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियमावली, 1976 के नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके स्टाफ ने हिन्दी का कार्य साधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

(1) मुख्य पुरालेखवेत्ता
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण
ओल्ड यूनिवर्सिटी बिल्डिंग
मैसूर - 570005.

(2) उप-अधीक्षक पुरातत्वविद
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण
भारतीय युद्ध स्मारक संग्रहालय
लाल किला
दिल्ली-110006.

(3) अधीक्षक पुरातत्वविद कार्यालय,
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
पुरातत्व संग्रहालय,
लाल किला
दिल्ली-110006

[सं०एफ० 28-2/82-सामान्य]

गिरधारी लाल, निदेशक

MINISTRY OF EDUCATION & CULTURE

(Department of Culture)

New Delhi, the 20th January, 1982

S.O. 642.—In pursuance of Sub-rule (4) of rule 10 of the Official Language (Use of Official purposes of the Union) Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following Offices of the Archaeological Survey of India, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi :—

(1) Chief Epigraphist,
Archaeological Survey of India,
Old University Building,
Mysore-570005.

(2) Deputy Superintending Archaeologist,
Archaeological Survey of India,
Indian War Memorial Museum,
Red Fort,
Delhi-110006.

(3) Office of the Superintending Archaeologist,
Archaeological Survey of India,
Archaeological Museum,
Red Fort,
Delhi-110006.

[No. F. 28-2/82-Genl.]

GIRDHARI LAL, Director

संचार मंत्रालय

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1982

का. आ. 643 .—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 का नियम, 434 के खण्ड 3 के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने मामाना टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-2-82 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है ।

[संख्या 5-5/82-पीएचबी]

आर. सी. कटारिया, सहायक महानिदेशक (पीएचबी)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P&T Board)

New Delhi, the 4th February, 1982

S.O. 643.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627, dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 16th February 1982 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Samana Telepone Exchange, N.W. Circle.

[No. 5-5/82-PHB]

R. C. KATARIA, Assistant Director General (PHB)

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 30th January, 1982

S.O. 644.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Lodna Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited At and Post Office Lodna, District Dhanabd and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th January, 1982.

Reference No. 12 of 1981

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (No. 2), DHANBAD

In the matter of an industrial dispute under S. 0(1)(d) of the I D Act, 1947

PARTIES: Employers in relation to the management of Lodna Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited at and Post Office Lodna, District Dhanbad and their workmen.

APPEARANCES:

On behalf of the employers : Shri B. Joshi, Advocate.

On behalf of the workmen : Shri D. Mukherjee, Advocate.

State: Bihar. Industry : Coal.

Dhanbad 11th January, 1982

AWARD

This is a reference under Section 10 of the I.D. Act, 1947. The Central Government by its order No. L-20012/211/80-D.III (A), dated 25th February, 1981 has referred this dispute to this Tribunal with the following terms:

SCHEDULE

Whether the demand of the workmen of Lodna Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited At and Post Office Lodna, District Dhanbad that the date of appointment of the workmen mentioned in Annexure 'A' should be as indicated against each in the Annexure, is justified, and if so, to what relief are the said workmen entitled"

ANNEXURE 'A'

Sl. No.	Name	I/Card No.	Designation	Date of appointment claimed by the union
1	Peman Mahato	92124	Prop Mistry	1949
2	Durga Charan Gorai	93327	L/Loader	1962
3	Bina Sinha	90774	Creche Nurse	1953
4	Bhugal Modak	94177	Electrician	1942
5	Isaque Mia	92123	Prop Mistry	1944
6	Hasmali Mia	92126	Prop Mazdoor	1954
7	Hari Mondal	92129	Line Mazdoor	1955
8	Bhola Bouri	93327	Trammer	1946
9	Lakhan Bhuia	93326	M/Loader	1963

2. There are 9 workmen in this case as mentioned in the Annexure 'A' to the Schedule of this reference. In the last column of Annexure 'A' years of appointment have been mentioned against each name. The workmen's case is that although they have been working since 1952, 1944 etc., the date of their appointments as shown in Form B register and identity cards are from 1963, 1971 and 1972. This is said to be due to vindictive attitude of the management because they happen to be members of Bihar Colliery Kamgar Union.

3. The management has denied the case of vindictive attitude. It has been stated that the services of the concerned workmen were never continuous and it was not clear as to whether they had worked prior to 1970. Standard Lodna Coal Company changed hands from one owner to another on several occasions. It was further closed from June, 1970 and workings in the mine started from November/December, 1970. There was a conciliation settlement, dated 12-11-1970. According to the statement it was agreed between the management and the union to give work to the workmen who were on the rolls of the company in June, 1970 and who would report for duties within 15 days from the date of resumption of work and get their names registered. Except Bhugal Modak (Sl. No. 4 of the Annexure 'A') the other concerned workmen did not report for duties within 15 days of the resumption of work nor got their names registered. The management's plea is that all the concerned workmen except Bhugal Modak got their right to claim for work in terms of the settlement. The positive case of the management is that the concerned workmen were employed as fresh recruits after nationalisation and accordingly their dates of appointment have been shown in the Form B register.

4. The management has filed an extract of the yearwise P.F. Contribution and date of appointment as per P.F. record. This is an admitted document and marked Ext. M1. This extract is in respect of these 9 workmen mentioned in Annexure 'A'. Against their names the P.F. Account number had also been given and in the very next column there

is date of appointment. The date of appointment as mentioned in Ext. M1 is consistent with the date of appointment mentioned and claimed by the workmen in Annexure 'A'. It will appear from Ext. M1 that these concerned workmen were appointed on the dates as mentioned in Ext. M1 and claimed by them. On the strength of this document Ext. M1 the management has admitted that these concerned workmen were appointed originally on the dates mentioned in Annexure 'A'. The management however claims that there has been break in service of these concerned workmen and that they were freshly appointed. It is their positive case that Standard Coal Co. (P) Ltd. had closed the mine in the month of June, 1970 and it was opened sometime in November|December, 1970. This was before the nationalisation and when the Standard Coal Co. (P) Ltd. was the owner. The management filed Ext. M2 to show that there was a dispute between the Colliery Mazdoor Sangh, Lodna Branch and the Coal company which was pending conciliation proceeding before the Assistant Labour Commissioner (C) Dhanbad. As a term of settlement all the permanent workmen and staff who were on the rolls of the colliery in the month of June, 1970 were to be allowed to resume their work on the commencement of work at the colliery if they reported for work within 15 days from the commencement of work. According to the management none except Bhugal Modak appeared for work. Now for this plea the only document filed on behalf of the management is Ext. M1 This document shows that Bhugal Modak had contributed fully towards the provident fund and the rest had not paid. The management obviously referring to the contributions made in the 3rd quarter of the year 1970-71. It will appear that so far as 1970 is concerned, all the concerned workmen had fully contributed Furthermore, Bhugal Modak had fully contributed in 1972 and Smt. Bina Sinha had also fully contributed. The inference sought to be drawn by the management is that if the concerned workmen with the exception of Bhugal Modak had worked from December, 1970 upto March, 1971, they would have contributed in the same manner as Bhugal Modak. In 1972 Bhugal Modak and Smt. Bina Sinha had made full contribution while the rest not. The positive case of the management is that these concerned workmen approached the management for work after nationalisation in 1973 and they were permitted to work with the result that in 1973 they made their full contribution. But Ext. M1 will show that there was no contribution by Smt. Bina Sinha in 1973. Furthermore, there is nothing to show that Smt. Bina Sinha not joined as per settlement when the colliery reopened in December, 1970, because in Ext. M1 which clearly shows that in 1972 she made full contribution towards provident fund. Now, if this document, Ext. M1 is taken to be the standard for the inference as desired by the management, there is no reason why Bhugal Modak and Smt. Bina Sinha should not succeed in this case beause there does not appear to be any break in their services. The management has produced merely form B register of the colliery in order to show the date of appointments of these concerned workmen. Bhugal Modak has been shown to have been appointed in 1963 for which there is no justification. Similarly, there is no justification for showing Smt. Bina Sinha from 1-10-71. The rest have been shown from the year 1972 on the basis that they were appointed by Messrs Bharat Coking Coal Ltd. after nationalisation. But with regard to the fresh appointees no document has been filed by the management. There is not even a settlement. Obviously, they were in their service by virtue of their being old workers of the colliery and I do not see any good reason why they should not have been placed as appointees from their oriinal date of appointment

5. From the above it appears to me that there is enough justification for holding that these concerned workmen were appointed from the dates as mentioned in the last column in the Annexure 'A' to the schedule.

6. Thus having considered all aspects of the matter I hold that the demand of the workmen of Lodna Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Ltd. At and Post Office : Lodna, District Dhanbad that the dates of appointment of the workmen mentioned in Annexure 'A' of the schedule as indicated against each in the annexure is justified.

This is my award.

J. P. SINGH, Presiding Officer

[No. L-20012|211|80-D.III.A]

A. V. S. SARMA, Desk Officer

New Delhi, the 30th January, 1982

S.O. 645.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Chinakuri Sub-Area of Eastern Coalfields Ltd. P.O. Sunderchak (Burdwan) and their workmen, which was received by the Central Government on the 25-1-1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 99/80

PARTIES :

Employers in relation to the management of Chinakuri Sub-Area, Eastern Coalfields Ltd., P.O. Sunderchak (Burdwan).

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri P. C. Roy, Dy. Personnel Manager.

For the Workmen—Shri N. N. Sinha, Vice-President, C.M.C.(H.M.S.)

INDUSTRY : Coal STATE : W. Bengal

Dated, the 18th January, 1982

AWARD

The Govt. of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them U|s. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the dispute to the Central Govt. Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Calcutta for adjudication. Subsequently by Order No. S-11025(4) 80-D.IV(B) dated 14th|17th November, 1980 the dispute has been transferred to this Tribunal for adjudication.

SCHEDULE

"Whether the management of Chinakuri 3 Pits Colliery, Chinakuri Sub-Area, P.O. Sunderchal., Dist. Burdwan of Eastern Coalfields Ltd., was justified in regularising the twelve workers in the Schedule Shunting Mazdoors and placing them in Category D in terms of Appendix V of Vol. II of the Coal Wage Board Recommendations. If not, to what relief the workmen are entitled and from which date ?"

2. Both the parties filed their respective written statements and the case was ready for hearing On 12-1-1982 both the parties filed a joint petition stating that the instant dispute does no longer exist between the parties and the union does not intend to proceed with the hearing of the dispute. It is prayed that a 'no dispute' award be passed in this case on the joint prayer of the parties.

3. The petition has been signed by the Vice-President Colliery Mazdoor Congress (H.M.S.) as well as the representative of the employer Sri Indradeo Singh, Dy. Personnel Manager.

4. In view of the above prayer, there now exists no dispute between the parties and hence a 'no dispute' award is passed in terms of the prayer of both the parties.

J. N. SINGH, Presiding Officer

[No. L-19012(24)|78-D.IV(B)]

S. S. MEHTA, Desk Officer.

New Delhi, the 30th January, 1982

S.O. 646.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Cantonment Board, Ramgarh, and their workmen which was received by the Central Government on the 25th January, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT NO. 3, DHANBAD

Reference No. 11|81

PARTIES :

Employers in relation to the management of Cantonment Board, Ramgarh.

AND

Their workman.

APPEARANCES :

For the Employers—Sri T. Parthasarathy, Executive Officer

For the Workman—Shri M. R. Bhanot, President Cantt. Board Workers Union.

INDUSTRY : Cantonment. STATE : Bihar

Dated, the 18th January, 1982

AWARD

The Govt. of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them u|s. 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 14 of 1947 has referred the dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-13012(5)|80-D.II(B) dated the 31st March, 1981.

SCHEDULE

"Whether the action of the Cantonment Executive Officer, Ramgarh, in terminating the services of Shri Aditya Narayan Tripathy, Lower Division Assistant with effect from 8-2-1980 is legal and justified ? If not, to what relief the workman is entitled ?"

2. The case of the workman is that he was appointed as L.D.A. (Tax Collector) by the management from 8-2-1979 and after six months of his service he prayed for being made permanent, but the management terminated his service without assigning any reason with effect from 7-2-1980 i.e. after completion of one year without observing the provisions of the Industrial Disputes Act, 1947, It is submitted that one month's notice or one month's pay in lieu of notice was not paid to him.

3. On the above allegations it is prayed that the termination is illegal and he should be reinstated with full back wages.

4. The case of the Cantonment on the other hand is that the concerned workman was appointed by the Board to the post of L.D.A. (Tax Collector) for a period of one year on a purely temporary basis with effect from 8-2-1979 and the terms and conditions of his appointment were mentioned in his letter and the concerned workman joined his service agreeing to the terms. It is submitted that the appointment was for a period of one year only and hence services were terminated after expiry of one year.

5. It is, however, admitted that the only relief that was to be afforded to the concerned workman i.e. payment of one month's wage in lieu of one month's notice was withheld due to ignorance of law and it was without any malafide and the management is ready to pay him one month's wages in lieu of notice as provided under the Act.

6. In their rejoinder to the written statement filed on behalf of the workman the same plea has been taken and it is submitted that there was no obligation on the part of the Cantonment Board to consider the case of the concerned workman for re-employment after the expiry of one year. It is therefore, prayed that the reference be decided in favour of the management.

7. The point for consideration is as to whether the action of the Cantonment Executive Officer in terminating the services of the concerned workman with effect from 8-2-1980 is legal and justified. If not, to what relief the workman is entitled.

8. None of the parties have adduced any oral evidence and have based their arguments on documents only. Ext. M-1 is the appointment letter dated 3-2-1979 issued to the concerned workman which shows that he was appointed as a Tax Collector on a purely temporary basis liable to be terminated by giving one month's notice without assigning any reason. This was as per resolution of the Board Ext. M-3. Ext. M-2 is a letter dated 30-1-1980 terminating the services of the concerned workman and it is mentioned in the letter that as he was appointed as a temporary Tax Collector for a period of one year only his services will stand terminated on 7-2-1980 and he was accordingly directed to hand over charge of his office to the Tax Superintendent on 7-2-1980. Thus the termination letter would show that the services of the concerned workman was terminated just on the expiry of one year.

9. On behalf of the concerned workman Ext. W-1 his appointment letter has been filed and it shows that he joined his duties on 8-2-1979. His appointment was made as per resolution of the Cant. Board Ext. W-2. Ext. W-3 is a letter by the A.L.C. dated 2-7-80 informing the Board that the termination of the services of the concerned workman was illegal as no notice or one month's wages in lieu of notice was issued to him which was mandatory and the management was requested to attend the discussion. The letter was considered by the Board vide resolution Ext. M-4 and it was held that as the appointment was purely temporary the termination was legal

10. Thus from the above facts it is clearly proved that one month's notice or one month's wages in lieu of notice was not given to the concerned workman at the time of termination of his service. Admittedly he worked under the management for a period of full one year. In the appointment letter no specific date is mentioned to show from which date his services were to be terminated. In this connection Section 25-F of the Industrial Disputes Act, 1947 is relevant. It reads as follows :

"25-F. Conditions precedent to retrenchment of workmen—No workman employed in any industry who has been in continuous service for not less than one year under an employer shall be retrenched by that employer until —

(a) the workman has been given one month's notice in writing indicating the reasons for retrenchment and the period of notice has expired, or the workman has been paid in lieu of such notice, wages for the period of the notice :

Provided that no such notice shall be necessary if the retrenchment is under an agreement which specifies a date for the termination of service;

(b) the workman has been paid, at the time of retrenchment, compensation which shall be equivalent to fifteen days' average pay 'for every completed year of continuous service" or any part thereof in excess of six months; and

(c) notice in the prescribed manner is served on the appropriate Government (or such authority as may be specified by the appropriate Government by notification in the Official Gazette)."

The provisions of this Section is mandatory and it is clear that the requirement of paying compensation is a mandatory pre condition for valid retrenchment of a workman and the non-compliance of it will make the retrenchment or termination invalid or inoperative. The payment of one month's wages in lieu of notice is thus a condition precedent before an employee can be retrenched or his services terminated. It is admitted by the management that no such payment was made and it was urged on their behalf that it was due to ignorance of law and not with any malafide intention. But ignorance of law is no excuse. As the management has not complied with the provisions of Section 25-F of the Industrial Disputes Act, it must be held that the order of termination is bad, invalid and inoperative in law.

11. It is therefore held that the termination of the services of the concerned workman without giving one month's notice or notice pay is illegal and invalid. It is also well settled that if the termination is invalid in law, subsequent payment of compensation cannot validate it. In support its ruling reported in 1967 (2) L.L.J. page 23 may be referred to. Therefore, even if the management at this stage agrees to pay the compensation it cannot validate the termination.

12. The next question is as to what relief the concerned workman is entitled. Evidently as the termination has been held to be invalid and without any fault of the concerned workman, he is entitled to be reinstated with full back wages.

13. I give my award accordingly.

J. N. SINGH, Presiding Officer.

[No. L-13012(5)|80-D.II.B]

S. S. BHALLA, Desk Officer.

New Delhi, the 1st February, 1982

S.O. 647.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Saidpur China Clay Mines, M/s. Standard Mercantile Co., Manager, Jain China Clay Mines, M/s. Shri Jaigovind Dutta owner of Saidpur Silica Mines and M/s. Suraj Minerals, Rajmahal (S.P.) and their workmen, which was received by the Central Government on 27th January, 1982.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2), DHANBAD

Reference No. 13 of 1981

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

PARTIES :

Employers in relation to the management of (1) M/s. Saidpur China Clay Mine, Rajmahal (S.P.) (2) M/s. Standard Mercantile Co., Rajmahal (S.P.) (3) The Manager, Jain China Clay Mines, Rajmahal (S.P.) (4) M/s. Shri Jaigovind Dutta, onwer of Saidpur Silica Mine, Rajmahal (S.P.) and (5) M|s. Suraj Minerals, Rajmahal, S.P. and their workmen.

APPEARANCES :

For Jaigovind Dutta—Shri Sukendu Kumar Dutta.
For M|s Suraj Minerals—Shri Vinod Kumar Verma.
For Saidpur China Clay Mine—Shri S. K. Das, Mines Manager
For Standard Mercantile Co.—Shri Nim Chand Mahato.

For Jain China Clay Mines—Shri S.S. Mukherjee, Advocate.

On behalf of the workmen.—Shri D. Mishra, General Secretary, Mangalhat Khandan Mazdoor Sangh, Rajmahal, Pakur.

STATE : Bihar INDUSTRY : China Clay Mines.

Dhanbad, 16th January, 1982

AWARD

The Central Government being of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Management mentioned above and their workmen by their order No. L-29011|57|80-D.III(B) dated 24-12-80 has sent this reference to this Tribunal for adjudication on the following terms :

SCHEDULE

"Whether the demands of the workmen of M/s. Saidpur China Clay Mines, M/s. Standard Mercantile Co., M|s. Shri Jaigovind Dutta Silica Mines, M|s. Suraj Minerals and Jain China Clay Mine of Rajmahal (Santhal Pargana), represented by Manglalhat Khadan Mazdoor Sangh (INTUC) for payment of 20% of their earnings as bonus for the accounting year ending on 31-12-79 and 31-3-80, is justified ? if not, to what quantum of bonus and/or reliefs are the workmen entitled ?"

2. In this case the workmen belong to five companies. The claim of the workmen is for payment of 20% of their earnings as bonus for the accounting year ending on 31-12-79 and 31-3-80.

3. Except for M/s. Jain China Clay Mines of Rajmahal none of the other employers appeared to file any written statement. In fact the workmen of those four employers have entered into settlement and settlements have been filed in this Tribunal and verified to be correct. Accordingly these settlements are accepted as beneficial to the workmen.

4. But inspite of repeated dates given in this reference the workmen represented by Mangalhat Khadan Mazdoor Sangh have not appeared to contest this case. This case was therefore taken up ex parte and one witness for the management was examined. MW-1, Shri A. K. Sengupta is the Administrative Officer of Jain China Clay Mines. This company is the owner of Rajmahal Clay and Silica Sand Mine. His evidence is that Silica mine was opened on 1-4-79 but eversince it began functioning no profit was derived from the working of this mine. He has said that the accounting year of this company is from 1st April to 31st March. He has further said that from the period of this claim the accounting year of the company is not the sixth accounting year from the date of opening and as such the company was not liable to pay any bonus for the period mentioned in this reference. This contention of the management is on the basis of the Bonus Act itself. I have therefore to hold that the workmen of Jain China Clay Mines, Rajmahal are not entitled to 20% of their earnings as bonus for the accounting year ending on 31-12-79 and 31-3-80.

5. The result is that so far as the workmen of (1) M/s. Saidpur China Clay Mines, Rajmahal (S.P.) (2) M/s. Standard Mercantile Co., Rajmahal (S.P.) (3) M/s. Shri Jaigovind Dutta owner of Saidpur Silica Mine, Rajmahal (S.P.) and (4) M/s. Suraj Minerals, Rajmahal, S.P. are concerned the payment of bonus to them will be on the basis of the settlement arrived at between their union and the management. The settlement will form part of this award. But so far as the workmen of Jain China Clay Mines of Rajmahal are concerned, they are not entitled to the bonus claimed by them for the accounting year ending on 31-3-80.

This is my award.

J. P. SINGH, Presiding Officer

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2), DHANBAD

Reference No. 13 of 1981

Employers in relation to the management of M/s. Saidpur China Clay Mines, Rajmahal and four others.

AND

Their workmen represented by General Secretary, Mangalhat Khadan Mazdoor Sangh, Rajmahal, Pakur (P.O.) Santhal Pargana, District (Bihar).

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the managements given below and the union represented the workmen have agreed to pay Bonus for the accounting year 1979 or in 1979-80 @ 10.5% (Ten and half per cent) of the total emoluments earned by the employees.

2. That the managements agree to pay two months emoluments to their monthly paid staff.

3. The payment will be made to their employees in presence of the General Secretary/President or their authorised Representatives represented by Mangalhat Khadan Mazdoor Sangh Union (I.N.T.U.C.), Pakur on or before 15-5-1981.

4. The Employers agree to maintain all Registers and Records as per the Provisions of the Payment of Bonus Act, 1965. The payment of Bonus as per Clauses 1 and 2 shall be inclusive of bonus payable under the Provisions of the Payment of Bonus Act, 1965 as in force and if any higher bonus is payable to the workmen they shall be entitled for the same.

5. That the Union/workmen have no more claim than the percentage mentioned in para 1 above at present.

PARTIES TO THIS SETTLEMENT	SERIAL NUMBER IN THE SCHEDULE OF REFERENCE
1. M/s. Suraj Minerals, Rajmahal, Santhal Pargana, Bihar.	5
2. M/s. Shri Jaigovind Dutta, Owner of Saidpur Silica Mine, Rajmahal, (S.P.)	4

6. That both the management and Mangalhat Khadan Mazdoor Sangh Rajmahal, S.P. (I.N.T.U.C.) jointly pray to your honour to kindly pass an award on the terms of settlement mentioned above

Signature of the Representatives of the managements.

1. (Binod Kumar Verma)
M/s. Suraj Minerals,
Rajmahal, S.P.

2. (Sukhendu Kumar Dutta)
M/s. Shri Jaigovind Dutta,
Owner of Shidpur Silica Mine.
Rajmahal, S.P.

Signature of the Representatives of the workmen.

1. (D. Mishra)
General Secretary
Mangalhat Khadan Mazdoor Sangh, Rajmahal,
Pakur P.O., S.P. (Bihar).

J. P. SINGH, Presiding Officer

[No. L-29011/57/80-D.III(B)]

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) DHANBAD

Reference No. 13 of 1981

Employers in relation to the management of M/s. Saidpur China Clay Mines, Rajmahal and four others.

AND

Their workmen represented by General Secretary, Mangalhat Khadan Mazdoor Sangh, Rajmahal, Pakur (P.O.) Santhal Pargana, District (Bihar).

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the management given below and the union represented the workmen have agreed to pay Bonus for the Accounting year 1979 or in 1979-80 @ 10.5 per cent (Ten and half per cent) of the total emoluments earned by the employees.

2. That the management agree to pay two months emoluments to their monthly paid staff.

3. The payment will be made to their employees in presence of the General Secretary/President or their authorised Representatives represented by Mangalhat Khadan Mazdoor Sangh Union (I.N.T.U.C.) Pakur on or before 15-6-1981.

4. The Employer agree to maintain all Registers and Records as per the Provisions of the Payment of Bonus Act, 1965. The payment of Bonus as per Clause 1 and 2 shall be inclusive of bonus payable under the Provisions of the Payment of Bonus Act, 1965 as in force and if any higher bonus is payable to the workmen they shall be entitled for the same.

5. That the Union/workmen have no more claim than the percentage mentioned in para 1 above at present.

Parties to this Settlement	Serial Number in the Schedule of Reference
1. M/s. Standard Mercantile Co., Rajmahal, Santhal Pargana, Bihar.	3

6. That both the management and Mangalhat Khadan Mazdoor Sangh Rajmahal, S.P. (I.N.T.U.C.) jointly pray to your honour to kindly pass an award on the terms of settlement mentioned above.

Signature of the Representatives of the management.

(Nim Chand Mahato),
For M/s. Standard Mercantile Co.,
Rajmahal, Santhal Pargana, Bihar.

Signature of the Representative of the workmen.

(D. Mishra),
General Secretary,
Mangalhat Khadan Mazdoor,
Sangh, Rajmahal, Pakur P.O.,
S.P. (Bihar).

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 13 of 1981

Employers in relation to the management of M/s. Saidpur China Clay Mines, Rajmahal and four others.

AND

Their workmen represented by General Secretary, Mangalhat Khadan Mazdoor Sangh, Rajmahal, Pakur (P.O.) Santhal Pargana, Distt. (Bihar).

TERMS OF SETTLEMENT

1. That the management given below and the union represented the workmen have agreed to pay Bonus for the Accounting year 1979 or in 1979-80 @ 10.5 per cent (Ten and half per cent) of the total emoluments earned by the employees.

2. That the management agree to pay two months emoluments to their monthly paid staff.

3. The payment will be made to their employees in presence of the General Secretary/President or their authorised Representatives represented by Mangalhat Khadan Mazdoor Sangh Union (I.N.T.U.C.) Pakur on or before 14-8-1981.

4. The Employer agree to maintain all Registers and Records as per the Provisions of the Payment of Bonus Act, 1965. The payment of Bonus as per Clauses 1 and 2 shall be inclusive of bonus payable under the Provisions of the Payment of Bonus Act, 1965 as in force are if any higher bonus is payable to the workmen they shall be entitled for the same.

5. That the Union/workmen have no more claim than the percentage mentioned in para 1 above at present.

Parties to this Settlement	Serial number in the Schedule of Reference.
1. M/s. Saidpur China Clay Mines, Rajmahal (S.P.)	1

6. That both the management and Mangalhat Khadan Mazdoor Sangh, Rajmahal, S.P. (I.N.T.U.C.) jointly pray to your honour to kindly pass an award on the terms of settlement mentioned above.

Signature of the Representatives of the management.

Signature of the Representative of the workmen.

(S. K. Das), Mines Manager,
M/s. Saidpur China Clay Mines
Rajmahal, (S.P.).

(D. Mishra),
General Secretary, Mangalhat
Khadan Mazdoor Sangh, Rajmahal,
Pakur P.O. S.P. (Bihar).

SHASHI BHUSHAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 मई, 1980

का० आ० 648.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 36 के अनुसरण में, कर्मचारी राज्य बीमा निगम के वित्तीय प्राक्कलन तथा निष्पादन बजट 1980-81, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्द्वारा प्रकाशित किए जाते है ।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

1979-80 वर्ष के परिशोधित प्राक्कलन तथा 1980-81 वर्ष के बजट प्राक्कलन पर व्याख्यात्मक ज्ञापन

स्थायी समिति तथा निगम ने 24 फरवरी, 1979 को हुई बैठक में 1979-80 वित्तीय वर्ष के लिए कर्मचारी राज्य बीमा निगम के आय तथा व्यय के बजट प्राक्कलनों का अनुमोदन किया था । केन्द्रीय सरकार ने इसका अनुमोदन कर दिया था ।

2. 1979-80 वर्ष के बजट प्राक्कलनों के अन्तर्गत निम्नलिखित प्रावधान आते हैं :—

(1) विभिन्न केन्द्रों में, जहां योजना कार्यान्वित की जा चुकी है, योजना को चलाने के लिए आवश्यक धन-व्यवस्था, तथा

(2) नए क्षेत्रों/स्थापनाओं के नये वर्गों पर योजना के विस्तार के लिए आवश्यक निधि ।

3. 1979-80 वर्ष के लिए बजट प्राक्कलन तैयार करते समय यह अनुमान लगाया गया था कि परिशिष्टि-1 में दिए गए कार्यक्रम के अनुसार उसके कालम 3 में प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों से योजना का विस्तार नए क्षेत्रों/स्थापनाओं के नये वर्गों पर किया जाएगा। लेकिन सम्बन्धित राज्य सरकारों द्वारा पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्था करने में प्रशासकीय तथा अन्य कठिनाइयों के कारण कार्यान्वयन के कार्यक्रम में संशोधन करना पड़ा । वास्तव में कुछ क्षेत्रों/स्थापनाओं के नये वर्गों पर योजना का विस्तार परिशिष्टि-1 के कालम 4 में दी गई बाद की तारीखों से हुआ । जिन क्षेत्रों/स्थापनाओं के नये वर्गों पर योजना का विस्तार करने का अनुमान पूरा नहीं हो सका, उनके संबंध में अब अनुमान की गई संशोधित तारीख उपर्युक्त परिशिष्टि के कालम-4 में दिखाई गई हैं ।

4. परिशिष्ट-2, 31-12-1979 तक योजना के कार्यान्वयन की राज्यवार कुल व्याप्ति, 1979-80 के अन्त तक तथा 1980-81 के दौरान योजना के कार्यान्वयन के लिए संभावित रोजगार के नये सैक्टरों को शामिल करते हुए अतिरिक्त क्षेत्र तथा कार्यान्वयन की संभावित तारीखों का सूचक है । इन क्षेत्रों का निर्धारण राज्य सरकारों के साथ किए गए पत्र-व्यवहार के परिणामस्वरूप किया गया है ।

5. 1979-80 वित्तीय वर्ष के परिशोधित प्राक्कलन तथा 1980-81 वर्ष के बजट प्राक्कलन कार्यान्वयन के संशोधित कार्यक्रम को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं ।

बजट विवरण

6.1 सारणीबद्ध बजट विवरण-क तथा विवरण-ख, में क्रमशः 1978-79 वर्ष के आय-व्यय के वास्तविक आंकड़े तथा 1979-80 वर्ष के परिशोधित प्राक्कलन और 1980-81 वर्ष के बजट प्राक्कलन दिए गए हैं ।

6.2 नीचे दी गई सारणी में एक नजर में प्राक्कलन दिखाए गए हैं।

एक नजर में बजट

लेखा शीर्ष	1978-79 वास्तविक आंकड़े	1979-80 प्राक्कलन		1980-81 बजट प्राक्कलन
		बजट	परिशोधित	
		(लाख रुपयों में)		
		राजस्व आय		
अंशदान	1,46,75.94	1,52,37.00	1,55,06.97(क)	1,62,31.00(क)
विविध (ख)	10,89.54	9,61.83	10,06.22(ग)	903.70(ग)
कुल राजस्व आय	1,57,65.48	1,61,98.83	1,65,13.19	1,71,34.70

(क) अंशदानों से आय में वृद्धि के कारणों के लिए पैरा 9.2 तथा 18.1 देखें ।
(ख) इसमें चिकित्सा हितलाभ की बाबत दिल्ली प्रशासन का शेयर, फालतू रोकड़ शेष निवेशों से प्राप्त ब्याज तथा राजस्व के अन्य शीर्ष शामिल हैं।
(ग) भिन्नता के कारणों के लिए पैरा 9.6 तथा 18.3 देखें ।

लेखा शीर्ष	1978-79	1979-80 प्राक्कलन		1980-81 बजट प्राक्कलन
	वास्तविक आंकड़े	बजट	परिशोधित	
1	2	3	4	5
		(लाख रुपयों में)		
		राजस्व लेखे में व्यय		
1. हितलाभ				
क. चिकित्सा हितलाभ	52,87.31	60,45.56	63,55.67(घ)	68,72.45(घ)
	(घ) पैरा 11.1 तथा 20.1 देखें ।			
ख. नकद हितलाभ	52,83.32	56,56.39	63,51.85(ङ)	63,52.47(ङ)
	(ङ) पैरा 11.2 तथा 21.1 देखें ।			

1	2	3	4	5
ग. अन्य हितलाभ (ब)	13.88	16.41	16.43	19.44
	(ब) पैरा 12 देखें।			
कुल हितलाभ	1,05,84.51	1,17,18.36	1,27,23.95	1,32,44.36(छ)
2. प्रशासन व्यय	9,95.03*	11,01.02	11,40.14(छ)	12,12.44(छ)
	(छ) पैरा 13 तथा 23.2 देखें।			
3. अस्पताल/औषधालय (मूल्य ह्रास, मरम्मत तथा अनुरक्षण)	1,42.14	1,86 77	1,86.77	2,02.35(ज)
	(ज) पैरा 24 देखें।			
4. पूंजीगत निर्माण तथा आपात आरक्षित निधियां	19,82.84	18,57.50	17,33.05(झ)	17,93.5 9
	(झ) पैरा 15 देखें।			
राजस्व लेखे में कुल व्यय	1,37,04.52	1,48,63.65	1,57,83.91	1,64,52.74
व्यय से अधिक आय की राशि	20,60.96	13,35.18	7,29.28(ञ)	6,81.98
	(ञ)पैरा 17 देखें।			
	राजस्व लेखे से बाहर व्यय			
पूंजीगत लेखे में व्यय	8,06.04	11,00.00	7,50.00(ट)	9,25.00(ट)
	(ट) पैरा 16 तथा 26 देखें।			
	रोकड़ शेष			
आदि रोकड़ शेष	6,61.53	3,42.65	6,31.48	6,34.65(ठ)
अंत रोकड़ शेष	6,31.48	3,39.15	6,34.65	6,36.09(ठ)
	(ठ) पैरा 28 देखें।			

*पहले वर्षों में पेंशन आरक्षित निधि की अधिक व्यवस्था के समायोजन के कारण 33.67 लाख रुपये की राशि जमा करते हुए निवल आंकड़े।

विभिन्न शीर्षों के अन्तर्गत कुछ महत्वपूर्ण मदों की संक्षिप्त व्याख्या नीचे पैराग्राफों में दी गई है।

7. अंशदान

अंशदान में नियोजकों तथा कर्मचारियों के शेयर कर्मचारी राज्य बीमा संशोधन अधिनियम, 1975 द्वारा यथा-संशोधित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 की अनुसूची-1 में दी गई दरों के अनुसार एकल अंशदान टिकट के माध्यम से देय हैं।

8. चिकित्सा हितलाभ

8.1 संघ राज्य क्षेत्र, दिल्ली में योजना सीधे निगम द्वारा चलाई जाती है। अतः संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली को छोड़कर "क-चिकित्सा हितलाभ" शीर्ष के अन्तर्गत व्यय शुरुआत में राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है तथा बाद में 7:1 के निर्धारित अनुपात में निगम तथा राज्य सरकारों के बीच शेयर किया जाता है। अधिकतम शेयर योग्य राशि समय-समय पर निगम द्वारा निश्चित की गई अधिकतम सीमा के अधीन होती है। इस शीर्ष के अन्तर्गत की गई धन-व्यवस्था का उद्देश्य व्यय के निगम के शेयर को पूरा करना है।

8.2 चिकित्सा हितलाभों पर व्यय की अधिकतम सीमा।

प्रति कर्मचारी चिकित्सा हितलाभों पर वार्षिक शेयर योग्य व्यय की अधिकतम सीमाएं 1 अप्रैल, 1979 से निम्न प्रकार हैं :—

चिकित्सा देख-रेख का स्वरूप	प्रति कर्मचारी अधिकतम सीमा की राशि
सीमित	70 रुपये
विस्तारित	85 रुपये
पूर्ण	115 रुपये

निगम ने औषधियों और दवाइयों पर व्यय की उस सीमा को भी उठा दिया है जो उपर्युक्त अधिकतम सीमा से ऊपर मंजूर की जाती है। व्यय की पिछली सीमा 25/- रुपये से ऊपर तथा 45/- रुपये तक प्रति व्यक्ति थी और अब उसे बढ़ाकर 25/- रुपये से ऊपर तथा 50/- रुपये तक कर दिया गया है।

8.3 राज्य सरकारों को अदायगियां

निगम वर्ष के दौरान चिकित्सा हितलाभों पर व्यय के अपने शेयर के 90% तक 'लेखागत' अदायगियां करता है। ये अदायगियां राज्य सरकारों से प्राप्त व्यय विवरणों के आधार पर की जाती है। सम्बन्धित राज्य महालेखाकारों से लेखा परीक्षा प्रमाण-पत्र प्राप्त होने पर इन अदायगियों का समायोजन किया जाता है।

8.4 निगम द्वारा सीधे किया गया व्यय ।

"चिकित्सा उपचार तथा देख-रेख और प्रसूति सुविधाएं निगम द्वारा सीधे किया गया व्यय" शीर्ष के अन्तर्गत की गई धन-व्यवस्था में संघ राज्य क्षेत्र, दिल्ली में बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों की चिकित्सा देख-रेख के प्रशासन की अनुमानित लागत शामिल है । शेयर योग्य राशि के 1/8 की दर पर अनुमानित वसूली "निगम द्वारा शुरुआत में किए गए चिकित्सा-हितलाभों में राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों का शेयर" शीर्ष के अन्तर्गत 1979-80 के परिशोधित प्राक्कलनों तथा 1980-81 के बजट प्राक्कलनों में राजस्व में शामिल की गई है ।

1979-80 वर्ष के परिशोधित प्राक्कलन

1—आय

9.1 (1979-80) के चालू वर्ष में अंश निगम का राजस्व 1,65,13.19 लाख रुपये होने का अनुमान है जबकि बजट में 1,61,98.83 लाख रुपये का अनुमान था ।

अंशदान

9.2 अंशदानों से आय रु० 1,55,06.97 लाख रुपये होने का अनुमान है जबकि बजट स्तर पर 1,52,37.00 लाख रुपये का अनुमान था । मूल प्राक्कलनों में 1.8% की यह वृद्धि आंशिक रूप से मजदूरी में वृद्धि के कारण अंशदानों की ऊंची दरों से हुई प्रतीत होती है ।

9.3 31-12-1979 की स्थिति के अनुसार योजना के अंतर्गत आये कर्मचारियों की कुल संख्या 58.53 लाख थी तथा योजना के विस्तार और मौजूदा कार्यान्वित क्षेत्रों में प्रतिरिक्त व्याप्ति द्वारा वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक लगभग 0.97 लाख अन्य कर्मचारियों को शामिल किए जाने की संभावना है । परिशोधित प्राक्कलनों में प्रत्याशित अतिरिक्त व्याप्ति को ध्यान में रखा गया है ।

9.4 31 मार्च, 1978 तक बकाया अंशदानों की राशि 31 मार्च, 1979 को 24,61.00 लाख रुपये थी । बकायों की वसूली के लिए उपर्युक्त कदम उठाय गये है । निगम ने 18,82.00 लाख रुपये की बकाया राशि की वसूली के लिए कानूनी कार्रवाई की है तथा 3,81.00 लाख रुपये की अन्य राशि के लिए कार्रवाई विचाराधीन है । बाकी 1,98.00 लाख रुपये की राशि के लिए वसूली का रोकने की न्यायालय निषेधाज्ञा के कारण या फैक्टरियों के परिणामापन के परिणामस्वरूप या नियोजकों के कानूनी न्यायालय में व्याप्ति के बारे में विवाद के कारण कानूनी कार्रवाई करना सम्भव नहीं है । निगम अपनी राशि की वसूली के लिए भरपूर प्रयास कर रहा है । लेकिन यह उल्लेखनीय है कि निगम को अपनी राशि की वसूली के लिए राज्य सरकारों पर निर्भर रहना पड़ता है ।

चिकित्सा हितलाभों में दिल्ली प्रशासन का शेयर

9.5 दिल्ली में बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों की चिकित्सा देख-रेख की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी 1 अप्रैल, 1962 से निगम द्वारा ली गई थी । अनुमोदित व्यवस्था के अनुसार चिकित्सा देख-रेख पर निगम द्वारा किए गए व्यय का 1/8 भाग तथा निर्धारित अधिकतम सीमा से अधिक व्यय दिल्ली प्रशासन से वसूल किए जाने योग्य है । "निगम द्वारा शुरू में किए गए चिकित्सा हितलाभ में राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों का शेयर" शीर्ष के अन्तर्गत 66.52 लाख रुपये की व्यवस्था 1977-78 (आंशिक अदायगी 1978-79 में की गई) तथा 1978-79 वर्षों के लिए दिल्ली प्रशासन द्वारा देय राशि की सूचक है ।

ब्याज तथा लाभांश

9.6 1979-80 वर्ष के दौरान अधिशेष रोकड़ बकाया के निवेश पर अर्जित ब्याज तथा निगम के कर्मचारियों को वाहन खरीदने, गृह-निर्माण आदि के लिए दी गई पेशगियों पर ब्याज से 4,81.88 लाख रुपये की आय होने का अनुमान है जबकि मूल बजट प्राक्कलन में यह राशि 4,41.00 लाख रुपये थी । परिशोधित प्राक्कलनों में वृद्धि मुख्य रूप से पुनर्निवेश योजना के अंतर्गत 1-1-1979 से 12-9-79 तक किए गए निवेशों की वसूली के कारण है जिन पर वर्ष के दौरान 9% वार्षिक की दर से ब्याज जमा किया गया है । इस प्रकार वसूल की गई राशि का पुनर्निवेश योजना के अंतर्गत 13-9-1979 से पुनर्निवेश किया गया है जिस पर 10% वार्षिक की दर पर ब्याज मिल रहा है ।

क्षतिपूर्ति

9.7 **राज्य सरकारों तथा नियोजकों से प्रतिपूर्ति**—जहां किसी राज्य में बीमाकृत व्यक्तियों के लिए बीमारी प्रदायगियों का व्यय-भार अखिल भारतीय औसत से अधिक पाया जाता है, इस तरह की अधिक राशि कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम की धारा 58(2) में दिए गए उपबन्धों के अनुसार राज्य सरकार तथा निगम के बीच शेयर की जाती है । इसी प्रकार जहां निगम की राय में बीमाकृत व्यक्तियों में बीमारी की घटना निम्नलिखित कारणों से अधिक हों—

(1) किसी फैक्टरी या स्थापना में काम करने के लिए अस्वस्थ वातावरण या किसी अधिनियम के अन्तर्गत फैक्टरी या स्थापना के स्वामी या अधिभोगी द्वारा अपेक्षित स्वास्थ्य संबंधी विनियमों के पालन करने में उसकी लापरवाही, या

(2) बीमाकृत व्यक्तियों के कब्जे में किसी कोठरी या आवास में सफाई की ठीक व्यवस्था न होना और इस तरह का अस्वस्थ वातावरण उक्त कोठरी या आवास के मालिक से अपेक्षित स्वास्थ्य संबंधी विनियमों का पालन करने में उसकी लापरवाही के कारण हो तो—

निगम, बीमारी हितलाभ के कारण किए गए अतिरिक्त व्यय की वसूली फैक्टरी या स्थापना के स्वामी या अधिभोगियों से कर सकेगा । परिशोधित प्राक्कलन 1979-80 में बिहार, मध्य प्रदेश तथा तमिलनाडु राज्यों द्वारा देय निर्धारित की गई राशि की व्यवस्था की गई है ।

किराये दर तथा कर

9.8 निम्नलिखित के संबंध में किराये, दर तथा कर—

(1) कार्यालय भवन (स्टाफ क्वार्टरों सहित) तथा

(2) अस्पताल/औषधालय (स्टाफ क्वार्टरों सहित) ।

निगम द्वारा निर्मित अस्पताल तथा औषधालय भवनों से संबंधित किराया बीमाकृत व्यक्तियों को चिकित्सा हितलाभों की व्यवस्था पर राज्य सरकारों द्वारा किए गए शेयर योग्य व्यय का एक भाग होता है । इस प्रकार यह निगम तथा राज्य सरकारों के बीच 7.1 के निर्धारित अनुपात में स्वतः विभाजित हो जाता है ।

फीस, जुर्माने तथा जब्तियां

9.9 इनमें नियोजकों द्वारा फ्रैंकिंग मशीनों के प्रयोग के लिए उनसे प्राप्त लाइसेंस फीस के कारण आय तथा निगम की राशियों की अदायगी न कर सकने और/या अंशदान कार्ड प्रस्तुत न करने पर नियोजकों पर लगाए गए हर्जाने भी शामिल हैं ।

विविध आय

इनमें डुप्लीकेट पहचान पत्रों की लागत के कारण आय, अधिक अदायगियों तथा लेखा-परीक्षा में अस्वीकृत राशि की वसूलियां, छुट्टी वेतन तथा पेंशन अंशदानों की वसूलियां, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य सेवा के संबंध में कर्मचारी अंशदान, तत्स्वरूपी राजस्व शीर्षों में न ले जा सकने वाले गत वर्षों में किए गए सेवा व्यय की वसूलियां, न्यायालयों द्वारा डिक्री की गई राशियों सहित कानूनी मुकदमों की लागत की वसूलियां तथा नकद हितलाभों आदि की वसूलियां शामिल हैं ।

2—व्यय

10 1979-80 के चालू वर्ष मे राजस्व लेखे मे अब 1,57,83 91 रुपये के व्यय का अनुमान है जबकि बजट में 1,48,63. 65 लाख रुपये का अनुमान था ।

बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को हितलाभ

क—चिकित्सा हितलाभ

11.1 इस शीर्ष के अन्तर्गत कुल धन-व्यवस्था 63,55. 67 लाख रुपये है । इसमें गत वर्षों के संबंध में 12,69. 86 लाख रुपये की बकाया अदायगियां शामिल है । इसमें चिकित्सा देख-रेख की व्यवस्था करने पर राज्य सरकारों द्वारा किए गए व्यय में निगम के शेयर के रूप में 60 02. 67 लाख रुपये, दिल्ली में योजना निगम द्वारा सीधे चलाई जाने के संबंध में चिकित्सा हितलाभों पर व्यय के रूप मे 343. 00 लाख रुपये तथा महाराष्ट्र क्षेत्र मे विदर्भ क्षेत्र के लाभाधिकारियों की योजना के अन्तर्गत देय प्रसव-शुल्क की अदायगी के रूप में 10. 00 लाख रुपये शामिल है । दिल्ली के संबंध मे व्यय के 1/8 भाग की वसूली 1980-81 वर्ष के बजट प्राक्कलन की आय में हिसाब में ले ली गई है। महाराष्ट्र राज्य से प्राप्त प्रसव खर्चों के 1/8 भाग का समायोजन चिकित्सा हितलाभों पर व्यय की बाबत उनके दावे की प्रतिपूर्ति करते समय किया जाएगा ।

चालू वित्तीय वर्ष के दौरान वितरण के लिए संभावित पिछली देयताओं को पूरा करने के लिए 12,69. 86 लाख रुपये की राशि की व्यवस्था की गई है । 1979-80 वर्ष के बजट प्राक्कलन मे इस संबंध में 12,36. 79 लाख रुपयों की व्यवस्था की गई थी ।

चिकित्सा हितलाभ पर व्यय में 1979-80 के परिशोधित प्राक्कलन में वृद्धि 1 अप्रैल, 1979 से चिकित्सा देख-रेख की अधिकतम सीमा के परिशोधन के कारण हुई है जिसके लिए बजट प्राक्कलनों मे व्यवस्था नही की गई थी ।

ख—नकद हितलाभ

11.2 विवरण—ख मे दिए गए ब्यौरे के अनुसार विभिन्न नकद हितलाभों के लिए 1979-80 के परिशोधित प्राक्कलन में 63,51.85 लाख रुपए की धन-व्यवस्था 1979-80 वित्तीय वर्ष के पहले आठ महीनो के वास्तविक आकड़ों तथा शेष महीनों की अनुमानित आवश्यकता पर आधारित है ।

56,56. 39 लाख रुपये की मूल धन-व्यवस्था के स थान पर 1979-80 के परिशोधित प्राक्कलन में अधिक धन-व्यवस्था आंशिक रूप स हड़ताल के दौरान कुछ क्षेत्रो मे दावों की अधिक घटनाओं के कारण है जुलाई-अगस्त, 1979 में कपड़ा मिलों की हड़ताल के दौरान अकेले कोयम्बतूर क्षेत्र में लगभग 396.26 लाख रुपये अधिक व्यय हुआ ।

प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष हितलाभ दिनों की औसत संख्या मे भी वृद्धि हुई है और प्रति कर्मचारी हितलाभ की दैनिक दर की राशि में भी वृद्धि हुई है जैसा कि नीचे दिखाया गया है —

	बीमारी हितलाभ			अस्थाई अपंगता हितलाभ		
	1976-77	1977-78	1978-79	1976-77	1977-78	1978-79
प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष हितलाभ दिनो की औसत संख्या	5.0 दिन	6.0 दिन	6.8 दिन	0.91 दिन	0.97 दिन	1 13 दिन
प्रति कर्मचारी प्रति दिन औसत हितलाभ दर	7.66 रु०	8.31 रु०	8.92 रु०	9.02 रु०	9.39 रु०	10.10 रु०

विस्तारित बीमारी हितलाभ की घटनाओं में भी वृद्धि हुई है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :—

	1976-77	1977-78	1978-79
निम्नलिखित रूप मे विस्तारित बीमारी हितलाभ दावों की घटनाएं—			
जोखिम ग्रस्त प्रति 1,000 कर्मचारी दावों की औसत संख्या	4.8 (संख्या)	4.3 (संख्या)	4 5 (संख्या)
समाप्त दावों की औसत अवधि	179.2 दिन	293.6 दिन	220.9 दिन

महानिदेशक विभिन्न केन्द्रों पर बीमारी हितलाभ दावों की अवधि पर लगातार निगरानी रखे हुए हैं । मुख्यालय में हर महीने प्राप्त सम्बद्ध आंकड़ों का समय-समय पर विश्लेषण किया जाता है तथा किसी केन्द्र पर असामान्य अन्तर पाए जाने पर क्षेत्रीय निदेशकों तथा प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारियों के साथ लिखा-पढ़ी की जाती है ताकि आवश्यक तथा संभव होने पर उसे दूर करने के लिए तुरन्त आवश्यक कार्रवाई की जा सके ।

बीमारी हितलाभ दावों तथा अस्थायी अपंगता हितलाभ दावों की घटनाओं तथा अवधि के सम्बन्ध में राज्यों के बीच भी परस्पर काफी अन्तर देखने में आया है । विभिन्न राज्यों में नकद हितलाभों में अन्तर के विश्लेषण के मामले के बारे में ध्यान दिया जा रहा है । नकद हितलाभों की अधिक घटनाओं के मामलों में, राज्य सरकारों द्वारा प्रमाण पत्र जारी करने की दिशा में और अधिक नियंत्रण की आवश्यकता प्रतीत होती है । हड़ताल तथा तालाबन्दी आदि की स्थिति में नकद हितलाभों के दुरुपयोग को रोकने के लिए क्षेत्रीय बोर्डों तथा स्थानीय समितियों को भी सक्रिय बनाने की आवश्यकता है ।

ग—अन्य हितलाभ

12. विविध मदों पर व्यय का पूरा करने के लिए ग—अन्य हितलाभ के अन्तर्गत बजट प्राक्कलन मे का गई 16.41 लाख रुपय की बजाए परिशोधित प्राक्कलन में 16.43 लाख रुपयों की धन-व्यवस्था की गई है । इन मदों में चिकित्सा बोर्डों तथा अपील न्यायाधिकरणो को दी गई फीस, चिकित्सा बोर्डों तथा चिकित्सा निर्देशियो के समक्ष उपस्थित होने के लिए बीमाकृत व्यक्तियों द्वारा परिवहन पर सीधे किए गए व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए उन्हें की गई अदायगिया तथा चिकित्सा बोर्डों के समक्ष उपस्थित होने के लिए बीमाकृत व्यक्तियों को मजदूरी की हानि के लिए देय व्यय और बीमाकृत व्यक्तियों की शव परीक्षा के लिए दी गई फीस तथा रोजगार चोट आदि के मामलों का निर्णय करने के लिए पुलिस रिपोर्ट तथा अन्य विवरण प्राप्त करने के संबंध

में पुलिस अधिकारियों को देय खर्च शामिल करते हुए अन्य विविध खर्च शामिल है ।

प्रशासन खर्चे

13. 1979-80 वर्ष के दौरान प्रशासन पर कुल खर्च का बजट स्तर पर 11,01.02 लाख रुपये का अनुमान लगाया गया था जब कि अब 11,40.14 लाख रुपयें का अनुमान है । धन-व्यवस्था 1979-80 के पहले आठ मास के दौरान किए गए वास्तविक व्यय (नौ मास के वेतन और भत्तों के वास्तविक आंकड़ों को शामिल करके) तथा वर्ष के बाकी चार मास के दौरान किए जाने वाले संभावित व्यय पर आधारित है । बाकी चार मास के आंकड़ों में कुछ ऐसी मदों पर व्यय शामिल है जो वर्ष के अन्त में वार्षिक रूप से समायोजित की जाती है जैसे आरक्षित निधियों में अन्तरित वार्षिक अनुरक्षण तथा मूल्यह्रास खर्चे, पेंशन आरक्षित निधि तथा कर्मचारी राज्य बीमा निगम अंशदायी भविष्य निधि में निगम का अंशदान तथा इस पर ब्याज ।

1979-80 के परिशोधित प्राक्कलन में बजट के बाद लिए गए निम्नलिखित निर्णयों के कारण अतिरिक्त धन-व्यवस्था की गई है :—

(1) 1-12-78 तथा 1-5-79 से महंगाई भत्ते में वृद्धि (33.00 लाख रुपये) ।

(2) 1-9-79 से वेतन समिति (1978) की सिफारिशों को आंशिक रूप से लागू करना (10.00 लाख रुपये) ।

अस्पताल/ औषधालय

14. इस शीर्ष के अन्तर्गत धन-व्यवस्था में इस उद्देश्य के लिए निश्चित पूंजीगत लागत की प्रतिशतता, यानी क्रमशः 1 प्रतिशत तथा 2.9 प्रतिशत के अनुसार (i) अस्पताल/औषधालय भवनों का मूल्यह्रास (47.89 लाख रुपये), तथा (ii) इन भवनों की मरम्मत तथा अनुरक्षण (38.88 लाख रुपये) शामिल है ।

पूंजीगत निर्माण तथा आरक्षित निधियों में अंशदान

पूंजीगत निर्माण आपात आरक्षित निधि

15. 1. कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 की धारा 28(IV) के उपबन्धों के अनुसार कर्मचारी राज्य बीमा निधि का जिन कार्यों के लिए इस्तेमाल किया जायगा, उनमें से एक "बीमाकृत व्यक्तियों के हित-लाभ के लिए तथा जहां चिकित्सा हितलाभ का विस्तार उनके परिवारों पर किया गया है, वहां उनके परिवारों के लिए भी अस्पताल, औषधालय तथा अन्य संस्थानों की स्थापना व अनुरक्षण और अन्य संबंधित सेवाओं की व्यवस्था करना है" । निगम ने अपनी 2 फरवरी, 1974 को हुई बैठक में निर्णय किया कि "नियोजकों" तथा 'कर्मचारियों' के अंशदान से प्राप्त कुल राजस्व का 10% क्रमशः 8 : 2 के अनुपात में अस्पतालों/औषधालयों/दूसरे चिकित्सा संस्थानों तथा कार्यालय भवनों/स्टाफ क्वार्टरों के निर्माण के लिए पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि में जमा कर दिया जाए । तदनुसार 1979-80 के परिशोधित प्राक्कलनों में 15,50.70 लाख रुपये की धन-व्यवस्था की गई है ।

आपात आरक्षित निधि

15.2. निगम की दिनांक 17 मार्च, 1973 को हुई बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार व्यय से अधिक आय का 20% आपात आरक्षित निधि में जमा किया जाता है । यह राशि एक करोड़ रुपये से कम होने पर सम्पूर्ण राशि इस निधि में जमा की जाती है । तदनुसार 1979-80 के परिशोधित प्राक्कलनों में 182.35 लाख रुपय की धन-व्यवस्था की है ।

पूंजीगत लेखे पर व्यय

16. निर्माण कार्यों के लिए पूंजीगत लेखे में व्यय के लिए प्रारम्भ में की गई धन-व्यवस्था की राशि 11,00.00 लाख रुपयें थी जिसमें (i) कार्यालयों भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) के निर्माण के लिए 1,25.00 लाख रुपये, तथा (ii) अस्पताल तथा औषधालयों के निर्माण के लिए 9,75.00 लाख रुपय शामिल हैं ।

1979-80 के परिशोधित प्राक्कलनों में 7,50.00 लाख रुपये की धन-व्यवस्था की गई है, जो निम्न प्रकार है :—

(क) कार्यालय भवन (स्टाफ क्वार्टरों सहित) : 1979-80 के बजट प्राक्कलनों में 125.00 लाख रुपये की धन-व्यवस्था की गई थी जिसे 1979-80 के परिशोधित प्राक्कलनों में घटाकर 85.00 लाख रुपये कर दिया गया है । यह वास्तविक आंकड़ों तथा अनुमानित अवायगियों के रूप पर आधारित है ।

(ख) अस्पताल तथा औषधालय भवन : इस शीर्ष के अन्तर्गत की गई 975.00 लाख रुपये की धन-व्यवस्था को भी वास्तविक आंकड़ों तथा अनुमानित अवायगियों के रुख के आधार पर घटाकर 1979-80 के परिशोधित प्राक्कलनों में 6,65.00 लाख रुपये कर दिया गया है । जिन कार्यालय, भवनों (स्टाफ, क्वार्टरों सहित) तथा अस्पताल व औषधालय भवनों के लिए 1979-80 के बजट प्राक्कलन में की गई धन-व्यवस्था काफी मात्रा में इस्तेमाल नहीं की जा सकी, इस खण्ड में 1980-81 के निष्पादन बजट के अनुबन्ध 5 में दिखाए गए हैं । बजट व्यवस्था का इस्तेमाल न किया जाना सीमेंट/स्टील मिलने में कठिनाइयों के कारण राज्य सरकारों/निर्माण एजेंसियों द्वारा निर्माण कार्य रोके रखने के कारण राशि न मांगने या प्रत्याशित नई परियोजनाएं चालू न किए जा सकने के कारण है । मामले पर निर्माण एजेंसियों/राज्य सरकारों के साथ पत्र-व्यवहार किया जा रहा है ।

व्यय से अधिक आय

17. बजट स्तर पर व्यय से 13,35.18 लाख रुपये की अधिक आय का अनुमान लगाया गया था । लेकिन परिशोधित प्राक्कलनों के अनुसार व्यय से 7,29.28 लाख रुपयें की अधिक आय का निर्धारण किया गया है । 605.90 लाख रुपये की कमी का मोटे तौर पर निम्न प्रकार विश्लेषण किया जा सकता है ।

(लाख रुपयों में)

I. निम्नलिखित पर व्यय में वृद्धि :

चिकित्सा हितलाभ	3,10.11
नकद हितलाभ	6,95.46
अन्य हितलाभ	0.02
प्रशासन खर्च	39.12
जोड़—I	10,44.71

II. 10,44.71 लाख रुपये की उपर्युक्त वृद्धि आंशिक रूप से निम्नलिखित के कारण प्रतिसंतुलित हुई है :—

(लाखों रुपयों में)

अंशदान आय में वृद्धि	2,69.97
राजस्व के अन्य शीर्षों के अन्तर्गत आय में वृद्धि	44.39
पूंजीगत निर्माण तथा आपात आरक्षित निधियों के लिए धन-व्यवस्था में कमी	1,24.45
जोड़—II	4,38.81
निवल कमी	6,05.90

1980-81 के बजट प्राक्कलन

I—आय

अंशदान

18.1. (क) 1979-80 के परिशोधित प्राक्कलन (ख) 1980-81 के दौरान शामिल किए जाने वाले 60.75 लाख कर्मचारियों (भारित औसत) की प्रत्याशित संख्या तथा (ग) अंशदानों से लगभग 267 रुपये की अनुमानित प्रति व्यक्ति वार्षिक आय को ध्यान में रखते हुए अंशदानों (नियोजकों तथा कर्मचारियों के शेयर) से 1,62,31.00 लाख रुपये की आय का अनुमान लगाया गया है।

18.2. नीचे तालिका में 1976-77 से प्रति व्यक्ति अंशदान से आय को दर्शाया गया है :—

1976-77	1977-78	1978-79	1979-80 (अनुमानित आंकड़े)	1980-81 (अनुमानित आंकड़े
236 रुपये	239 रुपये	258 रुपये	263 रुपये	267 रुपये

अधिशेष रोकड़ अकार्यों के निवेश से प्राप्त ब्याज

18.3. 1980-81 में ब्याज की आय में कमी भारतीय स्टेट बैंक की पुनः निवेश योजना में निवेशों के कारण है। चूंकि 1-10-1976 से निवेश भारतीय स्टेट बैंक की "पुनः निवेश योजना" के अन्तर्गत किए जा रहे हैं जिसके अन्तर्गत देय ब्याज निगम के खाते में निवेश की परिपक्वता पर ही जमा किया जायेगा। "पुनः निवेश योजना" के शुरू होने से पहले किए गए निवेशों पर निगम के खातों में मासिक ब्याज मिलता था।

निगम के स्वामित्व में आने वाले अस्पताल तथा औषधालय भवनों का किराया

18.4. निगम के स्वामित्व में आने वाले अस्पताल तथा औषधालय भवनों के किराए की बाबत राज्य सरकारों से 399.00 लाख रुपये की राशि वसूल होने की संभावना है।

II—व्यय

19. 1979-80 के परिशोधित प्राक्कलनों में तत्संबंधी-व्यवस्था की तुलना में 1980-81 के बजट प्राक्कलनों में विभिन्न शीर्षों के अन्तर्गत अधिक धन-व्यवस्था मुख्य रूप से निम्नलिखित कारणों से है :—

(1) ऐसे क्षेत्रों तथा संस्थापनाओं में योजना को पूरे वर्ष चलाना जिनमें कार्यान्वयन 1979-80 वर्ष के दौरान किया गया है,

(2) योजना का नए क्षेत्रों/संस्थापनाओं में विस्तार,

(3) कार्यान्वित क्षेत्रों में रोजगार में संभावित वृद्धि, तथा

(4) बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों की चिकित्सा देख-रेख की टाइप में सुधार।

क—चिकित्सा हितलाभ

20.1. 1979-80 के परिशोधित प्राक्कलन, वर्ष के दौरान अनुमानित अतिरिक्त व्याप्ति तथा बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों को चिकित्सा देख-रेख की टाइप में सुधार को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा हितलाभों के लिए पिछली देयताओं के 12,46.56 लाख रुपये की राशि को शामिल करके 1980-81 के बजट प्राक्कलनों में 68,72.45 लाख रुपये की कुल धन-व्यवस्था की गई है। 1980-81 के दौरान योजना के अन्तर्गत शामिल किए जाने वाले कर्मचारियों की संख्या का 60.75 लाख (भारित औसत) होने का अनुमान है। इस धन-व्यवस्था में संघ राज्य क्षेत्र, दिल्ली में बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को चिकित्सा देख-रेख की व्यवस्था करने के लिए 1980-81 के दौरान निगम द्वारा सीधे खर्च किए जाने वाले 3,64.00 लाख रुपये तथा महाराष्ट्र राज्य में विदर्भा क्षेत्र के लाभाधिकारियों को प्रसूति शुल्क की अदायगी की बाबत निगम द्वारा सीधे खर्च किए जाने वाले 10.00 लाख रुपये भी शामिल हैं।

बजट प्राक्कलनों में यथा व्यवस्थित प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष चिकित्सा देख-रेख के निगम के शेयर की औसत अनुमानित लागत निम्नलिखित है :—

1977-78	1978-79	1979-80	1980-81
वास्तविक आंकड़े	वास्तविक आंकड़े	परिशोधित प्राक्कलन	बजट प्राक्कलन
84 रुपये	92 रुपये	107 रुपये	112 रुपये

20.2. 1978-79 तक राज्य सरकारों द्वारा किए गए चिकित्सा खर्चे में अपने शेयर की प्रतिपूर्ति की बाबत निगम को बकाया देयता 19,89.44 लाख रुपये होने का अनुमान है। इसमें से 1979-80 के दौरान 12,69.86 लाख रुपये तथा 1980-81 के दौरान लेखा-परीक्षा प्रमाण-पत्र प्राप्त होने पर (719.58 लाख रुपये) की बकाया राशि दावों की अदायगी का अनुमान है। राज्य सरकारों को प्रतिपूर्ति के लिए 1980-81 के बजट प्राक्कलनों में भी 526.98 लाख रुपये (1979-80 के लिए अनुमानित देयता का 10%) की धन-व्यवस्था की गई है।

20.3. यदि 1980-81 के दौरान सभी राज्य सरकारें योजना के अन्तर्गत आय कुल कर्मचारियों (62.00 लाख) के आधार पर लाभाधिकारियों को पूर्ण चिकित्सा देख-रेख प्रदान करें और ऊपर पैरा 8.2 में उल्लिखित अधिकतम व्यय सीमा के अनुसार स्वीकार्य अधिकतम राशि का पूर्ण रूप से इस्तेमाल करें तो चिकित्सा देख-रेख पर खर्च में निगम का शेयर 75,95.00 लाख रुपये हो जायेगा। इस प्रकार लगभग 7,70.00 लाख रुपये प्रति वर्ष की प्रासंगिक देयता है।

20.4. चिकित्सा देख-रेख की मौजूदा अधिकतम सीमा को पुनः परिशोधित करने की आवश्यकता के प्रश्न पर एक समिति द्वारा विचार किया जा रहा है। आवश्यकता होने पर चिकित्सा देख-रेख के लिए अतिरिक्त निधियों की व्यवस्था 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलन बनाते समय की जायेगी।

ख—नकद हितलाभ

21.1. 1979-80 के परिशोधित प्राक्कलनों तथा नये क्षेत्रों/संस्थापनाओं में योजना के विस्तार को ध्यान में रखते हुए 1980-81 के दौरान नकद हितलाभों पर 63,52.47 लाख रुपये व्यय का अनुमान है। योजना के अन्तर्गत शामिल किए जाने के लिए संभावित नये क्षेत्रों में हितलाभ अवधियां शुरू करने के लिए भी समुचित गुंजाइश रखी गई है। वर्ष के दौरान होने वाली रोजगार चोटों से उत्पन्न हुई/होने के लिए संभावित स्थायी (आंशिक तथा पूर्ण) अपंगता तथा आश्रितजन हितलाभों की कुल देयताओं के पूंजीकृत मूल्य के लिए भी व्यवस्था कर ली गई है।

21.2. ऊपरी पैरा 12 में उल्लिखित अन्य हितलाभों के अन्तर्गत 19.44 लाख रुपये की व्यवस्था की गई है।

21.3 प्रति व्यक्ति खर्चे : बजट प्राक्कलनों में यथा-व्यवस्थित प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष नकद हितलाभों के विभिन्न वर्गों का औसत अनुमानित खर्चा नीचे दी गई हैं।

हितलाभ	वास्तविक आंकड़े 1977-78	वास्तविक आंकड़े 1978-79	परिशोधित प्राक्कलन 1979-80	बजट प्राक्कलन 1980-81
	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
बीमारी हितलाभ (विस्तारित बीमारी हितलाभ सहित)	55,13	66.27	73.21(क)	76.10
प्रसूति हितलाभ	3.21	3.14	3.31	3 35
अस्थायी अपंगता हितलाभ	9.08	11.37	11.91	12.21
स्थायी अपंगता हितलाभ	9.43	11.24	11.70	12.00
आश्रितजन हितलाभ	2.29	2.25	2.70	2.80
अन्त्येष्टि खर्चे	0.17	0.17	0.17	0.17
अन्य हितलाभ	0.24	0.24	0.28	0.32
जोड़	79.55	94.98	103.28(क)	106.95

(क) जुलाई-अगस्त, 1979 में टैक्सटाइल हड़ताल के दौरान कोयम्बतूर क्षेत्र में अतिरिक्त अवायगियों के कारण वर्ष के दौरान अतिरिक्त घटनाओं के अलावा।

अशक्तता हितलाभ की शुरुआत तथा कुछ वर्तमान हितलाभों में वृद्धि

22.1. रोजगार चोट के अलावा अन्य कारणों से अशक्तता की आकस्मिकता को पूरा करने के लिए निगम ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम में अशक्तता हितलाभ की योजना शुरू करने का अनुमोदन किया। इसे केन्द्रीय सरकार को अनुमोदन तथा इसके परिणामस्वरूप अधिनियम में संशोधन के लिए भेजा गया है।

केन्द्रीय सरकार द्वारा योजना के अनुमोदन और अधिनियम के संशोधन में समय लगने की संभावना है। अतः अशक्तता हितलाभ के लिए 1979-80 के परिशोधित प्राक्कलनों में या 1980-81 के बजट प्राक्कलनों में कोई धन-व्यवस्था नहीं की गई है। यदि अधिनियम में 1980-81 के दौरान संशोधन किया जाता है तो अशक्तता हितलाभ पर व्यय को पूरा करने के लिए उपयुक्त समय पर निगम से अतिरिक्त बजट व्यवस्था के लिए आवश्यक मंजूरी मांगी जायेगी।

22.2. इसी प्रकार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 में संशोधन के लिए उच्चाधिकार उप-समिति द्वारा सिफारिश किए गए कुछ वर्तमान हितलाभों की वृद्धि के बारे में अधिनियम में आवश्यक संशोधन किए जाने तक कोई धन-व्यवस्था नहीं की गई है।

प्रशासन-व्यय

23.1. प्रशासन व्यय दो शीर्षों, अर्थात् "(क)—अधीक्षण" तथा "(ख) फील्ड कार्य" के अन्तर्गत विखाये गए हैं।

23.2. 1980-81 के बजट प्राक्कलन में प्रशासन पर व्यय के लिए कुल मिलाकर 12,12.44 लाख रुपये की व्यवस्था की गई है।

1980-81 के बजट प्राक्कलनों में वेतन तथा भत्तों के लिए व्यवस्था के अन्तर्गत वेतन वृद्धियों आदि के कारण सामान्य वृद्धि की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा इसमें व्याप्ति में वृद्धि तथा कई नये स्थानीय कार्यालयों की स्थापना के कारण अनुमोदित मानकों के अनुसार अपेक्षित अतिरिक्त पदों के लिए व्यवस्था की गई है।

निगम के कर्मचारियों की संख्या

23.3. 31-3-1979 की स्थिति के अनुसार मंजूर और 31-3-1980 तथा 31-3-1981 को अनुमानित निगम के स्टाफ के व्यौरों का तुलनक विवरण परिशिष्ट-3 पर है। स्टाफ की संख्या में वृद्धि कर्मचारी राज्य बीमा योजना के क्रमिक विस्तार के कारण है और यह अनुमोदित मानकों के अनुसार है। यह उल्लेखनीय है कि कार्यालयों का नए सिरे से कार्य-अध्ययन किया गया है तथा मानक नये सिरे से निर्धारित किए जा रहे हैं। 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलन तैयार करते समय इनका ध्यान रखा जायेगा।

23.4. निगम ने अपने कार्य-कलापों के शिक्षाप्रद प्रचार के लिए एक उपयुक्त माध्यम स्थापित करने का निर्णय किया है। जन सम्पर्क अधिकारी के पद के लिए केन्द्रीय सरकार की मंजूरी मांगी गई है। बजट प्राक्कलनों में इस पद के लिए व्यवस्था की गई है। आवश्यक होने वाले अधीनस्थ कर्मचारियों के लिए 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलन में व्यवस्था की जायेगी।

23.5. वेतन समिति (1978) की अधिकांश सिफारिशों पर भी केन्द्रीय सरकार के निर्णय की प्रतीक्षा है। आवश्यक होने वाली अपेक्षित धन-व्यवस्था 1980-81 के परिशोधित प्राक्कलनों में की जायेगी।

23.6. 'भत्ते तथा मानदेय' शीर्ष के अन्तर्गत की गई धन-व्यवस्था के ब्यौरों का विवरण परिशिष्ट 4 पर है।

आकस्मिक व्यय ('क-अधीक्षण' तथा 'ख-फील्ड कार्य'—दोनों के अंतर्गत) तथा 'ग—अन्य प्रभार'

23.7. विभिन्न उप-शीर्षों के अन्तर्गत की गई धन-व्यवस्था स्वतः स्पष्ट है। यह मुख्य रूप से 1979-80 वर्ष के पहले आठ मास के वास्तविक आंकड़ों तथा योजना के आगे विस्तार के लिए अनुमानित आवश्यकताओं के आधार पर की गई है। किफायत के उपायों से संबंधित अनुदेशों का समुचित ध्यान रखा गया है।

'प्रति कर्मचारी' प्रतिवर्ष प्रशासन पर व्यय

23.8. 1979-80 के परिशोधित प्राक्कलनों तथा 1980-81 के बजट प्राक्कलनों के आधार पर "योजना के अन्तर्गत" शामिल किए गए प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष प्रशासन व्यय क्रमशः 19.37 रुपये तथा 19.96 रुपये होंगे।

"योजना के अंतर्गत आये" प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष प्रशासन की लागत के तुलनात्मक आंकड़े विभिन्न उप-शीर्षों के अंतर्गत नीचे दिये गए हैं :—

उप शीर्ष	वास्तविक आंकड़े 1976-77 रुपये	वास्तविक आंकड़े 1977-78 रुपये	वास्तविक आंकड़े 1978-79 रुपये	परिशोधित प्राक्कलन 1979-80 रुपये	बजट प्राक्कलन 1980-81 रुपये
वेतन तथा भत्ते	12.69	12.77	13.55	14.62(क)	15.12
आकस्मिक खर्चे	2.44	2.28	2.50	2.68(ख)	2.72
अन्य विविध खर्चे	1.35	2.25	1.46(ग)	2.07	2.12
जोड़	16.48	17.30	17.51	19.37	19.96

(क) वृद्धि के कारणों के लिए कृपया ऊपर पैरा 13 देखें।

(ख) 1979-80 के मूल बजट प्राक्कलनों के अनुसार व्यय 2.82 रुपये प्रति कर्मचारी था।

(ग) पहले वर्षों में पेंशन आरक्षित निधि में अधिक धन-व्यवस्था के समायोजन के कारण इस शीर्ष में 33.67 लाख रुपये जमा न किए गए होते तो प्रति व्यक्ति व्यय 2.06 रुपये होता।

अंशदानों से होने वाली आय तथा अदा किए गए हितलाभों आदि की तुलना में प्रशासनिक लागत की प्रतिशतता नीचे दिखाई गई है—

तुलनात्मक अनुपात	वास्तविक आंकड़े 1976-77 %	वास्तविक आंकड़े 1977-78 %	वास्तविक आंकड़े 1978-79 %	परिशोधित प्राक्कलन 1979-80 %	बजट प्राक्कलन प्राक्कलन 1980-81 %
अंशदान	6.98	7.24	6.78	7.35	7.47
कुल राजस्व	6.42	6.61	6.31	6.90	7.07
हितलाभ	12.38	10.98	9.40	8.96(घ)	9.16
कुल राजस्व व्यय	8.61	8.12	7.26	7.22(ङ)	7.37
हितलाभ तथा अंशदान	4.28	4.36	3.94	4.04	4.11

(घ) उपरिलिखित व्यय में कमी करके 33.67 लाख रुपये के समायोजन से व्यय-भार की प्रतिशतता में गिरावट आ गई है।

(ङ) प्रतिशतता में आंशिक रूप से कमी कोयम्बतूर क्षेत्र में अवायगियों की अधिक घटनाओं के कारण है।

अस्पताल/औषधालय

24. इस शीर्ष के अन्तर्गत धन-व्यवस्था में निम्नलिखित शामिल हैं :—

(1) अस्पताल/औषधालय भवनों का मूल्यह्रास (51.89 लाख रुपये)।

(2) इन भवनों की मरम्मत तथा अनुरक्षण (1,50.46 लाख रुपये)।

धन-व्यवस्था भवनों की पूंजीगत लागत की निर्धारित प्रतिशतताओं के अनुसार की गई है। "योजना के अन्तर्गत आय" प्रति कर्मचारी लागत 1977-78, 1978-79, 1979-80 तथा 1980-81 में क्रमशः 2.22 रुपये, 2.50 रुपये, 3.20 रुपये तथा 3.30 रुपये है।

पूंजीगत निर्माण तथा आपात आरक्षित निधियों में अंशदान

25. पूंजीगत निर्माण निधि तथा आपात आरक्षित निधि में अंशदान के लिए क्रमशः 16, 23.10 लाख रुपये तथा 1,70.49 लाख रुपये की धन-व्यवस्था की गई है।

पूंजीगत लेखे पर व्यय

26. यह अनुमान लगाया गया है कि 1980-81 के दौरान निर्माण कार्यों तथा अस्पतालों के लिए उपस्कर की खरीद पर 9,25.00 लाख रुपये खर्च होंगे जिसका ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

	(लाख रुपयों में)
1. कार्यालय भवन तथा स्टाफ क्वार्टर	
चालू निर्माण कार्य	1,11.19
नये निर्माण कार्य	13.81
2. अस्पताल/औषधालय तथा स्टाफ क्वार्टर	
चालू निर्माण कार्य	5,46.50
नये निर्माण कार्य	2,53.50
जोड़ 1 तथा 2	9,25.00

व्यय से अधिक आय

27. 1980-81 के बजट प्राक्कलनों में 681.96 लाख रुपये व्यय से अधिक आय का अनुमान लगाया गया है।

अन्त रोकड़ शेष

28. 31 मार्च, 1980 तथा 31 मार्च, 1981 को बैंकों में तथा रोकड़ शेष का अंतशेष क्रमशः 6,34.65 लाख रुपये तथा 6,36.09 लाख रुपये का अनुमान है।

मास के पहले तीन सप्ताह के दौरान 1 अप्रैल को वेतन का वितरण करने, प्रशासनिक खर्च पूरा करने तथा बीमाकृत व्यक्तियों को सकद हितलाभों की अदायगी करने के लिए कार्यालयों, स्थानीय कार्यालयों तथा अन्य कार्यालयों द्वारा लगभग 500.00 लाख रुपये की राशि अपेक्षित है। लगभग 150.00 लाख रुपये की अन्य राशि क्षेत्रीय कार्यालयों के लेखा सख्या (संग्रह लेखा) में शेष पड़ी है। यह 30 तथा 31 मार्च को प्राप्त अंशदानों की सूचक है और दिल्ली में निगम के मुख्य लेखों में 31 मार्च के बाद अंतरित की जाती है।

साधन स्थिति

29.1. पर्याप्त रोकड़ को देखते हुए निगम की अर्थोपाय स्थिति पूरे वर्ष सन्तोषजक रहेगी। सामान्य रोकड़ शेष में से पिछले वर्षों के दौरान किए गए निवेशों में से 1506.38 लाख रुपये की राशि 1980-81 वर्ष में परिपक्व हो जाएगी।

29.2. अधिशेष रोकड़ बकायों के दीर्घकालीन निवेश के संबंध में नीचे दी गई स्थिति की संभावना है :—

	1979-80	1980-81
	(लाख रुपयों में)	
आदि रोकड़ शेष	6,31.48	6,34.65
व्यय से अधिक आय		
(1) राजस्व लेखा	7,29.28	6,81.96
(2) अन्य शीर्ष	(-)19.17	(-)42.52
ऋण, जमा पेशगियां आदि जोड़	13,41.59	12,74.09
घटाएं—बैंकों में तथा रोकड़ शेष (अन्त शेष)	6,34.65	6,36.09
सामान्य रोकड़ शेष का निवेश योग्य अधिशेष	7,06.94@	6,38.00*

आरक्षित निधि

30. विभिन्न आरक्षित निधियों के बकायों के संबंध में स्थिति नीचे दिखाई गई है :—

आरक्षित निधि का नाम	31-3-79 को बकाया (लेखा आकड़े)	31-3-80 को बकाया (अनुमानित)	31-3-81 को बकाया (अनुमानित)
1 2	3	4	5
	(लाख रुपयों में)		
1. क०रा०बी० भविष्य निधि	4,88.55	5,98.40	7,17.95
2. भविष्य निधि जमा से जुड़ी बीमा निधि	1.08	1.12	1.15
3. क० रा०बी०नि० ग्रुप बीमा निधि	0.76	3.68	6.69
4. पेंशन आरक्षित निधि	8,29.88	9,02.31	9,65.18
5. कार्यालय भवनों की मूल्य-ह्रास आरक्षित निधि (स्टाफ क्वार्टरों सहित)	35.65	40.43	45.69
6. अस्पताल भवनों की मूल्य-ह्रास आरक्षित निधि	3,98.78	4,61.74	5,24.14
7. स्टाफकारों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि	6.12	6.22	6.20
8. कार्यालय भवनों की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि (स्टाफ क्वार्टरों सहित)	28.12	27.36	27.26
9. अस्पताल भवनों की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि	5,39.63	5,98.36	6,62 04
10. स्थायी (आंशिक तथा पूर्ण) अपंगता हितलाभ आरक्षित निधि	18,62.86	20,56.66	22,37.93
11. आश्रितजन हितलाभ आरक्षित निधि	10,51.07	11,32.33	12,04.31
12. अनुकंपा आरक्षित निधि	0.28	0.29	0.30
13. पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि	36,42.89†	45,88.75†	53,90.35†
14. आपात आरक्षित निधि	34,94.27	38,08.66	40,71.23
जोड़			

निवेश

31.1 31 दिसम्बर, 1979 की स्थिति के अनुसार विभिन्न निधियों के अन्तर्गत निगम के निवेश नीचे दिखाए गए हैं :—

निधि का नाम/बकाया	31-12-79 की स्थिति के अनुसार निवेश की गई राशि (लाख रुपयों में)	
1. क० रा० बी० भविष्य निधि .	4,88.55	
2. भविष्य निधि जमा से जुड़ी बीमा निधि	1.08	
3 कर्मचारी राज्य बीमा ग्रुप बीमा निधि	0.76	
4. पेंशन आरक्षित निधि . .	8,29.88	
5. निगम के कार्यालयों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) के भवनों का मूल्यह्रास आरक्षित निधि . . .	35.65	
6 अस्पताल भवनों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि . . .	3,98.78	
7 स्टाफकारों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि. . . .	6.12	
8. निगम के कार्यालयों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) के भवनों की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि .	28.12	
9. अस्पताल भवनों की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि	5,39.63	
10. स्थायी (आंशिक तथा पूर्ण) अपंगता हितलाभ आरक्षित निधि .	18,62.86	
11. आश्रितजन हितलाभ आरक्षित निधि	10,51.07	
12 अनुकंपा आरक्षित निधि .	0.28	
13. पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि .	36,42.89	
14. आपात आरक्षित निधि . .	34,94.27	
15. सामान्य रोकड़ शेष का निवेश .	1,59,23.15	(क)
जोड़ . .	2,83,03.09	(ख)

(क) अगला पृष्ठ देखें।

(ख) निर्धारित निधियों का कुल बकाया 88,85.67 लाख रुपये
अनिर्धारित निधियों का कुल बकाया 1,94,17.42 लाख रुपये
(आपात आरक्षित निधि तथा सामान्य रोकड़ शेष

*इन आंकड़ों में विभिन्न आरक्षित निधियों से किए गए निवेश शामिल नहीं हैं।
†आंकड़े अनन्तिम हैं तथा इनमें निर्माण कार्यों के लिए राज्य सरकारों को दी गई पेशगियां सम्मिलित नहीं हैं।

(क) टिप्पणी : (1) वर्ष के दौरान जब कभी अधिशेष रोकड़ बकाया उपलब्ध होती है, इसका निवेश 'सामान्य रोकड़ शेष' शीर्ष के अन्तर्गत किया जाता है । वित्तीय वर्ष के अन्त में वर्ष के दौरान किए गए निवेशों का उस सीमा तक विभिन्न आरक्षित निधियों में विनिधान किया जाता है, जहां तक ऐसी निधियों को बनाना अपेक्षित है । अतः क्रम संख्या 15 तक के मामले में दिखाया गया बकाया 31-3-1979 की स्थिति के अनुसार है और क्रम संख्या 1 से 14 के मामले में दिखाया गया बकाया वही है जो 31-12-1979 की स्थिति के अनुसार था ।

(2) निवेशों के एक भाग का वर्ष के दौरान भुनाये जाने की संभावना है ।

31.2 अब निवेश भारतीय स्टेट बैंक की 'पुनः निवेश योजना' के अन्तर्गत सावधिक जमा में किए जाते हैं । 'पुनः निवेश योजना' के अन्तर्गत निवेशों पर अन्य निवेशों पर मिलने वाले ब्याज की तुलना में अधिक ब्याज मिलता है । 13-9-1979 से निगम को 63 महीनों के लिए 1000 रुपये का निवेश करने पर 1680 रुपये मिलेंगे ।

31.3 मौजूदा गणना के आधार पर अनुमोदित मानकों के अनुसार अस्पताल/औषधालयों/स्टाफ क्वार्टर तथा निगम के क्षेत्रीय/स्थानीय कार्यालयों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) के भवनों के निर्माण के लिए लगभग 1,86,37.00 लाख रुपये के पूंजीगत परिव्यय की आवश्यकता होगी । 14,33,00 लाख रु० के परिव्यय के निर्माण कार्य प्रगति पर हैं, अधिक अस्पतालों तथा औषधालयों के निर्माण के लिए कारवाई की जा रही है। योजना का विस्तार होने के साथ-साथ उत्तरोत्तर निगम के अधिक अस्पतालों, औषधालयों, कार्यालय भवनों तथा स्टाफ क्वाटरों के निर्माण की आवश्यकता होगी ।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम की पंचवर्षीय परिप्रेक्ष्य योजना

32 1 1979-80 के बजट प्राक्कलनों के साथ अनुमानित भविष्य में निगम की आय-व्यय के मोटे पूर्वानुमान प्रस्तुत किए जाते थे । जैसा कि 1979-80 के बजट प्राक्कलनों तथा परिशिष्ट 5 पर व्याख्यात्मक ज्ञापन में भी बताया गया है । अगले पांच वर्षों की परिप्रेक्ष्य योजना केन्द्रीय सरकार के विचाराधीन काफी मामलों में योजना के विस्तार के संबंध में उनके निर्णयों पर निर्भर करेगी । इस प्रकार पंचवर्षीय परिप्रेक्ष्य योजना कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम में संशोधन के बारे में उच्चाधिकार उप-समिति की सिफारिशों के अन्तिम परिणाम ज्ञात होने के बाद तैयार की जायेगी ।

32.2 परिशिष्ट—6 में दिया गया विवरण निम्नलिखित का सूचक है—अंशदानों से प्राप्त प्रति व्यक्ति आय (2) राजस्व लेखे में (पूंजीगत निर्माण तथा आपात आरक्षित निधियों में अन्तरित राशियों को छोड़कर) प्रति व्यक्ति व्यय तथा (3) 1970-71 से अंशदान आय में गुंजाइश परिशिष्ट-7 में दिया गया विवरण 1980-81, 1981-82 तथा 1982-83 के दौरान प्रति व्यक्ति व्यय में सम्भावित वृद्धि का सूचना है ।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

1979-80 वर्ष के परिशोधित प्राक्कलन तथा

1980-81 वर्ष के बजट—प्राक्कलन

विवरण "क" प्राप्तियां

(लाख रुपयों में)

लेखा शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
राजस्व के प्रधान शीर्ष				
(1) अंशदान				
नियोजकों तथा कर्मचारियों का शेयर	1,46,75.94	1,52,37.00	1,55,06.97	1,62,31.00
(2) चिकित्सा हितलाभ पर निगम द्वारा प्रारंभ में किए गए व्यय में राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों का शेयर	1,10.49(क)	35.16	66.52(ख)	43.00
राजस्व के अन्य शीर्ष				
(3) ब्याज तथा लाभांश —ग	5,28.27	4,41.90	4,81.88(घ)	3,38.65(ङ)
(4) मुआवजे	42.34	51.44	48.11	74.19
(5) किराया, रेट तथा कर				
(1) निगम के कार्यालय (स्टाफ क्वार्टरों सहित)	7.26	7.51	7.51	7.75
(2) अस्पताल, औषधालय तथा स्टाफ-क्वार्टर	3,55.54	3,80.00	3,63.00क	3,99.00
(6) शुल्क, जुर्माना तथा जब्ती	30.08	30.41	25.20	26.51
(7) विविध	15.56	15.41	14.00	14.40
कुल राजस्व	1,57,65.48	1,61,98.83	1,65,13.19	1,71,34.70

क. किराये की आय कुछ परियोजनाओं के पूरा होने में देरी के कारण कम है ।

(क) इसमें पिछले वर्षों से सम्बन्धित बकाया शामिल है ।

(ख) इसमें पिछले वर्षों से सम्बन्धित बकायों की 28.22 लाख रुपये की राशि की वसूली शामिल है ।

(ग) आरक्षित निधियों के बारे में ब्याज शामिल नहीं है ।

(घ) व्याख्यात्मक ज्ञापन का पैराग्राफ 9.6 देखिये ।

(ङ) व्याख्यात्मक ज्ञापन का पैराग्राफ 18.3 देखिये ।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
				(लाख रुपयों में)
ऋण, जमा, पेशगियां तथा प्रेषण				
साधारण ऋण				
राज्य सरकारों द्वारा ऋण की वापसी	25.17	36.58	25.17	25.17
जोड़—साधारण ऋण . . .	25.17	36.58	25.17	25.17
अनिधिक ऋण				
क० स० बी० निगम सामान्य भविष्य निधि				
(1) कर्मचारियों का अंशदान	1,13.45	1,10.00	1,45.00	1,60.00
(2) कर्मचारियों के अंशदान पर ब्याज . . .	27 35	28.75	31.25	34.80
क. रा० बी० निगम अंशदायी भविष्य निधि				
(1) कर्मचारियों का अंशदान	10.04	10.00	10.50	10.80
(2) निगम का अंशदान	2.59	3.00	2.55	2.50
निम्नलिखित पर ब्याज				
(1) कर्मचारियों का अंशदान	4.07	4.40	4.55	4.95
(2) निगम का अंशदान	3.07	3.00	3 50	4.00
क० रा० बी० निगम सामूहिक बीमा निधि				
(1) वर्ष के दौरान वार्षिक व्यवस्था . . .	3.16	2.92	4.95	5.20
(2) निवेशों पर उपचित और/या वसूल किया गया ब्याज .	..	..	0.03	0.02
कुल—अनिधिक ऋण	1,63.73	1,62.07	2,02.33	2,22.27
आरक्षित निधि				
निगम के कार्यालय भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) का मूल्यह्रास आरक्षित निधि लेखा				
(1) निधि में अंतरित वार्षिक मूल्यह्रास प्रभार .	3.33	3.83	3 43क	4.32
(2) निवेशों पर उपचित और/या वसूल किया गया ब्याज	1.58	1.32	1 35ख	0.93ख
अस्पताल भवनों का मूल्यह्रास आरक्षित निधि लेखा				
(1) निधि में अंतरित वार्षिक मूल्यह्रास प्रभार . .	36.45	47.89	47.89	51.89
(2) निवेशों पर उपचित और/या वसूल किया गया ब्याज	17.70	14.80	15.07ख	10.51ख

(क) कमी कम भवनों का निर्माण कार्य पूरा होने के कारण है।

(ख) कमी भारतीय स्टेट बैंक की पुनः निवेश योजना में निवेशों के कारण है जिसके अन्तर्गत देय ब्याज निगम के खाते में निवेश की परिपक्वता पर ही जमा किया जायेगा।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
				(लाख रुपयों में)
स्टाफ कारों का मूल्यह्रास आरक्षित निधि लेखा				
(1) निधि में अंतरित वार्षिक मूल्यह्रास प्रभार .	0.22	0.38	0.29	0.24
(2) निवेशों पर उपचित और/या वसूल किया गया ब्याज .	0.29	0.24	0.23क	0.16क
घटाएं :—वर्ष में वास्तविक अदायगियां . .	(—) 0.33	(—) 0.35	(—) 0.42	(—) 0.42
निगम के कार्यालयों/भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि लेखा				
(1) निधि में अंतरित वार्षिक अनुरक्षण व मरम्मत प्रभार	9.66	11.16	9.93	11.16
(2) निवेशों पर उपचित और/या वसूल किया गया ब्याज	1.44	1.20	1 06क	0.74ख
(3) निर्माण संस्थाओं द्वारा पिछले वर्षों की अग्रिम राशियों से वापस की गई राशियां	3.86	0 16	.	..
घटाएं:—चालू वर्ष में निर्माण संस्थाओं को दी गई अग्रिम राशि	(—) 14.87	(—) 11.75	(—) 11.75	(—) 12.00

क. कमी भारतीय स्टेट बैंक की पुनः निवेश योजना में निवेश के कारण है जिसके अन्तर्गत देय ब्याज निगम के खाते में निवेश की परिपक्वता पर ही जमा किया जायेगा।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
				(लाख रुपयों में)
अस्पतालों की मरम्मत व अनुरक्षण (स्टाफ क्वार्टरों सहित)				
आरक्षित निधि लेखा				
(1) निधि में अंतरित वार्षिक अनुरक्षण व मरम्मत प्रभार	1,05.69	1,38.88	1,38.88	1,50 46
(2) निवेशों पर उपचित ब्याज/या वसूल किया गया ब्याज	24.77	20.70	20.39क	14.22क
(3) निर्माण संस्थाओं द्वारा पिछले वर्षों की अग्रिम राशियों से वापिस की गई राशियां	15.74	21.00	—	—
घटाएं वास्तु वर्ष में निर्माण संस्थाओं को दी गई अग्रिम राशि	(—) 88.63	(—) 1,00.54	(—) 1,00.54	(—) 1,01.00
स्थायी (आंशिक और पूर्ण) अपंगता हितलाभ आरक्षित निधि लेखा				
(1) निधि में अंतरित वार्षिक राशि	6,38.60	6,29.59	6,88.31	7.29.00
(2) निवेशों पर उपचित ब्याज/या वसूल किया गया ब्याज	89.55	74.84	70.39क	49.09क
घटनाएं :—वर्ष में वास्तविक अदायगियां	(—),608.44	(—) 6,94.56	(—) 5,64.90	(—) 5,96.82

क. कमी भारतीय स्टेट बैंक की पुनः निवेश योजना में निवेश के कारण है जिसके अन्तर्गत देय ब्याज निगम के खाते में निवेश की परिपक्वता पर ही जमा किया जाएगा।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
आश्रितजन हितलाभ आरक्षित निधि लेखा				(लाख रुपयों में)
(1) निधि में अंतरित वार्षिक राशि	1,44.68	1,54.45	1,58.84	1,70.10
(2) निवेशों पर उपचित ब्याज/या वसूल किया गया ब्याज	49.21	41.12	39.72क	27.70क
घटनाएं—वर्ष में वास्तविक अदायगियां	(—) 1,00.69	(—) 1,06.98	(—) 1,17.30	(—) 1,25.82
निगम के कर्मचारियों के लिए पेंशन आरक्षित निधि लेखा				
(1) निधि में अंतरित वार्षिक अंशदान ख	18.11ग	59.75	59.25	60.50

क. कमी भारतीय स्टेट बैंक की पुनः निवेश योजना में निवेश के कारण है जिसके अन्तर्गत देय ब्याज निगम के खाते में निवेश की परिपक्वता पर ही जमा किया जायेगा।

ख. इसमें निदेशालय (चिकित्सा) दिल्ली के कर्मचारियों के संबंध में अंशदान शामिल है।

ग. यह 1-4-1974 से 2% की दर पर अधिक धन व्यवस्था (33.67 लाख रुपये) तथा इस पर ब्याज समायोजन करने के बाद राशि की सूचक है।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
				(लाख रुपयों में)
(2) निवेशों पर उपचित ब्याज/या वसूल किया गया ब्याज	40.37	33.74	31.36क	21.87क
घटाएं :—वर्ष में वास्तविक अदायगियां	(—) 14.42	(—) 16.00	(—) 18.18	(—) 19.50
निगम के कर्मचारियों के लिए अनुकम्पा आरक्षित निधि				
(1) निधि में अंतरित वार्षिक राशि	0.36	0.35	0.35	0.35
(2) निवेशों पर उपचित ब्याज/या वसूल किया गया ब्याज	..	..	0.01	0.01
घटाएं :—वर्ष में वास्तविक अदायगियां	(—) 0.18	(—) 0.35	(—) 0.35	(—) 0 35
भविष्य निधि जमा से जुड़ी बीमा निधि				
(1) निधि में अंतरित वार्षिक राशि	0.80	0.90	0.90	0.90
(2) निवेशों पर उपचित ब्याज/या वसूल किया गया ब्याज	0.04	0.03	0.04	0.03क
घटाएं :—वर्ष के दौरान वास्तविक अदायगियां	(—) 0.50	(—) 0.90	(—) 0.90	(—) 0.90

क. कमी भारतीय स्टेट बैंक की पुनः निवेश योजना में निवेश के कारण है जिसके अन्तर्गत देय ब्याज निगम के खाते में निवेश की परिपक्वता पर ही जमा किया जायेगा।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
				(लाख रुपयों में)
पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि				
(1) निधि में अंतरित राशि	14,67.60	15,23 70	15,50.70	16,23.10
(2) निवेशों पर उपचित और/या वसूल किया गया ब्याज	1,56.85	1,31 09	1,37.66क	96 00क
(3) निर्माण संस्थाओं द्वारा पिछले वर्षों की अग्रिम राशियों से वापस की गई राशियां	4 68		7.50	7.50
घटाएं :—वर्ष में निर्माण संस्थाओं को दी गई अग्रिम राशि				
(क) निगम के कार्यालयों के लिए भवन	(—) 77.93	(—) 1,25.00	(—) 85.00	(—) 1,25.00
(ख) अस्पताल तथा औषधालय/क्लीनिकियां	(—) 7,28.11	(—) 9,75,00	(—) 6,65.00	(—) 8,00 00
आपात आरक्षित निधि				
(1) निधि में अंतरित राशि	5,15.24	3,33.80	1,82.35	1,70.49

क. कमी भारतीय स्टेट बैंक की पुनः निवेश योजना में निवेश के कारण है जिसके अन्तर्गत देय ब्याज निगम के खाते में निवेश की परिपक्वता पर ही जमा किया जायेगा।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
				(लाख रुपयों में)
(2) निवेशों पर उपचित और/या वसूल किया गया ब्याज	1,45.56	1,21.65	1,32.04क	92 08क
कुल—आरक्षित निधियां	18,58.28	13,35.14	17,33.60	15,11.55
जमा :—				
जमानत जमा	5.32	4.58	4.00	4.00
अन्य जमा ख	44.10	30.00	46.00	46.00
कुल जमा	49.43	34.58	50.00	50.00
पेशगी—वापसी				
(क) स्थायी पेशगियां	..		..	..
(ख) निगम के कर्मचारियों को पेशगियां—				
(1) स्थानांतरण पर वेतन पेशगी	1.08	1.40	1.12	1.20

क. कमी भारतीय स्टेट बैंक की पुनः निवेश योजना में निवेश के कारण है जिसके अन्तर्गत देय ब्याज निगम के खाते मे निवेश की परिपक्वता पर ही जमा किया जायेगा।

ख. इस शीर्ष में (1) अन्य पार्टियों को देय बिलों से कटौती (2) क० रा० बी० निगम भविष्य निधि में अदायी जमा तथा (3) अवर्गीकृत आय (उचंत खाता) शामिल है।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
				(लाख रुपयों में)
(2) स्थानांतरण पर यात्रा भत्ता पेशगियां	1 63	2.00	1.20	1.50
(3) मोटरवाहनों के क्रय के लिए पेशगी	3.94	4.50	4 00	4.20
(4) अन्य वाहनों के क्रय के लिए पेशगी	2.78	3.10	3.00	3.10
(5) गृह निर्माण पेशगियां	11 82	14.00	11.90	12.00
(6) विविध	10.65	12 00	20 43क	23 54
अन्य पेशगियां				
(1) राज्य सरकारों की ओर से अग्रिम अदायगी	0.02	0.10	0.05	0.05

क. वृद्धि बाढ़ राहत के लिये निगम के कर्मचारियों को दी गई पेशगियों की वसूली के कारण है जिसका बजट के समय पूर्वानुमान नहीं लगाया गया था।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
				(लाख रुपये में)
(2) विविध क	20.38	25.00	20,00	25 00
कुल पेशगी	52.30	62.10	61 70	70 59
प्रेषण :				
(1) नकद प्रेषण (क)	28.46	40.00	25.00	..
(2) अन्य प्रेषण (ख)	0.97	1.00	1.00	..
कुल प्रेषण	29.43	41.00	26.00	..

(क) इस शीर्ष में (1) लेखन सामग्री नियंत्रक कलकत्ता को पेशगियों (2) राज्य सरकारों के मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभागों को पेशगियों (3) निगम के क्षेत्रीय कार्यालयों तथा अन्य कार्यालयों को पेशगियों (4) नगर पालिकाओं, स्थानीय निकायों आदि को पेशगियों (5) कानूनी खर्चों के लिये पेशगियों (6) निगम की विभागीय कैन्टीनों की पेशगियों तथा (7) अन्यत्र वर्गीकृत न की गई अन्य पेशगियों की वसूली/समायोजन शामिल हैं ।

(ख) "नकद प्रेषण" शब्दों का अर्थ एक लेखा परिमंडल से दूसरे लेखा परिमंडल को तथा दूसरे लेखा परिमंडल से पहले लेखा परिमंडल को निधियों (नकद) का अन्तर है । निगम का राजस्व टिकटों की बिक्री द्वारा भारतीय स्टेट बैंक तथा इसके सहकारी बैंकों के माध्यम से नकद वसूली द्वारा एकत्र किया जाता है । प्राप्त अंशदान संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय के लेखा संख्या 1 (वसूली लेखा) में अंतरित किये जाते हैं तथा अंतिम रूप से लेखा संख्या । (केन्द्र) मुख्यालय में अंतरित कर दिये जाते हैं ।

प्रशासनिक व्यय तथा बीमाकृत व्यक्तियों को हितलाभों की अदायगियों के लिये निधियों केन्द्रीय लेखा संख्या 1 (मुख्यालय) से अंतरित करके क्षेत्रीय कार्यालयों/स्थानीय कार्यालयों को दी जाती है। निधियों के एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में अंतरण के ऐसी सभी लेनदेन "नकद प्रेषण" कहे जाते है ।

(ग) "अन्य प्रेषण" शब्दों का अर्थ निगम के एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय के बीच पुस्तक समायोजन है। निगम के एक कार्यालय में शुरू होने वाले ऐसे लेनदेन जिनका निगम के दूसरे कार्यालय में समायोजन किया जाना है, विनिमय लेखे के माध्यम से अंतरित किए जाते हैं ।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
				(लाख रुपयों में)
जोड़—ऋण, जमा, पेशगियां तथा प्रेषण	21,78.34	16,71.47	20,98.80	18,79.58
कुल प्राप्तियां	1,79,43.82	1,78,70.30	1,86,11.99	1,90,14.28
आदि शेष	6,61.53	3,42.65	6,31.48	6,34.65
कुल जोड़	1,86,05.35	1,82,12.95	1,92,43 47	1,96,48.93

विवरण—"ख" : व्यय

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
				(लाख रुपयों में)
राजस्व लेखे में व्यय				
1. बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को हितलाभ :				
क—चिकित्सा हितलाभ				
(1) चिकित्सा देखरेख, उपचार तथा प्रसूति सुविधाओं की व्यवस्था पर खर्च में निगम के शेयर के रूप में राज्य सरकारों आदि की अदायगियां	49,90.30 (10,01.01 लाख रु० की बकाया अदायगियां शामिल हैं)	56,85.56 (12,36.79 लाख रु० की बकाया अदायगियां शामिल है)	60,02.64क (12,69.86 लाख रु० की बकाया अदायगियां शामिल हैं)	64,98.45 (12,46.56 लाख रु० की बकाया अदायगियां शामिल हैं)

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
				(लाख रुपयों में)
(2) चिकित्सा उपचार व देखरेख तथा प्रसूति सुविधाएं (निगम द्वारा सीधे किया गया व्यय)	2,97.01	3,60.00	3,53.00	3,74.00
	(9.96	(10.00	(10.00	(10.00
	(लाख रु० महाराष्ट्र क्षेत्र के विदर्भ क्षेत्र में प्रसव शुल्क की अदायगी के संबंध में शामिल है)	(लाख रु० महाराष्ट्र क्षेत्र के विदर्भ क्षेत्र में प्रसव शुल्क की अदायगी के संबंध में शामिल है)	(लाख रु० महाराष्ट्र क्षेत्र के विदर्भ क्षेत्र में प्रसव शुल्क की अदायगी के संबंध में शामिल है)	(लाख रु० महाराष्ट्र क्षेत्र के विदर्भ क्षेत्र में प्रसव शुल्क की अदायगी के संबंध में शामिल है)
जोड़—क—चिकित्सा हितलाभ	52,87.31	60,45.56	63,55.67	68,72.45
ख—नकद हितलाभ				
(1) बीमारी हितलाभ	33,56.49	36,32.60	42,67.89ख	41,46.50
क. व्याख्यात्मक ज्ञापन का पैराग्राफ 11.1 देखिए।				
ख. व्याख्यात्मक ज्ञापन का पैराग्राफ 11.2 देखिए।				
(2) विस्तारित बीमारी हितलाभ	3,14.42	3,44.44	3,36.13	3,56.34
(3) प्रसूति हितलाभ	1,73.90	1,97.22	1,90.37	1,98.22
(4) अपंगता हितलाभ				
(क) अस्थायी हितलाभ	6,45.53	6,88.00	7,00.40	7,41.75
(ख) स्थायी अपंगता क	6,38.60	6,29.59	6,88.31	7,29.00
(5) आश्रितजन हितलाभ क	1,44.68	1,54.45	1,58.84	1,70.10
(6) अन्त्येष्टि हितलाभ	9.70	10.09	9.91	10.56
कुल—ख—नकद हितलाभ	52,83.32	56,56.39	63,51.85ख	63,52.47
ग—अन्य हितलाभ				
(क) अपंग बीमाकृत व्यक्तियों के पुनर्वास पर व्यय	0.28	0.52	0.30	0.40
(ख) चिकित्सा मंडल व अपील अधिकरण	3.74	5.15	4.49	5.32
(ग) सवारी खर्च तथा/या मजदूरी की हानि लेखे बीमाकृत व्यक्तियों को अदायगियां	3.43	3.71	3.64	4.12
(घ) विविध	6.43	7.03	8.00	9.60
कुल—ग अन्य हितलाभ	13.88	16.41	16.43	19.44
शीर्ष—1—हितलाभों का जोड़	1,05,84.51	1,17,18.36	1,27,23.95	1,32,44.36

क. प्रावधान बीमांक आधार पर किया जाता है।

ख. बजट ज्ञापन के पैराग्राफ 11.2 को देखिए।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
				(लाख रुपयों में)
2. प्रशासन व्यय				
क—अधीक्षण				
निगम, स्थायी समिति, क्षेत्रीय मंडल आदि का यात्रा भत्ता	0.55	0.90	0.90	0.92
प्रधान अधिकारी				
(1) प्रधान अधिकारियों का वेतन	0.96	1.47	0.89	1.48
(2) भत्ते तथा मानदेय	1.09	1.24	1.13	1.30
जोड़—प्रधान अधिकारी	2.05	2.71	2.02	2.78
अन्य अधिकारी				
(1) अन्य अधिकारियों का वेतन	33.98	36.05	36.15	37.43
(2) भत्ते तथा मानदेय	24.31	25.38	26.66	29.43
जोड़—अन्य अधिकारी	58.29	61.43	62.81	66.86
लिपिक वर्गीय स्थापना				
(1) स्थापना का वेतन	1,54.79	1,64.94	1,68.78	1,76.60
(2) भत्ते तथा मानदेय	1,45.69	1,54.31	1,67.77	1,80.90
जोड़—लिपिक वर्गीय स्थापना	3,00.48	3,19.25	3,36.55	3,57.50

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
				(लाख रुपयों में)
ग्रुप "घ" कर्मचारी				
(1) ग्रुप "घ" कर्मचारियों का वेतन	24.60	25.82	25.12	25.70
(2) भत्ते तथा मानदेय	25.66	27.42	28.34	29.90
जोड़—ग्रुप "घ" कर्मचारी	50.26	53.24	53.46	55.60
आकस्मिक व्यय				
(क) डाक तार व टेलीफोन व्यय	15.66	16.50	16.44	17.00
(ख) लेखन-सामग्री व फार्म	35.83	46.99	46.00	47.00
(ग) अंशदान टिकट	6.10	9.00	0.25	0.10
(घ) टाइपराइटर व अनुलिपिक आदि की खरीद तथा मरम्मत व अनुरक्षण	1.41	2.32	1.50	2.00
(च) एग्रिमा उपस्कर की खरीद, मरम्मत तथा अनुरक्षण आदि	1.09	4.30	2.90	3.00
(छ) किराया, रेट व कर	21.15	20.28	22.00	23.00
(ज) फर्नीचर	2.57	3.73	2.70	2.90
(झ) अभिलेखा विशेष उपस्कर	0.53	1.27	0.70	1.09
(ट) कार्यालय प्रयोग के लिए की सामान्य वस्तुओं की खरीद, मरम्मत तथा अनुरक्षण आदि	2.87	2.99	3.01	3.06
(ठ) साइकिलों की खरीद, मरम्मत व अनुरक्षण	0.01	0.06	0.02	0.03
(ड) वर्दियों की खरीद मरम्मत व अनुरक्षण	2.32	2.52	2.52	2.90
(ढ) पुस्तकें, पत्रिकाएं तथा अन्य प्रकाशन	0.21	0.45	0.43	0.43
(ण) गर्म व सर्द मौसम का खर्च	0.23	0.66	0.25	0.25
(त) विविध				
(1) कर्मचारी वर्ग की सुख सुविधा	0.98	9.52	12.37क	13.24
(2) विविध	10.27			
(थ) स्टाफ कारों की मरम्मत व अनुरक्षण	1.86	2.24	1.86	2.00
जोड़—आकस्मिक व्यय	1,03.09	1,22.83	1,12.95	1,18.00
जोड़—क—अधीक्षण	5,14.72	5,60.36	5,68.69	6,01.66
ख—क्षेत्रीय कार्य-अधिकारी				
(1) अधिकारियों का वेतन	8.80	8.78	11.03	11.57
(2) भत्ते तथा मानदेय	8.85	6.07	7.83	8.52
जोड़—अधिकारी	14.65	14.85	18.86	20.09
लिपिक वर्गीय स्थापना				
(1) स्थापना का वेतन	1,65.37	1,75.53	1,78.73	1,87.20
(2) भत्ते तथा मानदेय	1,32.48	1,37.51	1,56.52	1,73.80
जोड़—लिपिक वर्गीय स्थापना	2,97.85	3,13.04	3,35.25	3,61.00

क. वृद्धि का कारण मुख्यतः अधिक कैन्टीनों को अनुदान है।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
				(लाख रुपयों में)
ग्रुप "घ" कर्मचारी				
(1) ग्रुप "घ" कर्मचारीगण का वेतन	23.97	25.45	25.24	25.85
(2) भत्ते व मानदेय	21.55	22.69	25.24	27.70
जोड़—ग्रुप घ—कर्मचारी	45.52	48.14	50.48	53.55
आकस्मिक व्यय				
(क) डाक तार व टेलीफोन खर्च	4.91	5.60	5.40	5.60
(ख) लेखन-सामग्री व फार्म	0.78	0.76	0.80	0.90
(ग) टाइपराइटर व अनुलिपिक की खरीद, मरम्मत तथा अनुरक्षण	0.43	0.76	0.58	0.76
(घ) किराया, रेट व कर	23.23	26.61	26.20	26.61
(च) फर्नीचर	1.86	1.62	2.32	2.66
(छ) अभिलेख के लिए विशेष उपस्कर	0.47	1.06	1.00	1.06
(ज) कार्यालय प्रयोग के लिए सामान्य वस्तुओं की खरीद, मरम्मत व अनुर''	0.61	1.13	0.70	0.80

1	2	3	4	5
(झ) साइकिलों की खरीद, मरम्मत व अनुरक्षण	0.04	0.08	0.06	0.08
(ट) वर्दियों की खरीद, मरम्मत व अनुरक्षण	0.25	0.68	0.40	0.45
(ठ) पुस्तकें, पत्रिकाएं तथा अन्य प्रकाशन	0.01	0.04	0.02	0.04
(ड) गर्म व सर्व मौसम का खर्च	0.28	0.32	0.32	0.36
(ढ) विविध				
(1) कर्मचारियों की सुख सुविधाएं	6.24	6.15	7.00	7.80
(2) विविध				
जोड़---आकस्मिक व्यय	39.11	44.81	44.80	47.10
जोड़---ख---क्षेत्रीय कार्य	3,97.13	4,20.84	4,49.39	4,81.74
ग---अन्य व्यय				
कानूनी खर्च	5.13	4.60	5.25	5.50
बीमा न्यायालय	0.68	1.08	0.86	0.95
प्रचार व विज्ञापन	1.06	0.98	1.20	1.50
बैंक लेखे रखने का खर्च	8.45	0.96क	0.48क	0.25क

क. व्यय में कमी अंशदान टिकटों के विक्रय तथा लेखा संख्या 1 में संग्रहीत धनराशि पर भारतीय स्टेट बैंक द्वारा कमीशन न लेने तथा कलकत्ता और कानपुर स्थित निगम के कार्यालयों को उस बैंक द्वारा वितरित किये जाने वाली नकद राशियों पर कोई व्यय न लेने तथा निगम के कार्यालयों के बीच निधियों के प्रति तार---अंतरण पर तार व्यय में 7 रुपये से घटाकर 3 रुपये करने के कारण हैं।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
		(लाख रुपयों में)		
छुट्टी वेतन तथा पेंशन अंशदान	1.39	0.97	1.66	1.26
लेखा परीक्षा शुल्क	2.55	2.20	2.60	2.60
मरम्मत, अनुरक्षण व मूल्यह्रास आदि				
(क) निगम के कार्यालय भवनों (स्टाफ क्वाटरों सहित) का मूल्यह्रास	3.33	3.83	3.43	4.32
(ख) स्टाफ कारों का मूल्यह्रास	0.22	0.38	0.29	0.24
(ग) निगम के कार्यालय भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मरम्मत व अनुरक्षण	9.66	11.16	9.93	11.16
निवृत्ति हितलाभ				
(क) पेंशन आरक्षित निधि में निगम का अंशदान	12.44क	53.00	53.00	53.50
(ख) कर्मचारी राज्य बीमा निगम अंशदायी भविष्य निधि में निगम का अंशदान	2.59	3.00	2.55	2.50

क. 1-4-1974 से 2% (33.67 लाख रुपये) तथा उस पर ब्याज सहित की गई अधिक धन व्यवस्था के समायोजन के कारण निवल राशि दिखलाई गई है।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
		(लाख रुपयों में)		
कर्मचारी राज्य बीमा निगम भविष्य निधि में प्रदा किया गया ब्याज				
अंशदायी भविष्य निधि	7.14	7.40	8.05	8.95
सामान्य भविष्य निधि	27.35	28.75	31.25	34.80
निगम के कर्मचारियों के लिए अनुकम्पा आरक्षित निधि	0.35	0.35	0.35	0.35
भविष्य निधि से जमा से जुड़ी बीमा योजना	0.80	0.90	0 90	0.90
विविध	0.04	0.26	0.26	0.26
जोड़---ग---अन्य खर्चे	83.18क	1,19.82	1,22.06	1,29.04
शीर्ष---2---प्रशासन व्यय का जोड़	9,95.09	11,01.02	11,40.14	12,12.44
3. अस्पताल, औषधालय आदि				
अस्पतालों व औषधालयों की मरम्मत, अनुरक्षण तथा मूल्यह्रास आदि।				
(क) अस्पताल/औषधालय भवनों का मूल्यह्रास	36.45	47.89	47.89	51.89
(ख) अस्पताल/औषधालय भवनों की मरम्मत तथा अनुरक्षण	1,05.69	1,38.88	1,38.88	1,50.46
जोड़---शीर्ष---3---अस्पताल/औषधालय आदि	1,42.14	1,86.77	1,86.77	2,02.35

क. गत पृष्ठ पर पाद टिप्पणी देखिये।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
				(लाख रुपयों में)
4. पूंजीगत निर्माण तथा आपात आरक्षित निधियों में अंशदान				
(1) पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि में वार्षिक अंशदान	14,67.60	15,23.70	15,50.70	16,23.10
(2) आपात आरक्षित निधि में वार्षिक अंशदान	5,15.24	3,33.80	1,82.35	1,70.49
जोड़—शीर्ष—4—पूंजीगत निर्माण तथा आपात आरक्षित निधियों में अंशदान	19,82.84	18,57.50	17,33.05	17,93.59
जोड़—राजस्व लेखे में व्यय	1,37,04.52	1,48,63.65	1,57,83.91	1,64,52.74
5. पूंजीगत लेखे में व्यय				
स्टाफ कारें :				
स्टाफ कारों की खरीद	—	0.70	—	—
ऋण, जमा, पेशगियां तथा प्रेषण :				
अनिधिक ऋण				
कर्मचारी राज्य बीमा भविष्य निधि अंशदाताओं की अदायगी				
(1) सामान्य भविष्य निधि	76.97	1,00.00	80.00	90.00
(2) अंशदायी भविष्य निधि	7.30	10.00	7.50	7.50
सामूहिक बीमा के अंतर्गत				
(1) जीवन बीमा निगम को विया प्रीमियम	2.40	2.40	2.05	2.20
(2) कर्मचारियों को हितलाभ	—	—	0.01	0.01
जोड़—ऋण	86.67	1,12.40	89.56	99.71
जमा, पेशगियां तथा आरक्षित निधियां				
निगम के कार्यालय भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मूल्यह्रास आरक्षित निधि निवेश लेखा				
वर्ष में किया गया निवेश	4.91	5.16	4.78	5.26
अस्पताल भवनों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि निवेश लेखा :				
वर्ष में किया गया निवेश	54.15	62.69	62.96	62.40
स्टाफ कारों की मूल्यह्रास आरक्षित निधि निवेश लेखा :				
वर्ष में किया गया निवेश	0.50	0.27	0.10	(—)0.20क
निगम के कार्यालय के भवनों (स्टाफ क्वार्टरों सहित) की मरम्मत व अनुरक्षण आरक्षित निधि निवेश लेखा				
वर्ष में किया गया निवेश	0.09	0.77	(—)0.76ख.	(—) 0.10ख.
अस्पताल के भवनों की मरम्मत तथा अनुरक्षण आरक्षित निधि निवेश लेखा				
वर्ष में किया गया निवेश	57.56	95.04	58.73	63.68
स्थायी (आंशिक तथा पूर्ण) अपंगता हितलाभ आरक्षित निधि निवेश लेखा	1,19.71	9.87	1,93.80ग.	1,81,27
आश्रितजन हितलाभ आरक्षित निधि निवेश लेखा				
वर्ष में किया गया निवेश	93.20	88.59	81.26	71.98

क. स्टाफ कार की खरीद पर खर्च वर्तमान व्यवस्था स्टाफ कार के वार्षिक मूल्यह्रास तथा उसके निवेश से प्राप्त ब्याज से अधिक है। व्यय की पूर्ति पिछले वर्षों में एकत्र निधि से की जायेगी।

ख. मरम्मत तथा अनुरक्षण कार्य के लिये पेशगियों की राशि निधि में की गई वार्षिक व्यवस्था तथा उसके निवेश से प्राप्त ब्याज से अधिक होने की संभावना है। व्यय की पूर्ति पिछले वर्षों में एकत्र निधि से की जायेगी।

ग. वृद्धि का कारण मुख्यतः पूर्व अनुमान की अपेक्षा कम अदायगियां हैं।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
		(लाख रुपयो में)		
निगम के कर्मचारियों को पेंशन आरक्षित निधि निवेश लेखा				
वर्ष मे किया गया निवेश . .	44 06	77 49	72.43	62 87
क० रा० बी० नि० भविष्य निधि निवेश लेखा				
वर्ष मे किया गया निवेश .	76 31	49 15	1,09 85	1,19.55
क० रा० बी० नि० बीमा निधि निवेश लेखा				
वर्ष मे किया गया निवेश	0 76	--	2 92	3 01
पूंजीगत मि णि आरक्षित निधि निवेश लेखा				
वर्ष मे किया गया निवेश	5,89 59	5,54 79	9,45.80क	8,01 60
निगम के कर्मचारियो के लिए अनुकम्पा आरक्षित निधि निवेश लेखा				
वर्ष में किया गया निवेश . . .	0 18	--	0 01	0 01
भविष्य निधि जमा से जुड़ी बीमा योजना निवेश लेखा				
वर्ष मे किया गया निवेश . .	0 33	0 03	0.04	0.03

क वृद्धि, अंशदान आय मे वृद्धि के कारण अधिक वार्षिक जमा तथा निर्माण कार्य मे धीमी प्रगति के कारण कम अदायगियों के कारण है।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
				(लाख रुपयो मे)
आपात आरक्षित निधि				
निवेश लेखा				
वर्ष मे किया गया निवेश	6,60 80	4 55 45	3 14 39क	2,62 57
जोड—आरक्षित निधियां	17,02 15	13,99 30	18,46 37	16,34 11
जमा				
जमानत जमा	3 26	2 90	4 00	4 00
अन्य जमा ख	66 37	30 00	42 00	42 00
जोड़—जमा	69 63	32 90	46 00	46 00
पेशगियां				
क. स्थायी पेशगियां	0 08	0 16	0 08	0 09
ख. निगम के कर्मचारियो को पेशगियां				
(1) स्थानान्तरण पर अग्रिम वेतन	1 16	1 50	1 20	1 24
(2) स्थानान्तरण पर यात्रा भत्ता पेशगी	1 78	2 10	1 50	1 60
(3) मोटर वाहन खरीदने के लिए पेशगी	6 52	6 50	6 80	7 00

(क) कमी, राजस्व व्यय मे वृद्धि के कारण निधि मे कम वार्षिक जमा के कारण है।

(ख) इस शीर्ष मे (1) अन्य पार्टियो को देय बिलो से कटौती (2) क०रा०बी० निगम भविष्य निधि मे अवर्गीकृत जमा तथा (3) अवर्गीकृत अदायगियो (उचत खाता,) के बारे में अदायगियां शामिल हैं।

लेखा-शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
				(लाख रुपयो मे)
(4) अन्य वाहन खरीदने के लिए पेशगी	3 55	5 00	3 50	3.50
(5) गृह निर्माण पेशगी	27 58	33 00	30 00	30.50
(6) विविध	32 94	18 36	29 87क	27 32
ग—अन्य पेशगिया				
(1) राज्य सरकारो की ओर से अग्रिम अदायगियां	0 02	0 05	0 03	0 03
(2) विविध ख	15 05	22 00	40 00	45 00
कुल पेशगिया	88 48	88 67	1,12, 98	1,16.28

(क) वृद्धि का कारण बाढ राहत के लिए निगम के कर्मचारियो को पेशगियां देने के कारण है जिसका बजट स्तर पर पूर्वानुमान नहीं लगाया गया था।

(ख) इस शीर्ष मे (1) लेखन सामग्री नियंत्रक कलकत्ता को पेशगियो (2) राज्य सरकारो के मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभागो को पेशगियो (3) निगम के क्षेत्रीय कार्यालयो तथा अन्य कार्यालयो को पेशगियो (4) नगर पालिकाओं स्थानीय निकायो आदि को पेशगियो (5) कानूनी खर्चों के लिए पेशगियो (6) निगम की विभागीय कन्टीनो को पेशगियो तथा (7) अन्यत्र वर्गीकृत न की गई पेशगियो की वसूली/समायोजन शामिल हैं।

लेखा शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
				(लाख रुपयों में)
प्रेषण :				
नकद प्रेषण 'क'	—	40.00	22.46	25.00
अन्य प्रेषण "ख"	—	1.00	0 60	1.00
कुल पेशगियां	—	41.00	23.06	26.00
जोड़—ऋण, जमा, पेशगियां तथा प्रेषण	19,46 93	16,74.27	21,17.97	19,22.10
कुल संवितरण	1,56,51.45	1,65,38.62	1,79,01.88	1,83,74.84

(क) "नकद प्रेषण' शब्दों का अर्थ एक लेखा परिमंडल से दूसरे लेखा परिमंडल को तथा दूसरे लेखा परिमंडल से पहले लेखा परिमंडल को निधियों (नकद) का अन्तर है। निगम का राजस्व टिकटों की बिक्री, द्वारा भारतीय स्टेट बैंक तथा इसके सहकारी बैंकों के माध्यम से नकद वसूली द्वारा एकत्र किया जाता है। प्राप्त अंशदान संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय के लेखा संख्या (1) (वसूली लेखा) में अंतरित कर दिये जाते हैं तथा अंतिम रूप से लेखा संख्या 1 (केन्द्र) मुख्यालय मे अंतरित कर दिये जाते है। प्रशासनिक व्यय तथा बीमाकृत व्यक्तियों को हितलाभ की अदायगियों के लिए निधियां केन्द्रीय लेखा संख्या 1 (मुख्यालय) से अंतरित करके क्षेत्रीय कार्यालयों/स्थानीय कार्यालयों को दी जाती है। निधियों के एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में अंतरण के ऐसे सभी लेनदेन "नकद प्रेषण" कहे जाते है।

(ख) "अन्य प्रेषण" शब्दो का अर्थ निगम के एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय के बीच पुस्तक समायोजन है। निगम के एक कार्यालय में शुरू होने वाले ऐसे लेनदेन जिनका निगम के दूसरे कार्यालय में समायोजन किया जाना है, विनिमय लेखे के माध्यम से अंतरित किए जाते है।

लेखा शीर्ष	वास्तविक 1978-79	बजट 1979-80	परिशोधित 1979-80	बजट 1980-81
				(लाख रुपयों में)
सामान्य रोकड़ शेष				
वर्ष के दौरान निवेश	50,45.98	27,34,92	25,53.31	22,72.11
घटाएं—परिपक्वता या बिक्री पर वसूली	(–) 27,23.56	(–) 13,99.74	(ख) 18,46.37	(–) 16,34.11
अंतशेष	6,31.48	3,39.15	6,34.65	0,36.09
कुल जोड़	1,86,05.35	1,82,12.95	1,92,43 47	1,96,48.93

एम०एल० सोबती, वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
कर्मचारी राज्य बीमा निगम

परिशिष्ट—1

योजना का उन स्थानो पर विस्तार करने की संशोधित तिथियों का सूचक विवरण जहां योजना का विस्तार 1979-80 तक कर देने का अनुमान था।

राज्य/केन्द्र	कर्मचारियों की संख्या (परिशोधित)	प्रसारण की प्रारंभिक प्रत्याशित तिथि	प्रसारण की वास्तविक प्रत्याशित तिथि
1	2	3	4
आन्ध्र प्रदेश			
कोलागुडेम, पल्लोचा, व रामावरम	1,900	जनवरी, 79	1980-81
कोत्तावारिपल्ली गांव (मदनपल्ली स्पिनिंग मिल्स लिमि०)	500	जनवरी, 79	1980-81
असम			
सिल्चर	500	1978-79	1980-81
बोकाजन	600	दिसम्बर, 78	जुलाई, 80
नामरूप	2,000	दिसम्बर, 79	अप्रत्याशित
बिहार			
गोविन्दपुर	2,400	1978-78	15-1-1980
जसीदीह	1,500	1978-78	15-1-1980
साकची	1,000	1978-79	15-1-1980
मांगो	2,500	1978-79	15-1-1980

1	2	3	4
आदित्यपुर फेज-2	5,000	1978-79	मार्च, 80
झीकपानी	2,100	1978-79	मार्च, 80
झरिया	1,100	1978-79	मार्च, 80
गुजरात			
वीरमगांव	2,200	जनवरी, 79	जुलाई, 80
वडौच	3,500	जनवरी, 79	मई, 80
बिल्लीमोरा	5,900	जनवरी, 79	जुलाई, 80
वापी	4,700	जनवरी, 79	जुलाई, 80
नवसारी	8,200	जुलाई, 79	1980-81
विश्वपुर	2 500	जुलाई, 79	1980-81
सुरेन्द्र नगर	5,600	जुलाई, 79	1980-81
वटवा	5,900	जुलाई, 79	अगस्त, 80
मेहसाना	1,400	जुलाई, 79	1980-81
सिक्का	700	जुलाई, 79	मई, 80
थानगढ़	2,900	जुलाई, 79	मई, 80
बलसार	950	जुलाई, 79	जून, 80
कर्नाटक			
बीजापुर	1,300	जनवरी, 79	1980-81
रामानगरम्	900	जनवरी, 79	1980-81
तुमकुर रोड	650	जनवरी, 79	1980-81
माण्डया	1,200	जनवरी, 79	1980-81
करवार	1,400	जनवरी, 79	1980-81
केरल व गोवा			
कासरगोड	450	1978-79	3-2-1980
होसदुर्ग	300	1978-79	3-2-1980
कोत्ताकल	500	1978-79	सितम्बर, 80
एदापौल	800	1978-79	1980-81
थिरूरंगुडी	50	1978-79	1980-81
मध्य प्रदेश			
सागर	500	जनवरी, 79	1980-81
मारणी	500	दिसम्बर, 79	मई, 80
मधेर	600	दिसम्बर, 79	मई, 80
कोरबा	1,500	दिसम्बर, 79	जून, 80
महाराष्ट्र			
पालगढ	1,000	जनवरी, 79	1980-81
पनवेल	3,100	जनवरी, 79	1980-81
पूना क्षेत्र सतारा उपनगर	2,600	जनवरी, 79	1980-81
वालचन्द नगर	2,000	जनवरी, 79	1980-81
खोपोली	4,000	जनवरी, 79	1980-81
बम्बई क्षेत्र			
धानू रोड	1,300	अप्रैल, 79	अप्रत्याशित
मोरा उरान	1,400	अप्रैल, 79	अप्रत्याशित
मोह	600	अप्रैल, 79	अप्रत्याशित
नागपुर, क्षेत्र, चन्द्रपुर	2 400	अप्रैल, 79	1980-81
पूना क्षेत्र : अहमदनगर	4,600	अप्रैल, 79	अप्रत्याशित
कराड	1,600	अप्रैल, 79	अप्रत्याशित
उंबगांव	1,750	अप्रैल, 79	अप्रत्याशित
उड़ीसा			
भगतपुर	6,00	जनवरी, 79	1980-81
तलचर	2,000	जनवरी, 79	1980-81
पंजाब			
बरनाला	500	जनवरी, 79	1980-81
भटिण्डा	1 100	जनवरी, 79	1980-81
गिद्दरबाहा	550	जुलाई, 79	1980-81

1	2	3	4
तामिलनाडु			
अरुमुगनेरी	1,100	1978 79	1980-81
कन्याकुमारी उपनगर	700	1978 79	1980-81
कुमरपालयम	1,000	1978-79	1980-81
सलेम उपनगर	900	फरवरी 79	1980 81
थिरुवेरुम्बूर	8,600	फरवरी 79	1980 81
धरमपुरम	700	जुलाई 79	अप्रकाशित
उत्तर प्रदेश			
डाल्ला	1,500	1978 79	30 9 80
बुलन्दशहर	1 100	जुलाई 79	31-12 80
आजमगढ़	800	अक्तूबर 79	31-12-80
फैजाबाद सोहवाल समेत	1 500	नवम्बर 79	31-12-80
पश्चिमी बंगाल			
आसनसोल	6,200	1978-79	मार्च 80
रानीगंज	6 150	1978-79	मार्च 80
जेमेनगर	3 000	1978-79	सितम्बर, 80
रूपनारायनपुर	4 000	1978-79	सितम्बर 80
योग	1,98 550		

परिशिष्ट–II

31 मार्च, 1981 तक योजना के अन्तर्गत आने वाले तथा 31-12-1979 तक आये कर्मचारियों की संख्या

क्षेत्र	कर्मचारियों की संख्या		अनुमानित तिथि	
	31-12-79 तक आये	आने वाले	1979-80	1980-81
1	2	3	4	5
1 आन्ध्र प्रदेश				
(1) कार्यान्वित क्षेत्र	2,45,000			
(2) अकार्यान्वित क्षेत्र				
कोत्तागुडेम पालोंचा व रामावरम		1,900		1980-81
कोंडापर्ती पल्ली गाव (सवनपल्ली स्पिनिंग मिल्स लिमि०)		500		1980 81
2 असम				
(1) कार्यान्वित क्षेत्र	29 000			
(2) अकार्यान्वित क्षेत्र				
शिलांग		1,000	मार्च 80	
सिल्चर		500		1980-81
जग्गी रोड		400		1980-81
सेजो		650		1980-81
बकाजन व बोनगाईगाव		1,600		1980 81
3 बिहार				
(1) कार्यान्वित क्षेत्र	1,26,300			
(2) अकार्यान्वित क्षेत्र				
गोविन्दपुर, जमीदीह साकती, मागो		6,500	15-1-80	
आदित्यपुर फेज-2		9,100	मार्च, 80	
मोकपानी झरिया, बनिपुराना झाझा व मुजफ्फरपुर के बाहरी क्षेत्र		3,150		अगस्त, 80
4 चण्डीगढ़				
(1) कार्यान्वित क्षेत्र	14,000			

1	2	3	4	5
5 दिल्ली				
(1) कार्यान्वित क्षेत्र	2,45,000			
(2) अकार्यान्वित क्षेत्र दिल्ली परिवहन निगम		15,000	मार्च, 80	
6 गुजरात				
(1) कार्यान्वित क्षेत्र	5,39,100			
(2) अकार्यान्वित क्षेत्र				
मेहसाना व सिद्धपुर		3,900		1980-81
सुरेन्द्र नगर व नवसारी		13,800		1980-81
बड़ोच, सिक्का व थानगढ़		7,100		मई, 80
बलसार, तुलसी, मिंगापुर, वर्भोर्ल, काटरगाव व फुलपाड़ा		1,700		जून, 1980
वीरमगांव, बिल्लीमोरा व वापी		12,800		जुलाई, 80
वटवा व गोधरा उद्योगनगर		9,900		अगस्त, 80
(3) रोजगार के नए क्षेत्र		700	19-1-80	
7. हरियाणा				
(1) कार्यान्वित क्षेत्र	1,76,000			
(2) अकार्यान्वित क्षेत्र				
कुण्डली, राई व धारुहेड़ा		3,900		मई, 80
मुरथाल, खैरपुर (सिरसा) व हान्सी		3,300		जुलाई, 80
भिवानी से लगे हुए क्षेत्र		500		अगस्त, 80
8 हिमाचल प्रदेश				
(1) कार्यान्वित क्षेत्र	900			
2 जम्मू व काश्मीर				
(2) अकार्यान्वित क्षेत्र				
श्रीनगर, पमपोर, जम्मू व कथुआ		11,600		मई, 80
10 कर्नाटक				
(1) कार्यान्वित क्षेत्र	2,86,000			
(2) अकार्यान्वित क्षेत्र				
बीजापुर		1,300		1980-81
रामानगरम		900		1980-81
तुमकुर रोड, माण्ड्या व करवार		3,250		1980-81
तालागुप्पा		450		जुलाई, 80
नंजागुड व अवाम्पाहल्ली के उपनगर		800		अगस्त, 80
(3) रोजगार के नए क्षेत्र		46,550		दिसम्बर, 80
11. केरल				
(1) कार्यान्वित क्षेत्र	3,07,950			
(2) अकार्यान्वित क्षेत्र				
कासरगोड व होसदुर्ग		750	3-2-80	
एडप्पल थिरुरंगुडी		850		1980-81
कोत्ताकल (त्रिवेन्द्रम जिला)		500		सितम्बर, 80
(3) रोजगार के नए क्षेत्र		5,450		1980-81
12. मध्य प्रदेश				
(1) कार्यान्वित क्षेत्र	1,70,500			
(2) अकार्यान्वित क्षेत्र				
देवास उद्योग क्षेत्र		3,000		1980-81
सागर		500		1980-81
बिलासपुर (लाल खदान सहित) सारनी मघर		3,200		मई, 80
कोरबा काइमोर नीमुच, व रायपुर औद्योगिक क्षेत्र		5,400		जून, 80
13. महाराष्ट्र				
(1) कार्यान्वित क्षेत्र	14,70,400			
(2) अकार्यान्वित क्षेत्र				
किर्लोस्करवाडी, वालचन्दनगर व आगलवाडी		8,600		1980-81
सतारा उपनगर पनवेल, पालगढ़ व खोपोली		10,700		1980-81
चन्द्रपुर		2,400		1980-81

1	2	3	4	5
महाराष्ट्र				
(2) अकार्यान्वित क्षेत्र		8,800		मई, 80
अचलपुर, कानहन व कम्पटी येरगांव के निकटवर्ती क्षेत्र, मुंधावा, मंजारी, वेउलाली कैंटोनमेंट व सांगली के बहिवर्ती क्षेत्र और मिरज		5,700		जुलाई, 80
14. नागालैण्ड				
(2) अकार्यान्वित क्षेत्र				
सुली		1,000		अगस्त, 80
15. उड़ीसा				
(1) कार्यान्वित क्षेत्र	97,250			
(2) अकार्यान्वित क्षेत्र				
भरतपुर		600		1980-81
तलचर		2,000		1980-81
पाराद्वीप, बारागढ़ (तोरा)		3,100		जून, 80
बेलपाहर, कलंग, लटकाटा व सुनाबेदा		11,500		अगस्त, 80
16. पंजाब				
(1) कार्यान्वित क्षेत्र	1,56,000			
(2) अकार्यान्वित क्षेत्र				
बरनौला, मण्डी गोन्विंदगढ़ भटिण्डा सहित, असराउ, रैल माजरा व गिद्दरबाहा		5,000		1980-81
तारन तरन		1,200		1980-81
लुधियाना निगम के प्रसारित क्षेत्र		2,400		मई, 80
होशियारपुर		700		जुलाई, 80
17. पांडिचेरी				
(1) कार्यान्वित क्षेत्र	15,000			
18. राजस्थान				
(1) कार्यान्वित क्षेत्र	1,18,950			
(2) अकार्यान्वित क्षेत्र				
बंसवाडा, बासी (जोधपुर) विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र . .		3,200		जुलाई, 80
सिरसी (जयपुर केन्द्र)		150		अगस्त, 80
19. तमिलनाडु				
(1) कार्यान्वित क्षेत्र	4,47,800			
(2) अकार्यान्वित क्षेत्र				
कुमारमलयम, सलेम, उपनगर, थुवाकुडी, व थिरूवरम्बूर . .		10,500		1980-81
आराकुगानेरी व कन्याकुमारी के उपनगर . . .		2,100		1980-81
वीराबनाल्लूर, संगुनेरी व नस्सारथ		1,800		अगस्त, 80
श्रीविल्लीपुथुर, कुडंडालोर पट्टीवीरमपट्टी शिवकाशी उपनगर व राजा पालयम के उपनगर		3,600		नवम्बर 80
20. त्रिपुरा				
(2) अकार्यान्वित क्षेत्र				
बाबरघाट		800		1980-81
21. उत्तर प्रदेश				
(1) कार्यान्वित क्षेत्र	4,43,150			
(2) अकार्यान्वित क्षेत्र				
खुर्जा		1,200	9-2-80	
जाला		1,500		30-9-80
फैजाबाद सोहवाल सहित, बुलंदशहर व आजमगढ़ . . .		3,700		31-12-80
22. पश्चिमी बंगाल				
(1) कार्यान्वित क्षेत्र	9,65,000			
(2) अकार्यान्वित क्षेत्र				
आसनसोल व रानीगंज		12,350	मार्च, 80	अगस्त, 80
कोसिमबाजार, बरहमपोर, मोजाकुलिया व मौजासागुम्मा . .		2,600		अगस्त, 80
जेकेनगर व रूपनारायनपुर		7,000		सितम्बर, 80
बढ़ोतरी के लिये प्रावधान		50,100		
कुल योग	58,53,300	346,700*		

*1-1-80 से 31-3-80 तक की अवधि में संभाव्य आने वाले 96,700 अतिरिक्त कर्मचारियों सहित ।

परिशिष्ट 3

31-3-1979, 31-3-1980 की तथा 31-3-81 की संभावित स्थिति के अनुसार कर्मचारी राज्य बीमा निगम के स्टाफ की स्थिति का सूचक विवरण :

क्रम सं०	पद का नाम	निम्नलिखित तारीखों पर संख्या		
		31-3-79	31-3-80	31-3-81
1.	महानिदेशक	1	1	1
2.	बीमा आयुक्त	1	1	1
3.	वित्तीय सलाहकार व मुख्य लेखा अधिकारी	1	1	1
4.	चिकित्सा आयुक्त	1	1	1
5.	बीमाकंक	1	1	1
6.	निदेशक (प्रशासन)	1	1	1
7.	संयुक्त बीमा आयुक्त/क्षेत्रीय निदेशक ग्रेड–1	7	7	8
8	निदेशक (स०ब०) व(क्षेत्रीय निदेशक ग्रेड–2/निदेशक) (यो०एवं० वि)/सतर्कता/उप वित्तीय सलाहकार	8	8	9
9.	क्षेत्रीय उप चिकित्सा आयुक्त/उप चिकित्सा आयुक्त/चिकित्सा निर्देशी	50	51	53
10.	प्रशासन अधिकारी/उप बीमा आयुक्त/क्षेत्रीय निदेशक ग्रेड–3/उप मुख्य लेखाधिकारी/संयुक्त क्षेत्रीय निर्देशक/सतर्कता अधिकारी/सहायक बीमाकिक	21	22	34
11.	क्षेत्रीय निदेशक ग्रेड–4/उप प्रशासन अधिकारी सहायक बीमा आयुक्त/उप क्षेत्रीय निदेशक/सहायक निदेशक/लेखा अधिकारी	98	97	164
12.	सहायक क्षेत्रीय निदेशक/प्रबन्धक ग्रेड–1/उप लेखा अधिकारी/अनुभाग अधिकारी	178	187	155
13.	बीमा निरीक्षक/लेखा-परीक्षा निरीक्षक/उपप्रबन्धक ग्रेड-2 (सं०ब०अ०)	702	798	820
14.	महानिदेशक के निजि सचिव	1	1	1
15.	प्रबन्धक ग्रेड-2/सहायक/प्रधान लिपिक/प्रधान लिपिक–खजांची	651	858	880
16.	वैयक्तिक सहायक	31	31	47
17	तकनीकी सहायक	1	1	1
18.	वास्तुकार	1	1	1
19.	रखवाल	1	1	1
20.	पुस्तकालय अध्यक्ष	1	1	1
21.	स्वागती	1	1	1
22.	उच्च श्रेणी लिपिक/उ०श्रे०लि०–खजांची/उ०श्रे०लि०–प्रभारी	2165	2926	3017
23.	आशुलिपिक	102	106	116
24.	संगणक	4	4	4
25.	निम्न श्रेणी लिपिक/एड्रीमा आपरेटर/टेलिफोन आपरेटर/टेलेक्स आपरेटर	3312	3203	3265
26.	गैस्टेटनर आपरेटर	7	7	7
27.	स्टाफ कार ड्राइवर	21	21	21
28.	कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचर	1	1	1
29.	जमादार	1	1	1
30.	रिकार्ड सार्टर/दफ्तरी/प्र०श्रे० दफ्तरी	955	958	980
31.	चपरासी	923	920	940
32.	चौकीदार	42	42	42
33.	फराश	48	49	50
34.	मेहतर	53	53	53
35.	माली	6	6	6
36.	लिफ्टमैन	3	3	3
37.	सहायक अभियन्ता	3	3	4
38.	कनिष्ठ अभियन्ता	4	4	6
39.	अनुभाग अधिकारी (हिन्दी)	8	9	10
	कुल योग	9,716	10,387	10,708
	1. चिकित्सा कार्मिक	50	51	53
	2. अन्य कार्मिक	9,666	10,336	10,655

परिशिष्ट 4

1980-81 के बजट प्राक्कलनों में "भत्ते तथा मानदेय" शीर्ष के अन्तर्गत धन-व्यवस्था की गई राशि के ब्यौरे

भत्ते/मानदेय का स्वरूप	प्रधान अधिकारी	अन्य अधिकारी	लिपिक वर्गीय स्थापना	ग्रुप "घ" स्टाफ
				(लाख रुपयों में)
क—अधीक्षण				
1. यात्रा भत्ता	0.91	3.99	10.51	0.85
2. मंहगाई भत्ता	0.12	13.66	1,00.16	17.07
3. मकान किराया भत्ता	0.17	5.25	34.25	4.93
4. नगर प्रतिपूरक भत्ता	0.03	1.91	9.69	1.45
5. प्रैक्टिस बन्दी भत्ता	0.07	1.62	—	—
6. चिकित्सा खर्चों की प्रतिपूर्ति	—	0.80	20.15	4.50
7. अन्य मदें	—	2.20	6.14	1.10
जोड़—भत्ते तथा मानदेय	1.30	29.43	1,80.90	29.90
ख—क्षेत्रीय कार्य				
1. यात्रा भत्ता	—	0.44	7.52	0.50
2. मंहगाई भत्ता	—	5.20	1,11.70	18.40
3. मकान किराया भत्ता	—	1.86	32.20	4.78
4. नगर प्रतिपूरक भत्ता	—	0.60	7.80	1.05
5. चिकित्सा खर्चों की प्रतिपूर्ति	—	0.38	9.23	2.02
6. अन्य मदें	—	0.04	5.28	0.95
जोड़—भत्ते व मानदेय	—	8.52	1,73.80	27.70

परिशिष्ट—5

योजना विस्तार के लिए परिप्रेक्ष्य योजना

1972 में परिप्रेक्ष्य योजना समिति ने योजना का विस्तार करने के लिए एक पंचवर्षीय परिप्रेक्ष्य योजना की सिफारिश की थी। समिति ने विस्तार की सिफारिश तीन चरणों में की थी, यानि (1) पहले चरण में फैक्टरी अधिनियम के अधीन सभी फैक्टरियां तथा ऐसी दुकानें वाणिज्यिक तथा सम्बद्ध स्थापनाएं जिनमें 20 या अधिक कर्मचारी काम करते हैं तथा जो संगठित सैक्टर में अधिकांशतः ऐसे क्षेत्रों में स्थित है जहां बीमा योग्य श्रमिक वर्ग है, (2) दूसरे चरण में संगठित खानें तथा चाय, काफी तथा रबड़ बागान और (3) तीसरे चरण में रोजगार के असंगठित तथा अर्ध-संगठित सैक्टर यानी छोटे तथा दूर-दूर फैले तथा विभिन्न प्रकार के प्रतिष्ठान जिनके बारे में सही सांख्यिकीय आंकड़े उपलब्ध नहीं है। स्थापनाओं के पहले दो वर्गों की व्याप्ति का एक चरणबद्ध कार्यक्रम भी बनाया गया था और यह सिफारिश की गई थी कि उपर्युक्त (1) तथा (2) में उल्लिखित स्थापनाओं के वर्गों की व्याप्ति का संपूर्ण कार्यक्रम 5 वर्ष की अवधि के अन्दर पूरा किया जाना चाहिए तथा वर्ग (1) में सभी स्थापनाएं पहले तीन वर्षों में तथा खानें और बागान अन्तिम दो वर्षों के दौरान योजना के अंतर्गत लाए जाएं। यह अनुमान लगाया गया था कि 7 लाख कर्मचारी विद्युत शक्ति का प्रयोग करने वाली ऐसी फैक्टरियों में हैं जिनमें 20 या अधिक व्यक्ति काम करते हैं, 3 लाख कर्मचारी छोटी फैक्टरियों में, 9.9 लाख कर्मचारी दुकानों तथा वाणिज्यिक स्थापनाओं और बीमा तथा बैंकों में हैं और 18 लाख कर्मचारी खानों तथा बागानों में हैं और इस प्रकार कर्मचारियों की कुल संख्या लगभग 38 लाख है। 1977-78 को समाप्त 5 वर्ष की अवधि के लिए समिति ने निम्नलिखित लक्ष्य की सिफारिश की थी :—

1973-74	4 लाख
1974-75	7 लाख
1975-76	9 लाख
1976-77	9 लाख
1977-78	9 लाख

2. लेकिन वास्तविक तथा वित्तीय साधनों की उपलब्धि के संबंध में राज्य सरकारों की कठिनाईयों के कारण उपरिलिखित कार्यक्रम के पहले चरण में शामिल गैर-कार्यान्वित क्षेत्रों तथा नए सैक्टरों में फैक्टरियों पर योजना के विस्तार में परिप्रेक्ष्य योजना समिति द्वारा सिफारिश किए गए चरणबद्ध कार्यक्रम के अनुसार प्रगति नहीं हुई है। गैर कार्यान्वित क्षेत्रों में फैक्टरियों में योजना के अधीन लाए जाने योग्य लगभग 7 लाख कर्मचारियों तथा छोटी फैक्टरियों और नए सैक्टरों में 13 लाख कर्मचारियों में से अब तक फैक्टरी सैक्टर में लगभग 1.50 लाख कर्मचारी तथा नए सैक्टरों में लगभग 5.50 लाख कर्मचारी योजना के अंतर्गत लाए गए हैं इस प्रकार फैक्टरी सैक्टर तथा गैर-कार्यान्वित क्षेत्रों में लगभग 5.50 लाख तथा नए सैक्टरों यानी दुकानों तथा सम्बद्ध वाणिज्यिक स्थापना में

7.50 लाख कर्मचारियों को अभी योजना के अन्तर्गत लाया जाना है। खानों पर योजना का विस्तार करने के लिए भी कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम में संशोधन अपेक्षित है। यह भी उल्लेखनीय है कि गैर-कार्यान्वित क्षेत्रों में फैक्टरी सैक्टर में योजना के अन्तर्गत आने वाले अधिकतर वे कर्मचारी रह गए हैं जो आयल रिफाइनरीज, हैवी इंजीनियरिंग निगम, टिसको तथा इस्को सहित इस्पात तथा संयत्र उर्वरक संयंत्र, भारत हैवी इलैक्ट्रीकल्स आदि जैसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठान हैं जिनके बारे में श्रमिकों द्वारा योजना के विस्तार का विरोध किए जाने के कारण उन पर योजना के विस्तार की कम सम्भावना दिखाई देती है क्योंकि बिना किसी अंशदान के वे पहले ही काफी अच्छे स्तर के चिकित्सा तथा अन्य हितलाभ प्राप्त कर रहे बताए जाते हैं।

कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम में संशोधनों पर विचार करने के लिए गठित उच्चाधिकार उप-समिति ने भी चीनी तथा अन्य मौसमी उद्योगों पर योजना का विस्तार करने तथा मौसमी व कृषि कामगारों के उपयुक्त हितलाभ तथा अंशदानों की उचित योजना तैयार करने चीनी तथा अन्य मौसमी उद्योगों में स्थायी कर्मचारियों पर योजना का विस्तार करने तथा व्याप्ति के लिए मजदूरी की मौजूदा 1000 रुपये की अधिकतम सीमा को बढ़ाकर 1600 रुपये मासिक करने के संबंध में सिफारिशें की हैं अधिनियम में आवश्यक संशोधन करने के लिए रिपोर्ट पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाता है। अत. अगली पांच वर्ष या समान अवधि के दौरान योजना के विस्तार की परिप्रेक्ष्य योजना उच्चाधिकार उप समिति की उपरिलिखित सिफारिशों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा लिए जाने वाले निर्णयों पर निर्भर करेगी। इस दौरान, जिन महानगरों में कर्मचारी राज्य बीमा योजना लागू है, उनमें भवन निर्माण श्रमिकों पर (जो अर्ध संगठित/असंगठीत सैक्टरों के अन्तर्गत आते हैं) योजना का विस्तार करने के प्रस्ताव को श्रम मंत्रालय ने सिद्धान्ततः मान लिया है। अधिनियम के अन्तर्गत इन कामगारों पर योजना का विस्तार करने के लिए समुचित सरकारें होने के नाते राज्य सरकारों से इन कामगारों पर योजना का यथा शीघ्र विस्तार करने के संबंध में विचार करने का निवेदन किया गया है। लेकिन वास्तविक विस्तार संबंधित राज्य सरकारों के निर्णयों पर निर्भर करता है। अभी तक किसी भी राज्य सरकार ने प्रस्तावित विस्तार के लिए अपनी सहमति नहीं भेजी है।

एक वास्तविक पंचवर्षीय परिप्रेक्ष्य योजना उच्चाधिकार उप-समिति की सिफारिशों पर केन्द्रीय सरकार के अन्तिम निर्णय की जानकारी मिलने तथा स्थापनाओं/कामगारों के नए वर्गों पर योजना का विस्तार करने के संबंध में राज्य सरकारों की सिद्धान्त रूप से सहमति प्राप्त होने के बाद तैयार की जा सकती है। फिलहाल नए क्षेत्रों तथा नए सैक्टरों में योजना का विस्तार के लिए संबंधित राज्य सरकारों के परामर्श से वार्षिक योजनाएं एक समय में दो वर्षों के लिए, यानी चालू वित्तीय वर्ष तथा अगले वित्तीय वर्ष के लिए तैयार की जा रही है।

परिशिष्ट–6

प्रति व्यक्ति आय-व्यय का सूचक विवरण
प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी राशि

वर्ष	अंशदान आय	राजस्व लेखे में व्यय (पूंजीगत निर्माण तथा आपात आरक्षित निधियों में अन्तरित राशियों को छोड़कर)	अन्तर
	(रुपये)	(रुपये)	(रुपये)
1970-71	123	117	6
1971-72	131	118	13
1972-73	145	104	41
1973-74	153	121	32
1974-75	146	125	21
1975-76	162	141	21
1976-77	236	151	85
1977-78	239	177	62(क)
1978-79	258	207	51
1979-80 (प्राक्कलन)	263	239	24(ख)
1980-81 (प्राक्कलन) (ग)	267	241	26

(क) 31-3-1974 की स्थिति के अनुसार मूल्यांकन में बताए गए स्थाई अपंगता हितलाभ और आश्रितजन हितलाभ की बाबत अधिशेष राशि 1977-78 वर्ष के व्यय (पूंजीकृत मूल्य) में समायोजित की गई है। यदि अधिशेष राशि का समायोजन किए बिना 1977-78 वर्ष के वास्तविक पूंजीकृत मूल्य को लिया जाए तो प्रति व्यक्ति व्यय में लगभग 5 रुपये की वृद्धि हो जाएगी जिससे प्रति व्यक्ति अन्तर 62 रुपये से घटकर 57 रुपये रह जाएगा।

(ख) कोयम्बटूर क्षेत्र में कपड़ा मिलों की हड़ताल के दौरान बीमारी हितलाभ की अदायगी के कारण असाधारण व्यय-भार को छोड़कर अन्तर 31 रुपये माना जाए।

(ग) योजना के अंतर्गत उच्च मजदूरी वर्ग के कर्मचारियों को शामिल किए जाने तक अगले वर्षों में अंशदान आय में प्रतिवर्ष प्रति कर्मचारी 4 रुपये से 5 रुपये की वृद्धि दर मानी जाए।

परिशिष्ट 7

1980-81, 1981-82 तथा 1982-83 वर्षों के दौरान प्रस्ताशित व्यय में अनुमानित वृद्धि

	प्रति कर्मचारी प्रतिवर्ष रुपये	
चिकित्सा हितलाभ	12.00	1980-81 वर्ष के लिए चिकित्सा देख-रेख पर व्यय में निगम के शेयर के रूप में 68,26.95 लाख रुपये दिल्ली प्रशासन से वसूल होने योग्य राशि को लेखे में लेने के बाद निवल राशि की व्यवस्था की गई है। यदि 1980-81 वर्ष के दौरान योजना के अंतर्गत आए कुल कर्मचारियों (62.00 लाख) के आधार पर सभी राज्य सरकारें लाभाधिकारियों को पूर्ण चिकित्सा देख-रेख प्रदान करें तथा मौजूदा अधिकतम आर्थिक सीमा के अनुसार स्वीकार्य अधिकतम राशि का पूर्णतः उपयोग करें तो चिकित्सा देख-रेख पर व्यय में निगम के शेयर के

	प्रति कर्मचारी प्रति वर्ष रुपये	
		रूप में 75,95.00 लाख रुपये की राशि होगी। इस प्रकार प्रतिवर्ष लगभग 7,68.05 लाख रुपये की प्रासंगिक देयता है।
नकद हितलाभ	10.00	
प्रशासनिक व्यय	2.60	
अशक्तता हितलाभ	18.00	(22 रुपये के मूल प्राक्कलनों को उदार मानते हुए)
रोजगार चोट (अस्थायी अपंगता, स्थायी अपंगता और आश्रितजन हित-लाभ) की दर में वृद्धि मानक दर की 125 से 130%	1.15	
अन्त्येष्टि हितलाभ की दर में वृद्धि 100 रुपये से 300 रुपये	0.35*	
कर्मचारियों के अंशदान की अदायगी के लिए छूट की सीमा में वृद्धि 2 रुपये रोजाना वाले मजदूरी ग्रुप से 4 रुपये रोजाना से कम वाला मजदूरी ग्रुप करना।	0.90*	
जोड़ :	45.00	

*यह वृद्धि कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम में संशोधन होने पर लागू होगी।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम का 1980-81 वर्ष का निष्पादन बजट

भूमिका

कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 ही भारत के सामाजिक बीमा कानून का ऐसा अंग है जो औद्योगिक कामगारों के कुछ वर्गों को बीमारी, प्रसूति तथा रोजगार चोट की आकस्मिकताओं में हितलाभ से हितलाभों की व्यवस्था करता है।

व्याप्ति

2. कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 उन सभी बेमौसमी फैक्टरियों पर लागू होता है जिनमें विद्युत शक्ति का प्रयोग होता है तथा 20 या अधिक व्यक्ति मजदूरी पर काम करते है। यह योजना चरणबद्ध रीति में क्षेत्रवार कार्यान्वित को जा रही है। योजना का स्थापनाओं के नए वर्गों, यानी विद्युत शक्ति का प्रयोग करने वाली वे फैक्टरियां जिनमे 10 से 19 व्यक्ति काम करते है तथा विद्युत शक्ति का प्रयोग न करने वाली वे फैक्टरियों, दुकानें, पूर्वदर्शन थियेटर सहित सिनेमा, होटल, रेस्तरां, सड़क मोटर परिवहन उपक्रम तथा समाचार पत्र संस्थापनाएं जिनमें 20 या अधिक व्यक्ति काम करते है, पर भी विस्तार किया जा रहा है।

उपरिलिखित फैक्टरियों/संस्थापनाओं में नियुक्त ऐसे कर्मचारी जिन की मजदूरी 1,000 रुपये मासिक से अधिक नहीं है अधिनियम के अन्तर्गत आते है।

योजना के मुख्य उद्देश्य :

3. निगम बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को निम्नलिखित हितलाभों की व्यवस्था करता है :

(1) चिकित्सा हितलाभ :
चिकित्सा देख-रेख की व्यवस्था कर्मचारी राज्य बीमा अस्पताल तथा औषधालयों के माध्यम से की जाती है।

(2) नकद हितलाभ।

1. जब कोई बीमाकृत व्यक्ति बीमार होता है तो बीमारी हितलाभ।
2. बीमाकृत महिला कामगारों के लिए प्रसूति हितलाभ।
3. रोजगार के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो जाने वाले बीमाकृत व्यक्तियों को अस्थायी/स्थायी अपंगता हितलाभ।
4. रोजगार चोट के कारण मृत्यु हो जाने वाले बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों को आश्रितजन हितलाभ।
5. मृत बीमाकृत कामगार के परिवार के सदस्यों या नज-दीकी संबंधी को उसका अंतिम संस्कार करने के लिए अन्त्येष्टि हितलाभ।

हितलाभों की मात्रा नीचे पैरा 12.2 में दी गई है।

जहां कहीं कर्मचारी राज्य बीमा योजना कार्यान्वित की गई है, नियोजक कर्मकार मुआवजा अधिनियम, 1923 और प्रसूति अधिनियम, 1961 के अंतर्गत अपने दायित्वों से मुक्त हो जाते हैं।

प्रशासन :

4. कर्मचारी राज्य बीमा योजना कर्मचारी राज्य बीमा निगम नामक निगमित निकाय द्वारा चलाई जाती है जिसमें नियोजकों, कर्म-चारियों, केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों, चिकित्सा व्यवसाय तथा संसद का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य होते है। निगम के सदस्यों में से गठित एक स्थायी-समिति योजना के प्रशासन में कार्यकारी निकाय के रूप में काम करती है। चिकित्सा हितलाभों की व्यवस्था से संबंधित मामलों में निगम को सलाह देने के लिए एक चिकित्सा हितलाभ बोर्ड भी है।

दिल्ली को छोड़कर अन्य राज्यों में कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अन्तर्गत चिकित्सा देख-रेख की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है। दिल्ली में निगम स्वयं चिकित्सा देख-रेख की व्यवस्था करता है।

वित्त :

5. कर्मचारी राज्य बीमा योजना के लिए नियोजकों तथा कर्म-चारियों के अंशदानों द्वारा धन की व्यवस्था की जाती है। कर्मचारियों द्वारा दिए जाने वाले अंशदान की दर 40 पैसे से 3 रु० 75 पैसे तक अलग अलग है जो उनके संबंधित मजदूरी ग्रुप पर निर्भर करती हैं। 2 रु० से कम दैनिक मजदूरी लेने वालों को कोई अंशदान देने की आवश्यकता नहीं है। नियोजकों का अंशदान मजदूरी का लगभग 4.35 प्रतिशत होता है। कर्मचारियों का अंशदान मजदूरी का 2.17 प्रतिशत है। चिकित्सा देख-रेख पर होने वाला व्यय कर्मचारी राज्य बीमा निगम तथा राज्य सरकारों के बीच 7 : 1 के तय किए गए अनुपात में शेयर किया जाता है। निगम को केन्द्रीय सरकार से कोई वित्तीय सहायता नहीं मिलती।

1979-80 के दौरान योजना का विस्तार

6. 31 मार्च, 1979 की स्थिति के अनुसार योजना के विस्तार से संबंधित राज्य-वार स्थिति अनुबंध-1 में दी गई है। 1 अप्रैल, 1979 से 31 दिसम्बर, 1979 तक की अवधि के दौरान 0.37 लाख और कर्मचारियों पर योजना का विस्तार किया गया है। 0.80 लाख और परिवार (बीमाकृत व्यक्ति) एककों के लिए चिकित्सा देख-रेख का भी विस्तार किया गया। 31 दिसम्बर, 1979 की योजना के अन्तर्गत आए कर्मचारियों की कुल संख्या 58.53 लाख थी। चिकित्सा हितलाभ के लिए लाभाधिकारियों की कुल संख्या 2,56.49 लाख है जिसमें बीमाकृत व्यक्ति और उनके परिवार के सदस्य भी शामिल हैं।

7. नीचे तालिका में निष्पादन और किए गए कार्य के सांख्यिकी आकड़े दिए गए हैं : —

सूचना का स्वरूप	1978-79 (वास्तविक आंकड़े)	1979-80 (परिशोधित प्राक्कलन)	1980-81 (बजट प्राक्कलन)
1. केन्द्रों की संख्या	375	403	452
2. योजना सू अन्तर्गत आए कर्मचारियों की संख्या	58.16 लाख	59.50 लाख	62.00 लाख
3. चिकित्सा देख-रेख के हकदार बीमाकृत व्यक्तियों की संख्या	65.89 लाख	67.47 लाख	70.10 लाख
4. परिवार के सदस्यों की संख्या जिनके लिए चिकित्सा देख-रेख का विस्तार किया गया है			
(क) बीमाकृत व्यक्तियों को छोड़कर	1,89.78 लाख	1,94.20 लाख	2,01.90 लाख
(ख) बीमाकृत व्यक्तियों को मिलाकर	2,55.67 लाख	2,61.67 लाख	2,72.00 लाख
5. अस्पताल तथा अनैक्सियों की संख्या	92	105	116
6. (क) उपलब्ध बिस्तरों की संख्या (सरकारी तथा अन्य मान्यताप्राप्त अस्पतालों में आरक्षित बिस्तरों सहित)	19,304	21,874	23,261
(ख) निर्माणाधीन बिस्तरों की संख्या	3,537	3,276 (31 मार्च, 1980 को)	2,758
7. (क) औषधालयों की संख्या	990	1,040	1,090
(ख) पैनल क्लीनिकों की संख्या	4,565	अनुमान नहीं लगाया गया	
(ग) विशेषज्ञ केन्द्रों की संख्या	226	अनुमान नहीं लगाया गया	
8. इलाज किए गए रोगियों की संख्या			
अस्पताल में दाखिल किए गए मामलों की संख्या	3.49* लाख	4.07 लाख	4.19 लाख
औषधालयों में उपस्थिति (बीमाकृत व्यक्ति और परिवार सदस्य दोनों)			
(1) नए मामले	2,95.62 लाख	3,12.00 लाख	3,31.00 लाख
(2) पुराने मामले	6,27.87 लाख	6,62.00 लाख	7,00.00 लाख
9. नकद भत्ता प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की संख्या (यानी रोजगार चोट हितलाभों के पात्र कर्मचारियों की संख्या)	58.16 लाख	59.50 लाख	62.00 लाख
10. पेंशन प्राप्त करने वाले आश्रितजनों की संख्या (यानी आश्रितजन हितलाभ के लाभाधिकारियों की संख्या)	15,797	16,324	17,710
11. कर्मचारिवृन्द (राज्यों में योजना के लिए नियुक्त कर्मचारियों सहित)			
चिकित्सा कार्मिक	21,494	22,567	23,643
अन्य कार्मिक	27,749	29,326	30,598
12. वार्षिक आय	1,57,65.48 लाख रु०	1,65,13.19 लाख रु०	1,71,34.70 लाख रु०
13. वार्षिक राजस्व व्यय	1,37,04.52 लाख रु०	1,57,83.91 लाख रु०	1,64,52.74 लाख रु०
14. भूमि अर्जन तथा कार्यालय/औषधालय/अस्पताल भवनों के निर्माण पर पूंजीगत व्यय			
वर्ष के दौरान	8,06.04 लाख रु०	7,50.00 लाख रु०	9,25.00 लाख रु०
प्रगामी व्यय	66,16.31† लाख रु०	73,66.31† लाख रु०	82,91.31† लाख रु०

*गोवा, पूना क्षेत्र तथा पश्चिमी बंगाल से संबन्धित सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

†इसमें पिछले वर्षों की धन वापसियां शामिल हैं।

8. 1978-79 वर्ष के परिशोधित प्राक्कलन व वास्तविक आंकड़ों तथा 1979-80 के बजट प्राक्कलन व परिशोधित प्राक्कलन का तुलनात्मक विश्लेषण निम्नलिखित है:—

क्रम सं०	सूचना का स्वरूप	परिशोधित प्राक्कलन 1978-79	वास्तविक आंकड़े 1978-79	अन्तर
1.	केन्द्रों की संख्या	387	375	(—) 12
2.	योजना के अन्तर्गत आए कर्मचारियों की संख्या	58.02 लाख	58.16 लाख	(+) 0.14 लाख
3.	परिवार सदस्यों की संख्या जिन पर चिकित्सा देख-रेख का विस्तार किया गया है	1,91.11 लाख	1,89.78 लाख	(—) 1.33 लाख
4.	निर्माण किए गए अस्पतालों तथा अनैक्सियों की संख्या	95	91	(—) 4
5.	अस्पताल बिस्तरों की संख्या	18,969	19,304	(+) 335
6.	औषधालयों की संख्या	980	990	(+) 10
7.	राजस्व आय	1,56,63.83 लाख रु०	1,57,65.48 लाख रु०	(क) 1,01,65 लाख रु०
8.	राजस्व व्यय	1,37,06.78 लाख रु० (ख)	1,37,04.52 लाख रु०	(—) 2.26 लाख रु०
9.	पूंजीगत व्यय	8,60.00 लाख रु०	8,06.04 लाख रु०	(—) 53.96 लाख रु०

(क) वृद्धि आंशिक रूप से अंशदानों की बेहतर अदायगी तथा आंशिक रूप से मजदूरी में वृद्धि से अंशदानों की ऊंची दरों के कारण हुई है।

(ख) वर्ष के लिए अन्तिम आवंटन का सूचक है।

क्रम सं०	सूचना का स्वरूप	बजट प्राक्कलन 1979-80	परिशोधित प्राक्कलन 1979-80	अन्तर
1	केन्द्रों की संख्या	484	403	(—) 81
2.	योजना के अन्तर्गत आए कर्मचारियों की संख्या	61.06 लाख	59.50 लाख	(—) 1.56 लाख
3.	परिवार सदस्यों की संख्या जिन पर चिकित्सा देख-रेख का विस्तार किया गया है	2,01,14 लाख	1,94.20 लाख	(—) 16.94 लाख
4.	निर्माण किए गए अस्पतालों और अनैक्सियों की संख्या	117	05	(—) 12
5.	अस्पताल बिस्तरों की संख्या	20,890	21,874	(+) 984
6.	औषधालयों की संख्या	1,020	1,040	(+) 20
7.	वार्षिक राजस्व आय	1,61,98.03 लाख रु०	1,65,13.19* लाख रु०	(+) 3,14.36 लाख रु०
8.	वार्षिक राजस्व व्यय	1,48,63.65 लाख रु०	1,57,83.91† लाख रु०	9,20.26 लाख रु०
9.	पूंजीगत व्यय	11,00.00 लाख रु०	7,50.00 लाख रु०	(—) 3,50.00 लाख रु०

*वृद्धि मजदूरी में वृद्धि के कारण अंशदानों की ऊंची दरों के कारण हुई है।

†1979-80 के परिशोधित प्राक्कलन में अधिक व्यवस्था निम्नलिखित कारणों से है:—

(1) चिकित्सा हितलाभ (3,10.11 लाख रुपये) 1 अप्रैल, 1979 से चिकित्सा देख-रेख पर व्यय की अधिकतम सीमा के परिशोधन के कारण जिसके लिए बजट प्राक्कलन में व्यवस्था नहीं की गई थी।

(2) नकद हितलाभ (6,95.40 लाख रुपये)—(क) हड़तालों के कारण कुछ क्षेत्रों में दावों की अधिक घटनाओं तथा (ख) प्रति वर्ष—प्रति कर्मचारी हितलाभ दिनों की औसत संख्या तथा बीमारी हितलाभ, विस्तारित बीमारी हितलाभ और अस्थायी अपंगता हितलाभ के अन्तर्गत प्रति कर्मचारी हितलाभ की दैनिक दर की राशि में वृद्धि के कारण।

(3) प्रशासनिक खर्चे (39.12 लाख रुपये)—महंगाई भत्ते में वृद्धि (33.00 लाख रुपये) तथा 1-9-1979 से वेतन समिति की सिफारिशों के एक भाग को लागू करने (10.00 लाख रुपये) के संबंध में बजट के बाद के निर्णयों के कारण।

उपर्युक्त वृद्धियों का पूंजीगत निर्माण और आपात आरक्षित निधियों के लिए व्यवस्था में कमी (1,24.45 लाख रुपये) करके आंशिक रूप से प्रति संतुलन हुआ है।

कर्मचारी राज्य बीमा योजना के कार्यान्वयन का कार्यक्रम मुख्यतया राज्य सरकारों पर निर्भर है । चिकित्सा देख-रेख के लिए योजना के अन्तर्गत आए कर्मचारियों की संख्या और योजना के अन्तर्गत आए परिवार के सदस्यों की संख्या में कमी नए केन्द्रों पर योजना के विस्तार में कमी के परिणामस्वरूप हुई है।

पूंजीगत व्यय में कमी निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति के कारण है। यह कार्य भी राज्य सरकारों द्वारा किया जाता है ।

अन्य सूचना निम्नलिखित पैरों में दी जा रही है।

9.1 1979-80 के चालू वित्तीय वर्ष तथा 1980-81 के अगले वित्तीय वर्ष के लिए निगम का वित्तीय प्राक्कलन नीचे दी गई है :—

(लाख रुपयों में)

क. कार्यक्रम/कार्यकलाप-वार वर्गीकरण	1978-79 वास्तविक आंकड़े	1979-80 परिशोधित प्राक्कलन	1980-81 बजट प्राक्कलन
चिकित्सा हितलाभ	52,87.31	63,55 67	68,72,45
नकद हितलाभ	52,83.32	63,51.85	63,52.47
अन्य हितलाभ	13.88	16.43	19,44
निदेशक, अधीक्षण और फील्ड कार्य	9,95.03	11,40.14	12,12.44
अस्पताल और औषधालय भवनों का मूल्यह्रास, मरम्मत व अनुरक्षण	1,42.14	1,86.77	2,02.35
पूंजीगत निर्माण और आपात आरक्षित निधियों में गैर-कार्यकलाप व्यय विनिधान	19,82.84	17,33.05	17,93.59
कुल—राजस्व व्यय	1,37,04.52	1,57,83.91	1,64,52.74
भूमि के अर्जन तथा कार्यालय/औषधालय/अस्पताल भवनों के निर्माण पर पूंजीगत व्यय	8,06.04	7,50.00	9,25.00
अन्य पूंजीगत व्यय	—	—	—

(लाख रुपयों में)

ख. उद्देश्य वार वर्गीकरण	1978-79 वास्तविक आंकड़े	1979-80 परिशोधित प्राक्कलन	1980-81 बजट प्राक्कलन
लाभाधिकारियों को चिकित्सा देख-रेख की व्यवस्था पर व्यय	52,87.31*	63,55.67*	68,72.45*
नकद हितलाभों की अदायगी	52.83.32**	63,51.85**	63,52.47**
अन्य हितलाभ	13.88	16.43	19.44
वेतन तथा अन्य प्रशासनिक व्यय			
वेतन	7,34.11	8,35.67	8,93.58
यात्रा व्यय	35.54	24.66	24.72
लेखन सामग्री तथा फार्म	36.61	46.80	47.90
अंशदान टिकटें	6.10	0.25	0.10
किराए, दर और कर	44.38	48.20	49.61
बीमा न्यायालय तथा कानूनी प्रभार	5.81	6.11	6.45
स्टाफकारों का अनुरक्षण	1.86	1.86	2.00
टाइपराइटर, गणक-मशीन, एडिंग मशीन, कार्यालय फर्नीचर तथा अन्य उपस्कर की खरीद	8.36	11 70	13.47
प्रचार तथा विज्ञापन	1.06	1.20	1.50
बैंकिंग लेखे रखने के प्रभार	8.45	0.48	0.25
अन्य कार्यालय व्यय	49.44	54.10	56.73
स्टाफ क्वार्टरों सहित कार्यालय भवनों का मूल्यह्रास, मरम्मत व अनुरक्षण	12.99	13.36	15.48
सेवा निवृत्ति लाभ (भविष्य निधियों सहित)	50.32(क)	95.75	1,00.65
स्टाफ क्वार्टरों सहित अस्पताल तथा औषधालय भवनों का मूल्यह्रास, मरम्मत और अनुरक्षण	1,42.14	1,86.77	2,02.35
पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि में विनिधान	14,67.60	15,50.70	16,23.10
आपात आरक्षित निधि में विनिधान	5,15.24	1,82.35	1,70.49
कुल राजस्व व्यय	1,37,04.52	1,57,83.91	1,64,52.74

*पैरा 11 देखें

**पैरा 12 देखें

(क) पहले वर्षों में पेंशन आरक्षित निधि की अधिक व्यवस्था समायोजन के कारण 33.67 लाख रुपये की राशि जमा करते हुए निवल आंकड़े ।

(लाख रुपयों में)

उद्देश्य-वार वर्गीकरण	1978-79 वास्तविक आंकड़े	1979-80 परिशोधित प्राक्कलन	1980-81 बजट प्राक्कलन
पूंजीगत निर्माण कार्य			
कार्यालय भवन (स्टाफ क्वार्टरों सहित)	77.93	85.00	1,25.00
अस्पताल तथा औषधालय भवन	7,28.11	6,65.00	8,00.00
जोड़—पूंजीगत निर्माण कार्य	8,06.04	7,50.00	9,25.00
अन्य पूंजीगत व्यय	—	—	—
ग—वित्त का साधन			
राजस्व आय			
नियोजकों तथा कर्मचारियों का अंशदान	1,46,75.94	1,55,06.97	1,62,31.00
भवनों का किराया	3,62.80	3,70.51	4,06.75
निवेशों, कर्जों तथा पेशगियों पर ब्याज	5,28.27	4,81.88	3,38.85
अन्य राजस्व आय	1,98.47	1,53.83	1,58.10
जोड़	1,57,65.48	1,63,13.19	1,71,34.70
पूंजीगत व्यय :			
पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि	14,67.60	15,50.70	16,23.10

9.2 अनुलग्नक-II में मुख्य व्यय-शीर्षों के अन्तर्गत प्रतिवर्णित व्यय भार दिखाया गया है। वित्तीय आवश्यकताओं की व्याख्या :

10. निगम की वित्तीय आवश्यकताओं को मोटे तौर पर निम्नलिखित शीर्षों में वर्गीकृत किया जा सकता है :—

1. चिकित्सा हितलाभ
2. नकद हितलाभ तथा अन्य हितलाभ
3. निदेशन, अधीक्षण तथा फील्ड कार्य
4. अस्पतालों तथा औषधालयों का मूल्यह्रास मरम्मत व अनुरक्षण
5. पूंजीगत निर्माण कार्य

इनके विस्तृत ब्यौरे निम्नलिखित पैरों में दिए गए है :—

11—चिकित्सा हितलाभ

11.1 चिकित्सा हितलाभों पर व्यय नीचे दिखाया गया है :—

(लाख रुपयों में)

1978-79 (वास्तविक आंकड़े)	1979-80 (परिशोधित प्राक्कलन)	1980-81 (बजट प्राक्कलन)
52,87.31 (इसमें 10,01.01 लाख रुपए की बकाया अदायगियां शामिल हैं)	63,55.67 (इसमें 12,69.86 लाख रुपए की बकाया अदायगियां शामिल हैं)	68,72.45 (इसमें 12,46.56 लाख रुपए की बकाया अदायगियां शामिल हैं)

11.2 दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र के अलावा इस कार्यकलाप पर होने वाला व्यय शुरूआत में उन राज्य-सरकारों द्वारा दिया जाता है जो चिकित्सा योजना का प्रशासनिक नियंत्रण करती हैं। निगम राज्य-सरकारों से व्यय-विवरण प्राप्त होने पर तिमाही आधार पर अपने शेयर की अदायगी करता है। प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निगम ने चिकित्सा देखरेख के विभिन्न वर्गों के अधीन चिकित्सा व्यय की अधिकतम सीमाएं निश्चित कर दी हैं तथा राज्य सरकारों द्वारा प्रयोग के लिए 500 से अधिक दवाइयों, इंजेक्शनों तथा औषधियों के सम्बन्ध में औषध निर्माताओं से दर ठेके किए हैं। अधिकतम सीमाओं से अधिक होने वाला व्यय केवल राज्य सरकारों द्वारा वहन किया जाता है और यह अधिक व्यय निगम के बजट में नहीं दिखाया जाता है।

11.3 1 अप्रैल, 1979 से चिकित्सा देखरेख पर व्यय की अधिकतम सीमाओं को बढ़ाकर निम्नलिखित रूप में परिशोधित किया गया है :—

चिकित्सा देख-रेख की किस्म	किस्म के अन्तर्गत चिकित्सा देख-रेख की रेंज	प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति अधिकतम सीमाएं
सीमित चिकित्सा देख-रेख	बीमाकृत व्यक्तियों की पूर्ण चिकित्सा देख-रेख प्रदान की जाती है लेकिन उनके परिवारों के लिए औषधियों की पूर्णतः पूर्ति तथा मरहम-पट्टी सहित केवल बहिरंग उपचार की व्यवस्था की जाती है।	70 रु० (कोई परिवर्तन नहीं)
वर्धित चिकित्सा देख-रेख	बीमाकृत व्यक्तियों को पूर्ण चिकित्सा देख-रेख प्रदान की जाती है लेकिन उनके परिवारों के लिए विशेषज्ञों से परामर्श (प्रयोगशाला में विशेष परीक्षण और एक्सरे परीक्षा की सुविधाओं सहित) और बहिरंग देख-रेख के साथ-साथ उनके द्वारा लिखी गई विशेष दवाइयों और औषधियों की पूर्ति की सुविधा की व्यवस्था की जाती है।	80 रु० से 85 रु०
पूर्ण चिकित्सा देख-रेख	इसमें बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को बहिरंग तथा अन्तरंग दोनों तरह के उपचार की व्यवस्था की जाती है।	105 रु० से 115 रु०

निगम ने अधिकतम सीमा से अधिक मंजूर की जाने वाली औषधियों और दवाइयों पर व्यय की सीमा को भी उदार बना दिया है। ऊपर लिखित पहली सीमा 25 रु० से अधिक तथा 45 रु० तक प्रति व्यक्ति व्यय था और इसे बढ़ाकर अब 25 रु० से अधिक तथा 50 रु० तक कर दिया गया है।

11.4 कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों में प्रारम्भिक उपस्कर की व्यवस्था पर व्यय की 1973 में निर्धारित की गई सीमाओं को बढ़ाकर नए चालू किए जाने वाले अस्पतालों/बिस्तरों के लिए निम्नलिखित रूप में कर दिया गया है :—

150 बिस्तर तक के लिए	5,000 रुपये से 8,000 रु० प्रति बिस्तर
151 बिस्तर से 300 बिस्तर तक	4,000 रुपये से 6,500 रु० प्रति बिस्तर
301 बिस्तर और अधिक	3,500 रुपये से 5,500 रु० प्रति बिस्तर

औषधालयों से लगी अनैक्सियों/डिटेंशन वार्डों/साधारण वार्डों में प्रारम्भिक उपस्कर के लिए 3,500 रुपये एक प्रति बिस्तर की व्यवस्था की जाएगी।

चालू किए गए अस्पतालों में अतिरिक्त उपस्कर की व्यवस्था पर व्यय की सीमा 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 4 लाख रुपये कर दी गई है।

11.5 चिकित्सा सुविधाओं में निम्नलिखित सुधार किए गए हैं :—

(1) सतुलित पैमाने पर स्वास्थ्य लाभ गृहों को निर्माण करने का निर्णय किया गया है जहाँ अस्पताल से ऐसे बीमाकृत रोगियों को भेजा जा सके जिन्हें सक्रिय चिकित्सा उपचार की आवश्यकता न हो और उन्हें नर्सिंग, देख-रेख और अन्य सुविधाओं के साथ-साथ सामान्य चिकित्सा उपचार की व्यवस्था सुलभ की जा सके।

(2) जहां आवश्यक हो योजना के अन्तर्गत चिकित्सा देख-रेख के भाग के रूप में निम्नलिखित की व्यवस्था की गई है और इन सुविधाओं का काफी लाभाधिकारियों ने लाभ उठाया है :—

(क) कृत्रिम अंग, कृत्रिम उपकरण और साधन जिनमें कारडियक पेसमेकर शामिल हैं, तथा

(ख) गुर्दे बदलना/डायलेसिस तथा ओपन हार्ट सर्जरी जैसे विशेषज्ञ उपचार।

निगम ने यह भी निर्णय किया है कि बीमाकृत व्यक्तियों को उनके कृत्रिम अंग केन्द्र में प्रवेश की अवधि के दौरान पुनर्वास भत्ता दिया जाय।

(3) यदि कोई बीमाकृत व्यक्ति चिकित्सा हितलाभ का हकदार नहीं रहता है तो उसका उपचार बीमारी की अवधि खत्म होने या दीर्घकालिक रोग की स्थिति में बीमाकृत व्यक्ति को (परिवार सदस्यों को छोड़कर) सक्रिय उपचार की आवश्यकता होने तक बन्द नहीं किया जाता।

(4) अब बीमाकृत व्यक्तियों के परिवार व्यक्ति के बीमाकृत होने के बाद 13 सप्ताह की बजाय बीमाकृत व्यक्ति के सेवा शुरू करने की तारीख से चिकित्सा हितलाभ के हकदार हैं।

(5) नीचे दी गई स्थितियों में बीमाकृत व्यक्ति परिवार सदस्यों के लिए चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था की गई है :—

(क) यदि उसका परिवार उसी राज्य में स्थित किसी कार्यान्वित क्षेत्र में दूसरे स्थान पर रहता है,

(ख) यदि बीमाकृत व्यक्ति के परिवार के सदस्य बीमाकृत व्यक्ति के साथ उसके कार्य के स्थान से छुट्टी पर या अस्थायी स्थानान्तरण पर किसी ऐसे अन्य स्थान पर जाते हैं जो एक कार्यान्वित केन्द्र है।

11.6 अस्पतालों तथा चिकित्सालयों के माध्यम से दी जाने वाली व्याधिशामक सेवाओं के अलावा निगम, अस्पताल, विशेषज्ञ केन्द्र तथा औषधालयों के माध्यम से निम्नलिखित सेवाएं भी प्रदान कर रहा है :—

(1) परिवार कल्याण कार्यक्रम के लिए सुविधाएं परिवार नियोजन के लिए शिक्षा, अभिप्रेरण तथा सेवाओं की व्यवस्था के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा योजना का विस्तार करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा प्रायोजित तथा अनुकृपा द्वारा वित्त-पोषित एक परिवार कल्याण परियोजना 1976 में चालू की गई थी। आरंभ में परियोजना 31-12-1978 तक के लिए मंजूर की गई थी। इसके कार्य का पुनरीक्षण करने तथा इसकी प्रगति को ध्यान में रखते हुए इसके कार्य का पुनरीक्षण करने तथा इसकी प्रगति को ध्यान में रखते हुए इसके कार्यकलापों का विस्तार 31-12-1979 तक के लिए कर दिया गया था। परियोजना निरन्तर प्रगति पर है और इसे आगे चालू रखा जा रहा है। इस पर वार्षिक व्यय अब 7 लाख रुपये है।

निगम ने परिवार कल्याण कार्यक्रम के लिए अपनी निधियों में से भी काफी धन व्यय किया है। सभी कर्मचारी राज्य बीमा औषधालयों/परिवार कल्याण केन्द्रों में परिवार कल्याण कार्यक्रम को सक्रिय किया है तथा इसके अलावा 45 कर्मचारी राज्य बीमा औषधालयों में से 7 को सेवा केन्द्र के रूप में स्थापित किया गया है। 1-8-1976 से 30 सितम्बर, 1979 तक अवधि के दौरान परिवार नियोजन आपरेशन कराने वाले बीमाकृत व्यक्तियों को निगम की निधियों में से कुल मिलाकर 57.14 लाख रुपये से अधिक राशि दी गई है। निगम ने निर्णय किया है कि नसबंदी/नलीबंदी आपरेशन कराने के लिए बीमाकृत व्यक्तियों को सामान्य बीमारी हितलाभ दर से दुगनी दर पर देय बीमारी हितलाभ स्थायी आधार पर मंजूर किया जाता रहेगा।

(2) बच्चों को संक्रमण रोगों से बचाव के विशेष कार्यक्रम सहित प्रतिरक्षण की सुविधाएं. प्रतिरक्षण कार्यक्रम उन सभी राज्यों में निरन्तर प्रगति कर रहा है जहां कर्मचारी राज्य बीमा योजना कार्यान्वित की जा चुकी है।

11.7 कर्मचारी राज्य बीमा योजना में आयुर्वेदिक पद्धति के अन्तर्गत सुविधाओं का विवरण निम्नलिखित है :—

राज्य का नाम	औषधालयों की संख्या	बीमा चिकित्सा अधिकारियों/बीमा चिकित्सा व्यावसायियों की संख्या	विशेषज्ञों की संख्या	बिस्तरों की संख्या
दिल्ली	2	2	..	..
गुजरात	51	52	2	20
कर्नाटक	2	2	..	..
केरल	4	4	..	..
बम्बई	..	167 (बीमा चिकित्सा व्यवसायों)	2	30
नागपुर	1	1	..	..
पूना	..	11	1	20
उत्तर प्रदेश	1	1	..	..

केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना की आयुर्वेदिक फार्मूलरी कर्मचारी राज्य बीमा संस्थाओं में प्रयोग के लिए स्वीकार कर ली गई है।

11.8 निम्नलिखित आकड़े बीमाकृत व्यक्तियों तथा उनके परिवारों को चिकित्सा देख-रेख सुलभ करने में हुई प्रगति के सबन्ध में ऊपर पैरा-ग्राफ 7 में दी गई सूचना के पूरक हैं।

सूचना का स्वरूप	1978-79 वास्तविक आकड़े	1979-80 परिशोधित प्राक्कलन	1980-81 बजट प्राक्कलन
1. (क) अस्पतालों की संख्या			
सामान्य	60	65	75
क्षय रोग	5	6	7
(ख) अनैक्सियों की संख्या :			
सामान्य	13	20	20
क्षय रोग	14	14	14
2. कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालो तथा अनैक्सियो मे चालू किए गए बिस्तरों की संख्या .			
(क) अस्पतालों में :			
सामान्य	10,852	11,752	13,284
क्षय रोग	1,502	1,652	1,902
(ख) अनैक्सियों में :			
सामान्य	226	370	370
क्षय रोग	282	282	282
3. सरकारी तथा अन्य मान्यता प्राप्त अस्पतालो में आरक्षित बिस्तरों की सख्या	4,747	4,985	5,220
11.9 प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी चिकित्सा देख-रेख पर व्यय	92 रु०	107 रु०	112 रु०

अनुबंध 6 में दिया गया विवरण 1970-71 से आगे चिकित्सा देख-रेख पर व्यय में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के शेयर का सूचक है।

11.10 कर्मचारी राज्य बीमा योजना के लाभाधिकारियों को मानक तथा प्रभावकारी औषधियो की नियमित पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निगम ने 500 से अधिक औषधियों के लिए ख्यातिप्राप्त औषध निर्माताओं के साथ वर ठेके किए हैं। औषधियां सारे देश में कर्मचारी राज्य बीमा योजना के राज्य प्राधिकारियों द्वारा निश्चित समान दरों पर खरीदी जाती है।

11.11 कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों/औषधियों में उपलब्ध न होने वाली दवाइयों की बीमाकृत व्यक्तियों द्वारा खरीद की लागत की प्रतिपूर्ति के लिए उनके दावों के मामलों में जल्दी निर्णय सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय किया गया है कि चिकित्सा खर्चों की प्रतिपूर्ति के लिए राज्य सरकारो की शक्तियां प्रत्येक मामले में 500 रु० से बढ़ाकर 1000 रु० कर दी जायें।

2. नकद हितलाभ तथा अन्य हितलाभ

12.1 नकद हितलाभों पर व्यय नीचे दिया गया है :—

1978-79 वास्तविक आकड़े	1979-80 परिशोधित प्राक्कलन	1980-81 बजट प्राक्कलन
(लाख रुपयो मे)		
52,83.32	63,51.85	63,52.47

12.2 विभिन्न वर्गों के नकद हितलाभों के लिए पात्रता कर्मचारियो द्वारा दिए गए अंशदानों की सख्या तथा उनकी मजदूरी की दर पर निर्भर है। मोटे तौर पर बीमारी के कारण नकद हितलाभ मजदूरी का 50% होता है। अपंगता तथा आश्रितजन हितलाभ की स्थिति में यह मजदूरी का 62.5% होता है तथा बीमाकृत महिला कामगारो को प्रसूति हितलाभ की स्थिति में मोटे तौर पर पूरी मजदूरी दी जाती है। अंत्येष्टि खर्च बीमाकृत व्यक्ति की मृत्यु की स्थिति में 100/- रु० की दर से दिए जाते है।

12.3 इन हितलाभो की अदायगी लगभग सभी औद्योगिक केन्द्रों में जहां योजना कार्यान्वित की गई है, स्थित अपने स्थानीय/मुगतान कार्यालयों की मार्फत निगम द्वारा सीधे बीमाकृत व्यक्तियों या उनके हिताधिकारियों को की जाती है। 31 मार्च, 1979 को इस तरह के कार्यालयो की सख्या 684 थी जबकि एक वर्ष पहले यह सख्या 677 थी। नकद हितलाभों पर व्यय का भार अनेक तथ्यो, यानी स्वास्थ्य की स्थिति, औद्योगिक शान्ति और कामगारो की हितलाभों आदि की अपनी हकदारी के बारे में जानकारी पर निर्भर करता है। अत. कोई वास्तविक लक्ष्य निश्चित करना संभव नही है। कुल मिलाकर 1978-1979 वर्ष के दौरान 79.47 लाख अदायगियां (इनमें स्थायी अपंगता हितलाभ दावों के रूपान्तरण के लिए अनुरोध के संबध में एक मुश्त अदायगी से संबंधित 11751 दावे शामिल है) की गई। ये पिछले वर्ष के मुकाबले 7.64 लाख अधिक थी। औसतन लगभग 6.62 लाख रु० प्रति मास अदायगियां की गई जबकि 1977-78 वर्ष में 5.99 लाख प्रति मास अदायगिया की गई थी। 1976-77 के 1:17 के मुकाबले प्रति कर्मचारी अदायगिया की संख्या बढ़कर 1977-78 में 1.33 तथा 1978-79 मे 1.43 हो गई है।

12.4 नकद हितलाभों के विभिन्न वर्गों के अन्तर्गत व्यय का ब्यौरा नीचे दी गई सारणी में दिया गया है :—

	1978-79 वास्तविक आकड़े		1979-80 परिशोधित प्राक्कलन		1980-81 बजट प्राक्कलन	
	कर्मचारियों की संख्या का भारित औसत	राशि (लाख रु० में)	कर्मचारियों की संख्या का भारित औसत	राशि (लाख रु० में)	कर्मचारियों की संख्या का भारित औसत	राशि (लाख रु० में)
	(लाख में)		(लाख में)		(लाख मे)	
बीमारी हितलाभ . . .	55.39	33,56.49	57.48	42,67.89	59.17	41,46.50
विस्तारित बीमारी हितलाभ . .	55.39	3,14.42	57.48	3,36.13	59.17	3,56.34
प्रसूति हितलाभ . .	55.39	1,73.90	57.48	1,90.37	59.17	1,96.22
अस्थाई अपंगता हितलाभ . .	56.79	6,45.53	58.83	7,00.40	60.75	7,41.75
स्थायी अपंगता हितलाभ . .	56.79	7,38.60	58.83	6,88.31	60.75	7,29.00
आश्रितजन हितलाभ . . .	56.79	1,44.68	58.83	1,58.84	60.75	1,70.10
अन्त्येष्टि हितलाभ . . .	56.79	9.78	58.83	9.91	60.75	10.56
कुल नकद हितलाभ . .		52,83.32		63,51.85		63,52.47

12.5 1979-80 के परिशोधित प्राक्कलन में विभिन्न नकद हितलाभों के लिए की गई 63,51 85 लाख रु० की व्यवस्था 1979-80 वित्तीय वर्ष के पहले आठ मास के वास्तविक आंकड़ों का प्रगति तथा शेष महीनों के लिए प्रत्याशित आवश्यकता पर आधारित है।

56,56 39 लाख रुपए की मूल व्यवस्था के मुकाबले 1979-80 के परिशोधित प्राक्कलन में अधिक व्यवस्था आंशिक रूप में हड़तालों के दौरान कुछ क्षेत्रों में अधिक दावों के कारण है। जुलाई-अगस्त, 1979 में कपड़ा उद्योग हड़ताल के दौरान कोयम्बटूर क्षेत्र में लगभग 3,96.20 लाख रुपए अतिरिक्त व्यय हुए।

प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी हितलाभ दिनों का औसत संख्या तथा प्रति कर्मचारी दैनिक हितलाभ की दर की राशि में वृद्धि का रुख भी रहा है जैसा कि नीचे दिया गया है :—

	बीमारी हितलाभ			अस्थायी अपंगता हितलाभ		
	1976-77	1977-78	1978-79	1976-77	1977-78	1978-79
प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी हितलाभ दिनों की औसत संख्या	5.0 दिन	6.0 दिन	6.8 दिन	0.91 दिन	0.97 दिन	1.13 दिन
प्रति कर्मचारी दैनिक औसत हितलाभ दर	7.77 रु०	8.31 रु०	8.92 रु०	9.02 रु०	9 39 रु०	10.10 रु०

विस्तारित बीमा हितलाभ के व्यय-भार में भी वृद्धि का रुख रहा है जैसा कि नीचे दिया गया है :—

	1976-77	1977-78	1978-79
निम्नलिखित रूप में अभिव्यक्त विस्तारित बीमारी हितलाभ दावों का व्यय-भार—जोखिम ग्रस्त प्रति 1000 कर्मचारी दावों की औसत संख्या	4.8 (संख्या)	4.3 संख्या	4.5 (संख्या)
समाप्त दावों की औसत अवधि	179.2 दिन	203.6 दिन	220.9 दिन

महानिदेशक विभिन्न केन्द्रों पर बीमारी हितलाभ दावों पर लगातार निगरानी रखे हुए हैं : मुख्यालय में प्रतिमास प्राप्त संगत आंकड़ों का समय-समय पर विश्लेषण किया जाता है और यदि किसी केन्द्र पर असामान्य अन्तर पाया जाता है तो क्षेत्रीय निदेशकों तथा प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारियों से पूछताछ की जाती है ताकि जहां कहीं आवश्यक और संभव हो वे उपयुक्त तथा तत्काल सुधार के उपाय कर सकें।

बीमारी हितलाभ दावों तथा अस्थाई अपंगता हितलाभ दावों के व्यय-भार तथा अवधि के संबंध में विभिन्न राज्यों में परस्पर काफी अन्तर देखा गया है। विभिन्न राज्यों में नकद हितलाभों में अन्तर के विश्लेषण से संबंधित मामले पर ध्यान दिया जा रहा है। नकद हितलाभों के अधिक व्यय-भार के मामलों में राज्य सरकारों द्वारा प्रमाणन पर आगे नियंत्रण किया जा रहा प्रतीत होता है। हड़ताल तथा तालाबन्दी आदि की स्थिति में नकद हितलाभों के दुरुपयोग पर नियंत्रण रखने के लिए क्षेत्रीय बोर्डों तथा स्थानीय समितियों को भी सक्रिय किया जाना आवश्यक है।

12.6 नकद संवितरण कार्यालयों की स्थापना प्रभार लागत का व्यय-भार नीचे दिया गया है :—

	1978-79 वास्तविक आंकड़े	1979-80 परिशोधित प्राक्कलन	1980-81 बजट प्राक्कलन
नकद संवितरण कार्यालयों के स्थापना प्रभार	3,97.13 लाख रु०	4,49.39 लाख रु०	4,81.74 लाख रु०
संवितरित नकद हितलाभों की कुल राशि के साथ स्थापना प्रभारों की प्रतिशतता	7.52%	7.07%(क)	7.50%

(क) प्रतिशतता में कमी जुलाई, अगस्त, 1979 में कपड़ा उद्योग हड़ताल के दौरान कोयम्बटूर क्षेत्र में अदायगियों के अधिक व्यय-भार के कारण है।

प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष व्यय

अन्य हितलाभ

13.1 अन्य हितलाभों पर व्यय निम्न प्रकार है :—

1978-79 (वास्तविक आंकड़े)	1979-80 (परिशोधित प्राक्कलन) (लाख रुपयों में)	1980-81 (बजट प्राक्कलन)
13.88	16.43	19.44

13.2 इस कार्यकलाप में चिकित्सा बोर्ड तथा अपीली चिकित्सा अधिकरण के सदस्यों को फीस की अदायगी, बीमाकृत कामगारों को चिकित्सा निर्देशी, चिकित्सा बोर्ड या अपीली चिकित्सा अधिकरण के समक्ष उपस्थित होने के लिए भेजे जाने की स्थिति में सवारी खर्चे तथा मजदूरी की हानि के लिए मुआवजे की अदायगी आती है। बीमाकृत कामगारों के प्रत्यक्ष हितलाभ के लिए निगम द्वारा किए गए अन्य विविध व्यय भी इस कार्यकलाप के अन्तर्गत आते हैं।

3. निदेशन, अधीक्षण तथा फील्ड कार्य

14.1 बजट व्यवस्था निगम मुख्यालय, इसके क्षेत्रीय कार्यालय और स्थानीय कार्यालयों में तैनात अधिकारियों तथा कर्मचारियों के वेतन आदि के सबंध में है। इसमें संगठन एवं पद्धति शाखा तथा अधिकारियों और कर्मचारियों की विचार गोष्ठियां आदि तथा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का प्रबन्ध करने के लिए स्थापित किए गए विभिन्न केन्द्रों का व्यय भी शामिल है।

14.2 कार्मिक सारांश निम्न प्रकार है :—

	31-3-1979 को वास्तविक संख्या	31-3-1980 को अनुमानित संख्या	31-3-1981 को अनुमानित संख्या
अधिकारी	21,494	22,567	23,643
अन्य कार्मिक	27,749	29,326	30,598

4. अस्पताल तथा औषधालय भवनों का मूल्यह्रास, मरम्मत तथा अनुरक्षण

15. (निगम के अस्पताल तथा औषधालय भवनों के मूल्य ह्रास सहित) मरम्मत तथा अनुरक्षण पर व्यय नीचे दिखाया गया है।

	1978-79 (वास्तविक आंकड़े)	1979-80 (परिशोधित प्राक्कलन) (लाख रुपयों में)	1980 81 (बजट प्राक्कलन)
अस्पताल/औषधालय/अनेक्सियां	1,42.14	1,86.77	2,02.35

ये आंकड़े इस उद्देश्य के लिए निर्धारित प्रतिशतता के अनुसार संबंधित आरक्षित निधियों में अन्तरित/अंतरण योग्य राशियों के सूचक हैं । व्यय वास्तव में आरक्षित निधियों में से किया गया है ।

5. पूंजीगत निर्माण कार्य

16.1 पूंजीगत निर्माण कार्यों के लिए नीचे दी गई धन-व्यवस्था आवश्यक होगी :

	1978-79 (वास्तविक आंकड़े)	1979-80 (परिशोधित प्राक्कलन)	1980-81 (बजट प्राक्कलन)
		(लाख रुपयों में)	
कार्यालय भवन	77.93	85.00	1,25.00
अस्पताल/ औषधालय	7,28.11	6,65.00	8,00.00
जोड़	8,06.04	7,50 00	9,25.00

अनुबन्ध 5 में विवरण उन निर्माण परियोजनाओं का सूचक है जिनके लिए 1979-80 के बजट प्राक्कलनों में की गई धन-व्ययस्था का इस्तेमाल नहीं किया गया ।

16.2 कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत चिकित्सा योजना को चलाना राज्य-सरकारों की सांविधिक जिम्मेदारी है । अतः कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों/औषधालयों के लिए आवश्यक भवनों की व्यवस्था करना उनका कार्य है । शुरुआत में, निगम के पास व्यय से अधिक आय का काफी अतिशेष था जबकि राज्य सरकारों के पास आवश्यक भवनों के निर्माण के लिए पर्याप्त साधन नहीं थे । इसके फल-स्वरूप योजना की अधिक प्रगति नहीं हो रही थी अतः निगम ने अपने कार्यालयों तथा कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों/औषधालयों के लिए भवन निर्माण में व्यय से अधिक अपना आय के उपलब्ध अधिशेषों का निवेश करने का निर्णय किया ।

16.3 निगम ने 2 फरवरी तथा 3 दिसम्बर, 1974 को हुई अपनी बैठकों में विभिन्न राज्यों में कर्मचारी राज्य बीमा परियोजनाओं के पूंजीगत निर्माण कार्यक्रम का पुनरीक्षण किया तथा निम्नलिखित रूप में अनुमोदन किया :—

(1) "अंशदानों" से प्राप्त कुल राजस्व का 10% पूंजीगत निर्माण आरक्षित निधि में जमा किया जाए तथा अस्पतालों/औषधालयों/ अन्य चिकित्सा संस्थानों और कार्यालय भवनों/स्टाफ क्वार्टरों के निर्माण पर होने वाला व्यय 8 : 2 के अनुपात में किया जाये ।

(2) अतिरिक्त अस्पतालों/अनैक्सियों के लिए प्लान तथा प्राक्कलन मंजूर किए जाएं ताकि नई परियोजनाएं मंजूर करते समय यथा-अनुमोदित प्रति 1000 कर्मचारी 5 बिस्तर तक व्यवस्था की जा सके । आमतौर पर पहले निश्चित की गई प्रति 1000 कर्मचारी 4 बिस्तर की सीमा से अधिक व्यवस्था नहीं की जाएगी और केवल आपवादिक मामलों में यह सुनिश्चित करने के बाद अतिरिक्त बिस्तर मंजूर किए जाएंगे कि उस क्षेत्र में मौजूदा कर्मचारी राज्य बीमा अस्पतालों में बिस्तरों के अधि-भोग पर आधारित अस्पताल सुविधाओं की आवश्यकता होने वाली बीमारियों के भार के आधार पर अतिरिक्त बिस्तरों की अत्यधिक आवश्यकता है । अस्पताल बिस्तरों पर व्यय 170 रु० प्रति "योजना में आए" व्यक्ति सीमा की शर्त के अधीन है (19-6-1978 को हुई क० रा० बी० निगम की स्थायी समिति की बैठक में यह सीमा बढ़ाकर 200/- रु० प्रति व्यक्ति कर दी गई) ।

(3) भूमि प्राप्त करने के उद्देश्य से स्वीकार्य बिस्तरों की संख्या का हिसाब लगाने के लिए प्रस्ताव की मंजूरी की तारीख को अगले 2 वर्षों में योजना के अन्तर्गत आने के लिए संभावित अतिरिक्त कर्मचारियों की भी गणना की जाए । लेकिन कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम की धारा 1 (5) के अन्तर्गत राज्य-सरकार द्वारा अधिसूचना जारी किए जाने के बाद ही अतिरिक्त बिस्तरों के निर्माण के लिए प्लान तथा प्राक्कलन मंजूर किए जाएं ।

(4) औषधालय, विशेषज्ञ केन्द्र, प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा भण्डार आदि के लिए कार्यालय जैसे अन्य भवनों के निर्माण के लिए प्लान तथा प्राक्कलन प्रति व्यक्ति आधार की किसी सीमा के बिना प्रत्येक मामले के गुण-दोष के आधार पर मंजूर किए जा सकते हैं क्योंकि ऐसे निर्माण कार्यों पर बहुत कम व्यय होता है ।

16.4 मंजूर की गई निधियों, निर्माण एजेंसियों के लिए निर्धारित निधियों और आवश्यक होने वाली अनुमानित राशि के संबंध में सूचना सहित अस्पताल बिस्तरों, औषधालयों तथा कार्यालयों भवनों के लिए पूंजी-गत निर्माण कार्यक्रम की स्थिति नीचे दी गई है ।

(क)	अस्पताल बिस्तर	अनुमानित आंकड़े
	मानदण्ड के अनुसार स्वीकार्य बिस्तरों की संख्या	23,264
	पहले निर्मित बिस्तरों की संख्या	14,702
	निर्माणाधीन बिस्तरों की संख्या (जनवरी 1980 को)	3,858
	पहले स्वीकृत बिस्तरों की संख्या	3,550
	अभी अपेक्षित बिस्तरों की संख्या	1,154
(ख)	औषधालय	
	इस समय निर्माण योग्य औषधालयों की संख्या	750
	पैनल प्रणाली बदले जाने की स्थिति में पैनल क्षेत्रों में आवश्यक होने वाले औष-धालयों की संख्या	499
	औषधालयों की कुल संख्या	1,249
	निर्मित औषधालयों की संख्या	198
	निमाणाधीन औषधालयों की संख्या	51
	अभी निर्माण किए जाने वाले औषधालयों की संख्या	1,000
(ग)	उपर्युक्त "क" तथा "ख" के मामले में वित्तीय परिव्यय	
	दिसम्बर, 1979 तक मंजूर की गई राशि	85,37 लाख
	दिसम्बर, 1979 तक मुक्त की गई राशि	71,04 लाख
	शेष देयता	14,33 लाख
	निर्माण की जाने वाली परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त देयता	
(1)	अस्पताल बिस्तर 4704 बिस्तर × 100,000 रुपये प्रति बिस्तर की लागत	47,04 लाख
(2)	1000 औषधालय × 10,00,000 रुपये प्रत्येक औषधालय की लागत	1,00,00 लाख
	कार्यालय भवनों तथा स्टाफ क्वार्टरों के लिए परिव्यय	25,00 लाख
	कुल देयता	1,86,37 लाख

पहले जब महाराष्ट्र सरकार क० रा० बी० अस्पतालों का अपनी सम्पत्ति के रूप में निर्माण कर रही थी तो 3,62.14 लाख रुपये की राशि उक्त सरकार को कर्जे के रूप में पेशगी दी गई थी । इसके अलावा 1,00,00 लाख रुपये की राशि महात्मा गांधी अस्पताल, बंबई को सहायता अनुदान के रूप में दी गई थी ।

निर्माण कार्यों का कार्यक्रम (चल रहे निर्माण कार्यों सहित) अनुबंध III तथा IV में दिया गया है। लगभग 1926 बिस्तर वाले 23 अस्पताल तथा 1 अनैक्सी और 19 औषधालय भवनों का निर्माण 1980-81 में शुरू किए जाने की संभावना है जबकि कुछ अधिक अस्पताल/अनैक्सियां/औषधालय मंजूर किये जा सकते हैं।

16.5 31 दिसम्बर, 1979 तक स्टाफ क्वार्टरों सहित औषधालय तथा अस्पतालों के लिए भूमि के अर्जन तथा भवन के निर्माण पर 71,04 लाख रुपये (जिसमें अस्पताल आदि के निर्माण के लिए महाराष्ट्र राज्य को मंजूर किए गए 3,62.14 लाख रुपये के कर्जे शामिल हैं) पूंजीगत व्यय हुआ।

तुलन-पत्र

17.1 31 मार्च, 1979 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र का सारांश नीचे दिया गया है :—

देयताएं	(लाख रुपयों में)	परिसम्पत्तियां	(लाख रुपयों में)
व्यय से अधिक आय	1,56,96.49	स्थिर परिसम्पत्तियां :	
आरक्षित निधियां	1,65,34.91	भूमि तथा भवन	46,24.66
चालू देयताएं	12.62	चालू परिसम्पत्तियां :	
(प्रतिभूतियों की जमा राशि, भविष्य निधि में अदाकी जमा, विविध जमा आदि)		(कर्मचारियों को पेशगियां तथा भवनों की मरम्मत व अनुरक्षण के लिए पेशगियां आदि)	7,15.96
		मार्गस्थ रोकड़	(—) 23.06
		आरक्षित निधियों का निवेश	1,23,79.94
		रोकड़ शेष तथा सामान्य रोकड़ शेष का निवेश	1,25,49.22
जोड़	3,22,44.02	जोड़	3,22,44.02

17.2 कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 की धारा 37 के अनुसार निगम को 5 वर्ष के अन्तराल पर केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से नियुक्त मूल्यांकक द्वारा अपनी परिसम्पत्तियों और देयताओं का मूल्यांकन कराना होगा। 31 मार्च, 1979 को समाप्त पंचवार्षिक अवधि का मूल्यांकन इस उद्देश्य के लिए नियुक्त मूल्यांकक द्वारा शुरू किया गया है।

अन्य रोचक मामले

18.1 1979-80 वर्ष के दौरान (i) ग्रेड-1 क्षेत्रीय कार्यालयों के विभिन्न कर्मचारियों (ii) लिपिक वर्गीय, पैरा मैडिकल तथा ग्रुप "ख" के कर्मचारियों की पूर्ति के लिए दिल्ली में 5 से अधिक डाक्टर वाले कर्मचारी राज्य बीमा औषधालयों, (iii) निदेशालय में निम्न श्रेणी लिपिकों, उच्च श्रेणी लिपिकों, प्रधान लिपिकों तथा अधिकारियों की संख्या निश्चित करने के लिए निदेशालय (चिकित्सा) दिल्ली तथा (iv) निगम मुख्यालय में विभिन्न प्रभागों के लिए मानक तथा मापदण्ड के माप अध्ययन को अन्तिम रूप दिया गया/किया गया। 1980-81 के लिए 9 अन्य परियोजनाओं के अध्ययन का कार्यक्रम बनाया गया है। इनमें दीर्घकालीन हितलाभों से संबंधित आंकड़ों तथा अन्य सांख्यिकीय आंकड़ों का संकलन तथा रखरखाव के लिए तंत्र का अध्ययन और क्षेत्रीय कार्यालयों में राजस्व वसूली शाखाओं की पद्धति अध्ययन शामिल है।

18.2 दिल्ली, राजस्थान, कर्नाटक तथा आन्ध्र प्रदेश क्षेत्रों में अंशदानों की नकद वसूली की प्रणाली का मूल्यांकन अध्ययन किया गया था। यह पाया गया कि अंशदान टिकटों के स्थान पर अंशदानों की नकद वसूली सन्तोषजनक रूप में काम कर रही है। इस प्रणाली का नीचे दी गई अनन्तिम तारीखों के अनुसार शेष राज्यों में विस्तार करने का निर्णय किया गया है।

पंजाब, हरियाणा, तमिलनाडु, उप क्षेत्रीय कार्यालय,

नागपुर तथा पूना	मार्च,	1980
महाराष्ट्र (बम्बई क्षेत्र)	मई,	1980
पश्चिमी बंगाल, असम तथा मध्य प्रदेश	जुलाई,	1980
उत्तर प्रदेश	सितम्बर,	1980

18.3 फार्म पुनरीक्षण तथा नियंत्रण एकक ने निगम में प्रयोग में आ रहे 172 फार्मों का पुनरीक्षण किया।

18.4 (क) बैंक की शाखाओं में निगम के राजस्व के गलत क्रेडिट की घटनाएं कम करने (ख) गलतियों के शीघ्र समाधान की सुविधा (ग) निगम के लेखे में जमा की गई राशियों के शीघ्र प्रेषण के लिए कदम उठाए गए हैं।

भारतीय स्टेट बैंक भी प्रति तार प्रेषण 7 रुपये प्रभार को कम करके 3 रुपये करने के लिए सहमत हो गया है।

18.5 वेतन समिति (1978) की सिफारिशों पर, निगम ने क० रा० बी० योजना की कार्यचालन दक्षता को सुधारने के उद्देश्य से ग्रुप "क" तथा ग्रुप "ख" के अधिकारियों की संवर्ग संख्या को पुनः संरचना करने का प्रस्ताव किया है। इस पर केन्द्रीय सरकार के निर्णय की प्रतीक्षा है।

18.6 निगम में आन्तरिक लेखा परीक्षा प्रणाली का पुनर्गठन तथा इसे अधिक उद्देश्यपूर्ण तथा इसकी आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने का प्रश्न विचाराधीन रहा है। जिस दिशा में आन्तरिक लेखा-परीक्षा प्रणाली को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है, उनका निगम की बजट तथा लेखा उपसमिति/स्थायी समिति द्वारा अनुमोदन कर दिया गया है। अपेक्षित कर्मचारियों की आवश्यकता के संबंध में कार्रवाई की जा रही है।

18.7 30-9-1979 की स्थिति के अनुसार आन्तरिक लेखा परीक्षा आपत्तियों से संबंधित 68,728 पैराग्राफ एक वर्ष से अधिक से निपटान के लिए बकाया थे। इनका वर्षवार ब्यौरा नीचे दिया है :—

1975	1976	1977	1978	जोड़
44,100	6,906	6,676	8,046 (30-9-78 तक)	68,728

बकाया आपत्तियों के निपटान के लिये प्रयास किए जा रहे हैं।

18.8 कुछ क्षेत्रों में (i) फैक्टरियों/स्थापनाओं के सर्वेक्षण/निरीक्षण (ii) व्याप्ति या अन्तिम व्याप्ति के बारे में निर्णय (iii) अंशदानों की देर से अदायगी के लिये दाण्डिक हर्जाने लगाने से सम्बन्धित कार्य बकाया है। इन बकायों के निपटान के लिये प्रयास किये जा रहे हैं।

18.9 कर्मचारी राज्य बीमा योजना के कार्यचालन के लिये "व्याप्ति में आये" कर्मचारियों का वार्षिक निर्धारण प्रमुख है। निर्धारण की प्रक्रिया में सुधार के लिये कार्रवाई की गई/की जा रही है।

18.10 अप्रैल से दिसम्बर, 1979 के दौरान केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान तथा इसके चार जोनल प्रशिक्षण केन्द्रों पर विभिन्न स्तर के 1030 व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया गया तथा जनवरी से मार्च, 1980 के दौरान अन्य 200 व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिए जाने का अनुमान है। आशा है कि 1980-81 वर्ष में प्रशिक्षण की अधिक गतिविधि होगी।

18.11 अस्पतालों तथा औषधालय भवनों के निर्माण के लिये एक सघन कार्यक्रम चलाने के लिये राज्य सरकारों से अनुरोध किया गया है।

अनुबंध I

31-3-1979 को कर्मचारी राज्य बीमा योजना की व्याप्ति दर्शाते हुए; (1) योजनान्तर्गत आये कर्मचारी (2) बीमाकृत व्यक्ति (3) परिवार (बी० व्य०) एककों की संख्या का राज्य-वार स्थिति विवरण ।

क्र०सं०	राज्य (केन्द्रों की संख्या सहित)	1. योजनान्तर्गत आये कर्मचारी 2. बीमाकृत व्यक्तियों 3. परिवार (बी व्य०) एककों की संख्या		बीमाकृत महिलाओं की संख्या	लाभाधिकारियों की कुल संख्या	योजनान्तर्गत आने वाले कर्मचारियों की संख्या [केवल धारा 2(12)]
1.	आन्ध्र प्रदेश (43)	(1)	2,35,000	20,100	10,12,700	16,000
		(2)	2,61,000			
		(3)	2,61,000			
2	असम (13)	(1)	29,000	1,750	1,28,000	10,500
		(2)	33,000			
		(3)	33,000			
3.	बिहार (25)	(1)	1,25,000	13,700	5,58,700	2,05,000
		(2)	1,44,000			
		(3)	1,44,000			
4.	चण्डीगढ़ (1)	(1)	14,000	1,400	67,900	—
		(2)	17,500			
		(3)	17,500			
5.	दिल्ली (1)	(1)	2,45,000	20,350	11,79,500	—
		(2)	3,04,000			
		(3)	3,04,000			
6.	गुजरात (14)	(1)	5,35,000	32,650	23,47,400	1,30,000
		(2)	6,05,000			
		(3)	6,05,000			
7.	हरियाणा (19)	(1)	1,76,000	16,650	8,38,100	10,000
		(2)	2,16,000			
		(3)	2,16,000			
8.	हिमाचल प्रदेश (1)	(1)	900	50	3,900	3,000
		(2)	1,000			
		(3)	1,000			
9.	जम्मू व काश्मीर	(1)	—	—	—	11,600
		(2)	—			
		(3)	—			
10.	कर्नाटक (16)	(1)	2,86,000	29,500	11,79,500	27,400
		(2)	3,04,000			
		(3)	3,04,000			
11.	केरल व गोवे (33)	(1)	3,07,000	1,15,700	12,61,000	3,000
		(2)	3,25,000			
		(3)	3,25,000			
12.	मध्य प्रदेश (21)	(1)	1,70,000	13,750	7,41,100	71,000
		(2)	1,91,000			
		(3)	1,91,000			
13.	महाराष्ट्र 1/बम्बई क्षेत्र (8)	(1)	11,65,000	84,450	48,18,950	12,000
		(2)	12,42,000			
		(3)	12,42,000			
	2/नागपुर क्षेत्र (10)	(1)	70,000	3,150	3,14,300	22,000
		(2)	81,000			
		(3)	81,000			
	3/पूना क्षेत्र (16)	(1)	2,35,000	17,100	10,20,450	33,500
		(2)	2,63,000			
		(3)	2,63,000			
14.	उड़ीसा (15)	(1)	92,000	6,950	3,80,250	72,000
		(2)	98,000			
		(3)	98,000			

क्र०सं०	राज्य (केन्द्रों की संख्या सहित)	1. योजनान्तर्गत आये कर्मचारी 2. बीमाकृत व्यक्तियों 3. परिवार (बी०ब्यू०) एककों की संख्या	बीमाकृत महिलाओं की संख्या	लाभाधिकारियों कुल संख्या	योजनान्तर्गत आने वाले कर्मचारियों की संख्या (केवल धारा 2(12)
1	2	3	4	5	6
15.	पाण्डिचेरी (1)	(1) 15,000	1,300	62,100	—
		(2) 16,000			
		(3) 16,000			
16.	पंजाब (26)	(1) 1,56,000	8,950	7,56,600	10,800
		(2) 1,95,000			
		(3) 1,95,000			
17.	राजस्थान (18)	(1) 1,15,000	12,200	5,50,950	10,5000
		(2) 1,42,000			
		(3) 1,42,000			
18.	तमिलनाडु (42)	(1) 4,45,000	47,050	19,20,600	32,000
		(2) 4,95,000			
		(3) 4,95,000			
19.	उत्तर प्रदेश (45)	(1) 4,35,000	6,250	18,42,400	44,400
		(2) 4,80,000			
		(3) 4,80,000			
20.	पश्चिमी बंगाल (7)	(1) 9,65,000	37,650	48,62,900	1,55,000
		(2) 11,76,000			
		(3) 11,76,000			
	समस्त भारत (375)	(1) 58,15,900	4 90,650	2,55,67,300	8,79,700
		(2) 65,89,500			
		(3) 65,89,500			

अनुबंध 2

कर्मचारी राज्य बीमा योजना के विभिन्न लेखा शीर्षों के अंतर्गत प्रतिव्यक्ति व्यय

	वास्तविक 1978-79 रुपये	परिशोधित 1979-80 रुपये	बजट 1980-81 रुपये
1	2	3	4
1. नकद हितलाभ			
बीमारी हितलाभ (विस्तारित बीमारी हितलाभ सहित)	66.27	73.21(अ)	76.10
अस्थाई अपंगता हितलाभ	11.37	11.91	12.21
स्थाई अपंगता हितलाभ	11.24	11.70	12.00
आश्रितजन हितलाभ	2.55	2.70	2.80
प्रसूति हितलाभ	3.14	3.31	3.35
अन्त्येष्टि हितलाभ	0.17	0.17	0.17
अन्य हितलाभ	0.24	0.28	0.32
कुल—नकद हितलाभ	94.98	103.28(अ)	106.95
2. चिकित्सा देखरेख पर व्यय (निगम का शेयर)	92.48	107.30	112.38
3. प्रशासनिक खर्चे	17.51	19.37	19.96
4. अस्पताल, औषधालय (मुरम्मत, अनुरक्षण व मूल्यह्रास)	2.50	3.10	3.33
5. कुल प्रति व्यक्ति खर्चे	207.47	233.12(अ)	242.62

(अ) तमिलनाडु के कोइम्बटूर क्षेत्र में कपड़ा मिलों की हड़ताल के दौरान बीमारी हितलाभ के भुगतान के कारण असाधारण घटनाएं शामिल नहीं हैं।

नोट :—इस विवरण में जोखिमग्रस्त कर्मचारियों की वास्तविक संख्या के आधार पर घटनाओं की संख्या निकाली गई है (और भारित औसत के आधार पर नहीं)।

अनुबंध, 3

निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति का सूचक विवरण

क्र० सं०	निर्माणाधीन कार्य का नाम/स्थान	स्वीकृत धनराशि (लाखों में)	1979-80 के प्रारंभ में प्रत्याशित लक्ष्य	1979-80 के दौरान प्राप्य संभावित उपलब्धियां	1980-81 के लिए लक्ष्य
अस्पताल					
1.	50 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, गोहाटी (असम)	56.05	100%	80%	100%
2.	50 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, फुलवारी शरीफ (बिहार)	25.73	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
3.	50 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, आदित्यपुर (बिहार)	49.33	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
4.	200 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, बड़ौदा (गुजरात)	104.76	100%	99.5%	100%
5.	150 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, सूरत (गुजरात)	90.75	80%	76%	100%
6.	50 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल-1, कलोल (गुजरात)	36.87	80%	61%	100%
7.	50 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, राजकोट (गुजरात)	38.16	80%	55%	100%
8.	100 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, मैसूर (कर्नाटक)	55.00	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
9.	300 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, इन्द्रानगर, बंगलौर (कर्नाटक)	175.00	60%	20%	70%
10.	650 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, कान्दीवली, बम्बई (महाराष्ट्र)	314.25	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
11.	632 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, थाना (महाराष्ट्र)	480.00	100%	100% (300 बिस्तर हेतु 30% 332 बिस्तर हेतु 100%)	— 100%
12.	50 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, वैलूर (तमिलनाडु)	14.13	60%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
13.	100 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, नैनी (उत्तर प्रदेश)	111.97	100%	65%	100%
14.	100 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)	114.55	100%	80%	100%

वित्तीय लक्ष्य

(लाख रुपयों में)

क्रम सं०	1978-79 तक किये गए खर्च	1979-80 के लिए वास्तविक वित्तीय लक्ष्य	1979-80 के लिए परिशोधित वित्तीय लक्ष्य	1980-81 के लिए वित्तीय लक्ष्य	कार्य शुरू होने की तिथि	पूर्ण होने का प्रत्याशित वर्ष
1	2	3	4	5	6	7
1.	30.00	21.05	20.00	6.00	अगस्त, 77	1980-81
2.	10.00	8.16	16.00	कुछ नहीं	2-10-77	1979-80
3.	30.70	27.81	18.63	कुछ नहीं	1-10-78	1979-80
4.	82.82	23.00	21.94	कुछ नहीं	20-12-76	1979-80 1980-81
5.	47.85	40.00	23.00	19.90	25-8-77	1980-81
6.	13.00	26.87	16.87	7.00	15-3-78	1980-81
7.	19.00	20.16	12.50	6.66	11-3-78	1980-81
8.	40.00	10.00	15.00	कुछ नहीं	16-8-76	1979-80
9.	60.00	60.00	20.00	75.00	1-5-78	1981-82
10.	265.00	24.25	49.00	कुछ नहीं	15-1-75	1979-80
11.	175.00	100.00	110.00	195.00	7-1-77	1980-81
12.	10.00	4.13	4.00	कुछ नहीं	28-9-77	1979-80
13.	64.70	32.15	17.00	30.27	5-11-76	1980-81
14.	51.10	68.44	45.00	18.45	जून, 78	1980-81

क्रम सं०	निर्माणाधीन कार्य का नाम/स्थान	स्वीकृत धनराशि (लाखों में)	1979-80 के प्रारंभ में प्रत्याशित लक्ष्य	1979-80 के दौरान प्राप्य संभावित उपलब्धियां	1980-81 के लिए लक्ष्य
1	2	3	4	5	6
15.	100 बिस्तर अस्पताल, आगरा (उत्तर प्रदेश)	117.93	100%	80%	100%
16.	100 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, लखनऊ (उ० प्रदेश)	104.00	100%	80%	100%
17.	150 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, आसनसोल (प० बंगाल)	67.58	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
18.	250 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल (बंदेल) (प० बंगाल)	179.55	100%	70%	100%
	अनैक्सीयां				
1.	20 बिस्तर क०रा०बी० अनैक्सी, तिनसुखिया (असम)	22.85	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
2.	20 बिस्तर क०रा०बी० अनैक्सी, गुलबर्गा (कर्नाटक)	2.48	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
3.	32 बिस्तर अनैक्सी, रोबर्ट सोनपट (कर्नाटक)	2.66	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
	औषधालय				
1.	5 डाक्टर औषधालय, मालेपल्ली (हैदराबाद-आंध्र प्रदेश)	11.54	100%	55%	100%
2.	3 डाक्टर क०रा०बी० औषधालय, विजयानगरम (आंध्र प्रदेश)	9.25	100%	100%	1979-80 मे पूर्ण होने की प्रत्याशा
3.	2 डाक्टर क०रा०बी० औषधालय (पेडाकाकानी-आंध्रप्रदेश)	4.29	100%	60%	100%
4.	4 डाक्टर क०रा०बी० औषधालय (तिनसुखिया अनैक्सी सहित) (असम)	—	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
5.	2 डाक्टर क०रा०बी० औषधालय मुंगिर (बिहार)	5.30	100%	100%	—
6.	6 डाक्टर क०रा०बी० औषधालय कटिहार (बिहार)	4.96	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
7.	5 डाक्टर क०रा०बी० औषधालय, लालदरवाजा (सूरत-गुजरात)	14.16	100%	65%	100%
8.	2 डाक्टर क०रा०बी० औषधालय, प्लाट 12 व 13 सैक्टर 27 बीफरी, फरीदाबाद (हरियाणा)	14.84	100%	65%	100%

वित्तीय-लक्ष्य (लाख रुपयों में)

क्रम सं०	1978-79 तक किए गए खर्च	1979-80 के लिए वास्तविक वित्तीय लक्ष्य	1979-80 के लिए परिशोधित लक्ष्य	1980-81 के लिए वित्तीय लक्ष्य	कार्य शुरू होने की तिथि	पूर्ण होने का प्रत्याशित वर्ष
1	2	3	4	5	6	7
15.	50.00	46.35	45.00	32.93	सित, 76	1980-81
16.	35.60	49.00	50.00	18.40	28-1-78	1980-81
17.	60.84	4.00	6.74	कुछ नहीं	नव, 75	1979-80
18.	105.00	69.55	30.00	44.55	अगस्त, 76	1980-81
1.	18.00	4.85	4.85	कुछ नहीं	25-8-77	1979-80
2.	2.48	कुछ नही	कुछ नहीं	कुछ नहीं	15-5-75	1979-80
3.	2.00	0.66	0.66	कुछ नहीं	मार्च, 76	1979-80
1.	3.00	4.54	3.00	5.50	अप्राप्त	1980-81
2.	3.00	3.05	6.25	--	18-1-78	1979-80
3.	1.00	2.29	2.00	1.29	अप्राप्त	1980-81
4.	--	—	--	—	25 8-77	1979-80
5.	2.87 (निर्माण एजेंसी के विरुद्ध ठेकेदार के न्यायालय में जाने से कार्य रुका पड़ा है)	2.42	2.43	—	जनवरी, 70	1979-80
6.	3.00	--	1.96	--	अप्राप्त	1979-80
7.	6.22	--	3 00	4.94	25-10-74	1980-81
8.	4.73	8.11	6.00	4.11	अप्राप्त	1980-81

क्र०सं०	निर्माणाधीन कार्य का नाम/स्थान	स्वीकृत धनराशि (लाखों में)	1979-80 के प्रारम्भ मे प्रत्याशित लक्ष्य	1979-80 के दौरान प्राप्य संभावित उपलब्धियां	1980-81 के लिए लक्ष्य
1	2	3	4	5	6
9.	5 डाक्टर क०रा०बी० औषधालय वेलापुरम (केरल)	4.86	100%	45%	100%
10.	5 डाक्टर ई०एम०आई० औषधालय, अलाप्पानगर (केरल)	8.55	100%	50%	100%
11.	3 डाक्टर क०रा०बी० औषधालय	14.96	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
12.	2 डाक्टर क०रा०बी० औषधालय, राउरकेला (उड़ीसा)	10.83	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
13	2 डाक्टर क०रा०बी० औषधालय, राजपुरा (पंजाब)	6 71	100%	60%	100%
14.	3 डाक्टर क०रा०बी० औषधालय, खरार (पंजाब)	5.63	100%	60%	100%
15	5 डाक्टर क०रा०बी० औषधालय, कोटा (राजस्थान)	9 41	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
16.	5 डाक्टर क०रा०बी० औषधालय ताम्बरम (तमिलनाडु)	10.05	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
17.	5 डाक्टर क०रा०बी० औषधालय, कुम्भाकोणाम (तमिलनाडु)	17.47	35%	50%	100%
18	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक व क्षे०सं०चि०अ० के कार्यालय, मदुराई (तमिलनाडु)	7.56	100%	80%	100%
19.	5 डाक्टर क०रा०बी० औषधालय, जुही कानपुर (उत्तर प्रदेश)	7.61	100%	60%	100%
20.	क०रा०बी० औषधालय, चकई (केरल)	4.38	50%	50%	100%
21.	क०रा०बी० औषधालय, पैरम्बूर (केरल)	3.45	60%	60%	100%
22.	2 डाक्टर क०रा०बी० औषधालय कोट्टोनपेट (कर्नाटक)	9.50	60%	60%	100%
23.	क०रा०बी० औषधालय, इन्द्रानगर 11 स्टेज, (कर्नाटक)	9.27	50%	50%	100%
24.	क०रा०बी० औषधालय, जयनगर 4 ब्लाक, (कर्नाटक)	6.25	70%	70%	100%
25.	क०रा०बी० औषधालय विवेकनगर, कर्नाटक	9.27	50%	50%	100%
26.	क०रा०बी० औषधालय, जयराजन कालोनी, कर्नाटक	9.27	50%	50%	100%

वित्तीय लक्ष्य

क्रम० सं०	1978-79 तक किए गए खर्च	1979-80 के किए वास्तविक वित्तीय लक्ष्य	1979-80 के लिए परिशोधित लक्ष्य	1980-81 के लिए वित्तीय लक्ष्य	कार्य शुरू होने की तिथि	पूर्ण होने का प्रत्याशित वर्ष
1	2	3	4	5	6	7
	(लाख रुपयों में)					
9.	1.03	1.75	1.08	2.75	अप्राप्त	1980-81
10.	2.00	4.53	2.00	4.35	अप्राप्त	1980-81
11.	12.00	—	2.96	कुछ नहीं	15-3-75	1979-80
12.	9.60	4.26	1.23	कुछ नहीं	21-1-77	1979-80
13.	2.00	2.71	2.00	2.71	अप्राप्त	1980-81
14.	2.00	—	1.00	2.63	अप्राप्त	1980-81
15.	8.00	2.41	1.41	—	10-3-78	1979-80
16.	4.00	3.05	6.05	—	14-4-76	1979-80
17.	5.40	—	3.00	9.07	अप्राप्त	1980-81
18.	2.00	3 56	4.00	1.56	अप्राप्त	1980-81
19.	3.02	3.01	2.00	2.59	अप्राप्त	1980-81
20.	1.80	—	1.00	1.58	अप्राप्त	1980-81
21.	1.18	—	1.00	1.27	28-9-77	1980-81
22.	3.00	—	3.00	3.50	अप्राप्त	1980-81
23.	3.00	—	2.00	4.27	अप्राप्त	1980-81
24.	3.00	—	2.00	1.25	अप्राप्त	1980-81
25.	3.00	—	2.00	4.27	1-6-79	1980-81
26.	3 00	—	2.00	4.27	अप्राप्त	1980-81

1	2	3	4	5	6
27.	क०रा०बी० औषधालय, मैसूर रोड़, कर्नाटक	9.42	50%	50%	100%
28.	क०रा०बी० औषधालय, विलियम टाउन (कर्नाटक)	9.40	75%	75%	100%
29.	क०रा०बी औषधालय, मॉडुगोडी (कर्नाटक)	9.35	55%	55%	100%
30.	क०रा०बी० औषधालय, श्रीरामपुरम (कर्नाटक)	9.50	55%	55%	100%
31.	क०रा०बी० औषधालय, यशवन्थापुरम (कर्नाटक)	10 40	95%	95%	100%
32.	2डा० क०रा०बी० औषधालय, अंजनीय स्वामी मन्दिर, (कर्नाटक)	9.65	60%	60%	100%
33.	क०रा०बी० औषधालय, 9 ब्लॉक, जयनगर (कर्नाटक)	9 35	60%	60%	100%
34	2डा०क०रा० औषधालय हाइम्स रोड़ (कर्नाटक)	9.39	50%	50%	100%
35.	ई०एस०आई० औषधालय, फ्रेजर टाउन (कर्नाटक)	9.95	50%	50%	100%
36.	क०रा०बी० औषधालय, एन०एच० 5 फरीदाबाद	12 90	80%	80%	100%
37.	क०रा०बी० औषधालय, अम्बाबाड़ी, जयपुर (राजस्थान)	7.28	55%	55%	100%
38.	क०रा०बी० औषधालय, सतपुर, नासिक, (महाराष्ट्र)	5.09	60%	60%	100%
विविध/नये कार्य					
जोड़—अस्पताल/औषधालय भवन					
कार्यालय भवन व स्टाफ क्वाटर:					
1.	क्षेत्रीय कार्यालय-व-स्थानीय कार्यालय एवं स्टाफ क्वार्टर्स गोहाटी (असम)	20.04	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
2.	क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा	17.96	30%	30%	100%

वित्तीय लक्ष्य

क्र० सं०	1978-79 तक किए गए खर्च	1979-80 के लिए वास्तविक वित्तीय लक्ष्य	1979-80 के लिए परिशोधित लक्ष्य	1980-81 के लिए वित्तीय लक्ष्य	कार्य शुरु होने की तिथि	पूर्ण होने का प्रत्याशित वर्ष
1	2	3	4	5	6	7
		(लाख रुपयों में)				
27.	3.00	—	2.00	4 42	1-8-79	1980-81
28.	3.00	—	4.00	2.40	1-5-79	1980-81
29.	3.00	—	2.00	4.35	19-5-79	1980-81
30.	3.00	—	2.00	4.50	अप्राप्त	1980-81
31.	3.00	—	7.00	0 40	अप्राप्त	1980-81
32.	3.00	—	3.00	3.65	1-5-79	1980-81
33	3.00	—	3.00	3.35	18-5-79	1980-81
34.	3.00	—	2.00	4.39	अप्राप्त	1980-81
35.	3.00	—	2.00	4.95	4-6-79	1980-81
36.	4.45	—	6.00	2.45	12-7-79	1980-81
37.	—	—	4.00	3.28	अप्राप्त	1980-81
38.	—	—	3.00	2.09	अप्राप्त	1980-81
			34.44	2,53.50		
योग			6,65.00	8,00.00		
1.	17.33	—	2.71	..	22-7-75	1979-80
2.	4.00	7.96	2.00	11.06	अप्राप्त	1980-81

क्र० सं०.	निर्माणाधीन कार्य का नाम/स्थान	स्वीकृत धनराशि (लाखों में)	1979-80 के प्रारम्भ में प्रत्याशित लक्ष्य	1979-80 के दौरान प्राप्त सम्भावित उपलब्धियां	1980-81 के लिए लक्ष्य
1	2	3	4	5	6
3.	स्थानीय कार्यालय हेतु स्टाफ क्वार्टर्स सागवा (मध्यप्रदेश)	1.84	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
4.	स्टाफ क्वार्टर्स, नेहरू नगर क्षेत्रीय कार्यालय इन्दौर हेतु (म०प्र०)	26.70	50%	40%	100%
5.	स्थानीय कार्यालय के लिए स्टाफ क्वार्टर, रतलाम (मध्य प्रदेश)	1.84	60%	60%	100%
6.	स्थानीय कार्यालय, वेसाई नगर, उज्जैन (मध्य प्रदेश)	1.27	60%	60%	100%
7.	स्थानीय कार्यालय, बरहानपुर (मध्य प्रदेश)	2.74	65%	65%	100%
8.	स्थानीय कार्यालय, सतना (म० प्रदेश)	2.66	70%	70%	100%
9.	स्थानीय कार्यालय, बुधवारिया उज्जैन (मध्य प्रदेश)	1.27	80%	80%	100%
10.	क्षेत्रीय कार्यालय, पटना (बिहार)	26.60	75%	75%	100%
11.	क्षेत्रीय कार्यालय, (बिल्ली फील्ड, बंगलौर (कर्नाटक)	50.80	50%	50%	100%
12.	अतिरिक्त स्टाफ क्वार्टर्स, चण्डीगढ़	6.84	80%	80%	100%
13.	स्थानीय कार्यालय, कबाड़ी बाजार, कानपुर (उत्तर प्रदेश)	1.89	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
14.	स्टाफ क्वार्टर्स, साल्ट लेक, कलकत्ता (प० बंगाल)	30.69	55%	55%	100%
15.	क्षेत्रीय कार्यालय, मद्रास, (तमिलनाडु)	64.21	65%	65%	100%
16.	स्टाफ क्वार्टर्स, पानीगेट, बड़ौदा के स्थानीय कार्यालय हेतु (गुजरात)	3.91	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
17.	स्थानीय कार्यालय, गुण्डी, मद्रास (तमिलनाडु)	1.96	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
18.	स्थानीय कार्यालय, बुजराजनगर, (उड़ीसा)	1.16	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
19.	क्षेत्रीय कार्यालय व अनेक्सी, हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश)	3.37	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा।

वित्तीय लक्ष्य

क्र० सं०	1978-79 तक किए गए खर्च	1979-80 के लिए वास्तविक वित्तीय लक्ष्य	1979-80 के लिए परिशोधित लक्ष्य	1980-81 के लिए वित्तीय लक्ष्य	कार्य शुरू होने की तिथि	पूर्ण होने का प्रत्याशित वर्ष
7	8	9	10	11	12	13
				लाख रुपयों में		
3.	1.00	—	0.84	—	अप्राप्त	1979-80
4.	कुछ नहीं	10.00	12.00	14.70	अप्राप्त	1980-81
5.	कुछ नहीं	0.84	1.00	0.84	अप्राप्त	1980-81
6.	0.40	0.87	0.40	0.47	अप्राप्त	1980-81
7.	1.00	1.74	1.00	0.74	अप्राप्त	1980-81
8.	1.00	1.00	1.00	0.66	अप्राप्त	1980-81
9.	0.50	1.27	0.50	0.27	अप्राप्त	1980-81
10.	8.00	10.60	10.00	8.60	22-4-78	1980-81
11.	20.00	30.80	5.00	25.80	15-11-78	1980-81
12.	2.67	3.18	3.00	1.17	अप्राप्त	1980-81
13.	1.00	—	0.89	—	अप्राप्त	1979-80
14.	15.66	10.02	5.00	10.03	4-4-77	1980-81
15.	25.84	15.00	10.00	25.37	अप्राप्त	1980-81
16.	2.00	0.91	1.91	—	अप्राप्त	1979-80
17.	1.00	0.96	0.96	—	अप्राप्त	1979-80
18.	—	—	1.16	—	अप्राप्त	1979-80
19.	—	—	3.37	—	अप्राप्त	1979-80

क्र० सं०	निर्माणाधीन कार्य का नाम/स्थान	स्वीकृत धनराशि लाखों में	1979-80 के प्रारंभ में प्रत्याशित लक्ष्य	1979-80 के दौरान प्राप्त संभावित उपलब्धियां	1980-81 के लिए लक्ष्य
1	2	3	4	5	6
20.	अतिरिक्त स्टाफ क्वार्टर्स, अंधेरी (महाराष्ट्र)	20.58	50%	50%	100%
21.	स्थानीय कार्यालय, पेरम्बूर, (तमिलनाडु)	2.21	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
22.	मिनी लोकल आफिस व स्टाफ क्वार्टर्स, हीराकुण्ड (उड़ीसा)	3.09	100%	100%	1979-80 में पूर्ण होने की प्रत्याशा
	विविध/नये कार्य				
	जोड़ :—कार्यालय भवन				

वित्तीय लक्ष्य

क्र० सं०	1978-79 तक किए गए खर्च	1979-80 के लिए वास्तविक वित्तीय लक्ष्य	1979-80 के लिए परिशोधित लक्ष्य	1980-81 के लिए वित्तीय लक्ष्य	कार्य शुरू होने की तिथि	पूर्ण होने का प्रत्याशित वर्ष
7	8	9	10	11	12	13
			(लाख रुपयों में)			
20.	—	—	10.00	10.58	अप्राप्त	1980-81
21.	1.60	—	0.61	—	अप्राप्त	1979-80
22.	—	—	3.09	—	अप्राप्त	1979-80
			8.56	13.81		
जोड़—			85.00	1,25.00		

अनुबन्ध 4

ऐसी नई परियोजनाओं का सूचक विवरण जिनके लिए 1980-81 के बजट प्राक्कलन में भूमि खरीदने या निर्माण के लिए व्यवस्था की गई है ।

क्र० सं०	परियोजना का नाम	मौजूदा स्थिति
1.	50 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, राजामुन्द्री, (आन्ध्र प्रदेश)	प्राक्कलन मंजूर किए गए ।
2.	50 बिस्तर ई०एस०आई० अस्पताल, रांची (बिहार)	भूमि का चयन तथा अनुमोदन हो चुका है ।
3.	100 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, झिलमिल, शाहदरा (दिल्ली)	भूमि खरीद ली गई है । चार दीवारी का निर्माण कर लिया गया है । प्लान तैयार किये जा रहे ' ।
4.	50 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, भावनगर (गुजरात)	भूमि खरीद ली गई है ।
5.	100 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, बल्लभगढ़ (हरियाणा)	भूमि का अनुमोदन किया गया है ।
6.	50 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, पालघाट (केरल)	भूमि पहले से ही उपलब्ध है ।
7.	100 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, फोरोक (केरल)	भूमि खरीद ली गई है तथा उपलब्ध है ।
8.	100 बिस्तर क०रा०बी अस्पताल, औरंगाबाद (महाराष्ट्र)	भूमि खरीदी जा चुकी है ।
9.	96 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, शोलापुर, (महाराष्ट्र)	प्राक्कलन मंजूर हो गए हैं ।
10.	100 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, नासिक (महाराष्ट्र)	भूमि खरीदी जा चुकी है ।
11.	100 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, शीवेवाडी, पूना (महाराष्ट्र)	भूमि खरीदी जा चुकी है ।
12.	100 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, चिन्चवाड, पूना (महाराष्ट्र)	भूमि खरीदी जा चुकी है ।
13.	100 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, कोटा (राजस्थान)	प्राक्कलन मंजूर हो गए हैं ।
14.	50 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, फगवाड़ा (पंजाब)	सिद्धांत रूप में मंजूर किया गया है । भूमि का चयन किया जाना है ।
15.	50 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, मण्डी गोविन्दगढ़ (पंजाब)	भूमि देख ली गई है तथा उसका अनुमोदन किया गया है ।
16.	50 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, सेलिम (तमिलनाडु)	भूमि अभी खरीदनी है ।
17.	50 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, सहारनपुर, (उ० प्रदेश)	प्राक्कलन मंजूर हो गये हैं ।
18.	50 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, वाराणसी, (उत्तर प्रदेश)	प्राक्कलन मंजूर हो गए हैं ।
19.	50 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, पिपरी, मिर्जापुर (उ० प्रदेश)	भूमि का अनुमोदन किया गया है तथा खरीद ली गई है ।
20.	110 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, गार्डनरीच, (पश्चिमी बंगाल)	सिद्धान्त रूप में मंजूर की गई है तथा भूमि का अभी चयन किया जाना है ।
21.	250 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, ठाकुरपुरकुर (पश्चिमी बंगाल)	भूमि खरीद ली गई है ।
22.	100 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, श्यामनगर, (पश्चिमी बंगाल)	भूमि खरीदी जा चुकी है ।
23.	50 बिस्तर क०रा०बी० अस्पताल, रायचूर, (कर्नाटक)	भूमि देख ली गई है तथा अनुमोदन किया गया है ।
	1980-81 के कुल बजट प्राक्कलन-200.11 लाख रुपये	

डिस्पेंसरी

1. 20 बिस्तर वाली क०रा०बी० डिस्पेंसरी, (कोइल बेर) (बिहार) 1980-8 के कुल बजट प्राक्कलन—1.91 लाख रुपये	प्राक्कलन मंजूर किये गये हैं ।

औषधालय

1. क०रा०बी० औषधालय, मुक्तापुर (बिहार)	भूमि खरीदी जा चुकी है ।
2. क०रा०बी० औषधालय, मंगोलपुरी (दिल्ली)	भूमि खरीदी जा चुकी है ।
3. क०रा०बी० औषधालय, गुडगांव (हरियाणा)	भूमि खरीदी जा चुकी है ।
4. क०रा०बी० औषधालय, पिंजौर, (हरियाणा)	भूमि खरीदी जा चुकी है ।
5. क०रा०बी० औषधालय, बागद गंज, नागपुर (महाराष्ट्र)	भूमि खरीदी जा चुकी है ।
6. क०रा०बी० औषधालय, झारसुगुडा (उड़ीसा)	भूमि खरीदी जा चुकी है ।
7. क०रा०बी० औषधालय, मुडली आरपेट (पांडिचेरी)	भूमि खरीदी जा चुकी है ।
8. क०रा०बी० औषधालय, सैक्टर-16, फरीदाबाद (हरियाणा)	भूमि खरीदी जा चुकी है ।
9. क०रा०बी० औषधालय, मथूर (केरल)	भूमि खरीदी जा चुकी है ।
10. 3 डाक्टर क०रा०बी० औषधालय, खन्ना, (पंजाब)	प्राक्कलन मंजूर हो गए हैं ।
11 क०रा०बी० औषधालय, भरतपुर (राजस्थान)	भूमि खरीदी जा चुकी है ।
12. क०रा०बी० औषधालय, अजमेर (राजस्थान)	भूमि खरीदी जा चुकी है ।
13. क०रा०बी० औषधालय, विरुधुनगर (तमिलनाडु)	भूमि देख ली गई है और अनुमोदन किया गया है ।
14. क०रा०बी० औषधालय, थुडइयालूर (तमिलनाडु)	प्राक्कलन मंजूर हो चुके हैं ।
15. क०रा०बी० औषधालय, कट्टूर (तमिलनाडु)	भूमि खरीदी जा चुकी है ।
16. क०रा०बी० औषधालय, ऐशबाग, लखनऊ (उ० प्रदेश)	भूमि खरीदी जा चुकी है ।
17. क०रा०बी० औषधालय, मण्डी गोविन्दगढ़, (पंजाब)	भूमि खरीदी जा चुकी है ।
18. क०रा०बी० औषधालय, अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश)	भूमि खरीदी जा चुकी है ।
19. क०रा०बी० औषधालय, बरेली (उत्तर प्रदेश) 1980-81 के लिए कुल बजट प्राक्कलन—51.48 लाख रुपये	सिद्धान्त रूप में मंजूर कर लिया है ।

कार्यालय भवन तथा स्टाफ क्वार्टर

1. स्टाफ क्वार्टर, भुवनेश्वर (उड़ीसा)	भूमि खरीद ली गई है ।
2. स्थानीय कार्यालय, जेकेपुर (उड़ीसा)	भूमि उपलब्ध है ।
3. स्थानीय कार्यालय, नासिक (महाराष्ट्र)	प्राक्कलन मंजूर हो गए हैं ।
4. स्थानीय कार्यालय, फिरोक (केरल)	प्राक्कलन मंजूर हो गए हैं ।
5. क्षेत्रीय कार्यालय, अजमेर, जयपुर (राजस्थान)	प्राक्कलन मंजूर हो गए हैं ।
6. स्थानीय कार्यालय, कोटा (राजस्थान)	प्राक्कलन मंजूर हो गए हैं ।
7. स्थानीय कार्यालय, देवनगीर (कर्नाटक)	प्राक्कलन मंजूर हो गए हैं ।
8. स्थानीय कार्यालय, चेलापुरम (केरल)	प्राक्कलन मंजूर हो गए हैं ।
9. स्थानीय कार्यालय, जुही, कानपुर (उ० प्रदेश) 1980-81 के लिए कुल बजट प्राक्कलन—13.81 लाख रुपये	भूमि उपलब्ध है ।

अनुबन्ध 5

ऐसी निर्माण परियोजनाओं का सूचक विवरण जिनके लिए 1979-80 के बजट प्राक्कलन में की गई धन-व्यवस्था का उपयोग नहीं किया गया

क्र० सं०	परियोजना का नाम
	क०रा०बी० अस्पताल/अजमेर/औषधालय
1.	क०रा०बी० अस्पताल, राजामुन्द्री (आन्ध्र प्रदेश)
2.	क०रा०बी० अस्पताल, बिहारशरीफ (बिहार)
3.	क०रा०बी० औषधालय, मुक्तापुर (बिहार)
4.	क०रा०बी० अस्पताल, झिलमिल (दिल्ली)
5.	क०रा०बी० औषधालय, मंगोलपुरी (दिल्ली)
6.	क०रा०बी० अस्पताल, कलोल (गुजरात)
7.	क०रा०बी० औषधालय, पिंजौर (हरियाणा)
8.	क०रा०बी० अस्पताल, पालघाट (केरल)
9.	क०रा०बी० अस्पताल, फिरोक (केरल)
10.	क०रा०बी० अस्पताल, ठोटाडा (केरल)
11.	क०रा०बी० औषधालय, चेलमपुरम (केरल)
12.	क०रा०बी० अस्पताल, औरंगाबाद (महाराष्ट्र)
13.	क०रा०बी० अस्पताल, नासिक (महाराष्ट्र)
14.	क०रा०बी० अस्पताल, बीबीवाडी, पूना (महाराष्ट्र)

क्र०सं०	परियोजना का नाम

15. क०रा०बी० औषधालय, झारसुगुडा (उड़ीसा)
16. क०रा०बी० औषधालय, मुदलियरपेट (पांडिचेरी)
17. क०रा०बी० अस्पताल, कोटा (राजस्थान)
18. क०रा०बी० औषधालय, भरतपुर (राजस्थान)
19. क०रा०बी० औषधालय, अजमेर (राजस्थान)
20. क०रा०बी० अस्पताल, सेलम (तमिलनाडु)
21. क०रा०बी० औषधालय, विरधुनगर (तमिलनाडु)
22. क०रा०बी० अस्पताल, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)
23. क०रा०बी० औषधालय, ऐशबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
24. क०रा०बी० अस्पताल, ठाकुरपुकुर (पश्चिमी बंगाल)
25. क०रा०बी० अस्पताल, गार्डन रीच (पश्चिमी बंगाल)
26. क०रा०बी० अस्पताल, श्यामनगर (पश्चिमी बंगाल)

कार्यालय भवन तथा स्टाफ क्वार्टर

1. क्षेत्रीय कार्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा)
2. स्थानीय कार्यालय, जेपोर (उड़ीसा)
3. स्थानीय कार्यालय, देवनगीर (कर्नाटक)
4. स्थानीय कार्यालय, फिरोक (केरल)

अनुलग्नक 6

वर्ष 1970-71 से आगे चिकित्सा देख-रेख पर व्यय में क०रा०बी० निगम के शेयर का सूचक विवरण

वर्ष	कुल व्यय निगम का शेयर (लाख रुपयों में)	प्रति वर्ष प्रति कर्मचारी व्यय (रुपये)
1970-71	14,48.71	39
1971-72	17,03.17	44
1972-73	20,18.13	50
1973-74	24,70.36	58
1974-75	26,49.93	61
1975-76	32,75.12	70
1976-77	36,42.36	68
1977-78	47,10.73	85
1978-79	52,87.31	92
1979-80 (अनुमानित)	63,55.67	107
1980-81 (अनुमानित)	68,72.45	112

[सं० जी–20017/1/80–एच आई]

हंस राज छाबड़ा, उप सचिव

New Delhi, the 1st May, 1980

S. O. 648.—In pursuance of section 36 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Financial Estimates and Performance Budget of the Employees' State Insurance Corporation for the year 1980-81, are hereby published for general information.

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

Explanatory Memorandum on the Revised Estimates for the Year 1979-80 and Budget Estimates for the Year 1980-81.

The Budget Estimates of the Receipts and Expenditure of the Employees' State Insurance Corporation for the financial year 1979-80 were approved by the Standing Committee and the Corporation at the meetings held on the 24th February, 1979.

These were approved by the Central Government.

2. The Budget Estimates 1979-80 covered—

(i) Provisions needed for the running of the Scheme in various Centres where it has already been implemented, and

(ii) funds needed for the extension Scheme to new areas/new classes of establishments.

3. At the time of preparing the Budget Estimates for 1979-80, it was anticipated that the Scheme would be extended to new areas/new classes of establishments as per programme detailed in Appendix-I from the dates shown against each in column 3 thereof. However, due to administrative and other difficulties in making adequate medical arrangements by the State Governments concerned, the programme of implementation had to be modified. The Scheme was actually extended to some of the areas/new classes of establishments from the later dates as shown in column 4 of Appendix-I. As regards the areas/new classes of establisments where the expectation to extend the Scheme could not materialise, the revised dates, as now anticipated, have been indicated in column 4 of the above referred Appendix.

4. Appendix II shows State-wise total coverage where the Scheme has already been implemented upto 31-12-1979, additional areas including new Sectors of employment, along with the dates, where the Scheme is expected to be implemented by the end of 1979-80 and during 1980-81. These areas have been determined as a result of further correspondence with the State Governments.

5. The Revised Estimates for the financial year 1979-80 and Budget Estimates for the year 1980-81 have been prepared in the light of the revised programme of implementation.

BUDGET STATEMENTS

6.1 The tabulated Budget Statements A and B contain actuals of receipts and expenditure, respectively, for the year 1978-79 and Revised Estimates for 1979-80 and Budget Estimates for 1980-81.

6.2 The table below shows the estimates at a glance:—

Head of Account	1978-79 Actuals	Budget at a Glance 1979-80 Estimates		1980-81 Budget Estimates
		Budget	Revised	
				(Rupees in lakhs)
	Revenue Receipts.			
Contributions	1,46,75.94	1,52,37.00	1,55,06.97 (a)	1,62,31.00 (a)
Miscellaneous (b)	10,89.54	9,61.83	10,06.22 (c)	9,03.70 (c)
Total Revenue Receipts	1,57,65.48	1,61,98.183	1,65,13.19	1,71,34.70

(a) For the reasons of increase in receipts from contributions see paragraphs 9.2 and 18.1.

(b) This covers share of Delhi Administration towards medical benefits, interest from investments of surplus cash balance and other heads of revenue.

(c) For the reasons of variations see paragraphs 9.6 & 18.3.

Head of Account	1978-79 Actuals	1979-80 Estimates		1980-81 Budget Estimates
		Budget	Revised	
				(Rupees in lakhs)
	Expenditure on Revenue Account			
1. Benefits :				
A. Medical Benefits	52,87.31	60,45.56	63,55.67(d)	68,72.45 (d)
		(d) See paragraphs 11.1 and 20.1		
B. Cash Benefits	52,83.32	56,56.39	63,51.85 (e)	63,52.47 (e)
		(e) See paragraphs 11.2 and 21.1		
C. Other Benefits (f)	13.88	16.41	16.43	19.44
		(f) See paragraph 12		
Total Benefits.	1,05,84.51	1,17,18.36	1,27,23.95	1,32,44.36
2. Administration expenses	9,95.03*	11,01.02	11,40.14 (g)	1,2,12.44 (g)
		(g) See paragraphs 13 and 23.2		
3. Hospitals/Dispensaries (Depreciation, Repairs & Maintenance)	1,42.14	1,86.77	1,86.77	2,02.35 (h)
		(h) See paragraph 24.		
4. Capital Construction & Emergency Reserve Funds	19,82.84	18,57.50	17,33.05 (i)	17,93.59
		(i) See paragraph 15.		

*Net figure taking into account a credit of Rs. 33.67 lakhs on account of adjustment of excess provision of Pension Reserve Fund in earlier years.

Head of Account	1978-79 Actuals	1979-80 Estimates		1980-81 Budget Estimates
		Budget	Revised	
				(Rupees in lakhs)
Total Expenditure on Revenue Account	1,37,04.52	1,48,63.65	1,57,83.91	1,64,52.74
Excess of income over expenditure	20,60.96	13,35.18	7,29.28 (j)	6,81.96
		(j) See paragraph 17		
		Expenditure Outside the Revenue Account		
Expenditure on Capital Account	8,06.04	11,00.00	7,50.00(k)	9,25.00 (k)
		(k) See paragraphs 16 and 26		
		Cash Balance		
Opening Cash Balance	6,61.53	3,42.65	6,31.48	6,34.65 (l)
Closing Cash Balance	6,31.48	3,39.15	6,34.65	6,36.09 (l)
		(l) See paragraph 28		

Brief explanations for some of the important items under the various heads are furnished in the following paragraphs:—

7. Contributions

Employers' and Employees' shares of contributions are payable through a single contribution stamp as per rates in Schedule I of the Employees' State Insurance Act, 1948 as modified by the Employees' State Insurance Amendment Act, 1975.

8. Medical Benefits

The expenditure under the head "A—Medical Benefits", except for the Union Territory of Delhi where the Scheme is directly administered by the Corporation, is initially incurred by the State Governments and is later shared between the Corporation and the State Governments in the prescribed ratio of 7 : 1. The maximum shareable amount is subject to the ceilings fixed by the Corporation from time to time. The provision made under this head is intended to cover the Corporation's share of the expenditure.

8.2 Ceiling on Expenditure on Medical Benefits.

The ceilings of yearly shareable expenditure on medical benefits per employee are as follows from 1st April, 1979:—

Type of Medical Care	Amount of ceiling per employee
Restricted	Rs. 70
Expanded	Rs. 85
Full	Rs. 115

The Corporation has also liberalised the limit of expenditure on drugs and medicines which is allowed over and above the ceiling indicated above. The previous limit was expenditure above Rs. 25 and upto Rs. 45 per capita and the same has been raised to expenditure above Rs. 95 and upto Rs. 50.

8.3 Payments to State Governments

The Corporation makes during the year 'On Account' payments upto 90% of its share of expenditure on medical benefits, on the basis of expenditure statements received from the State Goverments, subject to adjutments on receipts of audit certificates from the concerned State Accountant General.

8.4 Expenses incurred directly by the Corporation

The provision made under the head "Medical treatment and care and maternity facilities—expenses incurred directly by the Corporaion "includes the estimated cost of administration of the Medical care to the Insured Persons and their families in the Union Territory of Delhi. The anticipated recovery at the rate of 1/8th of shareable amount has been taken into account in the Revised Estimates 1979-80 and Budget Estimates 1980-81 on the Revenue side under the head "State Governments/Union Territories' share towards medical benefits initially incurred by the Corporation."

Revised Estimates for the Year 1979-80

I-RECEIPTS

9.1 The Revenue of the Corporation for the current year (1979-80) is now estimated at Rs. 1,65,13.19 lakhs as aginst Rs. 1,61,98.83 lakhs assumed in the Budget.

Contributions ;

9.2 The income from Contributions is now anticipated at Rs. 1,55,06,.97 lakhs against Rs. 1,52,37.00 lakhs at the Budget State. The increase which is 1.8% of the original estimates, appears to be due to higher rate of Contribution on account of increase in wages.

9.3 The total number of 'covered' employees' as on 31-12-1979 was 58.53 lakhs and about 0.97 lakh more employees are likely to be added by the end of the financial year by way of extension of the Scheme and additional coverage in the existing implemented areas. The Revised Estimates take into account the anticipated additional coverage.

9.4 The contributions in arrear upto 31st March, 1978, as on 31st March, 1979, amounted to Rs. 24,61.00 lakhs. Appropriate steps have been taken to realise the arrears. The Corporation has already taken legal action for recovery of outstading arrears of Rs. 18,82.00 lakhs. Action for another amount of Rs. 3,81.00 lakhs is under consideration. For the remaining amount of Rs. 1,98.00 lakhs it is not possible to proceed with legal action, due to either court injuction restraining recovery or as a result of the factories going into liquidation or the employers disputing coverage in the Court of law. Concerted efforts are being made by the Corporation for recovery of its dues. It may, however, be stated that the Corporation has to depend on State Governments for recovery of its dues.

SHARE OF DELHI ADMINISTRATION TOWARDS MEDICAL BENEFITS

9.5 The responsibility for provision of medical care to the insured persons and their families in Delhi was taken over by the Corporation with effect from the 1st April, 1962. In accordance with the approved arrangements, 1/8th of expenditure incurred by the Corporation together with such expenditure as may be in excess of the prescribed ceiling on mdical care, is Rs. 66.52 lakhs under the head "State Governments"/Union Territories' share towards medical benefits initially incurred by the Corporation" represents the amount payable by the Delhi Administration for the year 1977-78 (part payment was made in 1978-79) and 1978-79.

Interest and Dividends :

9.6 Receipts on account of interest earned on investments of surplus cash balance and interest on advances granted to

Corporation's employees for the purchase of conveyances, house building etc., during the year 1979-80 have now been estimated at Rs. 4,81.88 lakhs against the original Budget Estimates of Rs. 4,41.90 lakhs. The increase in the Revised Estimates is mainly due to realisation of investments made from 1-1-1979 to 12-9-1979 under the Reinvestment plan on which interest at the rate of 9 per cent per annum has been credited during the year. The amount so realised has been reinvested with effect from 13-9-1979 under the Reinvestment Plan earning interest at the rate of 10 per cent per annum.

Compensations :

9.7 Compensation from State Governments and Employers : Where the incidence of sickness payments to insured persons in any State is found to exceed the All-India average, the amount of such excess is shared between the State Government and the Corporation in accordance with the provisions contained in Section 58(2) of Employees' State Insurance Act. Similarly, where the Corporation considers that the incidents of sickness among insured persons is excessive by reasons of—

(i) insanitary working conditions in a factory or establishments or the neglect of the owner or occupier of the factory or establishment to observe any health regulations enjoined on him by or under any enactment; or

(ii) insanitary conditions of any tenements or lodgings occupied by insured perons and such insanitary conditions are attributable to the neglect of the owner of that tenements or lodgings to observe any health regulations enjoined on him;

The Corporation may recover the extra expenditure incurred on account of sickness benefit from the owner or occupier of the factory or establishment.

The Revised Estimates 1979-80 provide for the amount which has been determined as payable by Bihar, Madhya Pradesh and Tamil Nadu States.

9.8 Rents, Rates and Taxes in respect of—

(i) Office Buildings (including staff quarters), and
(ii) Hospitals/Dispensaries (including staff quarters).

The rent in respect of hospitals and dispensaries buildings constructed by the Corporation forms a part of the shareable expenditure incurred by the State Governments on the provision of medical benefits to the insured persons. It thus, gets automatically apportioned between the Corporation and the State Governments in the prescribed ratio of 7 : 1.

Fees, Fines & Forefeitures :

9.9. These include receipts on account of licence fee from the employers for use of Franking Machines by them and also damages levied on the employers for failure to pay dues of the Corporation and/or non-submission of contribution cards in time.

Miscellaneous Receipts :

These include receipts on account of cost of duplicate identity cards, recoveries of over payments and disallowances in Audit, recoveries of leave salary and pension contributions, employees' contribution towards C.G.H.S. recoveries of service expenditure incurred in previous years which cannot be taken to the corresponding revenue heads, recoveries of cost of law suits including amounts decreed by courts and recoveries of Cash Benefits etc.

II —EXPENDITURE

10. The expenditure on Revenue Account in the Current year (1979-80) is now estimated to be Rs. 1,57,83.91 lakhs as against Rs. 1,48,63.65 lakhs anticipated in the Budget.

BENEFIT TO INSURED PERSONS & THEIR FAMILIES

A—Medical Benefits :

11.1. The total provision under this head is Rs. 63,55.67 lakhs (includes arrear payments of Rs. 12,69.86 lakhs for earlier years) which comprises Rs. 60,02.67 lakhs as Corporation's share of expenditure incurred by the State Governments on providing medical care, Rs. 3,43.00 lakhs as expenditure on Medical benefits in Delhi where the Scheme is directly administered by the Corporation and Rs. 10.00 lakhs towards the payment of confinement fees payble under the Scheme to the beneficiaries in Vidarbha area in Maharashtra Region. In respect of Delhi, the recovery of 1/8th expenditure has been taken into account on the receipt side of the Budget Estimates 1980-81. The 1/8th share of confinement charges due from Maharashtra State will be adjusted while re-imbursing its claim for expenditure on medical benefits.

An amount of Rs. 12,69.86 lakhs has been provided to meet the past liabilities expected to be settled during the current financial year against the provision of Rs. 12,36.79 lakhs in the budget estimates 1979-80.

The increased in the Revised Estimates 1979-80 in the expenditure on Medical benefits is due to revision of the ceilings on medical care with effect from 1st April, 1979, provision for which was not made in the Budget Estimates.

B—Cash Benefits :

11.2. Provisions of Rs. 63,51.85 lakhs in the Revised Estimates 1979-80 made for the various Cash Benefits, vide details in the statement 'B', is based on the progress of actuals for the first eight months of the financial year 1979-80 and the anticipated requirement for the remaining months.

The increased provision in the Revised Estimates 1979-80 against the original provision of Rs. 56,56.39 lakhs is partly on account of high incidence of claims in certain areas during strikes. The additional expenditure in Coimbatore area alone during textile strike in July-August, 1979, was about Rs. 3,96.26 lakhs.

There has also been a trend towards an increase in the average number of benefit days per annum per employee and the amount of daily rate of benefit per employee as shown below—

	Sickness Benefit			Temporary Disablement Benefit		
	1976-77	1977-78	1978-79	1976-77	1977-78	1978-79
Average number of benefit days per annum per employee	5.0 days	6.0 day	6.8 days	0.91 day	0.97 day	1.13 days
Average benefit rate per day per employee	Rs. 7.66	Rs. 8.31	Rs. 8.92	Rs. 9.02	Rs. 9.39	Rs. 10.10

There has been a trend towards an increase in the incidence of External Sickness Benefit also as shown below—

	1976-77	1977-78	1978-79
Incidence of Extended Sickness Benefit claims expressed as—			
The average number of claims per 1,000 employees exposed to risk	4.8 (number)	4.3 (number)	4.5 (number)
The average duration of terminated claims	179.2 days	203.6 days	220.9 days

The Director General has been keeping continuous watch over the sickness benefit claims at various Centres. The relevant statistics received at the Headquarters every month are analysed periodically and abnormal variation in the trend in any Centre is taken up with the Regional Directors and Administrative Medical Officers with a view to enable them to take suitable and prompt remedial measures wherever necessary and possible.

Substantial variations have also been noticed among the States inter se in respect of incidence and duration of sickness benefit claims and temporary disablement benefit claims. The matter in regard to an analysis of the variation in cash benefits in different States is receiving attention. In cases of high incidence of cash benefits, a further control by the State Governments on certification seems indicated. The Regiona Boards and Local Committees need also to be activised to check abuse of cash benefits in the event of strikes and lock outs etc.

C—Other Benefits :

12. A provision of Rs. 16.43 lakhs has been made in the Revised Estimates against the Budget Estimates of Rs. 16.41 lakhs under C—Other Benefits to cover expenses on miscellaneous items e.g. fees paid to Medical Boards and Appeal Tribunals, the payments made to Insured Persons in reimbursement of the expenditure incurred direct by them on transport for appearing before Medical Boards and Medical Referees and also expenditure on the loss of wages payable to the Insured Persons for appearing before the Medical Boards, and other miscellaneous expenses including fee paid for post mortem examination of Insured Persons and charges payable to Police authorities for obtaining police reports and other statements for deciding cases of employment injury etc.

Administration Expenses :

13. The total expenditure on Administration during the year 1979-80 is now anticipated at Rs. 11,40.14 lakhs as against Rs. 11,01.02 lakhs anticipated at the budget stage. The provision is based on the actual expenditure incurred during the first eight months of 1979-80 (including actuals of pay & allowances for nine months) and the expenditure likely to be incurred during the remaining four months of the year. The latter includes expenditure on certain items which are adjusted annually at the close of the year viz. annual maintenance and depreciation charges transferred to Reserve Funds, Corporation's Contribution to Pension Reserve Fund and the Employees' State Insurance Corporation Contributory Provident Fund and interest thereon.

The Revised Estimates 1979-80 make additional provision on account of the following post-budget decisions.

(1) Increase in dearness allowance with effect from 1-12-78 and 1-5-79 (Rs. 33.00 lakhs).

(2) Implementation of a part of the recommendations of the Pay Committee (1978) with effect from 1-9-79 (Rs. 10.00 lakhs).

Hospitals/Dispensaries :

14. The provision under this head comprises (i) depreciation of hospital/dispensary buildings (Rs. 47.89 lakhs) and (ii) repair and maintenance of these buildings (Rs. 138 88 lakhs) as per the percentages of capital cost fixed for the purpose i.e., 1% and 2.9% respectively.

CONTRIBUTIONS TO CAPITAL CONSTRUCTION AND EMERGENCY RESERVE FUNDS

Capital Construction Reserve Fund :

15.1 In accordance with the provisions of Section 28(iv) of the Employees' State Insurance Act, 1948, one of the purposes for which the Employee's State Insurance Fund shall be extended is "establishment and maintenance of hospitals' dispensaries and other institutions and the provision of medical and other ancilliary services for the benefit of insured persons and where the medical benefit is extended to their families". In its meeting held on the 2nd February, 1974, the Corporation decided that 10% of the total revenue derived from, 'Employers' and 'Employees' contribution may be credited to the Capital Construction Reserve Fund for construction of hospitals/dispensaries/other Medical institutions and office buildings/staff quarters in the ratio of 8:2, respectively. Accordingly, provision of Rs. 15,50.70 lakhs has been made in the Revised Estimates 1979-80.

Emergency Reserve Fund :

15.2. As decided by the Corporation in its meeting held on 17th March, 1973, 20% of the excess of income over expenditure (whole of the excess when it is less than Rupees one crore) is to be credited to the Emergency Reserve Fund. Accordingly, provision of Rs. 1,82.35 lakhs has been made in the Revised Estimates 1979-80.

Expenditure on Capital account :

16. The amount originally provided for expenditure on Capital account for construction work was Rs. 11,00.00 lakhs comprising (i) Rs. 1,25.00 lakhs for construction of office buildings including staff quarters & (ii) Rs. 9,75.00 lakhs for construction of hospitals and dispensaries.

The provision for Rs. 7,50.00 lakhs has been made in the Revised Estimates 1979-80 as follows:—

(a) Office Buildings (including Staff Quarters)

The provision of Rs. 1,25 00 lakhs made in the Budget Estimates 1979-80 has been reduced to Rs. 85.00 lakhs in the Revised Estimates 1979-80 on the basis of trend of actuals.

(b) Buildings of Hospitals and Dispensaries :

The provision of Rs. 9,75.00 lakhs under this head has also been reduced to Rs. 6,65.00 lakhs in the Revised Estimates 1979-80 on the basis of trend of actuals and anticipated payments. The office buildings (including staff quarters) and buildings of hospitals and dispensaries for which the provision made in the budget estimates 1979-80 has remained unutilised substantially, are shown in Annexure V to Performance Budget 1980-81 in this Volume. Non-utilisation of the budget provision has been due to either the State Governments/construction agencies not asking for funds as the pace of construction could not be kept up on account of difficulties in procuring cement/steel or the new projects could not be taken in hand as anticipated. The matter is being pursued with the construction agencies/State Governments.

Excess of Income over Expenditure :

17. At the budget stage an excess of income of Rs. 13,35.18 lakhs over expenditure was estimated. However, as per Revised Estimates the excess of income over expenditure has been assessed as Rs. 7,29.28 lakhs. The decrease which works out to Rs. 6,05.90 lakhs can be analysed broadly as under.

Increase in expenditure on :	(Rupees in lakhs)
I. Medical Benefits	3,10.11
Cash Benefits	6,95.46
Other Benefits	0.02
Administration Expenses . . .	39.12
Total-I	10,44.71

The above increase of Rs. 10,44.71 lakhs is partly off set by the following.

	(Rs. in lakhs)
II. Increase in Contributions Income . .	2,69.97
Increase in income under other heads of revenue	44.39
Decrease in provision for Capital Construction and Emergency Reserve Funds	1,24.45
Total—II	4,38.81
Net decrease	6,05.90

BUDGET ESTIMATES FOR THE YEAR 1980-81

I—RECEIPTS

Contributions :

18.1 Income on account of contributions (Employers' and Employees' Shares) has been estimated at Rs. 1,62, 31.00 lakhs bearing in mind (a) Revised Estimates 1979-80, (b) expected number of 60.75 lakhs 'covered' employees (weighted average during 1980-81 and (c) anticipated per capita annual income of Rs. 267 from contributions.

18.2 The table below shows the per capita income from contribution from 1976-77 onwards.

1976-77	1977-78	1978-79	1979-80 (Estimates)	1980-81 (Estimates)
Rs. 236	Rs. 239	Rs. 258	Rs. 263	Rs. 267

Interest from Investments of Surplus Cash Balances :

18.3. The decrease in interest receipts in 1980-81 is on account of investments in Re-investment Plan of the State Bank of India. Since 1-10-1976 the investments are being made in 'Re-investment plan' of the State Bank of India under which interest falling due will be credited to the Corporations account only on maturity of ievestment. The investments made earlier to the introduction of 'Re-investment Plan' brought interest monthly to the accounts of the Corporation.

Rent of Hospital and Dispensary Buildings owned by the Corporation :

18.4 A sum of Rs. 3,99.00 lakhs is expected to be recovered from the State Governments on account of rent of the hospital and dispensary buildings owned by the Corporation.

II—EXPENDITURE

19. The increased provision under the various heads in the Budget Estimates 1980-81 as compared to the corresponding provision in the Revised Estimates 1979-80, is mainly due to—

(i) Operation of the Scheme for full year in areas, including establishments, where the implementation has been brought during the year 1979-80;

(ii) extension of the Scheme to new areas/establishments;

(iii) expected increase in emloyment in the implemented areas; and

(iv) the improvement in the type of medical care to the families of Insured Persons.

A—Medical Benefits

20.1. A total provision of Rs. 68,72.45 lakhs, in cluding an amount of Rs. 12,46.56 lakhs for past liabilities, has been made in the Budget Estimates 1980-81 for medical benefits in the light of Revised Estimates 1979-80, anticipated additional coverage during the year and improvement in the type of medical care to the families of insured persons. The number of covered employees during 1980-81 has been estimated at 60.75 lakhs (weighted average). The provision includes Rs. 3,64.00 lakhs to be incurred directly by the Corporation during 1980-81 for providing medical care to the Insured Persons and their families in the Union Territory of Delhi and also Rs. 10.00 lakhs to be spent directly by the Corporation towards payment of confinement fees to the beneficiaries in Vidarbha area in the State of Maharashtra.

The average approximate cost of Corporation's share of medical care per employee per annum as provided in the Budget Estimates is as under.

1977-78 Actuals	1978-79 Actuals	1979-80 Revised Estimates	1980-81 Budget Estimates
Rs. 84	Rs. 92	Rs. 107	Rs. 112

20.2. The Corporation's outstanding liability towards reimbursement of its share of the medical cost incurred by the State Governments upto 1978-79, is anticipated to the extent of Rs. 19,89.44 lakhs. Out of this claim for Rs. 12,69.86 lakhs are expected to be paid during 1979-80 and the balance of Rs. 7,19.58 lakhs in 1980-81 on receipt of Aduit Certificates. A provision of Rs. 5,26.98 lakhs (10% of the anticipated liability for 1979-80) has also been made in the Budget Estimates 1980-81 for reimbursement to the State Governments.

20.3. If all the State Governments provide full medical care to the beneficiaries and fully utilise the maximum amount admissible as per the monetary ceilings referred in paragraph 8.2 above, on the basis of total covered employees (62.00 lakhs) during 1980-81, the Corporation's share of expenditure on medical care will amount to Rs. 75,95.00 lakhs . There is thus a contingent liability of about Rs. 7,70.00 lakhs per annum.

20.4. The matter whether the existing ceilings on medical care need a further revision, is being considered by a Committee. Additional funds on medical care, if necessary, will be provided at the time of framing Revised Estimates 1980-81.

B — Cash Benefits

21.1. Expenditure on Cash Benefits during 1980-81 is exstimated at Rs. 63,52.47 lakhs keeping in view the Revised Estimates 1979-80 and the extension of the Scheme to new areas establishments. Due allowance has been made for commencement of benefit periods in the new areas expected to be covered under the Scheme. The capitalised value of total liabilities on account of Permanent(Partial and Total) Disablement and Dependants' Benefits already arisen/expected to arise out of employment injuries occurring in the course of the year, has also been provided for.

21.2. A provision of Rs. 194.4 lakhs has been made under other Benefits referred to in paragraph 12 above.

21.3. Expenses per Employee

The average approximate cost of various categories of Cash Benefits per employee per annum as provided in the Budget Estimates is as under.

Benefits	1977-78 Actuals	1978-79 Actuals	1979-80 Revised Estimates	1980-81 Budget Estimates
1	2	3	4	5
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
Sickness Benefits (Including Extended Sickness Benefit)	55.13	66.27	73.21 (a)	76.10
Maternity Benefit	3.21	3.14	3.31	3.35
Temporary Disablement Benefit	9.08	11.37	11.91	12.21

1	2	3	4	5
Permanent Disablement Benefit	9.43	11 24	11.70	12.00
Dpendants' Benefit	2.29	2.55	2.70	2.80
Funeral Expenses	0.17	0.17	0.17	0.17
Other Benefits	0.24	0.24	0.28	0.32
Total	79.55	94.98	103.28(a)	106.95

(a) Excluding extra incidence during the year on account of additional payments in Coimbatore area during textile strike in July-August, 1979.

INTRODUCTION OF INVALIDITY BENEFIT AND ENHANCEMENT IN CERTAIN EXISTING BENEFITS

22.1. The Corporation has approved the Scheme of Invalidity Benefit to be introduced in the Employees' State Insurance Act, to cover the contingency of invalidity due to causes other than employment injury. It has been sent to the Central Government for approval and consequential amendment to the Act.

The approval of the Scheme bythe Central Government and amendment of the Act is likely to take time. No budget provision has, therefore, been made for Invalidity Benefit either in the Revised Estimates 1979-80 or in the Budget Estimates 1980-81. In case the amendment to the Act is made during 1980-81, necessary sanction for additional budget provision to meet the expenditure on Invalidity Benefit will be solicited from the Corporation at the appropriate time.

22.2. Similarly no provision has been made for enhancement of certain existing benefits recommended by the High Powered Sub-Committee on amendments in the Employees' State Insurance Act, 1948.

Administration Expenses :

23.1. The Administration Expenses have been exhibited under two heads, viz., "(A)—Superintendence" and "(B)— Field Work".

23.2 A total provision of Rs. 12,12.44 lakhs has been made for expenses on Administration in the Budget Estimates 1980-81.

The provision for pay and allowances in the Budget Estimates 1980-81 provides for normal increase on account of increments etc. Besides, it provides for additional posts required, as per the approved norms, on account of increase in coverage and establishment of a number of new Local Offices.

Staff Strength :

23.3. A statement showing the details of the staff of the Corporation as it stood sanctioned on 31-3-1979 and that it is expected to be on 31-3-1980 and 31-3-1981 is at Appendix-III. The increase in staff strength, which is due to progressive expansion of the Employees State Insurance Scheme, is asper approved norms. It may be mentioned that fresh work study of offices has been conducted and the norms are being formulated afresh. These will be taken care of while framing Revised Estimates 1980-81.

23.4. The Corporation has decided to set up an appropriate media for educative publicity of its activities. Sanction of the Central Government for the post of public Relation Officer has been asked for. Provision for this post has been made in the Budget Estimates. Provision for the supporting staff, as may be necessary, will be made in the Revised Estimates 1980-81.

23.5. Decisions of the Central Government on most of the recommendations of the Pay Committee (1978) are also awaited. Necessary provision as may be necessary, will be made in the Revised Estimates 1980-81.

23.6. A statement showing details of provision made under the head 'Allowances & Honoraria' is at Appendix IV.

Contingencies (Both-Under 'A—Superintendence' :

And 'B— Field Work' and 'C—Other Charges'

23.7. The provision under the various sub-heads which are self-explanatory has been made mainly on the basis of actuals for the first 8 months of the year 1979-80 and anticipated requirements for further extension of the Scheme. The instructions in regard to measures of economy have been duly kept in view.

Expenses on Administration per Employee per annum :

23.8. The administration expenses per 'covered' employee per annum on the basis of Revised Estimates 1979-80 and Budget Estimates 1980-81 will be Rs. 19.37 lakhs and Rs. 19.96 lakhs respectively.

The comparative figures of cost of administration under various sub-heads per 'covered' employee per annum are given below :—

Sub-head	1976-77 Actuals	1977-78 Actuals	1978-79 Actuals	1979-80 Revised Estimates	1980-81 Budget Estimates
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
Pay and Allowances . .	12.69	12.77	13.55	14.62 (a)	15.12
Contingencies .	2.44	2.28	2. 50	2.68 (b)	2.72
Other Misc. charges . .	1.35	2.25	1.46 (c)	2.07	2.12
Total . .	16.48	17.30	17.51	19.37	19.96

(a) For the reasons of increase please see paragraph 13 above.

(b) As per the original budget estimates 1979-80, the expenditure was Rs. 2.82 per employee;

(c) But for the credit of Rs. 33.67 lakhs to this head on account of adjustment of excess provision of Pension Reserve Fund in earlier years, the per capita expenditure would have been Rs. 2.06.

The percentage of Administrative cost compared with the receipts from Contributions, Benefits paid etc., is shown below:—

Ratio in comparision to	1976-77 Actuals	1977-78 Actuals	1978-79 Actuals	1979-80 Revised Estimates	1980-81 Budget Esti-Mates
	%	%	%	%	%
Contributions .	6.98	7.24	6.78	7.35	7.47
Total Revenue .	6.42	6.61	6.31	6.90	7.07
Benefits . .	12.38	10.98	9.40	8.96 (d)	9.15
Total Revenue Expenditure .	8.61	8.12	7 26	7.22 (e)	7.37
Contributions plus Benefits .	4.28	4.36	3.94	4.04	4.11

(d) The adjustment of Rs. 33.67 lakhs in reduction of expenditure, referred to above, has lowered slightly the % of incidence.

(e) A part of the decrease in per cent is due to high incidence of payments in Coimbatore area.

Hospitals/Dispensaries

24. The provision under the head comprises—

(i) Depreciation of Hospital/Dispensary buildings (Rs. 51.89 lakhs).

(ii) Repair & Maintenance of these buildings (Rs. 1,50.46 lakhs).

The provision has been made as per the prescribed percentages of capital cost of the buildings. The incidence per 'covered' employees is Rs. 2.22 in 1977-78, Rs. 2.50 in 1978-79, Rs. 3.10 in 1979-80 and Rs. 3.33 in 1980-81.

Contributions to Capital Construction and Emergency Reserve Funds

25. A provision of Rs. 16,23.10 lakhs and Rs. 1,70.49 lakhs has been made for contribution to Capital Construction Fund and Emergency Reserve Fund respectively.

Expenditure on Capital Account

26. It has been estimated that during 1980-81 the expenditure on construction works and prurchase of equipment for hospitals would amount to Rs. 9,25.00 lakhs, vide details below—

	(Rupees in lakhs)
I—Office buildings and staff quarters.	
Continuing Works	1,11.19
New Works	13.81
II—Hospitals, Dispensaries & Staff Quarters	
Continuing Works	5,46.50
New Works	2,53.50
Total I & II	9,25.00

Excess of Income over Expenditure

27. An excess of income over expenditure amounting to Rs. 6,81.96 lakhs has been anticipated in the Budget Estimates 1980-81

Closing Cash Balances

28. The closing balance with the Banks and Cash in Hand are anticipated at Rs. 6,34.65 lakhs and Rs. 6,36.09 lakhs on 31st March, 1980, and 31st March 1981 respectively.

A sum of about Rs. 5,00.00 lakhs is required by the Regional Offices, Local Offices and other Officer for disbursing salary on 1st April, meeting administrative expenses and payment of cash benefits to Insured Persons during the first 3 weeks of the month. Another amount of about Rs. 1,50.00 lakhs remains in Account No. 1 of Regional Offices (Collection Account); this represents contributions received on 30th and 31st March, and is transmitted to the Corporation's main account in Delhi after 31st March.

Resource Position

29.1. In the light of adequate cash flow, the ways and means position of the Corporation will be satisfactory throughout the year. Out of the investments made during the previous years from the General Cash Balance, a sum of Rs. 15,06.38 lakhs will mature during the year 1980-81.

29.2 The position in regard to long term investment of surplus general cash balance likely to be as under.

	1979-80	1980-81
	(Rupees in lakhs)	
Opening Cash Balance	6,31.48	6,34.65
Excess of income over expenditure :		
(i) Revenue Account	7,29.28	6,81.97
(ii) Other heads (Debt, Deposits, Advances etc.)	(—) 19.17	(—)42.52
Total	13,41.59	12,74.09
Less Cash in Hand and with Banks (Closing Balance)	6,34.65	6,36.09
Investible surplus of general cash balance.	7,06.94*	6,38.00

*The figures are exclusive of the investments made from the earmarked reserve funds.

Reserve Funds

30. The position in regard to balances of the various Reserve Funds is shown under.

Name of Reserve Fund	Balance as on 31-3-79 (Actuals)	Balance as on 31-3-80 (Estimated)	Balance as on 31-3-81 (Estimated)
	(Rupees in lakhs)		
1. ESI Provident Fund	4,88.55	5,98.40	7,17.95
2. Provident Fund Deposit linked Insurance Fund	1.08	1.12	1.15
3. ESIC Group Insurance Fund	0.76	3.68	6.69
4. Pension Reserve Fund	8,29.88	9,02.31	9,65.18
5. Depreciation Reserve Fund of Office Bldgs. (including Staff quarters)	35.65	40.43	45.69
6. Depreciation Reserve Fund of Hospital Buildings	3,98.78	4,61.74	5,24.14
7. Depreciation Reserve Fund of Staff Cars	6.12	6.22	6.20
8. Repair & Maintenance Reserve Fund of Office Buildings (including staff quarters)	28.12	27.36	27.26
9. Repair & Maintenance Reserve Fund of Hospital Buildings	5,39.63	5,98.36	6,62.04
10. Permanent (partial & Total) Disablement Benefit Reserve Fund	18,62.86	20,56.66	22,37.93
11. Dependants' Benefit Reserve Fund	10,51.07	11,32.33	12,04.31
12. Compassionate Reserve Fund	0.28	0.29	0.30
13. Capital Construction Reserve Fund	36,42.89*	45,88.75*	53,90.35*
14. Emergency Reserve Fund	34,94.27	38,08.66	40,41.73
Total			

*The figures are provisional and exclude advances made to State Governments for construction Works.

Investments

31.1. The investments of the Corporation under different Funds as on 31st December, 1979, are shown below.

Name of Fund/Balance	Amount invested as on 31-12-1979
	(Rupees in lakhs)
1. ESI Provident Fund	4,88.55
2. Provident Fund Deposit linked Insurance Fund	1.08
3. ESIC Group Insurance Fund	0.76
4. Pension Reserve Fund	8,29.88
5. Depreciation Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including staff quarters)	35.65
6. Depreciation Reserve Fund of Hospital Buildings	3,98.78
7. Depreciation Reserve Fund of Staff Cars	6.12
8. Repair & Maintenance Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including staff quarters)	28.12
9. Repair & Maintenance Reserve Fund of Hospital Buildings	5,39.63
10. Permanent (Partial & Total) Disablement Benefit Reserve Fund	18,62.86
11. Dependants, Benefit Reserve Fund	10,51.07
12. Compassionate Reserve Fund	0.28
13. Capital Construction Reserve Fund	36,42.89
14. Emergency Reserve Fund	34,94.27
15. Investment of General Cash Balance	1,59,23.15(a)
TOTAL	2,83,03 09 (b)

(a) See next page.

(b) Total balance of earmarked funds Rs. 88,85.67 lakhs
Total balance of non-earmarked funds (Emergency Reserve Fund and General Cash Balance). Rs. 1,94,17.42 lakhs

(a) Notes: 1. During the course of the year as and when surplus cash balance is available it is invested under the head 'General Cash Balance'. On the close of the financial year, the investments already made during the year are allocated to various Reserve Funds to the extent such Funds are required to be built up. Therefore, while in the case of serial No. 15 the balance shown is as on 31-12-1979, in the case of S. Nos. 1 to 14 the balance shown is the same as on 31-3-1979.

2. A part of the investments are likely to be encashed during the year.

31.2. The investments are now made in fixed deposits under "Re-investment Plan" of the State Bank of India. The investment under "Re-investment Plan" bring interest greater than what is available on other investments. With effect from 13-9-1979, the Corporation will get Rs. 1,680 for an investment of Rs. 1,000 for 63 months.

31.3. On the present reckoning, a capital outlay of about Rs. 1,86,37.00 lakhs would be required for Construction of hospitals/dispensaries/staff quarters as per approved norms, and also buildings for Regional/Local Offices (including staff quarters) of the Corporation. Construction works with an outlay of Rs. 14,33.00 lakhs are in progress. The construction of more hospitals, dispensaries is being pursued. As the Scheme grows, more and more hospitals, dispensaries, office buildings of the Corporation and staff quarters will require to be constructed.

Five Year Perspective Plan of the Employees' State Insurance Corporation.

32.1. A broad forecast of the income and expenditure of the Corporation in the foreseeable future was presented alongwith the Budget Estimates 1979-80. As explained in the Budget Estimates 1979-80 and also the explanatory memorandum at Appendix V, the Perspective Plan for the next five years will depend upon the decisions to be taken by the Central Government on a number of matters receiving consideration about extension of the Scheme. The Five Year Perspective Plan will thus be formulated after the final outcome of the recommendations of the High Powered Sub-Committee on amendments to the Employees' State Insurance Act is Known.

32.2. The statement in Appendix VI shows (1) per capita income from Contributions, (2) per capita expenditure on revenue account (excluding the amounts transferred to Capital Construction and Emergency Reserve Funds) and (3) the margin in contribution income since 1970-71. The statement in Appendix VII shows the likely increase in per capita expenditure during 1980-81, 1981-82 and 1982-83.

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

Revised Estimates for the year 1979-80 & Budget Estimates for the year 1980-81

Statement A—RECEIPTS

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in Lakhs)
Principal Heads of Revenue				
I. Contributions Employers' & Employers' shares	1,46,75.94	1,52,37.00	1,55,06.97	1,62,31.00
II. State Governments/Union Territories shares towards medical benefits initially incurred by the Corporation	1,10.49(a)	35.16	66.52 (b)	43.00
Other Heads of Revenue				
III. Interest and Dividends (c)	5,28.27	4,41.90	4,81.88(d)	3,38.85 (e)

(a) Includes arrears pertaining to previous years.
(b) Includes realisation of Rs. 28.22 lakhs on account of arrears pertaining to pevious years.
(c) Excludes interest in respect of Reserve Funds.
(d) See paragraph 9.6 of Explanatory Memorandum.
(e) See paragraph 18.3 of Explanatory Memorandum.

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in Lakhs)
IV. Compensations	42.34	51.44	48.11	74.19
V. Rents, Rates & Taxes				
(i) Officers of the Corporation (including staff quarters)	7.26	7.51	7.51	7.75
(ii) Hospitals, Dispensaries (including staff quarters)	3,55.54	3,80.00	3,63.00 (a)	3,99.00
VI. Fees, Fines & Forfeitures	30.08	30.41	25.20	26.51
VII. Miscellaneous	15.56	15.41	14.00	14.40
Total—Revenue Receipts	1,57,65.48	1,61,98.83	1,65,13.19	1,71,34.70

(a) The receipts from rent are less on account of delay in completion of certain projects.

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in Lakhs)
Debt, Reserve Funds, Deposits, Advances and Remittances				
Ordinary Debt				
Loans refunded by State Government	25.17	36.58	25.17	25.17
Total-Ordinary Debt	25.17	36.58	25.17	25.17
Unfunded Debts				
ESIC General Provident Fund				
(i) Employees' subscription	1,13.45	1,10.00	1,45.00	1,60.00
(ii) Interest on Employees' Subscription	27.35	28.75	31.25	34.80
ESIC Contributory Provident Fund				
(i) Employees' subscription	10.04	10.00	10.05	10.80
(ii) Corporation's contribution	2.59	3.00	2.55	2.50
(iii) Interest on—				
(a) Employees' subscription	4.07	4.40	4.55	4.95
(b) Corporation's contribution	3.07	3.00	3.50	4.00
ESIC Group Insurance Fund				
(i) Annual provision during the year	3.16	2.92	4.95	5.20
(ii) Interest realised on investments	—	—	0.03	0.02
Total —Unfunded Debts	1,63.73	1,62.07	2,02.33	2,22.27

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in Lakhs)
Reserve Funds				
Depreciation Reserve Fund Account of Buildings for the Offices of the Corporation (Including staff quarters)				
(i) Annual Depreciation charges transferred to Fund	3.33	3.83	3.43 (a)	4.32
(ii) Interest realised on investments	1.58	1.32	1.35 (b)	0.94 (b)
Depreciation Reserve fund Account of Hospital and Dispensary Buildings (including staff Quarters)				
(i) Annual Depreciation charges transferred to Fund	36.45	47.89	47.89	51.89
(ii) Interest realised on investments	17.70	14.80	15.07 (b)	10.51 (b)

(a) The decrease is due to completion of less number of buildings.

(b) The decrease is on acocount of investments in the 'Reinvestment Plan' of the State Bank of India under which interest falling due will be credited to the Corporation's account on maturity.

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in Lakhs)
Depreciation Reserve Fund Account of Staff Cars.				
(i) Annual Depreciation charges transferred to Fund	0.22	0.38	0.29	0.24
(ii) Interest realised on investments	0.29	0.24	0.23 (a)	0.16 (a)
Deduct—Actuals payments during the year	(—)0.33	(—)0.35	(—)0.42	(—)0.42
Repairs & Maintenance Reserve Fund Account of Buildings for the Offices of the Corporation (including staff quarters)				
(i) Annual Repair and Maintenance charges transferred to Fund	9.66	11.16	9.93	11.16
(ii) Interest realised on investments	1.44	1.20	1.06 (a)	0.74 (a)
(iii) Refunds from construction agencies out of advances of earlier years.	3.86	0.16	—	—
Deduct—Advances to construction agencies during the year	(—)14.87	(—)11.75	(—)11.75	(—)12.00

(a) The decrease is on account of investments in the 'Reinvestment Plan' of the State Bank of India under which interest falling due will be credited to the Corporation's account on maturity.

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in Lakhs)
Repairs & Maintenance Reserve Fund Account of Hospital and Dispensary Buildings (including Staff Quarters)				
(i) Annual Repairs and Maintenance charges transferred to Fund	1,05.69	1,38.88	1,38.88	1,50.46
(ii) Interest realised on investments	24.77	20.70	20.39 (a)	14.22(a)
(iii) Refund from construction agencies out of advances of earlier years	15.74	21.00	—	—
Deduct—Advances to construction agencies during the year	(—)88.63	(—)1.00,54	(—)1,00.54	(—)1,01.00
Permanent (Partial and Total) Disablement Benefit Reserve Fund Account				
(i) Annual amount transferred to the Fund	6,38.60	6,29.59	6,88.31	7,29.00
(ii) Interest realised on investments	89.55	74.84	70.39 (a)	49.09 (a)
Deduct—Actual payments during the year	(—)6,08.44	(—)6,94.56	(—)5,64.90	(—)5,96.82

(a) The decrease is on account of investments in the 'Re-investment Plan' of the State Bank of India under which interest falling due will be credited to the Corporation's account on maturity.

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in Lakhs)
Dependants' Benefit Reserve Fund Account				
(i) Annual amount transferred to the Fund	1,44.68	1,54.45	1,58.84	1,70.10
(ii) Interest accrued and/or realised on investments	49.21	41.12	39.72 (a)	27.70 (a)
Deduct— Actuals payments during the year	(—)1,00.69	(—)1,06.98	(—)1,17.30	(—)1,25.82
Pension Reserve Fund Account for Employees of the Corporation				
(i) Annual Contribution transferred to Fund(b)	18.11 (c)	59.75	59.25	60.50

(a) The decrease is on account of investments in the 'Reinvestment Plan' of the State Bank of India under which interest falling due will be credited to the Corporation's account on maturity.

(b) Includes the contribution in respect of staff in the Directorate (Medical), Delhi.

(c) Represents net amount after taking into account the adjustment of excess provision of (Rs. 33.67 lakhs) at the rate of 2% from 1-4-1974, together with interest thereon.

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in lakhs)
(ii) Interest realised on investments .	40.37	33.74	31.36 (a)	21.87 (a)
Deduct—Actual payments during the year	(—)14.42	(—)16.00	(—)18.18	(—)19.50
Compassionate Reserve Fund Account for the Employees of the Corporation				
(i) Annual Contribution transferred to Fund	0.36	0.35	0.35	0.35
(ii) Interest realised on investment .	—	—	0.01	0.01
Deduct—Actual payments during the year .	(—)0.18	(—)0.35	(—)0.35	(—)0.35
Provident Fund Deposit Linked Insurance Fund				
(i) Annual amount transferred to the Fund	0.80	0.90	0.90	0.90
(ii) Interest realised on investments .	0.04	0.03	0.04	0.03 (a)
Deduct—Actual payments during the year .	(—)0.50	(—)0.90	(—)0 90	(—)0.90

(a) The decrease is on account of investments in the 'Re-Investment Plan' of the State Bank of India under which interest falling due will be credited to the Corporation's account on maturity.

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in Lakhs)
Capital Construction Reserve Fund				
(i) Amount transferred to the Fund .	14,67.60	15,23.70	15,50.70	16,23.10
(ii) Interest realised on investments .	1,56.85	1,31.09	1,37.66(a)	96.00(a)
(iii) Refunds from construction agencies .	4.68	—	7.50	7.50
Deduct—Advances to construction agencies during the year for—				
(a) Buildings of the offices of the Corporation . .	(—)77.93	(—)1,25.00	(—)85.00	(—)1,25.00
(b) Hospital and Dispensary buildings	(—)7,28.11	(—)9,75.00	(—)6,65.00	(—)8,00.00
Emergency Reserve Fund				
(i) Amount transferred to the Fund .	5 15.24	3,33.80	1,82.35	1,70.49

(a) The decrease is on account of investments in the 'Re-Investment Plan' of the State Bank of India under which interest falling due will be credited to the Corporation's action on maturity.

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in lakhs)
(ii) Interest realised on investments .	1,45.66	1,21.55	1,32.04(a)	92.08(a)
Total-Reserve Funds . . .	18,58.28	13,35.14	17,33.60	15,11.55
Deposits				
(i) Deposits of Securities . . .	5.32	4.58	4.00	4.00
(ii) Other Deposits (b) . . .	44.10	30.00	46.00	46.00
TOTAL-DEPOSITS . . .	49.43	34.58	50.00	50.00
Advances				
(a) Permanent Advances . . .	—	—	—	—
(b) Advances to the employees of the Corporation				
(i) Advance of pay on transfer . .	1.08	1.40	1.12	1.20

(a) The decrease is on account of investments in the 'Reinvestment Plan' of the State Bank of India under which interest falling due will be credited to the Corporation's account on maturity.

(b) This head includes (i) Deductions from the bill payable to other parties, (ii) Unclaimed Deposits in the ESIC Provident Fund and (iii) Unclassified Receipts (Suspense Account).

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in lakhs)
(ii) Advance of T.A. on transfer	1.63	2.00	1.20	1.50
(iii) Advance for the purchase of Motor conveyance	3.94	4.50	4.00	4.20
(iv) Advance for the purchase of other conveyance	2.78	3.10	3.00	3.10
(v) House Building Advance	11.82	14.00	11.90	12.00
(vi) Miscellaneous Advances (Festival advance, Flood Advance and Fan Advance)	10.65	12.00	20 43(a)	23.54
(c) Other Advances				
(i) Advance payment on behalf of the State Governments	0 02	0.10	0.05	0.05

(a) The increase is on account of recovery of advances paid to the employees of the Corporation for flood relief, which was not anticipated at the budget stage.

Heads of Accounts	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in lakhs)
(ii) Miscellaneous (a)	20.38	25.00	20.00	25.00
TOTAL-ADVANCES	52.30	62.10	61.70	70.59
Remittances				
(i) Cash Remittances (Net) (b)	28.46	40.00	25.00	—
(ii) Other Remittances (Net) (c)	0.97	1.00	1.00	—
TOTAL-REMITTANCES	29.43	41.00	26.00	—

(a) This head includes recovery/adjustment of (i) Advances to Controller of Stationery, Calcutta, (ii) Advances to Printing and Stationery Departments of State Governments, (iii) Advances to Regional Offices and other offices of the Corporation, (iv) Advances to Municipal Committees, Local Bodies etc., (v) Advances for legal charges, (vi) Advances to the Corporation's departmental canteens and (vii) Other advances which are not classified else-where.

(b) The term 'Cash Remittances' denotes transfer of funds (cash) from one Account circles to another and vice-versa. The revenue of the Corporation is collected by sale of stamps/cash realisation through the State Bank of India and its Associate Banks. The contribution received are transferred to the accounts of the respective Regional Office Account No. 1 (Collection Account) and finally transferred to Account No. 1 (Central) of the Headquarters Office. Funds for administrative expenditure and benefit payments to insured persons are provided to Regional Office/Local Offices from Central Account No. 1 (Headquarters Office) by making transfers. All such transactions in transferring funds from one office to another are known as 'Cash Remittances."

(c) The term 'Other Remittances' denotes book adjustments between one office of the Corporation and the other and vice versa. Transactions originating in one office of the Corporation adjustable in the books of another office of the Corporation are transferred through Exchange Account.

Heads of Accounts	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in lakhs)
TOTAL—DEBT, DEPOSITS, ADVANCES AND REMITTANCES	21,78.34	16,71 47	20,98.80	18,79.58
TOTAL—RECEIPTS	1,79,43.82	1,78,70.30	1,86,11.99	1,90,14.28
Opening Balance	6,61.53	3,42.65	6,31.48	6,34.65
GRAND TOTAL	1,86,05.35	1,82,12.95	1,92,43.47	1,96,48.93

Statement B—Expenditure

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in lakhs)
Expenditure on Revenue Account				
1. Benefits to Insured Persons and Their Families				
A-Medical Benefits				
(i) Payments to State Governments etc. as Corporation's share of their expenses on providing medical care, treatment and Maternity facilities.	49,90.30 (Includes arrear payments amounting to Rs. 10,01 01 lakhs)	56,85.56 (Includes arrear payments amounting to Rs. 12,36.79 lakhs)	60,02.64(a) (Includes arrear payments amounting to Rs. 12,69.86 lakhs)	64,98.45 (Includes arrear payments amounting to Rs. 12,46 56 lakhs)

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in lakhs))
(ii) Medical treatment and care and Maternity facilities (expenses directly incurred by the Corporation).	2,97.01 (Includes Rs. 9.96) lakhs towards payment of confinement fees in Vidarbha area in Maharashtra)	3,60.00 (Includes Rs. 10.00 lakhs towards payment of confinement fees in Vidarbha area in Maharashtra)	3,53.00 (Includes Rs. 10.00 lakhs towards payment of confinement fees in Vidarbha area in Maharashtra)	3,74.00 (Includes Rs. 10.00 lakhs towards payment of confinement fees in Vidarbha area in Maharashtra)
Total—A—Medical Benefits . . .	52,87.31	60.45.56	63,55.67	68,72.45
B—Cash Benefits				
(i) Sickness Benefit	33,56.49	36,32.60	42,67.89(b)	41,46.50
(a) *See* paragraph 11.1 of Explanatory Memorandum.				
(b) *See* paragraph 11.2 of Explanatory Memorandum.				
(ii) Extended Sickness Benefit . .	3,14 42	3.44.44	3,36.13	3,56.34
(iii) Maternity Benefit	1,73 90	1,97.22	1,90.37	1,98.22
(iv) Disablement Benefit				
(a) Temporary Disablement . .	6,45.53	6,88.00	7,00.40	7,41.75
(b) Permanent Disablement (a) .	6,38.60	6,29.59	6,88.31	7,29.00
(v) Dependants' Benefit(a) . . .	1,44.68	1,54.45	1,58.84	1,70.10
(vi) Funeral Benefit . . .	9.70	10.09	9.91	10.56
TOTAL-B—CASH BENEFITS . . .	52,83.32	56,56.39	63.51.85(b)	63 52.47
C—Other Benefits				
(a) Expenditure on rehabilitation of disabled Insured Persons . . .	0.28	0.52	0.30	0.40
(b) Medical Boards & Appeal Tribunals	3.74	5.15	4.49	5.32
(c) Payments to Insured Persons on account of Conveyance charges and/or loss of wages	3.43	3.71	3.64	4.12
(d) Miscellaneous	6.43	7.03	8.00	9.60
TOTAL-C—OTHER BENEFITS .	13.88	16.41	16 43	19.44
TOTAL OF HEAD' I—BENEFITS . .	1 05,84.51	1,17,18.36	1,27,23.95	1,32,44.36

(a) Provision is made on actuarial basis.
(b) *See* paragraph 11.2 of the Explanatory Memorandum.

2. ADMINISTRATION				
A—SUPERINTENDENCE				
Corporation, Standing Committee, Regional Boards etc. T.A. . . .	0.55	0.90	0.90	0.92
Principal Officers				
(i) Pay of Principal Officers . . .	0.96	1.47	0.89	1.48
(ii) Allowances and Honoraria . .	1.09	1.24	1.13	1.30
TOTAL—PRINCIPAL OFFICERS . .	2.05	2.71	2.02	2.78
Other Officers				
(i) Pay of Other Officers . . .	33.98	36.05	36.15	37.43
(ii) Allowances and Honoraria	24.31	25.38	26 66	29.43
TOTAL—OTHER OFFICERS . . .	58.29	61.43	62.81	66.86
Ministerial Establishment				
(i) Pay of Establishment . . .	1,54.79	1,64.94	1,68.78	1,76.60
(ii) Allowances & Honoraria . .	1,45.69	1,54.31	1,67.77	1,80 90
TOTAL—MINISTERIAL ESTABLISHMENT	3,00.48	3,19.25	3,36.55	3,57.50

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in lakhs)
GROUP 'D' STAFF				
(i) Pay of Group 'D' Staff	24.60	25.82	25.12	25.70
(ii) Allowances & Honoraria	25.66	27.42	28.34	29.90
TOTAL—GROUP 'D' STAFF	50.26	53.24	53.46	55.60
CONTINGENCIES				
(a) Postage, Telegram and Telephone charges	15.66	16.50	16.44	17.00
(b) Stationery & Forms	35.83	46.99	46.00	47.00
(c) Contribution Stamps	6.10	9.00	0.25	0.10
(d) Purchase, Repair & Maintenance of typewriters, duplicators etc.	1.41	2.32	1.50	2.00
(e) Purchase, Repair & Maintenance etc. of Adrema equipment	1.09	4.30	2.90	3.00
(f) Rents, Rates & Taxes	21.15	20.28	22.00	23.00
(g) Furniture	2.57	3.73	2.70	2.90
(h) Special Equipment for records	0.53	1.27	0.70	1.09
(i) Purchase, Repair & Maintenance of general articles of office use	2.87	2.99	3.01	3.06
(j) Purchase, Repair & Maintenance of Cycles	0.01	0.06	0.02	0.03
(k) Purchase, Repair and Maintenance of Liveries	2.32	2.52	2.52	2.90
(l) Books, Periodicals and other publications	0.21	0.45	0.43	0.43
(m) Hot and Cold Weather charges	0.23	0.66	0.25	0.25
(n) Miscellaneous				
(i) Amenities to staff	0.98	9.52	12-37(a	13.24
(ii) Miscellaneous	10.27			
(o) Repair & Maintenance of Staff Cars	1.86	2.24	1.86	2.00
TOTAL—CONTINGENCIES	1,03.09	1,22.83	1,12.95	1,18.00
TOTAL—A—SUPERINTENDENCE	5,14.72	5,60.36	5,68.69	6,01.66
B. Field Work				
Officers				
(i) Pay of officers	8.80	8.78	11.03	11.57
(ii) Allowances & Honoraria	5.85	6.07	7.83	8.52
TOTAL—OFFICERS	14.65	14.85	18.86	20.09
MINISTERIAL ESTABLISHMENT				
(i) Pay of establishment	1,65.37	1,75.53	1,78.73	1,87.20
(ii) Allowances & Honoraria	1,32.48	1,37.51	1,56.52	1,73.80
TOTAL—MINISTERIAL ESTABLISHMENT	2,97.85	3,13.04	3,35.25	3,61.00

(a) The increase is mainly on account of grants to more number of canteens etc.

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in lakhs)
GROUP 'D' STAFF				
(i) Pay of Group 'D' Staff	23.97	25.45	25.24	25.85
(ii) Allowances & Honoraria	21.55	22.69	25.24	27.70
TOTAL—GROUP 'D' STAFF	45.52	48.14	50.48	53.55
CONTINGENCIES				
(a) Postage, Telegrams and Telephone Charges	4.91	5.60	5.40	5.60
(b) Stationery and Forms	0.78	0 76	0.80	0.90
(c) Purchase, Repair & Maintenance of typewriters, duplicators etc.	0.43	0.76	0.58	0.76
(d) Rents, Rates and Taxes	23.23	26.61	26.20	26.61
(e) Furniture	1.86	1.62	2.32	2.66
(f) Special equipment for records	0.47	1.06	1.00	1.06

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in lakhs)
(g) Purchase, Repair & Maintenance of general vehicles of office use	0.61	1.13	0.70	0.80
(h) Purchase, Repair and Maintenance of Cycles	0.04	0 08	0.06	0.06
(i) Purchase, Repair and Maintenance of liveries	0.25	0.68	0.40	0.45
(j) Books, Periodicals and other Publications	0.01	0.04	0.02	0.04
(k) Hot and Cold weather charges	0.28	0.32	0.32	0.36
(l) Miscellaneous (i) Amenities to Staff (ii) Miscellaneous	6.24	6.15	7.00	7.80
TOTAL—CONTINGENCIES	39.11	44.81	44.80	47 10
TOTAL—B—FIELD WORK.	3,97.13	4,20.84	4,09.39	4,81.74
C—OTHER CHARGES				
Legal charges	5.13	4.60	5.25	5.50
Insurance Courts	0.68	1.08	0.86	0.95
Publicity & Advertisement	1.06	0.98	1.20	1.50
Charges for maintaining Banking Accounts	8.45	0.96(a)	0.48 (a)	0.25 (a)

(a) The reduction is on account of waiver of commission on sale of stamps and credit summations in Account No. I, charges for delivery of cash in Calcutta and Kanpur by the cash vans of the State Bank of India and reduction of telegram charges from Rs. 7 to Rs. 3 per telegraphic transfer of funds between the Corporation's Offices.

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in lakhs)
Leave Salary and Pension Contributions	1.39	0.97	1.66	1.26
Audit Fees	2.55	2.20	2.60	2.60
Repair, Maintenance and Depreciation				
(a) Depreciation of buildings for the Offices of the Corporation (Including staff quarters)	3.33	3.83	3.43	4.32
(b) Depreciation of Staff Cars	0.22	0.38	0.29	0.24
(c) Repair & Maintenance of buildings for the Offices of the Corporation (including Staff Quarters)	9.66	11.16	9.93	11.16
Retirement Benefits				
(a) Corporation's Contribution towards Pension Reserve Fund	12.44 (a)	53.00	53 00	53.50
(b) Corporation's Contribution to ESIC Contributory Provident Fund	2.59	3.00	2.55	2.50

(a) Represents net amount after taking into account the adjustment of excess provision (Rs. 33.67 lakhs) of 2% from 1-4-1974, together with interest thereon.

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in lakhs)
Interest Paid to ESIC Provident Fund				
Contributory Provident Fund	7.14	7.40	8.05	8.95
General Provident Fund	27.35	28.75	31.25	34.80
Compassionate Reserve Fund for the employees of the Corporation	0.35	0.35	0.35	0.35
Provident Fund Deposit-linked Insurance Scheme	0.80	0.90	0.90	0.90
Miscellaneous	0.04	0.26	0.26	0.26
TOTAL C—OTHER CHARGES	83.18	1,19.82	1,22.06	1,29.04
TOTAL OF HEAD 2—ADMINISTRATION	9,95.03 (a)	11,01.02	11,40.14	12,12.44
3. Hospitals, Dispensaries etc.				
Repair, Maintenance, Depreciation etc. Hospitals and Dispensaries—				
(a) Depreciation of Hospital/Dispensary buildings	36.45	47.89	47.89	51.89
(b) Repair & Maintenance of Hospitals/ Dispensary buildings	1,05.69	1,38.88	1,38.88	1,50.46
TOTAL—HEAD 3—HOSPITALS/DISPENSARIES ETC.	1,42.14	1,86.77	1,86.77	2,02.35

(a) See footnote on pre-page.

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in lakhs)
4. Contributions to Capital Construction and Emergency Reserve Funds :				
(i) Annual Contribution to Capital Construction Reserve Fund . .	14,67.60	15,23.70	15,50.70	16,23.10
(ii) Annual Contribution to Emergency Reserve Fund	5,15.24	3,33.80	1,82.35	1,70.49
TOTAL HEAD 4—CONTRIBUTIONS TO CAPITAL CONSTRUCTION AND EMERGENCY RESERVE FUNDS	19,82.84	18,57.50	17,33.05	17,93.59
TOTAL—EXPENDITURE ON REVENUE ACCOUNT	1,37,04.52	1,48,63.65	1,57,83.91	1,64,52.74
5. Expenditure on Capital Account				
Staff Cars				
Purchase of Staff Cars	—	0.70	—	—
DEBT, RESERVE FUNDS, DEPOSITS, ADVANCES AND REMITTANCES				
Unfunded Debts				
ESIC Provident Fund				
Payments to Subscribers				
(i) General Provident Fund . . .	76.97	1,00.00	80.00	90.00
(ii) Contributory Provident Fund . .	7.30	10.00	7.50	7.50
ESIC Group Insurance Fund				
(i) Premium paid to L.I.C. . . .	2.40	2.40	2.05	2.20
(ii) Endowment Benefit to employees .	..	..	0.01	0.01
TOTAL—UNFUNDED DEBTS . .	86.67	1,12.40	89.56	99.71
RESERVE FUNDS				
Depreciation Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including staff Quarters) Investment Account				
Investment during the year . . .	4.91	5.16	4.78	5.26
Depreciation Reserve Fund of Hospital Buildings Investment Account .				
Investment during the year . . .	54.15	62.69	62.96	62.40
Depreciation Reserve Fund of Staff Cars Investment Account				
Investment during the year . . .	0.50	0.27	0 10	(—)0.02 (a)

(a) The expenditure on purchase of staff car is more than the annual provision for depreciation of existing cars and interest received on investment. The expenditure will be met from accumulation of earlier years in the Fund.

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in lakhs)
Repairs & Maintenance Reserve Fund of Buildings for the Offices of the Corporation (including Staff Quarters) Investment Account				
Investment during the year . .	0.09	0.77	(—)0.76 (a)	(—)0.10 (a)
Repairs & Maintenance Reserve Fund of Hospital Buildings Investment Account				
Investment during the year . . .	57.56	95.04	58.73	63.68
Permanent (Partial & Total) Disablement Benefit Reserve Fund Investment Account				
Investment during the year . . .	1,19.71	9.87	1,93.80 (b)	1,81.27
Dependants Benefit Reserve Fund Investment Account				
Investment during the year . . .	93.20	88.59	81.26	71.98

(a) Advances for repairs and maintenance works are expected to be more than the annual provision to the Fund and interest received on investment. The expenditure will be met from accumulation of earlier years in the Fund.

(b) The increase is mainly due to less payments than anticipated earlier.

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in lakhs)
PENSION RESERVE FUND FOR THE EMPLOYEES OF THE CORPORATION INVESTMENT ACCOUNT				
Investment during the year	44.06	77.49	72.43	62.87
ESIC PROVIDENT FUND INVESTMENT ACCOUNT				
Investment during the year	76.31	49.15	1,09.85	1,19.55
ESIC GROUP INSURANCE FUND INVESTMENT ACCOUNT				
Investment during the year	0.76	—	2.92	3.01
CAPITAL CONSTRUCTION RESERVE FUND INVESTMENT ACCOUNT				
Investment during the year	5,89.59	5,54.79	9,45.86 (a)	8,01.60
COMPASSIONATE RESERVE FUND FOR THE EMPLOYEES OF THE CORPORATION INVESTMENT ACCOUNT				
Investment during the year	0.18	—	0.01	0.01
PROVIDENT FUND DEPOSIT LINKED INSURANCE FUND INVESTMENT ACCOUNT				
Investment during the year	0.33	0.03	0.04	0.03

(a) The increase is due to higher annual accretion on account of increase in contribution income and less payments on account of slow progress of construction works.

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in lakhs)
EMERGENCY RESERVE FUND INVESTMENT ACCOUNT				
Investment during the year	6,60.80	4,55.45	3,14.39 (a)	2,62.57
TOTAL—RESERVE FUNDS	17,02.15	13,99.30	18,46.37	16,34.11
DEPOSITS				
(i) Deposits of Securities	3.26	2.90	4.00	4.00
(ii) Other Deposits (b)	66.37	30.00	42.00	42.00
TOTAL—DEPOSITS	69.63	32.90	46.00	46.00
ADVANCES				
(a) Permanent Advances	0.08	0.16	0.08	0.09
(b) Advances to the employees of the Corporation				
(i) Advance of pay on transfer	1.16	1.50	1.20	1.24
(ii) Advance of T.A. on Transfer	1.78	2.10	1.50	1.60
(iii) Advance for the purchase of Motor Conveyance	6.52	6.50	6.80	7.00

(a) The decrease is due to less annual accretion to the Fund on account of increase in revenue expenditure.

(b) This head includes payments in respect of (i) Deductions from bills payable to other parties, (ii) Unclassified Deposits of ESIC Provident Fund and (iii) Unclassified Payments (Suspense Account).

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in lakhs)
(iv) Advance for the purchase of other conveyance	3.35	5.00	3.50	3.50
(v) House Building Advance	27.58	33.00	30.00	30.50
(vi) Miscellaneous Advances Festivals Advance (Flood Advance and Fan Advance)	32.94	18.36	29.87 (a)	27.328
(c) Other Advances				
(i) Advance payments on behalf of State Governments	0.02	0.05	0.03	0.03
(ii) Miscellaneous (b)	15.05	22.00	40.00	45.00
TOTAL—ADVANCES	88.48	88.67	1,12.98	1,16.28

(a) The increase is on account of advances paid to the employees of the Corporation for flood relief, which was not anticipated at the Budget stage.

(b) This head includes (i) Advances to Controller of Stationery, Calcutta, (ii) Advances to Printing and Stationery Department of State Governments, (iii) Advances to Regional and other offices of the Corporation, (iv) Advances to Municipal Committees, Local Bodies etc. (v) Advances for legal charges (vi) Advances to Corporation's departmental canteens and (vii) Other Advances which are not classified elsewhere.

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budge 1980-81
				(Rupees in lakhs)
REMITTANCES				
Cash Remittances (Net) (a)	—	40.00	22.46	25.00
Other Remittances (Net) (b)	—	1.00	0.60	1.00
TOTAL—REMITTANCES	—	41.00	23.06	26.00
TOTAL—DEBTS, DEPOSITS ADVANCES & REMITTANCES	19,46.93	16,74.27	21,17.97	19,22.10
TOTAL—DISBURSEMENTS	1,56,51.45	1,65,38.62	1,79,01.88	1,83,74.84

(a) The term 'Cash Remittances' denotes transfer of funds (cash) from one Account circle to another and vice versa. The revenue of the Corporation is collected by sale of stamps/cash realisation through the State Bank of India and its Associate Banks. The contributions received are transferred to the accounts of the respective Regional Office Account No. 1 (Collection Account) and finally transferred to Account No. 1 (Central) of the Headquarters Office. Funds for administrative expenditure and benefit payments to insured persons are provided to Regional Offices/Local Offices from Central Account No. 1 (Headquarters Office) by making transfers. All such transactions in transferring funds from one office to another are known as 'Cash Remittances'.

(b) The term 'Other Remittances' denotes book adjustments between one office of the Corporation and the other and vice versa. Transactions originating in one office of the Corporation adjustable in the books of another office of the Corporation are transferred through Exchange Account.

Heads of Account	Actuals 1978-79	Budget 1979-80	Revised 1979-80	Budget 1980-81
				(Rupees in lakhs)
General Cash Balance				
Investment during the year	50,45.98	27,34.92	25,53.31	22,72.11
Deduct—Transfer to Reserve Funds	(—)27,23.56	(—)13,99.74	(—)18,46.37	(—)16,34.11
Closing Balance	6,31.48	3,39.15	6,34.65	6,36.09
GRAND TOTAL	1,86,05.35	1,82,12.95	1,92,43.47	1,96,48.93

M. L. SOBTI, Financial Adviser & Chief Accounts Officer Employees' State Insurance Corporation

APPENDIX-I

Statement showing the dates of anticipated extension of the Scheme in respect of places where it was anticipated to be extended upto 1979-80

State/Centre	No. of employees (Revised)	Date of extensions originally anticipated	Date of extension now anticipated
ANDHRA PRADESH			
Kothagudem, Paloncha and Ramavaram	1,900	Jan., 79	1980-81
Kothavaripally village (Madanapally Spg. Mills Ltd.)	500	Jan., 79	1980-81
ASSAM			
Silchar	500	1978-79	1980-81
Bongaigaon	600	Dec., 79	July, 80
Namrup	2,000	Dec., 79	Not anticipated
BIHAR			
Govindpur	2,400	1978-79	15-1-1980
Jasidih	1,500	1978-79	15-1-1980
Sakchi	1,000	1978-79	15-1-1980
Mango	2,500	1978-79	15-1-1980
Adityapur Phase-II	5,000	1978-79	March, 80
Jhinkpani	2,100	1978-79	March, 80
Jharia	1,100	1978-79	March, 80
GUJARAT			
Viramgam	2,200	Jan., 79	July, 80
Broach	3,500	Jan., 79	May, 80
Billimora	5,900	Jan., 79	July, 80
Vapi	4,700	Jan., 79	July, 80
Navsari	8,200	July, 79	1980-81
Bidhpur	2,500	July, 79	1980-81
Surendranagar	5,600	July, 79	1980-81
Vatva	5,900	July, 79	Aug., 80
Mehsana	1,400	July, 79	1980-81
Sikka	700	July, 79	May, 80
Thangarh	2,900	July, 79	May, 80
Bulsar	950	July, 79	June, 80
KARNATAKA			
Bijapur	1,300	Jan., 79	1980-81
Ramanagaram	900	Jan., 79	1980-81
Tumkur Road	650	Jan., 79	1980-81
Mandya	1,200	Jan., 79	1980-81
Karwar	1,400	Jan., 79	1980-81
KERALA & MAHE			
Kasargod	450	1978-79	3-2-1980
Hosdrug	300	1978-79	3-2-1980
Kottakal	500	1978-79	Sept., 80
Edapuul	800	1978-79	1980-81
Thirurangudi	50	1978-79	1980-81
MADHYA PRADESH			
Sagar	500	Jan., 79	1980-81
Sarni	900	Dec., 79	May, 80
Magher	600	Dec., 79	May, 80
Korba	1,500	Dec., 79	June, 80
MAHARASHTRA			
Palghar	1,000	Jan., 79	1980-81
Panvel	3,100	Jan., 79	1980-81
Poona area Satara Suburbs	2,600	Jan., 79	1980-81
Walchand Nagar	2,000	Jan., 79	1980-81
Khapoli	4,000	Jan., 79	1980-81
Bombay area :			
Dhanu Road	1,300	Apr., 79	Not anticipated
Mora Uran	1,400	Apr., 79	Not anticipated

State/Centre	No. of employees (Revised)	Date of extension originally anticipated	Date of extension now anticipated
Rohe	600	Apr., 79	Not anticipated
Nagpur area: Chandrapur	2,400	Apr., 79	1980-81
Poona area: Ahmednagar	4,600	Apr., 79	Not anticipated
Karad	1,600	Apr., 79	Not anticipated
Uchgaon	1,750	Apr., 79	Not anticipated
ORISSA			
Bhagatpur	600	Jan., 79	1980-81
Talcher	2,000	Jan., 79	1980-81
PUNJAB			
Barnala	500	Jan., 79	1980-81
Bhatinda	1,100	Jan., 79	1980-81
Gidderbaha	550	July, 79	1980-81
TAMILNADU			
Arumuganeri	1,400	1978-79	1980-81
Kanyakumari Suburbs	700	1978-79	1980-81
Kumarapalayam	1,000	1978-79	1980-81
Salem Suburbs	900	Feb., 79	1980-81
Thiruverambur	8,600	Feb., 79	1980-81
Dharapuram	700	July, 79	Not anticipated
UTTAR PRADESH			
Dalla	1,500	1978-79	30-9-80
Bullandshahar	1,400	July, 79	31-12-80
Azamgarh	800	Oct., 79	31-12-80
Faizabad includes Sohawal	1,500	Nov., 79	31-12-80
WEST BENGAL			
Asansol	6,200	1978-79	March, 80
Raniganj	6,150	1978-79	March, 80
Jaykayanagar	3,000	1978-79	Sept., 80
Rupnarayanpur	4,000	1978-79	Sept., 80
	1,98,550		

APPENDIX-II

Number of employees covered upto 31-12-1979 and planned to be covered under the scheme upto 31st March, 1981.

Area	Number of Employees covered upto 31-12-79	Number of Employees to be covered	Planned date of coverage 1979-80	Planned date of coverage 1980-81
1. ANDHRA PRADESH				
(i) Implemented areas	2,45,000			
(ii) Non-implemented areas				
Kothagudem, Paloncha and Ramavaram		1,900		1980-81
Kothavaripally village (Madanapally Spg. Mills Ltd.)		500		1980-81
2. ASSAM				
(i) Implemented areas	29,000			
(ii) Non-implemented areas				
Shillong		1,000	March, 80	
Silchar		500		1980-81
Jaggi Road		400		1980-81
Ledo		650		1980-81
Bakajan & Bongaigaon		1,600		1980-81
3. BIHAR				
(i) Implemented areas	1,26,300			
(ii) Non-implemented areas				
Govindpur, Jasidih, Sakchi, Mango		6,500	15-1-1980	
Adityapur Phase-II, Jhinkpani, Jharia and Tipudana		9,100	March, 80	
Jhajha and outskirts of Muzaffarpur		3,150		August, 80
4. CHANDIGARH				
(i) Implemented areas	14,000			

Area	Number of employees covered upto 31-12-79	Number of employees to be covered	Planned date of coverage 1979-80	Planned date of coverage 1980-81
5. DELHI				
(i) Implemented areas	2,45,000			
(ii) Non-implemented areas				
Delhi Transport Corporation		1,5000	March, 80	
6. GUJARAT				
(i) Implemented areas	5,39,100			
(ii) Non-implemented areas				
Mehsana & Sidhpur		3,900		1980-81
Surendernagar and Navsari		13,800		1980-81
Broach, Sikka and Thangadh		7,100		May, 80
Bulsar, Tulki, Singapur, Dabholi, Katargam and Phulpada		1,700		June, 80
Viramgam, Billimora & Vapi		12,800		July, 80
Vatva & Vithal Udyognagar		9,900		August, 80
(iii) New Sectors of employment		700	19-1-80	
7. HARYANA				
(i) Implemented areas	1,76,000			
(ii) Non-implemented areas				
Kundli, Rai & Dharuheda		3,900		May, 80
Murthal, Khairpur (Sirsa) & Hansi		3,300		July, 80
Contiguous areas of Bhiwani		500		August, 80
8. HIMACHAL PRADESH				
(i) Implemented areas	900			
9. JAMMU AND KASHMIR				
(ii) Non-implemented areas				
Srinagar, Pampore, Jammu and Kathua		11,600		May, 80
10. KARNATAKA				
(i) Implemented areas	2,86,000			
(ii) Non-implemented areas				
Bijapur		1,300		1980-81
Ramanagaram		900		1980-81
Tumkur Road, Mandya and Karwar		3,250		1980-81
Talaguppa		450		July, 80
Suburbs of Nanjagud and Avalahalli		800		August, 80
(iii) New Sectors of employment		46,550		December, 80
11. KERALA				
(i) Implemented areas	3,07,950			
(ii) Non-implemented areas				
Kassargod and Hosdrug		750	3-2-80	
Edappal, Thirurangudi		850		1980-81
Kottakal (Trivandrum Distt.)		500		September, 80
(iii) New sectors of employment		5,450		1980-81
12. MADHYA PRADESH				
(i) Implemented areas	1,70,500			
(ii) Non-implemented areas				
Industrial Estate, Dewas		3,000		1980-81
Sagar		500		1980-81
Bilaspur (includes Lal Khadan), Sarni and Magher		3,200		May, 80
Korba, Kymore, Neemuch and Raipur Industrial Estate		5,400		June, 80
13. MAHARASHTRA				
(i) Implemented areas	14,70,400			
(ii) Non-implemented areas				
Kirloskarwadi, Walchandnagar and Ogelwadi		8,600		1980-81
Satara Suburbs, Panvel, Palghar and Khopoli		10,700		1980-81
Chandrapur		2,400		1980-81
Achalpur, Kanhan and Kamptee		8,800		May, 80
Continguous areas of Thergaon, Mundhawa, Manjari, Deolali Cantonment and surrounding areas of Sangli and Miraj		5,700		July, 80

Area	Number of employees covered upto 31-12-79	Number of employees to be covered	Planned date of coverage 1979-80	Planned date of coverage 1980-81
14. NAGALAND				
(ii) Non-implemented areas				
Tuli		1,000		August, 80
15. ORISSA				
(i) Implemented areas	97,250			
(ii) Non-implemented areas				
Bhagatpur		600		1980 81
Talcher		2,000		1980-81
Paradeep, Baragarh (Tora)		3 100		June, 80
Belpahar, Kalunga, Latkata and Sunabeda		11,500		August, 80
16. PUNJAB				
(i) Implemented areas	1,56,000			
(ii) Non-implemented areas				
Barnala, Mandi Gobindgarh includes Bhatinda, Assau, Rail Majra and Gidderbaha		5,000		1980 81
Taran Taran		1,200		1980 81
Extended Municipal limits of Ludhiana		2,400		May, 80
Hoshiarpur		700		July, 80
17. PONDICHERRY				
(i) Implemented areas	15,000			
18. RAJASTHAN				
(i) Implemented areas	1,18,950			
(ii) Non-implemented areas				
Banswara, Bassi (Jodhpur) Vishwakarma Industrial area		3,200		July, 80
Sirsi (Jaipur Centre)		150		August, 80
19. TAMIL NADU				
(i) Implemented areas	4,47,800			
(ii) Non-implemented areas				
Kumarapalayam, Salem, Suburbs, Thuvakudi and Thiruverambur		10,500		1980-81
Arakuganeri and Kanyakumari Suburbs		2,100		1980-81
Veeravanallur, Nanguneri and Nassarath		1,800		August, 80
Srivilliputhur, Cuddalore Pattiveeranpatti Sivakasi Suburbs, Rajapalayam Suburbs		3,600		November, 80
20. TRIPURA				
(ii) Non-implemented areas				
Badarghat		800		1980-81
21. UTTAR PRADESH				
(i) Implemented areas	4,43,150			
(ii) Non-implemented areas				
Khurja		1,200	9 2-80	
Dalla		1 500		30-9-80
Faizabad includes Sohawal, Bullandshahar and Azamgarh		3,700		31-12-80
22. WEST BENGAL				
(i) Implemented areas	9,65,000			
(ii) Non-implemented areas				
Asansol and Raniganj		12,350	March, 80	
Cossimbazar, Berhampore, Mauzakulia and Mauzasagumma		2,600		August, 80
Jaykaynagar and Rupnarayanpur		7,000		September, 80
Provision for growth		50,100		
Total	58,53,300	3,46,700*		

*Includse 96,700 additional employees expected to be covered during the period from 1-1-1980 to 31-3-1980.

APPENDIX III

Statement showing the Staff strength of the Employees' State Insurance Corporation as on 31-3-1979, 31-3-1980 and likely to be as on 31-3-1981.

Sl. No.	Designation	Strength as on 31-3-1979	31-3-80	
1.	Director General	1	1	1
2.	Insurance Commissioner	1	1	1
3.	Financial Adviser and Chief Accounts Officer	1	1	1
4.	Medical Commissioner	1	1	1
5.	Actuary	1	1	1
6.	Director (Administration)	1	1	1
7.	Joint Insurance Commissioner Regional Director Gr. I	7	7	8
8.	Director (O & M) /Regional Director Gr. II/Director P & D/ Vigilance/Dy. Financial Adviser	8	8	9
9.	Regional Deputy Medical Commissioner/Deputy Medical Commissioner/Medical Referee	50	51	53
10.	Administrative Officer/Deputy Insurance Commissioner/Regional Director Gr. III/Dy. Chief Accounts Officer Jt. Regional Director/Vigilance Officer/Asst. Actuary	21	22	34
11.	Regional Director Gr. IV/Dy. Administrative Officer/Asstt. Insurance Commissioner/Dy. Regional Director/Asstt. Director/ Accounts Officer	98	97	164
12.	Asstt. Regional Director/Manager Gr. I/Dy. Accounts Officer/ Section Officer	178	187	155
13.	Insurance Inspector/Audit Inspector/Dy. Manager Gr. II (O & M)	702	798	820
14.	Private Secretary to Director General	1	1	1
15.	Manager Gr. II/Asstt./Head Clerk/Head Clerk Cashier	651	858	880
16.	Personal Assistants	31	31	47
17.	Technical Assistant	1	1	1
18.	Artist	1	1	1
19.	Care Taker	1	1	1
20.	Librarian	1	1	1
21.	Receptionist	1	1	1
22.	Upper Division Clerk/Upper Division Clerk-Cashier/Upper Division Clerk Incharge	2,465	2,926	3,017
23.	Stenos	102	106	116
24.	Computors	4	4	4
25.	Lower Division Clerk/Adrema Operators/Telephone Operator/ Telex Operator	3,312	3,203	3,265
26.	Gestetner Operator	7	7	7
27.	Staff Car Driver	21	21	21
28.	Junior Lab. Attendants	1	1	1
29.	Jamadar	1	1	1
30.	Record Sorter/Daftry/Selection Grade Daftry	955	958	980
31.	Peons	923	920	940
32.	Chowkidar	42	42	42
33.	Farash	48	49	50
34.	Sweeper	53	53	53
35.	Mali	6	6	6
36.	Lift Man	3	3	3
37.	Assistant Engineer	3	3	4
38.	Junior Engineer	4	4	6
39.	Section Officer (Hindi)	8	9	10
	TOTAL	9,716	10,387	10,708
	(i) Medical Personnel	50	51	53
	(ii) Other Personnel	9,666	10,336	10,655

APPENDIX IV

Details of Amounts provided under the Head 'Allowances and Honoraria' in the Budget Estimates 1980-81.

Nature of Allowance/Honoraria	Principal Officers	Other Officers	Ministerial Establishment	Group 'D' Staff
				(Rupees in Lakhs)
A—Superintendence				
1. Travelling Allowance	0.91	3.99	10.51	0.85
2. Dearness Allowance	0.12	13.66	1,00.16	17.07
3. House Rent Allowance	0.17	5.25	34.25	4.93
4. City Compensatory Allowance	0.03	1.91	9.69	1.45
5. Non-Practising Allowance	0.07	1.62	—	—
6. Re-imbursement of Medical Charges	—	0.80	20.15	4.50
7. Other items	—	2.20	6.14	1.10
TOTAL—Allowances and Honoraria	1.30	29.43	1,80.90	29.90
B—Field Work				
1. Travalling Allowance	—	0.44	7.52	0.50
2. Dearness Allowance	—	5.20	1,11.77	18.40
3. House Rent Allowance	—	1.86	32.20	4.78
4. City Compensatory Allowance	—	0.60	7.80	1.05
5. Re-imbursement of Medical Charges	—	0.38	9.23	2.02
6. Other items	—	0.04	5.28	0.95
TOTAL—Allowances and Honoraria	—	8.52	1,73.80	27.70

APPENDIX V

PERSPECTIVE PLAN FOR EXTENSION OF THE SCHEME

In 1972, the Perspective Planning Committee had recommended a 5-Year Perspective Plan in regard to the extension of the Scheme. The Committee had recommended extension in three phases namely (i) all factories under the Factories Act as well as shops, commercial and allied establishments with 20 or more employees in the organised sectors, mostly in areas where concentration of insurable labour for was sufficient, in the first phase, (ii) organised mines and Tea, Coffee and Rubber Plantations in the second phase and (iii) unorganised and semi-organised sectors of employment namely smaller and more widely dispersed and more varying undertakings about which accurate statistical data was not available, in the third phase. A phased programme for coverage of the first two categories of establishments was also framed and it was recommended that the entire programme for coverage of categories of establishments enumerated at (i) and (ii) above should be completed within a period of 5 years, all establishments in category (i) being covered in the first three years and mines and plantations during the last two years. It was estimated that there were 7 lakhs employees in the power using factories employing 20 or more persons, 3 lakhs in smaller factories, 9.9 lakh employees in shops and commercial establishments including Insurance Companies and Banks and 18 lakhs in mines and Plantations thus totalling about 38 lakhs employees and the Committee had recommended the following targets for the 5 years period ending 1977-78:—

1973-74	4 lakhs
1974-75	7 lakhs
1975-76	9 lakhs
1976-77	9 lakhs
1977-78	9 lakhs

2. The extension of the Scheme to factories in the non-implemented areas as well as to new sectors included in the first phase of the above mentioned programme has however, not progressed in accordance with the phased programme recommended by the Perspective Planning Committee, because of the difficulties of the State Governments in regard to the availability of physical and financial resources. Out of about 7 lakhs of employees coverable in the factories in the non-implemented areas and 13 lakhs in the smaller factories and new sectors, about 1.50 lakhs employees in the factory sector and about 5.50 lakhs employees in the new sectors have been covered so far. This leaves about 5.50 lakhs employees in the factory sector in the non-implemented areas and 7.50 lakhs in the new-sectors namely shops and allied commercial establishments yet to be covered. The extension to mines also requires amendment of the ESI Act. It is also relevant to state that most of the employees still left to be covered in the factory sector in the non-implemented areas are those in big public sector undertakings like Oil refineries, Heavy Engineering Corporations, Steel Plants including TISCO and IISCO, Fertilizer Plants, Bharat Heavy Electricals etc., about which there seems to be little possibility of extension of Scheme to them because of the opposition from workers to such extension as they are stated to be already getting medical and other benefits of fairly high standard without any contributions.

The High Powered Sub-Committee which had been constituted to consider the amendments to the ESI Act has also made recommendations in regard to the extension of the Scheme to Sugar and other seasonal industries and formulation of a suitable Scheme of benefits and contributions to suit the seasonal as well as agricultural workers, extension to permanent employees in Sugar and other seasonal industries and enhancement in the wage ceiling for coverage from Rs. 1000 at present to Rs. 1600 p.m. The Report is awaiting consideration by the Central Government for making necessary amendments to the Act. The Perspective Plan for extension of the Scheme during the next 5 years or so will, therefore, depend upon the decisions to be taken by the Central Government on the above mentioned recommendations of the High Powered Sub-Committee. Meanwhile, the Ministry of Labour have agreed in principal to the extension of the Scheme to building construction workers (who fall within the semi-organised/un-organised Sectors) in metropolitan towns where the E.S.I. Scheme is already in force. The State Govts.,

who are the "appropriate Governments" for extension of the Scheme to these workers under the Act, have been requested to consider extension of the Scheme to these workers at the earliest. The actual extension however, depends on the decisions to be taken by the State Governments. None of the State Government have so far conveyed their agreement to the proposed extension.

A realistic 5-Year Porspective Plan can be formulated after the final decision of the Central Government on the recommendations of the High Powered Sub-Committee are known and the State Governments convey their agreement in principle to the extension of the Scheme to new classes of establishments/workers. Presently, annual Plans for extension of the Scheme to new areas and to new sectors are being drawn up for the two years at a time i.e., for the current financial year and the next financial year, in consultation with the State Governments concerned.

APPENDIX VI

Statement showing per capita Income and Expenditure

Amount per annum per employee

Year	Contributions income	Expenditure on Revenue Account (excluding the amounts transferred to Capital Construction and Emergency Reserve Funds)	Margin
	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)
1970-71	123	117	6
1971-72	131	118	13
1972-73	145	104	41
1973-74	153	121	32
1974-75	146	125	21
1975-76	162	141	21
1976-77	236	151	85
1977-78	239	177	62 (a)
1978-79	258	207	51
1979-80 (Estimates)	263	239	24 (b)
1980-81 (Estimates) (C)	267	241	26

(a) The surplus in respects of Permanent Disablement Benefit and Dependants' Benefit disclosed in the valuation as on 31-3-74, has been adjusted in the expenditure (Capitalised Value) for 1977-78. If the actua capitalised value for 1977-78 without adjusting the surplus is taken into account, the per capita expenditure would increase by about Rs. 5 and thus bring down the per capita margin from Rs. 62 to Rs. 57.

(b) Excluding abnormal incidence on account of payment of sickness benefit during textile strike in Coimbatore area, the gap may be taken at Rs. 31.

(c) A growth rate of Rs. 4-5 per annum per employee in contribution income may be assumed in the years following till employees in higher wage group are covered under the Scheme.

APPENDIX VII

Approximate increase in Expenditure anticipated during the years 1980-81, 1981-82 and 1982-83.

	Per employee per annum	
	Rs.	
Medical Benefit. .	12.00	The Corporation's share of expenditure on medical care for the year 1980-81 has been provided as Rs. 68,26.95 lakhs (Net amount taking into account the amount recoverable from Delhi Administration). If all the State Governments provide full medical care to the beneficiaries and fully utilise the maximum amount admissible as per the present monetary ceilings, on the basis of total covered employees (62.00 lakhs) during the year 1980-1981, the Corporation's share of expenditure on medical care will amount to Rs. 75,95.0 lakhs. There is thus a contingent liability of about Rs. 7,68.05 lakhs per annum.
Cash Benefits . .	10.00	
Administrative Expenses	2.60	
Invalidity Benefit .	18.00*	(Assuming that the original estimates of Rs. 22 was on a liberal side)
Enhancement of the rate of employment injury (temporary disablement, permanent disablement and dependants' benefit from 125% to 130% of the standard rate.	1.15	
Increase in the rate of funeral benefit from Rs. 100 to Rs. 300.	0.35*	
Enhancement of the exemption limit, for payment of employees' contribution from the wage group of Rs. 2 per day to the wage group below Rs. 4 per day.	0.90*	*The increase will come into effect on amendment of the E.S.I. Act.
TOTAL . .	45.00	

PERFORMANCE BUDGET OF THE EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION FOR THE YEAR 1980-81

Introductory :

The Employees' State Insurance Act, 1948. is the only piece of social insurance legislation in India which provides for benefits in contingencies of sickness, maternity and employment injury to certain categories of industrial workers.

Coverage :

2. The Employees' State Insurance Act, 1948. applies to all non-seasonal factories using power wherein 20 or more persons are employed for wages. The Scheme is being implemented in a phased manner area-wise. The Scheme is being further extended to new classes of establishments namely, power using factories employing 10-19 persons and non-power using factories, shops, cinemas including preview theatres, hotels, restaurants, road motor transport undertakings and newspaper establishments employing 20 or more persons.

The employees employed in factories/establishments, as mentioned above and in receipt of wages not exceeding Rs. 1,000 per month are covered under the Act.

Principal Objects of the Scheme :

3. The Corporation provides the following benefits to the Insured persons and their families.

1. Medical Benefit.

Medical Care is provided through the ESI hospitals and dispensaries.

2. Cash Benefits.

(i) Sickness benefit when an insured person falls sick.

(ii) Maternity benefit to female insured workers.

(iii) Temporary/Permanent Disablement benefits to insured persons who meet with accidents during the course of employment.

(iv) Dependants' benefit to the families of insured persons who die as a result of employment injury.

(v) Funeral expenses to the family members or the nearest relation of the deceased insured worker to perform his funeral rites.

The quantum of the benefit is given in paragraph 12.2 below.

Wherever the Employees' State Insurance Scheme has been implemented, the employers are absolved of their liability under the Workmen's Compensation Act, 1923 and the Maternity Act, 1961.

Administration :

4. The Employees' State Insurance Scheme is administered by a corporate body called the Employees' State Insurance Corporation, which has members representing employers, employees, Medical profession, the Central and State Governments, and Parliament. A Standing Committee constituted from among the members of the Corporation, acts as the Executive Body for the administration of the Scheme. There is also a Medical Benefit Council to advise the Corporation regarding matters connected with the provisions of medical benefits.

The provision of medical care under the Employees' State Insurance Scheme is the responsibility of the State Governments except in Delhi where the Corporation itself arranges medical care.

Finance :

5. The Employees' State Insurance Scheme is financed by the employers and employees contributions. The rates of weekly contribution by employees vary from 40 paise to Rs. 3.75 depending on the wage group to which they belong. Those earning less than Rs. 2 per day are not required to pay any contribution.

The Employers' contribution works out to about 4.35% of the wages. The employees' contribution is 2.17% of the wages. The expenditure on medical care is shared between the Employees' State Insurance Corporation and the State Governments in the agreed ratio of 7:1 . The Corporation does not receive any financial assistance from the Central Government.

Extension of the Scheme during 1979-80

6. The State-wise position regarding coverage of the Scheme as on 31st March, 1979, is given in Annexure I. During the period 1st April, 1979 to 31st December, 1979, the Scheme has been extended to cover 0.37 lakh more employees. Medical care was also extended to 0.82 lakh more family (insured persons) units. The total coverage of employees under the Scheme as on 31st December, 1979, stood at 58.53 lakhs . The total number of beneficiaries for Medical benefit is 2,56.49 lakhs inclusive of insured person and their family members.

7. The following table gives the statistical data relating to performance and work handled.

Nature of information	1978-79 (Actuals)	1979-80 (Revised) Estimates)	1980-81 (Budget (Estimates)
1. Number of Centres	375	403	452
2. Number of employees covered	58.16 lakhs	59.50 lakhs	62 00 lakhs
3. Number of Insured Persons entitled for Medical Care	65.89 lakhs	67.47 lakhs	70.10 lakhs
4. Number of family members to whom Medical Care has been extended			
(a) Excluding the Insured Persons	1,89.78 lakhs	1,94.20 lakhs	2,01.90 lakhs
(b) Including the Insured Persons	2,55.67 lakhs	2,61.67 lakhs	2,72.00 lakhs
5. Number of Hospitals and Annexes.	92	105	116
6. (a) Number of beds available (including beds reserved in Govt. and other recognised Hospitals)	19,304	21,874	23,261
(b) Number of beds under construction	3,537	3,276	2,758
7. (a) Number of dispensaries	990	1,040	1,090
(b) Number of Panel Clinics	4,565	Not estimated	
(c) Number of Specialist Centres	226	Not estimated	
8. Number of patients treated : Number of cases admitted in Hospitals	3.49* lakhs	4 07 lakhs	4.19 lakhs

*Information in case of Goa, Poona area and West Bengal is awaited.

Nature of Information	1978-79 Actuals	1979-80 Revised Estimates	1980-81 (Budget Estimates)
Attendances at dispensaries (both Insured Persons and Family members)			
(i) New Cases	2,95.62 lakhs	3,12.00 lakhs	3,31.00 lakhs
(ii) Old Cases	6,27.87 lakhs	6,62.00 lakhs	7,00.00 lakhs
9. Number of persons in receipt of cash allowance (i. e. No. of employees eligible for employment injury benefits)	58.16 lakhs	59.50 lakhs	62.00 lakhs
10. Number of dependants in receipt of pension (i. e. number of beneficiaries for dependant's benefit)	15,797	16,324	17.710
11. Staff strength (including staff employed on the Scheme in the States)			
Medical Personnel	21,494	22,567	23,643
Other Personnel	27,749	29,326	30,598
12. Annual Receipts	Rs. 1,57,65.48 lakhs	Rs. 1,65,13.19 lakhs	Rs.1,71,34.70 lakhs
13. Annual Revenue Expenditure	Rs. 1,37,04.52 lakhs	Rs. 1,57,83.91 lakhs	Rs.1,64,52.74 lakhs
14. Capital Expenditure on acquisition of sites and construction of buildings for offices/dispensaries/hospitals			
	Rs.	Rs.	Rs.
During the year	8,06.04 lakhs	7,50.00 lakhs	9,25.00 lakhs
Progressive expenditure	66,16.31*	73,66.31*	82,91.31*

*Includes refunds in respect of earlier years.

8. Comparative analysis of the Revised Estimats and Astuals for 1978-79 and Budget Estimates and Revised Estimates 1979-80 is as follows :—

Sl. No.	Nature of information	Revised Estimates 1978-79	Actuals 1978-79	Variation
1.	No. of Centres	387	375	(—)12
2.	No. of employees covered	58.02 lakhs	58.16 lakhs	(+)0.14 lakhs
3.	No. of family members to whom medical care has been extended	1,91.11 lakhs	1,89.78 lakhs	(—)1.33 lakhs
4.	No. of hospitals and annexes constructed	95	91	(—)4
5.	No. of hospital beds	18,969	19,304	(+)335
6.	No. of dispensaries	980	990	(+)10
7.	Revenue Receipts.	Rs.1,56,63.83 lakhs	Rs.1,57,65.48 (a) lakhs	Rs.1,01.65 lakhs
		Rs.	Rs.	Rs.
8.	Revenue Expenditure	1,37,06.78(b) lakhs	1,37,04.52 lakhs	(—)2.26 lakhs
9.	Capital Expenditure	8,60.00 lakhs	8,06.04 lakhs	(—)53.96 lakhs

(a) The increase is partly due to better compliance in payment of contributions and partly due to higher rates of contribution on account of increase in wages.

(b) Represent final allotment for the year.

Sl. No.	Nature of information	Budget Estimates 1979-80	Revised Estimates 1979-80	Variation
1.	No. of Centres	484	403	(—)81
2.	No. of employees covered	61.06 lakhs	59.50 lakhs	(—) 1.56 lakhs
3.	No. of family members to whom medical care has been extended	2,01.14 lakhs	1,94.20 lakhs	(—)16.94 lakhs
4.	No. of hospitals & annexes constructed	117	105	(—)12
5.	No. of hospital beds	20,890	21,874	(+)984
6.	No. of dispensaries	1,020	1,040	(+)20
		Rs.	Rs.	Rs.
7.	Annual Revenue Receipts	1,61,98.83 lakhs	1,65,13.19 @ lakhs	(+)3,14.36 lakhs
8.	Annual Revenue Expenditure	1,48,63 65 lakhs	1,57,83.91* lakhs	9,20.26 lakhs
9.	Capital Expenditure	11,00.00 lakhs	7,50.00 lakhs	(—) 3,50.00 lakhs

@The increase is due to higher rates of contributions on account of increase in wages.

* The increased provision in the Revised Estimates 1979-80 is mainly on account of—

(i) Medical Benefits (Rs. 3,10.11 lakhs)—due to revision of ceilings on medical care with effect from 1st April 1979, provision for which was not made in the Budget Estimates.

(ii) Cash Benefits (Rs. 6,95.46 lakhs)—(a) due to high incidence of claims in certain areas due to strikes and (b) also increase in the average number of benefit days per annum per employee and the amount of daily rate of benefit per employee under sickness benefit, extended sickness benefit and temporary disablement benefit.

(iii) Administration Expenses (Rs. 39.12 lakhs)—due to post budget decisions regarding increases in dearness allowance (Rs. 33.00 lakhs) and implementation of a part of the Pay Committee's recommendations with effect from 1-9-79 (Rs. 10.00 lakhs).

The above increases are partly off set by decrease in provision (Rs. 1,24.45 lakhs) for Capital Construction and Emergency Reserve Funds.

The programme of implementation of the Employees' State Insurance Scheme is mainly dependent on the State Governments. The shortfalls in number of employees covered and number of family members covered for medical care were consequential to shortfall in extension of the Scheme to new Centres.

The short-fall in capital expenditure was due to slow progress of construction works which again are processed by the State Governments.

Further information is furnished in the following paragraphs :—

9.1 The financial requirements of the Corporation for the current financial year 1979-80 and the next financial year 1980-81 are given below :—

A. Programme/Activity/wise Classification	1978-79 Actuals	1979-80 Revised Estimates	1980-81 Budget Estimates
			(Rupees in lakhs)
Medical Benefit	52,87.31	63,55.67	68,72.45
Cash Benefits	52,83.32	63,51.85	63,52.47
Other Benefits	13.88	16.43	19.44
Direction, Superintendence and Field work	9,95.03	11,40.14	12,12.44
Depreciation, repairs and maintenance of hospital and dispensary buildings	1,42.14	1,86.77	2,02.35
Non-activity expenditure Allocation to Capital Construction and Emergency Reserve Funds	19,82.84	17,33.05	17,93.59
TOTAL- Revenue Expenditure	1,37,04.52	1,57,83.91	1,64,52.74
Capital Expenditure on acquisition of sites and construction of buildings for offices/dispensaries/hospitals	8,06.04	7,50.00	9,25.00
Other Capital Expenditure	-	--	--
B. Objectwise Classification			
Expenditure on providing medical care to beneficiaries	52,87.31*	63,55.67*	68,72.45*
Payments of Cash Benefits	52,83.32 @	63,51.85 @	63,52.47 @
Other Benefits	13.88	16.43	19.44
Salaries and other Administrative Expenditure			
Salaries	7,34.11	8,35.67	8,93.58
Travel expenses	35.54	24.66	24.62
Stationery & Forms	36.61	46.80	47.90
Contribution Stamps	6.10	0.25	0.10
Rents, Rates and Taxes	44.38	48.20	49.61
Insurance Courts and legal charges	5.81	6.11	6.45
Maintenance of staff cars	1.86	1.86	2.00
Purchase of typewriters, calculating machines, Adrema machines, office furniture and other equipment	8.36	11.70	13.47
Publicity & Advertisement	1.06	1.20	1.50
Charges for maintaining Banking Accounts	8.45	0.48	0.25
Other Office expenses	49.44	54.10	56.73
Depreciation, repairs & maintenance of office buildings including staff quarters.	12.99	13.36	15.48
Retirement Benefits (including Provident Funds)	50.32 (a)	95.75	1,00.65
Depreciation, repairs & maintenance of hospital and dispensary buildings including staff quarters.	1,42.14	1,86.77	2,02.35
Allocation to Capital Construction Reserve Fund	14,67.60	15,50.70	16,23.10
Allocation to Emergency Reserve Fund	5,15.24	1,82.35	1,70.49
TOTAL—REVENUE EXPENDITURE	1,37,04.52	1,57,83.91	1,64,52.74
Capital Construction Works —			
Office Buildings (including Staff quarters)	77.93	85.00	1,25.00
Hospital & Dispensary Buildings	7,28.11	6,65.00	800.00
TOTAL—CAPITAL CONSTRUCTION WORKS	8,06.04	7,50.00	9,25.00
Other Capital Expenditure	—	—	—

*See paragraph 11.

@ See paragraph 12.

(a) Net amount after taking into account credit of Rs. 33.67 lakhs on account of adjustment of excess provision of Pension Reserve Fund in earlier years.

	1978-79 Actuals	1979-80 Revised Estimates	1980-81 Budget Estimates
		(Rupees in lakhs)	
C. SOURCE OF FINANCE			
Revenue Receipts			
Employers' and Employees' Contribution	1,46,75.94	1,55,06.97	1,62,31.00
Rent of Buildings	3,62.80	3,70 51	4,06.75
Interest on investments, loans & advances	5,28.27	4,81.88	3,38 85
Other revenue receipts	1,98.47	1,53.83	1,58.10
TOTAL	1,57,65.48	1,65,13.19	1,71,34.70
Capital Expenditure :			
Capital Construction Reserve Fund	14,67.60	15,50.70	16,23.10

9.2 The statement in Annexure-II shows the incidence of expenditure per capita under main heads of expenditure.

EXPLANATION OF FINANCIAL REQUIREMENTS :

10. The financial requirements of the Corporation may be classified broadly under the following heads.

I. Medical Benefits

II. Cash Benefits and Other Benefits

III. Direction, Superintendence and Field Work

IV. Depreciation. Repairs and Maintenance of Hospitals and Dispensaries

V. Capital Construction Works

These are further detailed in the following paragraphs.

I. Medical Benefits.

11.1. The expenditure on Medical Benefits is shown below.

1978-79 (Actuals)	1979-80 (Revised Estimates)	1080-81 (Budget Estimates)
	(Rupees in lakhs)	
52,87.31 (includes arrear payments of Rs. 10,01.01 lakhs)	63,55.67 (includes arrear Payments of Rs. 12,69.86 lakhs)	68,72.45 (includes arrear Payments of Rs. 12,46 56 lakhs)

11.2. The expenditure on this activity is initially incurred by the State Governments who are in administrative control of the Medical care except in the Union Territory of Delhi. The Corporation pays its share on quarterly basis on receipt of expenditure statements from the State Governments. In order to ensure effective control, the Corporation has fixed ceilings on expenditure for different categories of medical care and has entered into Rate Contracts with manufactures of drugs in respect of more than 500 medicines, injections and drugs for operation by the State Governments. Any expenditure incurred by the State Governments over and above the ceilings is borne exclusively by them and such excess expenditure is not reflected in the Corporation's budget.

11.3. The ceilings for expenditure on medical care were revised upward with effect from 1st April, 1979, as follows—

Type of Medical Care	Range of Care under the type	Ceilings per annum per employee
1	2	3
Restricted Medical Care	While full medical care is given to the Insured Persons, their families are given out door treatment only with full supply of drugs and dressings.	Rs. 70 (No change)
Expanded Medical Care	While full medical care is given to the Insured Persons, their families are provided with the facility of consultation with the Specialists (including facilities for special laboratory tests and X-Ray examinations) and supply of special medicines and drugs as may be prescribed by them in addition to the out-patient care.	From Rs. 80 to Rs. 85
Full Medical care	It provides both out-door and in-door treatment to the Insured Persons and their families.	From Rs. 105 to Rs. 115

The Corporation has also liberalised the limit of expenditure on drugs and medicines which is allowed over and above the ceiling indicated above. The previous limit was expenditure above Rs. 25 and upto Rs. 45 per capita and the same has been raised to expenditure above Rs. 25 and upto Rs. 50.

11.4. The limits on expenditure on provision of initial equipments in the E.S.I. hospitals which were laid down in 1973 have been raised as under for the new hospitals/beds as may be commissioned.

Upto 150 beds	From Rs. 5,000 to Rs. 8,000 per bed
From 151 to 300 beds	From Rs. 4,000 to Rs. 6,500 per bed
From 301 beds and above	From Rs. 3,500 to Rs. 5,500 per bed.

Initial equipment in annexes/detention wards /ordinary wards attached to the dispensaries will be provided upto Rs. 3,500 per bed.

The limit of expenditure on provision of additional equipment in the commissioned hospitals has been raised from Rs. 2 lakhs to Rs. 4 lakhs.

11.5. Medical facilities have been improved upon as under

(i) It has been decided to construct convalescent homes on a modest scale where insured patients who no longer need active medical treatment could be shifted from hospital and provided with routine medical attention besides nursing, care and other facilities.

(ii) The provision, where necessary, of

(a) artificial limbs, artificial appliances and aids including provision of cardiac pace makers, and

(b) specialised treatment, like kidney transplant/ dialysis and open heart surgery,

has been made as a part of medical care under the Scheme. Thes facilities have been availed of by a number of beneficiaries.

The Corporation has also decided that the insured persons may be granted rehabilitation allowance during the period of their admission in an Artificial Limb Centre.

(iii) If an insured person becomes dis-entitled to medical benefit, his treatment is not discontinued till the spell of sickness ends or in the case of long term ailments so long as the insured person (excluding members of family) requires active treatment.

(iv) The families of insured persons are now entitled to medical benefit from the date insured person enters service instead of 13 weeks after the person is insured.

(v) Medical facilities have been provided to the family members of an insured person where,

(a) his family resides at another station in an implemented area located in the same State.

(b) members of the family move alongwith the insured person from his place of duty either on leave or on temporary transfer to any other station which is an implemented centre.

11.6 Apart from curative services provided through hospitals and dispensaries, the Corporation is also providing the following services through hospitals, specialist centres and dispensaries.

(i) Facilities for Family Welfare Programme.

Family Welfare Project sponsored by the ILO and funded by UNFPA for augmentation of the E.S.I. Scheme for education, motivation and provision of services for Family Planning, was commissioned in the year 1976. The project was sanctioned initially upto 31-12-1978. On review of its performance and keeping in view the progress made by it, its activities were extended upto 31-12-1979. The project which has been steadily picking up, is being continued further. Its yearly expenditure is now Rs. 7 lakhs.

The Corporation has spent much more from its own funds also for Family Welfare Programme. Family Welfare Programme has been activised in all the ESI Dispensaries/Family Welfare Centres and more so in 45 ESI Dispensaries, out of which seven have been established as 'Service Centres'. A total amount of over Rs. 57.14 lakhs has been paid from the funds of the Corporation to insured persons who underwent family planning operations during the period from 1-8-1979 to 30th Sept., 1979. The Corporation has decided that the sickness benefit payable to insured persons for undergoing vasectomy/tubectomy operations, at double the rate of normal sickness benefit, shall continue to be granted on permanent basis.

(ii) Facilities for immunisation including a special programme of protecting the children against infectious diseases. The immunisation programme is making steady progress in all the States where the E.S.I Scheme has been implemented.

11.7 The facilities under Ayurvedic System in the E.S.I. Scheme are shown below.

Name of State	No. of dispensaries	No. of IMOs/ IMPs	No. of Specialists	No. of beds
Delhi	2	2	--	--
Gujarat	51	52	2	20
Karnataka	2	2	.	..
Kerala	4	4		..
Bombay	.	167(IMPS)	2	30
Nagpur	1	1		
Poona	.	11	1	20
Uttar Pradesh	1	1	.	

The C.G.H.S. Ayurvedic Formulary has been adopted for use in the E.S.I. Institutions

11.8 The following data further supplements the information given in paragraph 7 above regarding the progress made in providing medical care to the insured persons and their families.

Nature of information	1978-79 (Actuals)	1979-80 (Revised Estimates)	1980-81 (Budget Estimates)
1. (a) No. of Hospitals :			
General	60	65	75
T.B.	5	6	7
(b) No. of Annexes			
General	13	20	20
T.B.	14	14	14
2. No. of beds commissioned in ESI Hospitals and Annexes			
(a) In Hospitals :			
General	10,852	11,752	13,284
T.B.	1,502	1,652	1,902
(b) In Annexes :			
General	226	370	370
T.B.	282	282	282
3. No. of beds reserved in Government and other recognised hospitals	4,747	4,985	5,220
11.9 Expenditure on medical care per annum per employee	Rs. 92	Rs. 107	Rs. 112

The statement in Annexure VI shows the Employees' State Insurance Corporation's share of expenditure on medical care from 1970-71 onwards.

11.10 To ensure regular supply of standard and efficacious drugs to beneficiaries of the ESI Scheme, the Corporation has entered into rate contract for over 500 drugs with reputed drugs manufacturers. These drugs are purchased by State authorities of ESI Scheme at fixed uniform rates throughout the Country.

11.11 With a view to ensure speedy decision of cases of insured persons who claim reimbursement of cost of medicines purchased by them which are not available in the ESI hospitals/ dispensaries, it has been decided that the State Governments' power of reimbursement of medical expenses be enhanced from Rs. 500 to Rs. 1000 in each case.

II—Cash Benefits and Others Benefits

12.1 The expenditure on Cash Benefits is given below

1978-79 (Actuals)	1979-80 (Revised Estimates)	1980-81 (Budget Estimates)
	(Rupees in Lakhs)	
52,83.32	63,51.85	63,52.47

12.2 The eligibility for different categories of Cash Benefits is dependent on the number of contributions paid by the employees and the rate of their wages. Roughly, the Cash Benefit on account of sickness comes to 50% of the wages, in case of Disablement and Dependants' Benefit it works out to 62.5% of the wages and roughly full wages are paid in the case of Maternity Benefits to female insured workers. Funeral expenses are paid at the rate of Rs. 100 in the event of death of an insured person.

12.3. These benefits are paid to the Insured persons or their beneficiaries directly by the Corporation through its Local Offices /Pay Offices which are located in almost all the indus-

trial centres where the Scheme has been implemented. The number of such offices was 684 on 31st March, 1979, as against 677 a year earliar. The incidence of expenditure on cash benefits depends on a variety of factors, e.g., state of health, industrial peace and the awareness of the workers about their entitlement to the benefits, etc. It is, therefore, not possible to fix any physical targets. In all, 79.47 lakhs payments (including 11,751 claims relating to lump-sum payments in respect of requests for commutation of permanent disablement claims) were effected during the year 1978-79. These were 7.64 lakhs more than those during the preceding year. On the average 6.62 lakhs payments were effected every month as against 5.99 lakhs payments during 1977-78. The number of payments per employee has increased from 1.17 in 1976-77 to 1.33 in 1977-78 and 1.43 in 1978-79.

12.4 The break-up of expenditure under the different categories of Cash Benefits is given in the following table :

	1978-79 (Actuals)		1979-80 (Revised Estimates)		1980-81 (Budget Estimates)	
	Weighted Average of No. of employees (Figures in lakhs)	Amount in lakhs	Weighted average of No. of employees (Figures) in lakhs)	Amount in lakhs	Weighted average of No. of employees (Figures in lakhs)	Amount in lakhs
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
Sickness Benefit	55.39	33,56.49	57.48	42,67.89	59.17	41,46.50
Extended Sickness Benefit	55.39	3,14.42	57.48	3,36.13	59.17	3,56.34
Maternity Benefit	55.39	1,73.90	57.48	1,90.37	59.17	1,98.22
Temporary Disablemet Benefit	56.79	6,45.53	58.83	7,00.40	60.75	7,41.75
Permanent Disablement Benefit	56.79	6,38.60	58.83	6,88.31	60.75	7,29.00
Dependants Benefit	56.79	1,44.68	58.83	1,58.84	60.75	1,70.10
Funeral Benefit	56.79	9.70	58 83	9.91	60.75	10.56
TOTAL—Cash Benefit		52,83.32		63,51.85		63,52.47

12.5 Provision of Rs. 63,51.05 lakhs in the Revised Estimates 1979-80 made for the various Cash Benefits is based on the progress of actuals for the first eight months of the financial year 1979-80 and the anticipated requirement for the remaining months.

The increased provision in the Revised Estimates 1979-80 against the original provision of Rs. 56,56.39 lakhs is partly on account of high incidence of claims in certain areas during strikes. The additional expenditure in Coimbatore area alone during textile strike in July-August, 1979, was about Rs. 3,96.26 lakhs.

There has also been a trend towards an increase in the average number of benefit days per annum per employee and the amount of daily rate of benefit per employee as shown below :

	Sickness Benefit			Temporary Disablement Benefit		
	1976-77	1977-78	1978-79	1976-77	1977-78	1978-79
Average number of benefit days per annum per employee	5.0 days	6.0 days	6.8 days	0.91 day	0.97 day	1.13 days
Average benefit rate per day per employee	Rs. 7.77	Rs. 8.31	Rs. 8.92	Rs. 9.02	Rs. 9.39	Rs.10.10

There has been a trend towards an increase in the incidnce of Extended Sickness Benefit also as shown below.

	1976-77	1977-78	1978-79
Incidence of Extended Sickness Benefit claims expressed as—			
The average number of claims per 1,000 employees exposed to risk	4.8 (number)	4.3 (number)	4.5 (number)
The average duration of terminated claims	179.2 days	203.6 days	220.9 days

The Director General has been keeping continuous watch over the sickness benefit claims at various Centres. The relevant statistics received at the Headquarters every month are analysed periodically and abnormal variation in the trend in any Centre is taken up with the Regional Directors and Administrative Medical Officers with a view to enable them to take suitable and prompt remedial measures wherever necessary and possible.

Substantial variations have been noticed among the States inter-se in respect of incidence and duration of sickness benefit claims and temporary disablement benefit claims. The matter in regard to an analysis of the variation in Cash benefits in different States is receiving attention. In cases of high incidence of cash benefits, a further control by the State Governments on certification seems indicated. The Regional Boards and Local Committees need also to be activised to check abuse of cash benefits in the event of strikes and lock outs etc.

12.6 The incidence of cost of establishment charges of the cash disbursement offices is as under :

	1978-79 (Actuals)	1979-80 (Revised Estimates)	1980-81 (Budget Estimates)
Establishment charges of cash disbursement offices	Rs. 3,97.13 lakhs	Rs. 4,49.39 lakhs	Rs. 481.74 lakhs
Percentage of establishment charges to total amount of cash benefits disbursed	7.52 %	7 07 (a) %	7.50 %

(a) The decrease in percentage is due to high incidence of payments in Coimbatore area during textile strike in July-August 1979.

Expenditure per employee per annum

Other Benefits

13.1 The expenditure on Other Benefits is as under :

1978-79 (Actuals)	1979-80 (Revised Estimates)	1980-81 (Budget Estimates)
	(Rupees in lakhs)	
13.88	16.43	19.44

13.2 This activity embraces, the payment of fees to the members of Medical Boards and Appellate Medical Tribunals, payments of conveyance charges and compensation for loss of wages to Insured Workers when they are required to appear before Medical Referee, Medical Board or Appellate Medical Tribunal. Other miscellaneous expenses incurred by the Corporation for the direct benefit of Insured Workers also fall under this activity

III. Direction, Superintendence and Field Work

14.1 The Budget provision is in respect of the salary etc., of the Officers and Staff posted in the Hqrs. Office of the Corporation, its various Regional Offices and Local Offices. It also includes the expenditure of Organisation and Methods Branch and different Centres set up for arranging seminars etc. and training courses for officers and staff.

14.2 The following is the personnel summary :

	Actual No. as on 31-3-1979	Estimated No. as on 31-3-1980	Estimated No. as on 31-3-1981
Officers	21,494	22,567	23,643
Other Personnel	27,749	29,326	30,598

IV. Depreciation, Repairs & Maintenance of Hospitals and Dispensary buildings

15. The expenditure on repairs and maintenance (including depreciation of the Corporation's Hospital and Dispensary buildings) is shown below :

(Rupees in lakhs)

	1978-79 (Actuals)	1979-80 (Revised Estimates)	1980-81 (Budget Estimates)
Hospitals/Dispensaries/ Annexes	1,42.14	1,86.77	2,02.35

The figures represent the amounts transferred/transferable to the respective Reserve Funds in accordance with percentage fixed for the purpose. The expenditure is actually incurred from the Reserve Funds.

1267 GI/81—19.

V. Capital Construction Works.

16.1 The following provision would be necessary for capital construction works.

(Rupees in lakhs)

	1978-79 Actuals	1979-80 Revised Estimates	1980-81 Budget Estimates
Office Buildings	77.93	85.00	1,25.00
Hospitals/Dispensaries	7,28.11	6,65.00	8,00.00
TOTAL	8,06.04	7,50.00	9,25.00

The statement in Annexure V shows construction projects for which the provision made in the Budget Estimates 1979-80 remained unutilised.

16.2 Under the Employees' State Insurance Act, 1948, the administration of the medical Scheme is the statutory responsibility of the State Governments. As such it is for them to provide necessary buildings to house the Employees' State Insurance hospitals/dispensaries. In the initial stage, the Corporation had sizeable balance of income over expenditure, whereas the State Governments were not finding adequate resources to construct necessary buildings and consequently the Scheme was not making much headway. The Corporation, therefore, decided to invest available surplus of its income over expenditure in the construction of buildings for housing its own offices and Employees' State Insurance hospitals/dispensaries.

16.3 The Corporation in its meetings held on 2nd February and 3rd December, 1974, reviewed the Capital Construction programme of the Employees' State Insurance projects in various States and approved as under.

(i) 10% of the total revenue derived from 'Contributions' be credited to the Capital Construction Reserve Fund and the expenditure on construction of hospitals/dispensaries/other medical institutions and office buildings/staff quarters be incurred in the ratio of 8 : 2.

(ii) Plans and estimates for additional hospitals/annexes may be sanctioned so as to provide upto 5 beds per thousand employees as approved at the time of sanctioning

new projects. Normally, the limit of 4 beds per thousand employees as already fixed shall not be exceeded and only in exceptional cases the additional beds will be sanctioned after ensuring that there is acute necessity for additional beds depending upon the incidence of diseases requiring hospitalisation based on the occupancy of beds in the existing ESI hospitals in that area. The expenditure on hospital beds is subject to a limit of Rs. 170 per "covered" employee. (The limit was [raised [to Rs. 200 per capita by the Standing Committee of the ESI Corporation in its meeting held on 19-6-1978).

(iii) For purposes of securing land, additional employees as are likely to be covered in the next 2 years as on the date of sanction of the proposal may also be taken into account for working out the number of beds admissible. Plans and estimates for the construction of additional beds may, however, be sanctioned only after notification has been issued by the State Government under Section 1(5) of the E.S.I. Act.

(iv) Plans and estimates for construction of other buildings such as dispensaries, specialist centres, offices for the Administrative Medical Officers, Medical Stores, etc., may be sanctioned on merits of each case without any limitation on per capita basis, because expenditure on such works is of minor character.

16.4 The position of Capital construction programme for hospital beds, dispensaries and office buildings, together with the information about funds sanctioned, funds placed at the disposal of construction agencies and approximate amount that will be required is given below.

(A) Hospital beds	Approximate figures
Number of beds admissible as per yard-stick	23,264
Number of beds already constructed	14,702
Number of beds under construction January 1980	3,858
Number of beds already agreed	3,550
Number of beds still required	1,154

(B) Dispensaries	Approximate figures
Number of dispensaries at present eligible for construction	750
Number of dispensaries that may be required in panel areas in the event of replacement of Panel System.	499
Total number of dispensaries	1,249
Number of dispensaries constructed	198
Number of dispensaries under construction	51
Number of dispensaries yet to be constructed	1,000

(C) Financial Outlay in case of 'A' & 'B' above	
Amount sanctioned upto December, 1979	85,37 lakhs
Amount released upto December, 1979	71,04 ,,
Balance liability	14,33 ,,
Additional liability for projects to be constructed :	
(i) Hospital beds 4,704 beds × Rs. 1,00,000 cost of each bed	47,04 ,,
(ii) 1,000 dispensaries × Rs. 10,00,000 cost of each dispensary	1,00,00 ,,
Outlay for office buildings and staff quarters	25,00 ,,
Total Liability	1,86,37 ,,

Earlier, when the Government of Maharashtra was constructing ESI hospitals as their own property, a sum of Rs. 3,62.14 lakhs was advance as loans to that Government Further a sum of Rs. 1,00.00 lakhs was granted as grant-in-aid to the Mahatma Gandhi Memorial Hospital, Bombay.

Programme of construction works (including works in progress) is given in the Annexures III and IV. The construction of 23 hospitals and 1 annexe having about 1,926 beds and 19 dispensary buildings is likely to be taken up in 1980-81 while some more hospitals/annexes/dispensaries may be sanctioned.

16.5 The capital expenditure on the acquisition of sites and construction of buildings for dispensaries and hospitals including staff quarters upto 31st December, 1979, amounted to Rs. 71,04 lakhs (including loans of Rs. 3,62.14 lakhs sanctioned to Maharashtra State for construction of hospitals etc.).

BALANCE SHEET

17.1 A summary of the Balance-sheet as on 31st March, 1979 is as follows :-

LIABILITIES	(Rupees in lakhs)	ASSETS	(Rupees in lakhs)
Excess of income over expenditure	1,56,96.49	Fixed Assets :	
Reserve Funds		Lands and Buildings	46,24.66
	1,65,34.91		
		Advances for construction	19,91.65
Current liabilities (Deposit of Securities, unclaimed deposits in P.F	12.62		
Misc. Deposits, etc.)		Staff Cars	5.65
		Current Assets (Advances to employees and advances for the repairs and maintenance of Buildings, etc.)	7,15.96
		Cash in transit	(—)23.06
		Investment of Reserve Funds	1,23,79.94
		Cash Balances and Investment of General Cash Balance	1,25,49.22
TOTAL	3,22,44.02	TOTAL	3,22,44.02

17.2 In terms of Section 37 of the Employees' State Insurance Act, 1948, the Corporation shall, at intervals of five years, have a valuation of its assests and liabilities made by a Valuer appointed with the approval of the Central Government. The valuation for the quinquennium ending 31st March, 1979, has been taken up by the Valuer appointed for the purpose.

OTHER MATTERS OF INTEREST

18.1 During the year 1979-80, work measurement study on the norms and standards was finalised/conducted for (i) various functionaries for Grade I Regional Offices. (ii) E.S.I. Dispensaries in Delhi having more than 5 Doctors to cover the clerical, para-medical and Group 'D' employees, (iii) Directorate (Medical) Delhi to determine the strength of Lowei Division Clerks, Upper Division Clerks, Head Clerks and Officers in that Directorate and (iv) various Divisions in Headquarters Office of the Corporation. For 1980-81, 9 other projects have been identified for study; it includes a study of the machinery for compilation and maintenance of data relating to long-term benefits and other statistical data; and Method Study of Revenue Recovery Branches in Regional Offices.

18.2 An evaluation study of the cash system of collection of contributions was undertaken in Delhi, Rajasthan, Karnataka and Andhra Pradesh Regions. It was found that the collection of contributions through cash in place of contribution stamps was working satisfactorily and it has, therefore, been decided to extend this system to the remaining States as per tentative dates indicated below.

Punjab, Haryana, Tamil Nadu, Sub-Regional Offices, Nagpur and Pune	March, 1980
Maharashtra (Bombay Area)	May, 1980
West Bengal, Assam and Madhya Pradesh	July, 1980
Uttar Pradesh	September, 1980

18.3 Form Review and Control Unit reviewed 172 forms in use in the Corporation.

18.4 Steps have been taken to (a) minimise the incidence of miscredits of Corporation's revenue in the Bank branches (b) facilitate quicker rectification of errors (c) speedier transmission of amounts deposited in the Corporation's account.

The State Bank of India has also agreed to reduce the charges from Rs. 7 to Rs. 3 per telegraphic remittance.

18.5 On recommendations of Pay Committee (1978), the Corporation has proposed restructuring of cadre strength of Group A and Group B Officers with a view to improve operational efficiency of the E.S.I. Scheme. Decisions of the Central Government on the same are awaited.

18.6 The question of reorganising the Internal Audit System in the Corporation and making it more purposeful and relevant to its requirements has been under consideration. The directions in which the Internal Audit System needs to be strengthened have been approved by the Budget and Accounts Sub-Committee/ Standing Committee of the Corporation. The extent to which the staff needs strengthening is under process.

18.7 As on 30-9-1979, 68,728 paragraphs containing observations of Internal Audit were pending settlement for more than on year. The year-wise break down thereof is given below :

1975	1976	1977	1978 (upto 30-9-1978)	Total
44,100	6,906	9,676	8,046	68,728

Efforts are being made to settle the pending observations.

18.8 There are arrears in certain regions in regard to (i) survey inspection of factories establishments, (ii) decision about coverage or final coverage and (iii) work relating to levy of penal damages for belated payment of contributions. Efforts are being made to clear these arrears.

18.9 Annual assessment of 'covered employees' is cardinal to the working of the Employees' State Insurance Scheme. Step have been taken/are being taken to improve upon the process of assessment.

18.10 The Central Training Institute and its four Zonal Training Centres have during April to December, 1979 imparted training to 1,030 participants of various levels and another 200 participants are likely to be covered during January to March, 1980. It is expected that the year 1980-81 will witness accelerated training activity.

18.11 The State Governments have been requested to pursue a crash programme for construction of hospitals and dispensaries buildings.

ANNEXURE I

Statement showing State-wise position of coverage-number of (1) covered employees, (2) Insured Persons, (3) Family (Insured Persons) Units—under Employees' State Insurance Scheme as on 31-3-1979.

Sl. No.	State (with number of Centres)	Number of— (1) Covered employees (2) Insured Persons (3) Family (I.P.) Units	Number of Insured Women	Total number of Beneficiaries	Number of employees yet to be covered [Sec. 2 (12)] (only)
1	2	3	4	5	6
1.	Andhra Pradesh (43)	(1) 2,35,000 (2) 2,61,000 (3) 2,61,000	20,100	10,12,700	16,000
2.	Assam (13)	(1) 29,000 (2) 33,000 (3) 33,000	1,750	1,28,000	10,500
3.	Bihar (25)	(1) 1,25,000 (2) 1,44,000 (3) 1,44,000	13,700	5,58,700	2,05,000

1	2		3	4	5	6
4.	Chandigarh (1)	(1)	14,000	1,400	67,900	..
		(2)	17,500			
		(3)	17,500			
5.	Delhi (1)	(1)	2,45,000	20,350	11,79,500	..
		(2)	3,04,000			
		(3)	3 04,000			
6.	Gujarat (14)	(1)	5,35,000	32,650	23,47,400	1,30,000
		(2)	6 05,000			
		(3)	6,05,000			
7.	Haryana (19)	(1)	1,76,000	16,650	8,38,100	10,000
		(2)	2,16,000			
		(3)	2,16,000			
8.	Himachal Pradesh (1)	(1)	900	50	3,900	3,000
		(2)	1,000			
		(3)	1,000			
9.	Jammu & Kashmir	(1)	..	.	..	11,600
		(2)	..			
		(3)	..			
10.	Karnataka (16)	(1)	2,86,000	29,500	11,79,500	27,400
		(2)	3,04,000			
		(3)	3,04,000			
11.	Kerala & Mahe (33)	(1)	3,07,000	1,15,700	12,61,000	3,000
		(2)	3,25,000			
		(3)	3,25,000			
12.	Madhya Pradesh (21)	(1)	1,70,000	13,750	7,41,100	71,000
		(2)	1,91,000			
		(3)	1,91,000			
13.	Maharashtra					
	(i) Bombay Area (8)	(1)	11,65,000	84,450	48,18,950	12,000
		(2)	12,42,000			
		(3)	12,42,000			
	(ii) Nagpur Area (10)	(1)	70,000	3,150	3,14,300	22,000
		(2)	81,000			
		(3)	81,000			
	(iii) Poona Area (16)	(1)	2,35,000	17,100	10,20,450	33,500
		(2)	2,63,000			
		(3)	2,63,000			
14.	Orissa (15)	(1)	92,000	6,950	3,80,250	72,000
		(2)	98,000			
		(3)	98,000			
15.	Pondicherry (1)	(1)	15,000	1,300	62,100	..
		(2)	16 000			
		(3)	16,000			
16.	Punjab (26)	(1)	1,56,000	8,950	7,56,600	10,800
		(2)	1,95,000			
		(3)	1.95.000			
17.	Rajasthan (18)	(1)	1,15,000	12,200	5,50,950	10,500
		(2)	1,42,000			
		(3)	1,42,000			

1	2		3	4	5	6
18.	Tamil Nadu (42)	(1)	4,45,000	47,050	19,20,600	32,000
		(2)	4,95,000			
		(3)	4,95,000			
19.	Uttar Pradesh (45)	(1)	4,35,000	6,250	18,42,400	44,400
		(2)	4,80,000			
		(3)	4,80,000			
20.	West Bengal (7)	(1)	9,65,000	37,650	43,62,900	1,55,000
		(2)	11,76,000			
		(3)	11,76,000			
	ALL INDIA (375)	(1)	58,15,900	4,90,650	2,55,67,300	8,79,700
		(2)	65,89,500			
		(3)	65,89,500			

ANNEXURE II

Employees' State Insurance Scheme Per Capita expenditure under different heads

		Actuals 1978-79 Rs.	Revised 1979-80 Rs.	Budget 1980-81 Rs.
I.	Cash Benefits			
	Sickness Benefit (including Extended Sickness Benefit)	66.27	73.21(a)	76.10
	Temporary Disablement Benefit	11.37	11.91	12.21
	Permanent Disablement Benefit	11.24	11.70	12.00
	Dependant's Benefit	2.55	2.70	2.80
	Maternity Benefit	3.14	3.31	3.35
	Funeral Benefit	0.17	0.17	0.17
	Other Benefits	0.24	0.28	0.32
	TOTAL—Cash Benefits	94.98	103.28(a)	106.95
II.	Expenditure on Medical Care (Corporation's Share)	92.48	107.30	112.38
III.	Administration Expenses	17.51	19.37	19.96
IV.	Hospitals, Dispensaries (Repairs, Maintenance and Depreciation)	2.50	3.10	3.33
V.	Total Per capita expenditure	207.47	233.12(a)	242.62

(a) Excludes abnormal incidence on account of payment of sickness benefit during textile strike in Coimbatore area of Tamil Nadu.

Note :—The incidence in this statement has been worked out on the basis of actual number of employees exposed to risk (and no on weighted average).

ANNEXURE III

Statement showing the progress of Works under construction

Sl. No.	Name of work/Location	Amount sanctioned (Rs. in lakhs)	Target anticipated in the beginning of 1979-80	Physical Achievement likely to be reached during 1979-80	Target for 1980-81
	HOSPITALS				
1.	50 bedded ESI Hospital (Gauhati Assam)	56.05	100%	80%	100%
2.	50 bedded ESI Hospital Phulwarisharif, Patna (Bihar)	25.73	100%	100%	Completion anticipated in 1979-80
3.	50 bedded ESI Hospital Adityapur (Bihar)	49.33	100%	100%	Completion anticipated in 1979-80
	200 bedded ESI Hospital, Baroda (Gujarat)	104.76	100%	99 5%	100%
5	150 bedded ESI Hospital, Surat (Gujarat)	90.75	80%	76%	100%
6	50 bedded ESI Hospital, Kalol (Gujarat)	36.87	80%	61%	100%
7.	50 bedded ESI Hospital, Rajkot (Gujarat)	38.16	80%	55%	100%
8.	100 bedded ESI Hospital, Mysore (Karnataka)	55.00	100%	100%	Completion anticipated in 1979-80
9.	300 bedded ESI Hospital Indiranagar, Bangalore (Karnataka)	175.00	60%	20%	70%
10.	650 bedded ESI Hospital, Kandivalli, Bombay (Maharashtra)	314.25	100%	100%	Completion anticipated in 1979-80
11.	632 bedded ESI Hospital, Thana (Maharashtra)	480.00%	100%	100% (for 300 beds) 30 (for 332 beds)	.. 100%
12.	50 bedded ESI Hospital, Vellore (Tamil Nadu)	14.13	60%	100%	Completion anticipated in 1979-80
13.	100 bedded ESI Hospital, Naini (Uttar Pradesh)	111.97	100%	65%	100%
14.	100 bedded ESI Hospital, Ghaziabad (Uttar Pradesh)	114.55	100%	80%	100%
15.	100 bedded ESI Hospital, Agra (Uttar Pradesh)	117.93	100%	80%	100%
16.	100 bedded ESI Hospital, Lucknow (Uttar Pradesh)	104.00	100%	80%	100%
17.	150 bedded ESI Hospital, Asansol (West Bengal)	67.58	100%	100%	Completion anticpated in 1979-80
18.	250 bedded ESI Hospital, Bandel (West Bengal)	179.55	100%	70%	100%

Monetary Target

Sl. No.	Expenditure upto 1978-79	Original monetary target for 1979-80	Revised monetary target for 1979-80	Monetary target for 1980-81	Date of Commencement of work	Expected year of completion
			(Rupees in Lakhs)			
1.	30.00	21.05	20.00	6.00	August, 77	1980-81
2.	10.00	8.16	16.00	Nil	2-10-77	1979-80
3.	30.70	27.81	18.63	Nil	1-10-78	1979-80
4.	82.82	23.00	21.94	Nil	20-12-76	1979-80 & 1980-81
5.	47.85	40.00	23.00	19.90	25-8-77	1980-81
6.	13.00	26.87	16.87	7.00	15-3-78	1980-81
7.	19.00	20.16	12.50	6.66	11-3-78	1980-81
8.	40.00	10.00	15.00	Nil	16-8-76	1979-80
9.	60.00	60.00	20.00	75.00	1-5-78	1981-82
10.	265.00	24.25	49.00	Nil	15-1-75	1979-80
11.	175.00	100.00	110.00	195.00	7-1-77	1980-81
12.	10.00	4.13	4.00	Nil	28-9-77	1979-80
13.	64.70	32.15	17.00	30.27	5-11-76	1980-81
14.	51.10	68.44	45.00	18.45	Jan., 78	1980-81
15.	50.00	46.35	45.00	22.93	Sept., 76	1980-81
16.	35.60	49.00	50.00	18.40	28-1-78	1980-81
17.	60.84	4.00	6.74	Nil	Nov., 75	1979-80
18.	105.00	69.55	30.00	44.55	Aug., 76	1980-81

Sl. No.	Name of work/Location	Amount sanctioned (Rs. in lakhs)	Target anticipated in the beginning of 1979-80	Physical Achievement likely to be reached during 1979-80	Target for 1980-81
ANNEXES					
1.	20 bedded ESI Annexe, Tinsukia (Assam) . . .	22.85	100%	100%	Completion anticipated in 1979-80
2.	20 bedded ESI Annexe, Gulberga (Karnataka) . .	2.48	100%	100%	Completion anticipated in 1979-80
3.	32 bedded Annexe, Robert Sonepat KGF (Karnataka) .	2.66	100%	100%	Completion anticipated in 1979-80

Monetary Target

Sl. No.	Expenditure upto 1978-79	Original monetary target for 1979-80	Revised monetary target for 1979-80	Monetary target for 1980-81	Date of commencement of work	Expected year of completion
			(Rupees in Lakhs)			
1.	18.00	4.85	4.85	Nil	25-8-77	1979-80
2.	2.48	Nil	Nil	Nil	15-5-75	1979-80
3.	2.00	0.66	0.66	Nil	March, 76	1979-80

Sl. No.	Name of work/Location	Amount sanctioned (Rs. in lakhs)	Target anticipated in the beginning of 1979-80	Physical Achievement likely to be reached during 1979-80	Target for 1980-81
1		2	3	4	5
DISPENSARIES					
1.	5 Dr. Dispensary Mallepally, Hyderabad (Andhra Pradesh)	11.54	100%	55%	100%
2.	3 Dr. ESI Dispensary, Vizianagaram (Andhra Pradesh)	9.25	100%	100%	Completion anticipated in 1979-80
3.	2 Dr. ESI Dispensary, Pedakakani (Andhra Pradesh) .	4.29	100%	60%	100%
4.	4 Dr. ESI Dispensary (alongwith Tinsukia Annexe) (Assam)	.	100%	100%	Completion anticipated in 1979-80
5.	2 Dr. ESI Dispensary, Monghyr (Bihar) . .	5.30	100%	100%	..
6.	6 Dr. ESI Dispensary, Katihar (Bihar) . .	4.96	100%	100%	Anticipated to be completed in 1979-80
7.	5 Dr. ESI Dispensary, Laldarwaja Surat (Gujarat) .	14.16	100%	65%	100%

Monetary Target

Sl. No.	Expenditure upto 1978-79	Original monetary target for 1979-80	Revised monetary target for 1979-80	Monetary target for 1980-81	Date of commencement of work	Expected year of completion
			(Rupees in Lakhs)			
1.	3.00	4.54	3.00	5.50	Not available	1980-81
2.	3.00	3.05	6.25	.	18-1-78	1979-80
3.	1.00	2.29	2.00	1.29	Not available	1980-81
4.	.. .	..	..	.	25-8-77	1979-80
5.	2.87	3.42	2.43	..	Jan., 70	1979-80
	(The constructions is held up as the Contractor has gone to Court against the construction agency)					
6.	3.00	..	1.96	.	Not available	1979-80
7.	6.22	..	3.00	4.94	25-10-74	1980-81

1	2	3	4	5	6
8.	2 Dr. ESI Dispensary, Plot 12 & 13 Sector 27-B, Faridabad (Haryana)	14.84	100%	65%	100%
9.	5 Dr. ESI Dispensary, Chalapuram (Kerala)	4.86	100%	45%	100%
10.	5 Dr. ESI Dispensary, Alagappanagar (Kerala)	8.55	100%	50%	100%
11.	3 Dr. ESI Dispensary, Hirakud (Orissa)	14.96	100%	100%	Anticipated to be completed in 1979-80
12.	2 Dr. ESI Dispensary, Rourkela (Orissa)	10.83	100%	100%	Anticipated to be completed in 1979-80
13.	2 Dr. ESI Dispensary, Rajpura (Punjab)	6.71	100%	60%	100%
14.	3 Dr. ESI Dispensary, Kharar (Punjab)	5.63	100%	60%	100%
15.	5 Dr. ESI Dispensary, Kota (Rajasthan)	9.41	100%	100%	Anticipated to be completed in 1979-80
16.	5 Dr. ESI Dispensary, Tambaram (Tamil Nadu)	10.05	100%	100%	Anticipated to be completed in 1979-80
17.	5 Dr. ESI Dispensary, Kumbakonam (Tamil Nadu)	17.47	35%	50%	100%
18.	C.M.S. & R.A.M.O's Office, Madurai (Tamil Nadu)	7.56	100%	80%	100%
19.	5 Dr. ESI Dispensary, Juhi, Kanpur (Uttar Pradesh)	7.61	100%	60%	100%
20.	ESI Dispensary, Chakai (Kerala)	4.38	50%	50%	100%
21.	ESI Dispensary, Perambavoor (Kerala)	3.45	60%	60%	100%
22.	2 ESI Dispensaries, Cottonpet (Karnataka)	9.50	60%	60%	100%
23.	ESI Dispensary, Indiranagar II Stage (Karnataka)	9.27	50%	50%	100%
24.	ESI Dispensary, Jayanagar IV Block (Karnataka)	6.25	70%	70%	100%
25.	ESI Dispensary, Viveknagar (Karnataka)	9.27	50%	50%	100%
26.	ESI Dispensary, Jayaranjan Colony (Karnataka)	9.27	50%	50%	100%
27.	ESI Dispensary, Mysore Road (Karnataka)	9.42	50%	50%	100%
28.	ESI Dispensary, Williams Town (Karnataka)	9.40	75%	75%	100%
29.	ESI Dispensary, Audugodi (Karnataka)	9.35	55%	55%	100%
30.	ESI Dispensary, Srirampuram (Karnataka)	9.50	55%	55%	100%
31.	ESI Dispensary, Yashwanthapuram (Karnataka)	10.40	95%	95%	100%
32.	2 ESI Dispensaries, Anjaneya Swami Temple (Karnataka)	9.65	60%	60%	100%
33.	ESI Dispensary, IX Block Jayanagar (Karnataka)	9.35	60%	60%	100%

	7	8	9	10	11	12
	(Rupees in lakhs)					
8.	4.73	8.11	6.00	4.11	Not available	1980-81
9.	1.03	1.75	1.08	2.75	Not available	1980-81
10.	2.00	4.55	2.00	4.55	Not available	1980-81
11.	12.00	..	2.96	Nil	15-3-75	1979-80
12.	9.60	4.26	1.23	Nil	21-1-77	1979-80
13.	2.00	2.71	2.00	2.71	Not available	1980-81
14.	2.00	..	1.00	2.63	Not available	1980-81
15.	8.00	2.41	1.41	..	10-3-78	1979-80
16.	4.00	3.05	6.05	..	14-4-76	1979-80
17.	5.40	..	3.00	9.07	Not available	1980-81
18.	2.00	3.56	4.00	1.56	Not available	1980-81
19.	3.02	3.01	2.00	2.59	Not available	1980-81
20.	1.80	..	1.00	1.58	Not available	1980-81
21.	1.18	..	1.00	1.27	28-9-77	1980-81
22.	3.00	..	3.00	3.50	Not available	1980-81
23.	3.00	..	2.00	4.27	Not available	1980-81
24.	3.00	..	2.00	1.25	Not available	1980-81
25.	3.00	..	2.00	4.27	1-6-79	1980-81
26.	3.00	..	2.00	4.27	Not available	1980-81
27.	3.00	..	2.00	4.42	1-8-79	1980-81
28.	3.00	..	4.00	2.40	1-5-79	1980-81
29.	3.00	..	2.00	4.35	19-5-79	1980-81
30.	3.00	..	2.00	4.50	Not available	1980-81
31.	3.00	..	7.00	0.40	Not available	1980-81
32.	3.00	..	3.00	3.65	1-5-79	1980-81
33.	3.00	..	3.00	3.35	18-5-79	1980-81

1	2	3	4	5	6
34.	2 ESI Dispensaries, Hains Road (Karnataka) .	9.39	50%	50%	100%
35.	ESI Dispensary, Franzer Town (Karnataka) .	9.95	50%	50%	100%
36.	ESI Dispensary, N.H. 5 (Faridabad) .	12.90	80%	80%	100%
37.	ESI Dispensary, Ambabari Jaipur (Rajasthan) .	7.28	55%	55%	100%
38.	ESI Dispensary, Satpur Nasik (Maharashtra) .	5.09	60%	60%	100%
	Miscellaneous/New works				
	TOTAL—HOSPITAL/DISPENSARY BUILDINGS				

	7	8	9	10	11	12
34.	3.00	..	2.00	4.39	Not available	1980-81
35.	3.00	.	2.00	4.95	4-6-79	1980-81
36.	4.45	..	6.00	2.45	12-7-79	1980-81
37.	..	..	4 00	3 28	Not available	1980 81
38.	..	..	3.00	2.09	Not avaialable	1980-81
			34.44	2,53.50		
	Total :		6,65.00	8,00.00		

Sl. No.	Name of work/Location	Amount sanctioned (Rs. in lakhs)	Target anticipated in the beginning of 1979-80	Physical achievement likely to be reached during 1979-80	Target for 1980-81
1	2	3	4	5	6
	OFFICE BUILDINGS AND STAFF QUARTERS :				
1.	Regional Office-cum-Local Office and staff quarters Gauhati (Assam)	20.04	100%	100%	Anticipated to be completed in in 1979-80
2.	Regional Office, Bhubaneshwar (Orissa) .	17.96	30%	30%	100%
3.	Staff quarters for Local Office, Nagda (Madhya Pradesh).	1.84	100%	100%	Anticipated to be completed in 1979-80
4.	Staff quarters Nehru Nagar for Regional Office, Indore (Madhya Pradesh)	26.70	50%	40%	100%
5.	Staff quarters for Local Office, Ratlam (Madhya Pradesh)	1.84	60%	60%	100%
6.	Local Office Desai Nagar, Ujjain (Madhya Pradesh)	1.27	60%	60%	100%
7.	Local Office, Burhanpur (Madhya Pradesh)	2.74	65%	65%	100%
8.	Local Office, Satna (Madhya Pradesh)	2.66	70%	70%	100%
9.	Local Office, Budhwaria Ujjain (Madhya Pradesh)	1.27	80%	80%	100%
10.	Regional Office, Patna (Bihar)	26.60	75%	75%	100%
11.	Regional Office Binney Field, Bangalore (Karnataka)	50.80	50%	50%	100%

MONETARY TARGET

Sl. No..	Expenditure upto 1978-79	Original monetary target for 1979-80	Revised monetary target for 1979-80	Monetary target for 1980-81	Date of commencement of work	Expected year of completion
	7	8	9	10	11	12
			(Rupees in lakhs)			
1.	17.33	..	2.71	.	22-7-75	1979-80
2.	4.00	7.96	2.00	11.96	Not available	1980-81
3.	1.00	..	0.84	..	Not available	1979-80
4.	Nil	10.00	12.00	14.70	Not avaialble	1980-81
5.	Nil	0.84	1.00	0.84	Not available	1980-81
6.	0.40	0.87	0.40	0.47	Not available	1980-81
7.	1.00	1.74	1.00	0.74	Not available	1980-81
8.	1.00	1.00	1.00	0.66	Not available	1980-81
9.	0.50	1.27	0.50	0.27	Not available	1980-81
10.	8.00	10.60	10.00	8.60	22-4-78	1980-81
11.	20.00	30.80	5.00	25.80	15-11-78	1980-81

1	2	3	4	5	6
12.	Additional Staff quarters, Chandigarh	6.84	80%	80%	100%
13.	Local Office, Kabari Market, Kanpur (Uttar Pradesh)	1.89	100%	100%	Anticipated to be completed in 1979-80
14.	Staff quarters Salt Lake, Calcutta (West Bengal)	30.69	55%	55%	100%
15.	Regional Office, Madras (Tamil Nadu)	64.21	65%	65%	100%
16.	Staff quarters for Local Office at Pani Gate, Baroda (Gujarat)	3.91	100%	100%	Anticipated to be completed 1979-80
17.	Local Office, Gundy, Madras (Tamil Nadu)	1.96	100%	100%	Anticipated to be completed in 1979-80
18.	Local Office, Brajrajnagar (Orissa)	1.16	100%	100%	Anticipated to be completed in 1979-80
19.	Regional Office Annexe, Hyderabad (Andhra Pradesh)	3.37	100%	100%	Anticipated to be completed in 1979-80
20.	Additional Staff quarters, Andheri (Maharashtra)	20.58	50%	50%	100%
21.	Local Office, Peramboor (Tamil Nadu)	2.21	100%	100%	Anticipated to be completed in 1979-80
22.	Mini Local Office & Staff quarters, Hirakud (Orissa)	3.09	100%	100%	Anticipated to be completed in 1979-80
	Miscellaneous/New Works				
	Total : Office Buildings				

	7	8	9	10	11	12
12.	2.67	3.18	3.00	1.17	Not available	1980-81
13.	1.00	..	0.89	..	Not available	1979-80
14.	15.66	10.02	5.00	10.03	4-4-77	1980-81
15.	25.84	15.00	10.00	25.37	Not available	1980-81
16.	2.00	0.91	1.91	..	Not available	1979-80
17.	1.00	0.96	0.96	..	Not available	1979-80
18.	..	..	1.16	..	Not available	1979-80
19.	..	..	3.37	..	Not available	1979-80
20.	..	..	10.00	10.58	Not available	1980-81
21.	1.60	..	0.61	..	Not available	1979-80
22.	..	..	3.09	..	Not available	1979-80
			8.56	13.81		
	Total :		85.00	1,25.00		

ANNEXURE IV

Statement showing new projects for which provision for purchase of land or construction has been made in the budget Estimates—1980-81.

Sl. No.	Name of the project	Present position
1	2	3
1.	50 bed ESI Hospital, Rajamundry (Andhra Pradesh)	Estimates sanctioned.
2.	50 bed ESI Hospital, Ranchi (Bihar)	Land already selected and approved.
3.	100 bed ESI Hospital, Jhilmil, Shahdara (Delhi)	Land purchased. Boundary wall constructed. Plans are under preparation.
4.	50 bed ESI Hospital, Bhavnagar (Gujarat)	Land purchased.
5.	100 bed ESI Hospital, Ballabgarh (Haryana)	Land approved.
6.	50 bed ESI Hospital, Palghat (Kerala)	Land alreay available.
7.	100 bed ESI Hospital, Feroke (Kerala)	Land purchased and available.
8.	100 bed ESI Hospital, Aurangabad (Maharashtra)	Land already purchased.
9.	96 bed ESI Hospital, Sholapur (Maharashtra)	Estimates sanctioned.
10.	100 bed ESI Hospital, Nasik (Maharashtra)	Land already purchased.
11.	100 bed ESI Hospital, Bibewadi, Poona (Maharashtra)	Land already purchased.
12.	100 bed ESI Hospital, Chinchwad, Poona (Maharashtra)	Land already purchased.
13.	100 bed ESI Hospital, Kota (Rjasthan)	Estimates sanctioned.
14.	50 bed ESI Hospital, Phagwara (Punjab)	Agreed in principle. Land is to be selected.
15.	50 bed ESI Hospital, Mandi Gobindgarh (Punjab)	Land seen and approved.
16.	50 bed ESI Hospital, Salem (Tamilnadu)	Land is to be purchased.
17.	50 ESI Hospital, Saharanpur (Uttar Pradesh)	Estimated sanctioned.

1	2	3
18.	50 bed ESI Hospital, Varanasi (Uttar Pradesh)	Estimates sanctioned.
19.	50 bed ESI Hospital, Mirzapur (Uttar Pradesh)	Land approved and purchased.
20.	110 bed ESI Hospital, Graden Reach (West Bengal)	Agreed in principal, land is yet to be selected.
21.	250 bed ESI Hospital, Thakurpurkur (West Benga))	Land purchased.
22.	100 bed ESI Hospital, Shyam Nager (West Bengal)	Land already purchased.
23.	50 bed ESI Hospital, Davangere (Karnataka)	Land seen and approved.

Total Budget Estimates for 1980-81——Rs. 200.11 lakhs.

ANNEXE :

1.	20 bed ESI Annexe, Koilver (Bihar)	Estimates sanctioned.

Total Budget Estimates for 1980-81 — Rs. 1.91 lakhs

DISPENSARIES :

1.	ESI Dispensary, Muktapur (Bihar)	Land already purchased.
2.	ESI Dispensary, Mangolpuri (Delhi)	Land already purchased.
3.	ESI Dispensary, Gurgaon (Haryana)	Land already purchased.
4.	ESI Dispensary, Pinjore (Haryna)	Land already purchased.
5.	ESI Dispensary, Bagad Ganj, Nagpur (Maharashtra)	Land already purchased.
6.	ESI Dispensary, Jharsuguda, (Orissa)	Land already purchased.
7.	ESI Dispensary, Mudliarpet (Pondicherry)	Land already purchased.
8.	ESI Dispensary, Sector-16, Faridabad (Haryana)	Land already purchased.
9.	ESI Dispensary, Mavoor (Kerala)	Land already purchased.
10.	3 Dr. ESI Dispensary, Khanna (Punjab)	Estimates sanctioned.
11.	ESI Dispensary, Bharatpur (Rajasthan)	Land already purchased.
12.	ESI Dispensary, Ajmer (Rajasthan)	Land already purchased.
13.	ESI Dispensary, Virudhunagar (Tamil Nadu)	Land seen and approved.
14.	ESI Dispensary, Thudiallur (Tamil Nadu)	Estimates sanctioned.
15.	ESI Dispensary, Kattoor (Tamil Nadu)	Land already purchased.
16.	ESI Dispensary, Aishbagh, Lucknow (Uttar Pradesh)	Land already purchased.
17.	ESI Dispensary, Mandi Gobind Garh (Punjab)	Land already purchased.
18.	ESI Dispensary, Aligarh (Uttar Pradesh)	Land already purchased.
19.	ESI Dispensary, Bareilly (Uttar Pradesh)	Agreed in principle.

Total Budget Estimates for 1980-81—Rs. 51.48 lakhs

OFFICE BUILDING AND STAFF QUARTERS

1.	Staff quarter, [Bhubaneshwar (Orissa)	Land purchased
2.	Local Office, Jaykaypur (Orissa)	Land available.
3.	Local Office, Nasik, (Maharashtra)	Estimates sanctioned.
4.	Local Office, Feroke (Kerala)	Estimates sanctioned.
5.	Regional Office, Annexe, Jaipur (Rajasthan)	Estimates sanctioned.
6.	Local Office, Kota (Rajasthan)	Estimates sanctioned.
7.	Local Office, Devangere (Karnataka)	Estimates sanctioned.
8.	Local Office, Chelapuram (Kerala)	Estimates sanctioned.
9.	Local Office, Juhi, Kanupur (Uttar Pradesh)	Land is available.

Total Budget Estimates for 1980-81 — Rs. 13.81 lakhs.

ANNEXURE V

Statement showing Construction Projects for which the provision made in the Budget Estimates 1979-80 remained unutilised.

Sl. No.	Name of Project
	ESI Hospitals/Annexes/Dispensaries
1.	ESI Hospital, Rajahmundry (Andhra Pradesh)
2.	ESI Hospital, Biharsharif (Bihar)
3.	ESI Dispensary, Muktapur (Bihar)
4.	ESI Hospital, Jhilmil (Delhi)
5.	ESI Dispensary, Mangolpri (Delhi)
6.	ESI Hospital, Kalol (Gujarat)
7.	ESI Dispensary, Pinjore (Haryana)
8.	ESI Hospital, Palghat (Kerala)
9.	ESI Hospital, Feroke (Kerala)
10.	ESI Hospital, Thottada (Kerala)
11.	ESI Dispensary, Chelapuram (Kerala)
12.	ESI Hospital, Aurangabad (Maharashtra)
13.	ESI Hospital, Nasik (Maharashtra)
14.	ESI Hospital, Bibewadi, Pune (Maharashtra)
15.	ESI Dispensary, Jharsuguda (Orissa)
16.	ESI Dispensary, Mudliarpet (Pondicherry)
17.	ESI Hospital, Kota (Rajasthan)
18.	ESI Dispensary, Bharatpur (Rajasthan)
19.	ESI Dispensary, Ajmer (Rajasthan)
20.	ESI Hospital, Salem (Tamilnadu)
21.	ESI Dispensary, Virdhunagar (Tamil nadu)
22.	ESI Hospital, Varanasi (Uttar Pradesh)
23.	ESI Dispensary, Aishbagh, Lucknow (Uttar Pradesh)
24.	ESI Hospital, Thakurpurkur (West Bengal)
25.	ESI Hospital, Garden Reach (West Bengal)
26.	ESI Hospital, Shyamnagar (West Bengal)

OFFICE BUILDING & STAFF QUARTERS

1. Regional Office, Bhubneshwar (Orissa)
2. Local Office, Jaykaypur (Orissa)
3. Local Office, Davengere, (Karnataka)
4. Local Office, Feroke (Kerala)

ANNEXURE VI

Statement showing the Employees State Insurance Corporation's share of expenditure on medical care from 1970-71 onwards.

Year	Total Expenditure Corporation's share (Rupees in lakhs)	Expenditure per annum per employee
1	2	3
		Rs.
1970-71	14,48.71	39
1971-72	17,03.17	44
1972-73	20,18.13	50
1973-74	24,70.36	58
1974-75	26,49.93	61
1975-76	32,75.12	70
1976-77	36,42.36	68
1977-78	47,10.73	85
1978-79	52,87.31	92
1979-80 (Estimated)	63,55.67	107
1980-81 (Estimated)	68,72.45	112

[No. G-20017/1/80-HI]

HANS RAJ CHHABRA, Dy.Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1982